

PUBLISHED BY AUTHORITY

₹• 20] No. 20] नई विस्ली, शनिवार, मई 17, 1986 (वैशाख 27, 1908) NEW DELHI, SATURDAY, MAY 17, 1986 (VAISAKHA 27, 1908)

इस भाग में भिन्न कृष्ठ संस्था वी जाती है जितसे कि वह अलय संस्थान के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part is order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—**सण्य 1** PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरका्र के संलग्न और अधींन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा प्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 मार्च 1986

सं० ए०-38013/5/85-प्रशा०-3-कार्मिक ग्रीर प्रशा-सिनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवस्बर, 1973 की णतौ के अनुसार मंघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के स्थायी सहायक तथा तदर्थ स्थानापन्न अनुभाग श्रिधकारी श्री एस० एल० कुमार को राष्ट्रपति द्वारा 28 फरवरी, 1986 के अपराह्म से निवर्तन ग्रायुहोने पर सरहारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की सहर्ष अनु-मति प्रदान की जाती है।

सं० ए०-38013/6/85-प्रणा०-3--ार्मिक और प्रणा-सिनक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की मतौं के अनुसार संघ लोक सेवा ायोग में छे० स० मे० मंबर्ग के अस्थायी सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग श्रिधकारी श्री तारा सिंह को राष्ट्रपति द्वारा 28 फरवरी, 1986 के श्रपराह्म से निवर्तन श्रायु होने पर सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की सहर्ष श्रनुमित प्रदान की जाती है।

दिनांक 10 मार्च 1986

सं० 32014/1/86-प्रणा०-3--राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के के० स० से० संवर्ग के नियमित सहायक, श्री बसंत सिंह (ग्र० जा०) को श्रनुभाग श्रधिवारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर दिनां र 10-3-86 से 29-4-86 या श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप में वार्य करने के लिए नियुक्त विया जाता है।

दिनांदः 1 अप्रैल 1986

सं० ए० 38013/7/85-प्रशा०-III--कार्मिक तथा प्रशा-सिनिक मुधार विभाग के बाठ ज्ञाठ सं० 33/12/73-स्थाठ (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की णतौं के अनुसार संघ लोक सेव आयोग के पार्यालय में केठ सठ सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक तथा नियमित आधार पर स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री बीठ सीठ गुप्ना को राष्ट्रपित द्वारा 31 मार्च, 1986 अपराह्म से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से विवृह होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

सं० ए०-38013/8/85-प्रशा-111--द: मियः तथा प्रशा सिनियः सुधार विभाग के ६०० $\pi:$ ० रं० 23/12/72-रथा०

(18423)

(क) विनां 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० से० संवर्ग के स्थायी सहायक और नियमित आधार पर स्थानापन्न डेस्क अधिवारी श्री जय नारायण को राष्ट्रपति द्वारा 31 मार्च, 1986 के अपराक्ष से निवर्तन कार्युं होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रवान की जाती है।

दिनांक 9 मप्रैल 1986

सं० ए० 32014/1/85-प्रणा०-III---राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के के० स० से० संवर्ग के नियमित सहायक श्री फिलीप जान को 6-4-86 से 30-4-86 स्वः श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, श्रनुभाग श्रधिकारी के पद पर सवर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त विया जाता है।

एम० पी० जैन श्रवर सचिव (का० प्रणा०) संघ लोक सेवा ग्रायोग

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशासन सुधार, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय दार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग,

केन्द्रीय अन्खेषण स्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 24 ग्रप्रैल 1986

सं०-3/20/86-प्रणा०-5--श्री रामसरण सेठी, श्रपराध सहायक, के० घ० ब्यूरों को दिनांक 8 श्रप्रैल, 1986 पूर्वीह्न से घगले श्रादेश होने तक, श्री उमा कान्स, कार्यालय श्रधीक्षक, समन्वय प्रभाग के छुट्टी जाने पर, छुट्टी रिक्ति में पूर्णतः तदर्य ग्राधार पर स्थानापन्न कार्यालय श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

धर्मपाल भल्ला प्रशासन ग्रिधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय: निवेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 24 ग्रप्रैल 1986

संव प्रणाव 1/वाव आव संव 19—इस नार्यालय के आदेश संख्या प्रणाव 1/वाव आव संव 3 दिनांग 1 अप्रेल 1986 में दी गई गतौं पर इस कार्यालय के श्री सुखदेव सिंह नेनी सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी को केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली में दिनांग 3 दिसज्बर 1984 पूर्वाल से स्थाई व्य में समाविष्ट कर लिया गया है।

> मोहन खुराना उप-निदेशक, ले० प० प्र०

महालेखाकार लेखापरीक्षा 1 का कार्यालय, आंध्र प्रदेश हैंदराबाद-500 463, दिनांक 23 प्रप्रैल 1986

सं० प्रणा० 1/8-132/86-87/164—महालेखाकार (लेखा परीक्षा-1) श्रां० प्र० हैंदराबाद ने सहर्प नीचे लिखे सहायकः लेखाररीक्षा ग्रधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा ग्रधिकारियों के स्थानापन्न लेखापरीक्षा ग्रधिकारियों के रूप में 840-40-1000-द० ग्र०-40-1200 र० वेसनमान में उनके वार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी ग्रगले श्रादेशों तक पदोन्नति दी जाती है। पदोन्नति के लिए दिए गए श्रादेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, ग्रीर ग्रान्ध्र प्रदेश उन्च न्यायालय/उष्काम न्यायालय में लंबित रिट याचिवाशों के परिणामों के ग्रधीन माने जाएंगे।

उन्हें चाहिए कि वे घपना विकल्प भारत सरकार कार्व ज्ञारु संरुफ/7/1/80—स्थापना पीरुटीरु 1 दिनांक 26-9-81 की गर्तों के श्रनुसार पदोश्नित की तारीख से एक महीने के ग्रंदर दें।

नाम	पद ग्रहण की तारीख
1. श्री एम० बी० चल्लप्पा	9-4-86 (पूर्वाह्न)
श्री एल० कृष्णन	11-4-86 (घपराह्न)
	न० रामस्वामी
	वरिष्ठ उप महालेखाकार
	(प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) पश्चिम बंगाल कलकत्ता-700001, दिनांवः 29 जनवरी 1986

सं० प्रशासन—I/प्रमोशन/ए० ए० ग्रो०-93/178—महा-लेखाकार (लेखापरीक्षा)—I, पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित ग्रनुभाग ग्रिधकारियों (लेखा परीक्षा) को 29 जनवरी, 1986 के पूर्वाह्म से लेकर अगला आदेश मिल्मे तक महालेखानार (लेखा परीक्षा)—I ग्रीर महालेखानार (लेखा परीक्षा)-II, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता के कार्यालयों में ग्रस्थाई तथा स्थानापन्न रूप से सहायक लेखापरीक्षा ग्रिधकारी नियुक्त किया है।

हमोक नाम

- 1. श्री घरण मुमार बनर्जी
- 2. श्री प्रनब कुमार विश्वास

ये पदोन्नतियां माननीय उच्च न्यायालय कलकत्ता में लम्बित रिट याचिका के ग्रंतिम निर्णय होने के ग्रंधीन हैं।

नए पदोन्नत सहायक लेखापरीक्षा ध्रिधकारियों को भारत सरकार, जिल्ह मंद्रालय के ज्ञापन दिनांक 26-9-81 के अनुष्ठेद 2(ख) के अनुसार एक माह के भीतर अपना वेसन या तो मूल नियम 22(क)(1) के अन्तर्गत पदोन्नति के तारीख के दिन से और फिर उसके बाद मूल नियम 22ग के अन्तर्गत नीचे के पद में आगामी वेतन वृद्धि की तारीख से अथवा मूल नियम 22ग के अन्तर्गत सीधे पदोन्नति की तारीख के दिन से निर्धारण करने के लिए विवल्प देना होगा।

हे० श्रीनियास मूर्ति वरिष्ठ महालेखाकार (प्रशासन) कलकत्ता-70000, दिनांक 4 फरवरी 1986

सं० प्रणासन-I/प्रमोशन/ए० ए० ओ०-93/1881-1884-महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-I, पश्चिम बंगाल ने निम्मलिखित अनुभाग अधिकारियों (लेखा परीक्षा) को 4 फरवरी, 1986 के पूर्वाह्म से लेकर अगला आदेश मिलने तक महा-लेखाकार (लेखा परीक्षा)-I और महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-II, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता के कार्यालयों में अस्थाई तथा स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (ग्रुप-ख राजपत्तित रु० 650-30-710-35-880-ई०-बी०-40-1040/- के वेतनमान में) नियुक्त किया है।

क्रमोक नाम

- 1. श्री रमेन्द्रनाथ हल्दार
- 2. श्री पूर्णानन्द भट्टाचार्या
- 3. श्री ग्रमिय कुमार दत्त-I

ये पोन्नितियां माननीय उच्च न्यायालय कलकत्ता में लम्बित रिट याचिका के अंतिम निर्णय होने के स्रघीन हैं।

नए पदीक्षत सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारि को भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के ज्ञापन दिनांक 26-9-81 के अनु-चछेद 2(ख) के अनुसार एक माह के भीतर अपना वेतन या तो मूल नियम 22(क)(1) के अन्तर्गत पदीक्षति के तारीख के दिन से और फिर उनके बाद मूल नियम 22ग के अन्तर्गत नीचे के पद में आगामी वेतन वृद्धि की तारीख से अथवा मूल नियम 22ग के अन्तर्गत सीधे पदोक्षति तारीख के दिन से निर्धारण करने के लिए विकल्प देना होगा।

दिनांक 18 ग्रप्रैल 1986

सं प्रशासन-I/प्रमोशन-93/जी औ०/1937--महा-लेखाकार (लेखा परीक्षा)-I पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारियों को 7 फरवरी 1986 के पूर्वाह्म से लेकर प्रगला प्रादेश मिलने तक महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-I और महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-II पश्चिम बंगाल कलकत्ता के कार्यालयों में प्रस्थाई तथा स्थानापन्न रूप से लेखा परीक्षा प्रधिकारी नियुक्त किया है।

क्रमांक नाम

- 1. श्री कानुलाल घटक
- 2. श्री प्रमरेन्द्र नाथ चौधुरी

ये पदोन्नतियां माननीय उच्च न्यायालय कलकत्ता में लम्बित रिट याचिका के अन्तिम निर्णाय होने के श्रधीन हैं। नए पदोन्नत लेखा परीक्षा श्रीधकारियों को भारत सरकार वित्त मंत्रालय के ज्ञापन दिनांक 26-9-81 के श्रनुच्छेद 2(ख) के श्रनुसार एक माह के भीतर श्रपना वेतन या तो मूल नियम 22(क) (1) के श्रन्तर्गत पदोन्नति के तारीख के दिन से और फिर उसके बाद मूल नियम 22ग के श्रन्तर्गत नीचे के पद में श्रागामी वेतन वृद्धि की तारीख से श्रयंबा मूल नियम 22ग के श्रन्तर्गत सीधे पदोन्नति के तारीख के दिन से निर्धारण करने के लिए विकल्प देना होगा।

सं० प्रशासन-I/प्रमोणन-93/ए० ए० ओं०/192--महा-लेखाकार (लेखा परीक्षा)-1 पश्चिम बंगाल ने निम्निलिखित अनुभाग प्रधिकारियों (लेखा परीक्षा) को 12 फरवरी 1986 के पूर्वाह्न से लेकर प्रगला प्रादेश मिलने तक महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-I पश्चिम बंगाल कलकत्ता के कार्यालयों में प्रस्थाई तथा स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी (ग्रुप ख-राजपन्नित र० 650-30-710-35-880-ई० बी०-40-1040 के वेतनमान में) नियुक्त किया है।

कमांक नाम

- 1. श्री विश्वविनोद गोस्वामी
- 2. श्री मिहिर कान्त नइया
- 3. श्री मंजु गोपाल चक्रवर्ती

ये पदोन्नतियां माननीय उच्च न्यायाक्षय कलकत्ता में लिम्बत रिट याचिका के अंतिम निर्णय होने के श्रधीन हैं।

नए पदोश्वत सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को भारत सरकार वित्त मंत्रालय के ज्ञापन दिनांक 26-9-81 के अनुच्छेद 2(ख) के अनुसार एक माह के भीतर अपना वेतन या तो मूल नियम 22(क)(1) के अन्तर्गत पदोश्वति के तारीख के दिन से और फिर उसके बाद मूल नियम 22ग के अन्तर्गत नीचे के पद में आगामी वेतन वृद्धि की तारीख से अथवा मूल नियम 22ग के अन्तर्गत सीधे पदोश्वति तारीख के दिन से निर्धारण करने के लिए विकरूप देना होगा।

स० कु० मिश्र वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन) पश्चिम बंगाल

निवेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय का कार्यालय कलकत्ता-700001, दिनांक 25 स्प्रपेल 1986

सं० प्रमा०-I/राज०/148-49--निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय कलकत्ता ने निम्नलिखित स्थानापन अनुभाग अधि-कारियों को २० 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-1040 के वेतनमान पर लेखा परीक्षा अधिकारी (ग्रुप-ख) के पद पर उनके नामों के साथ दिए गए तारीख से अगले आदेश

,	जारी किए	जाने तक	निवेशक	लेखा परीक्षा	केन्द्रीय	कलकत्ता
	के कार्यालय	में नियुक्त	किए हैं।			

ऋम	नाम			कार्यभार ग्रहण
सं०				करने की तारीख
	सर्व श्री			
1.	परेश च न्द्र बसाक		•	23-12-1985 (पूर्वाह्न से)
2.	श्रीकान्स कुमार दो			(प्रवास स) 19-12-1985 (प्रवास से)
3.	पशुपति विश्वास		•	(पूर्वाह्म से)
4.	कार्तिक चन्द्र रूइदास		•	19-12-1985 (पूर्वाह्म से)
5.	मनोज कुमार बन्दोपाध्याय	•	-	19-12-1985 (पूर्वाह्न से)
6.	दिलीप कुमार बनर्जी	•	•	19-12-1985 (पूर्वाह्म से)
7.	प्रमिताभ भटर्जी		•	19-12-1985 (पूर्वाह्म से)
8.	म्मित राय-I	•	•	19-12-1985 (पूर्वाह्म सं)

सुनीत उप नि० ले० परीक्षा (प्रशा०) केन्द्रीय, कलकत्ता

वाणिज्य मंद्रालय

मुख्य नियंत्रक, म्रायात-निर्यात का कार्यालय
नहीं विरुली-110011 दिनांक मप्रेल 1986
ग्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1614/86-प्रशासन (राज०)/2418--राष्ट्रपति वाणिज्य मंद्रालय के श्री के० शंकरनारायणन भारतीय प्रशा-सिनक सेवा (म॰ प्र० 70) निवेशक को 11 फरवरी 1986 के पूर्वाह्म से श्रागे श्रादेश होने तक मुख्य नियंत्रक श्रायात एवं निर्यात के कार्यालय नहीं दिल्ली में विशेष कार्य श्रधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

> राजीव लोचन मिश्र मुख्य नियंक्षक, श्रायात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रप्रैल 1986

सं० 6/974/72-प्रशासन (राज०)/2520--संयुक्त मुख्य नियंत्रक मायात-निर्यात के कार्यालय मद्रास में श्री एस० वीरराजू सहायक मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात क्षेत्रा निवृत्ति की आयु होने पर 31 मार्च 1986 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> शंकर चन्द उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

वस्त्र मंत्रालय

वस्त्र ग्रायुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 17 श्रप्रैल 1986

सं० 37/(2)/म्र/86 स्था०-1/1517--भारत के राष्ट्र-पति श्री एस० पी० घोषाल को दिनांक 14 मार्च 1986 के पूर्वाह्म में ग्रगले ग्रादेशों तक निदेशक (पी एवंडी) के रूप में वस्त्र ग्रायुक्त के कार्यालय में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 37(9)/ग्रा/86 स्था०-1/1524--भारत के राष्ट्रपति श्री जे० सी० हैसदाक को दिनांक 7 मार्च 1986 के पूर्वाह्न से ग्रगले श्रादेशों तक नियमित श्राधार पर निदेणक के रूप में वस्त्र श्रायुक्त के कार्यालय में सहर्ष नियुक्त करते हुँ।

> ग्ररुण कुमार वस्त्र ग्रायुक्त

बम्बई-20, दिनांक 25 श्रप्रैल 1986

सं० सी० ई० म्रार०/4/86—वस्त्र (नियंत्रण) भ्रादेश 1986 के खंड 9(4) 11(2) एवं 12 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए में एतद्द्वारा निम्नलिखित फार्म निर्दिष्ट करता हूं श्रथित :

- णिक्तभालित कर्षों के प्रमाणपत्र की मंजूरी के लिए पंजीकरण प्राधिकारी को प्रावेदन देने के लिए फार्म प्र" जो इस प्रिधिमुचना के साथ संलग्न है।
- 2. उपरोक्त ग्रादेश के खण्ड II (2) के प्रधीन ग्रिपेशत प्रत्येक पांच वर्ष म शक्तिचालित कर्या के प्रमाणपत के नवीनिकरण के लिए पंजीकरण प्राधिकारी को ग्रावेदन करने के लिए "कार्म-ग्रार० एन०" जो कि इस ग्रिधिसूचना के साथ संलग्न है।
- 3. उपरोक्त भादेश के खण्ड 12 के भ्रधीन भ्रमेक्षित पंजीकरण प्राधिकारी को रिपॉट करने के लिए "फार्म-भ्रार० श्रार०" जो कि इस भ्रधिसूचना के साथ संलग्न हैं।

टी० रामचन्द्र राध औद्यीगिक सलाहकार

फार्म 'श्र'

कार्यालय के उपयोग के लिए प्रावेदन मं०

शनितचालित कर्षों के पंजीयन के लिए आवेदन

से वा में,				
खोग निदेशक/राज्य वस्त्र प्रा				
च/राज्य		ξ		
	aledanica esta esta esta esta esta esta esta est			
سيهين بده ومن از در ازدر و من المناور و مناود الاستواد المناورة المناورة و المناورة و المناورة و المناورة و المناورة	स्थाना व वृक्षणा व वृज्ञान कर्षा कार्यान्त्र के प्रशासन कर			
ाहोदय,				
मैं निम्नोक्त विवरण के द्वारा श्रावेदन देता हूं:	श्रनुसार वस्त्र (नियंत्रण) ग्र	सदेश 1986 के श्रन्तर्ग	त शक्तिचालित कर्घों के	पंजीयन के लिए
।.1. म्रावेदक का पूरा नाम	Ţ :			
।.2. पिता का नामः				
i.3. पूरा डा क पताः				
4. फर्म का नाम एवं साक्ष यदि कोई हो	रीदार का नाम ः			
 जहाँ प्रक्तिचालित कर्षे स्थान का पूरा डाक प 	•	प्रस्तापित हैं उस		
(2010) मकान संख्या	(2020) रास्ता	(2030) वार्ध	(स्थान) शहर _।	गाँव (2040)
				, g , m a , m a , m a , m a , m a , m a , m a , m a , m a , m a , m a , m a , m a , m a , m a , m a , m a , m a
		সিলা	THE THE PERSON AND AND AND AND AND AND AND AND AND AN	राज्य
(2050)	(2060)	(2070)		(2080)
(ग्र) रो <mark>ज</mark> गार पर कर्मचारिय				पर प्रति व विच्या के प्रत्य चार प
jaman'ny mangan-paositra dia dia dia dia dia dia dia dia dia di			श्रतिरिक्त कर्घों के लिए प्रस्तावित	
(1)		(2)	(3)	(4)
3010 अनुशल	التاسيخية المؤامنية مناق منط المؤامنية المناق المؤامنية المناق المناقب الأسط جمية بمناؤ المناق المناقبة المناق			
3020 कुशंल				
030 पर्यवेक्षक				
040 लिपिकीय				414-4 4 A
3 (ब) की गई/काम के लिए प्रस्त	ावित पालियों की सं०	 	पालियों को संख्या	घटे/पालियाँ
*जो लागू नही है उन्हें ।			प्रदेशकास्त्र स्वयं स्वयंत्रीयस्थायम् वर्षस्य वर्षस्य वर्षस्य वर्षस्य	। विकास विकास सम्बद्धाः स्थाप

o/π\ π π	\					4		- 27, 1				
ઝ(ત્ત) હજા) क्या श्राप कर्न्ची बे		≀ कभाय न कें लि									
	दिया है	1 1 7 1 1 1	4 7 6	ा ५ आ प	ષ્ય							
(3060) (8	•	ैं, तो संव	रर्भ संख्या	भ्रौर ता	रीख							
(3070)	जिन के	लिए ग्रा ^ट र व संख्य	वेदन किया ग	है उन	कर्षी			ग्रधिकृत	त/धनधिक	त	नए प्रवेशक	सं०
(तीन) क्या पंर्ज		ण पहा प्रा	प्स किया	ा है,				सं० तारी सं० तारी		कर्घीकीस कर्घीकी	
	ान विधिमा			ालित क	र्वे यदि						111 11	
महोर् <u>य</u>		गरमित्र सं	• एवं तारी	ar		(नो) अक्षी की	संख्या (ग्र	ர்கிர் எக் வ	्या स्टब्स		
(111)	-	(40	10)	3		(4)) ગળાળ	त्तवता (क	=	1020)		
(III)		ती उ पभोक	તાલ જ્યા —				5 2:	 जो	लागू हैं	उन्हें	√ करें	
								प्रकार प्रकार	indugual grap	4·	श्रदैचमे	: c
<u> </u>		रीड	— 	——— ~ कम्नी	कर्घाँ	बनावट	प्लेन	— स्व -	िश्रना	 डॉवी		जेकार्ड
		इंच	सें०मी०	की संख्या	की ध नावट	का वर्ष		चालित	शटल'		बॉन त	
	क्षा आहे. इस क्षा अपना क्षा अपनी अपनी इस क्षा अहं नहां व्य	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
4040	-4-4-4-4-4-4	- 	419,000,14100,141			,,,,,				••••		
4050												
1060												
070												
080												
.090 .100												
कघीं ह 4(ब) प्रधि कघीं	निरसित कि गरा उत्पादन कृत करामे ^{वे} की संख्या 10) (शब्दों) नियंद्रप के लिए व	ग श्रादेश विमान अन	1956 ৰ	६ श्रन्तर्गस	जारी कि	च (नियंत्र ए गए मू	ाग) स्रावे ल परमिट	शि 194 प्रस्तुत	8, (दो) करें: —	वस्त्र (ग्रा –	केतवालि ।
	2 4 7 1		_		— — ,			जो ए	तागू हैं	उन्हें √	करें 	
								प्रकार			श्रदैवमे	Ţ
		रीड इंच	स्पेस सें० मी०	कर्घों की संख्या	कर्घों की ब नावट	बनावट का वर्ष	प्लेन प्लेन	स्ब- चालित	बिना णटल	डॉ बी	ड्राप बाक्स	जेकार्ड
م مروس و های سیوس <mark>که س</mark> وم	ه سر ژه سراه می آن سرای سرای سرای سرای	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
										_		
120												

टिप्पणी: 4(श्र), 4(ब) श्रौर 4(स) के लिए यदि जगह काफी नहीं हो तो श्रतिरिक्त सोट लगाईए श्रौर जानकारी भरने के बाद उसपर हस्ताक्षर की হিए।

जो लागू नहीं है उन्हें काट दीजिए।

5010

	, , ,	- · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	ड्राफ्ट द्वारा प्रति कर्घा (6020) डि० ड्रा०
(।।श ०० 250/⊶ (कवल दा	र्सापचास) की दर से शक्तिचालिय	त कथाप्रजायन शुल्क	जारी करने वाली बैंक
			च शाखा का नाम
टिप्पणी : यह भुल्क सि	र्फिश्रेणी 4 (घ) तथा 4 (स) के अंत	र्गत आवेदनों के लिए	(6030)
ही भावेदक	(6040)		
	पुष्टि करता हूं कि ऊपर दिया व ए नियमों एवं विनियमनों काप		ो एवं विश्वास में सही हैं। मैं सरकार द्वारा हूं।
			(भावेदक के हस्साक्षर)
गरीज:			
जगह :			
			फार्म धार० एन०
	केवल काय	लिय के उपभोग के लिए	
	\$	गवेदन सं०	
शक्ति चा	लिस कथीं के प्रमाणपत्र के पंजीकः	एण के न बोनो करण के लिए	र भावेदन
भेघामें,			
उ.च.च उद्योग निदेशक/राज्य व स्त्र प्र	ाधिकारी		
महोदय,			
	ल किनाम के धारमार मध्य (f	रेशंत्रण\ भागेण 1096 के प	प्रन्तगत शक्तिचालित कवीं के पंजीकरण
म एः।पुक्रारा । गरागाः ।माणपत्न के नवीनीकरण के f	-	પાયલમ <i>)</i> આવેલા 1900 માં જ	कराया याचराचाराया का का विभागस्य
। नाणपक्ष पर्नापास्य पर्ना 1.1 अस्रवेदक का पूरा नाम	de allan an b		
1.1 जायपर सहरातास 1.2 पिक्षाकानाम	•		
1.3 पूरा डा क पता	•		
1.3 पूराचानपता (.4 फर्मकानमाएवंसार्झ	सिर्मा सामा		
ा. अ. कम का नाम एक साझ यदिकोई हो,	षार्थापा ।		
	र्थेलगाए गए हैं/लगाने के लिए प्र	ਣਰਾਇਰ ਐਨਸ ਇਗਤ ਕਾਰਤ	Fra' dor
यः जहां शाक्तपालत क	प लगाए गए हालगाग का गए अ 	स्यापत ६ ०त स्थान या पूरा	बाक तथा
(2010) मकान सं०	(2020) रास्ता	(2030) वार्ड	स्थान (2040)
			णहर√ गांच
पेन कोड समेत डाक पता	ब्लाक/सहसील सालुका	जिला	राज्य
2050	2060	2070	2080
3(ध्र) रोजगार पर कर्मचारि	रयों की सं०	त्य है (au देवाना का कार्य केन्द्री सम्बंद सम्बंद्धान केर्यों कर्य या देवाने के हैं सम्बंदान केर्य केर्य कर्य	48-40-40-40-40-40-40-40-40-40-40-40-40-40-
3010 श्रकुशल			
3020 कुशल			
3030 पर्यवेक्षकीय			
3040 लिपिकीय			
3 (ब) काम की गई पालिये	ां की सं०	पालियों की सं०	घंटे/पालियां ,
3050			

पंजीकरण प्राधिकारी के पक्ष में बैंक डिमांड ड्राफ्ट द्वारा प्रति कर्घा

क्षि० डा० सं० एव दिनांक :

50/- (केवल पचास रुपए) की दर से शक्तिचालित कर्घा पंजीकरण शुल्क

डि॰ ड्रा॰ राशि जारी करने वाला बैंक व शाखा का नाम

7. मैं सत्यनिष्ठा से पुष्टि करता हूं कि उपरोक्त विषरण मेरी पूर्ण जानकारी एवं विक्वास में सही हैं। मैं सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए नियमों एवं विनियमों का पालन करने की बाध्यता रखवा हूं।

भवदीय,

(प्रावेदक के हस्ताक्षर)

दिनांक:

स्थान:

2-66 GI/86

फार्म ''श्रार श्रार''

सेवा में									
	राज्य नि दे शक, उद्योग/राज	य वस्त्र प्राधिकारी/स	पंघ राज्य प्रणासकीय	7					
		सरकार							
 महोदय	······································								
श वित च	में एतद्क्षारा रिपोर्ट करता गिलित कर्षे संस्थापित किए हैं	**	रण् <i>गण्</i> विवारण के	श्रनुस <u>ा</u> र	मंजूर किए	गए पंर्ज	ोकरण प्रण	भाणपत्न वे	सामने
1.1	श्रावेदक का पूरा नाम ।								
1,2	पिताकानामः								
1,3	पूरा डाक पता:								
1.4	फर्म का नाम एवं सांझीदार का यदि कोई हो :	ानाम, ।							
2.	जहां पर शक्तिचालित कर्षे संस्थ	गापि त				मकान स	नं ः		
	किए गए हैं वहां के स्थान का पू	रा				रास्ता	:		
	क्राक पताः					पार्ड	:		
						स्थान			
						(शहर/	र्गाष) :		
	विद्युत उपभोक्ता सं०		6 .				_	_	•
4.	पंजीकरण सं० सं०		दिनाक	· • • • • • •			शक्तिच	गलि प	कभौ की
5.	संस्थापित शक्तिचालित कघौ	का विवरण							
	भोस कर्घों का संख्या	कघौँकी बनावट	बनाघट का वर्ष		 प्रकार			प्रटेचमेंट	
इच	/सें० मी ०			प्लेन	⊷-^ स्घ- चालित	बिना शटल	्रॉबी ऑबी	४ ड्रॉप <i>बॉक्</i> स	 जेकार्ड
1	2 3	4	5	6	7	8	9	10	11
									

शक्तिचालित कर्षों का संख्या एवं पंजोकरण सं० दर्शाती हैं।

भषदीय

<mark>ध्रावेदक के हस्ताक्षर</mark>

विनांक: स्थान:

हथकरघा विकास भ्रायुक्त का कार्यालय - नई दिल्ली, दिनाँक 9 भ्रप्रैल 1986

सं० ए०-32013(5)/85-प्रशासन III--राष्ट्रपति, श्री डी० जयरमैया को 17 फरवरी, 1986 से श्रागामी श्रादेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र विजयवाड़ा में उप निदेशक बुनाई के पद पर नियुक्त करते हैं।

> इंदिरा मान सिंह, संयुक्त विकास श्रायुक्त (हथकरघा)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनौंक 16 सप्रैल 1986

सं० ए०-17011/310/86-प्र०-6--महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान में, निरोक्षण निदेशक कनकता के कार्याला में भंडार परीक्षक (प्रभि०) श्री सुम्रत पॉल चौधरी को, 10 मार्च, 1986 के पूर्वाह्म से प्रगते भादेश दिए जाने तक, उसी कार्यालय में, तदर्थ श्राधार पर सहायक निरोक्षण श्रीधिकारी (अभि०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

> श्चार० पी० शाही, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात श्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवै झानिक सर्वेक्षण

कशकत्ता-700016, दिनाँक 21 अप्रैल 1986

सं० 2310बी०/ए०-19012 (2-पी० जी०)/85-19बी-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री परिविन्दर
सिंह गिल को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय
भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रो०35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के न्यूनतम
वेतनमान में श्रस्थायी क्षमता में श्रागामी आदेश होने तक
26-2-86 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनौंक 23 ग्रप्रैल 1986

सं० /ए-32013(3-डी० रसा०)/86-19बी-राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के रसायनज्ञ
(वरिष्ठ) डा० के० एन० माथुर की निदेशक (भू-रसायन)
के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1500-2000 रु०
के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी आदेण
होने तक 31-3-86 के पूर्वीह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर
रहे हैं।

दिनौंक 24 धप्रैल 1986

सं० 2441बी०/ए०-32013(4-ड्रिलर)/83-19बी--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्निलिखित श्रिधिकारियों को ब्रिलर के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापक्ष क्षमता में आगामी श्रादेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोक्षति पर नियुक्त कर रहे हैं।

क्रम
सं०
 श्री एच० श्रार० भारद्वाज, व० तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग)
 श्री एन० एस० सोधा, व० तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग)

सं० 2459बी०/ए०-32013(4-ड्रिलर)/83-19बी०-→ भारतीय मूबैजातिक सर्वेक्षण के निकालिक सर्वेक्षण के निकालिक सर्वेक्षण के निकालिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोक्षति पर नियुक्त कर रहे हैं।

ऋम सं० नियुक्ति- तिथि

- श्री संतोष राय,
 31-1-86 (अपराह्म)
 व० तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग)
- 2. श्री आई० जे० वर्मा, 24-2-86 (पूर्वाह्म) व० तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग)

सं० 2473 बी०/ए०-19012 (3~ए० वी० म्रार०)/85-19 बी०- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बराष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री ए० वी० रेड्डी को क सहायक रसायनज्ञ के पद पर उसो विभाग में नियमानुसार 650-30-740 (35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान के वेतन पर स्रस्थायी क्षमता में मागामी मादेश होने तक 21-2-86 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 2485बी०/ए०-19012(3-जी० सी० एस०)/85-19बी०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिवेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री गोविन चन्द्र सैकिया को सहायक रसायनज्ञ के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान के वेतन पर, श्रस्थायी क्षमता में श्रागमी श्रादेश होने तक 21-2-86 के पूर्वीक्ष से नियुक्त कर रहे हैं।

भ्रमित कुषारी निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान न्यूरो नागपुर, दिनाँ क 23 श्रप्रैल 1986

सं० ए० 19011 (87) 84—स्था० ए० — विभागीय पवी-स्रति समिति की सिफारिश पर, श्री एस० एस० दास, उप खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापत्र रूप में क्षेतीय खान नियंत्रक के पद पर दिनाँक 14-2-86 के पूर्वाह्म प्रदान की गई हैं।

सं० ए०-19011 (392) / 86-स्था० ए०-- विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री श्रार० एस० नोगिया, प्रशासन श्रिधकारी को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में विरुठ प्रशासन श्रिधकारी के पद पर दिनौंक 20 मार्च 1986 के पूर्वाह्म से पदोश्रति प्रदान की गई।

पी०पी० वादी, प्रणासन श्रिधिकारी कृते महानियंत्रक भारतीय खान क्यूरो

सूचना भ्रौर प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-400 026, दिनाँक 23 भ्रप्रैल 1986

सं० ए०-31014/2/84-ई०-1--सक्षम प्राधिकारी द्वारा निम्न कर्मचारियों की नियुक्ति, फिल्म प्रभाग में सहायक प्रशा-सिन्क ग्रधिकारी के पद पर मूल रूप में की जाती है, जो प्रस्थे क के नाम के ग्रागे निर्दिष्ट तारीखों से लागू होगी।

ऋम सं०	कर्मचारी का ना	F	 दिनौंक
1. श्री व	शि० भ्रार० पेसवा नी	•	1-8-1981
2. श्री ড	ी० एन० पाण्डे		12-8-1981

एन० एन० शर्मा प्रशासकीय श्रधिकारी कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनाँक 24 भ्रम्नैल 1986

सं० ए० 38013/4/85-प्रशासन-1--सेवा निवृत्त की श्रायुकेहो जाने पर श्री निरंजन दास, श्रनुभाग श्रविकारी, सरकारी सेवा से 31 मार्च, 1986 श्रपराह्म से रिटायर हो गए हैं।

विनौक 25 मर्प्रेल 1986

सं० ए० 12025/4/84-प्रशासन-1--राष्ट्रपति ने श्री जे०सी० जयसानी को 17 मार्च, 1986 के पूर्वाह्न से तथा श्रागामी श्रावेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय, नई दिल्ली में सहायक महानिवेशक (पी० एफ० ए०) के पद पर श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

> पी० के० घई, उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

ट्राम्ब्रे-400085, दिनांक 3 अप्रैल, 1985

सं० पी० ए/761)/85-भ-III/692 ——नियंत्रक, भागा परनाणु धनुसत्थान केन्द्र निम्नलिखित कर्मचारियों को उनके सामने दो गई दिनांक से श्राणामी भादेश होने सक 650-30-740-35-880-द०् रो०-40-960 र० के वेतन कम में इसी अनुसन्धान केन्द्र में सहायक लेखा श्रधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ——

क्रम सं० नाम कार्या नय में प्राप्त स्याई/ स<mark>हायक लेखा</mark> प्रस्याई पद प्रधिकारी पद पर नियुक्ति की दिनांक

 कु० भामिदिपता स्वाई उच्च श्रेणी लिपिक 25-3-1986 चिमालाको तथा भाषम्र केन्द्र में (भ्रप०) स्थानापन्न सहायक लेखा कार

 श्रीमती रव्यत स्थापीउच्व श्रणी 27-3-1986 वरीयालु लिपिक तथा भाषम्र केन्द्र (पू०) कोचुमाधवी में स्थानापन्त सहायक लेखाकार

3. श्री वेदन्कुतवेरी न्युक्लियर विद्युत बोर्ड 25-3-1986 वेलायुधन मोहनन में स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा निर्माण एवं सेवायें वर्ग में स्थानापन्न सहायक लेखाकार

> एन० एल० वेंकिटेश्वरन, उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय और भण्डार निवेशालय

बम्बई-400001, दिशांक 17 अर्जेल, 1986

कम नि/2मं/83-नगा०/1(II) 2209।—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भण्डार, निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भण्डारी, श्री पी० रमेश चन्दर को इसी निदेशक में दिनांक 19-2~1986 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रावेश होने एक नियमित श्राधार पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक भण्डार श्रधिकारी के पद पर श्रस्थाई तौर पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

ऋभनि/2/1 (II)/83-प्रशा०/2219--परमाणु ऊर्जी चिमाण, ऋय और भंडाार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भण्डारी तथा स्थानापन्न मुख्य भण्डारी, श्री श्रार० सी० सूर्मी को इसी जिदेगालय में दिनांक 25-3-1986 (अपराह्न) से अगले आदेग होने तक नियमित आधार पर 650-30-740-35-810 दं० रो०-35-880-40-1000-दं० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में सहायक भण्डार अधिकारी के पद पर अस्माई तौर पर स्थानापक्ष रूप से नियुक्त किया है।

सं० अमं नि/2/1()/83-प्रणा० / 2229---परमाणु ऊर्जा थिभाग, अस्य ऑर भण्डार निवेशालय के निवेशक ने स्थाई किन्छ भण्डार तथा स्थानापन्न भण्डारी, श्री सी० पे.सीह को इसी निवेशालय में दिनांक 21-2-1986 (पूर्वाह्न) से अपले श्रादेश होने तक नियमित श्राधार पर 650-30-740-35-810-द० रो०--35-880--40-1000- प्र० रो०--40-1200 क्यों के वेधनमान में सहायक भण्डार श्रीव हारी के पर पर अस्याई तौर पर स्थानापन्न रूप से न्युक्त किया है।

बीं जिं कुलकर्णी, प्रशासन श्रधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र हैदराबाद--500762, दिनांक 23 प्रप्रैल 1986

सं० ा० ई० म/ना प्र० भ/0703/699---नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के प्रणामन के उप मुख्य कार्यपालक जी० सहायक लेखा धिधनारी श्री जु० सूर्य नारायण राष्ट्र को छ० 840-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में कवर्थ आधार पर स्थानापन लेख निधकारी-के रूप में दिनांक 1-4-1985 ने प्रमाधी हो कर के दिनांक 20-5-1986 पर्यन्त इनमें ने जो भी पूर्व घटित हो, निधुक्त करते हैं।

सं० ना० ई० म/का प्र० भ/0703/699 --- नाभिकाय ईधन पस्मित्र के प्रभागन के उप मुख्य कार्यपालक जी उसहायक लेखाकार श्री ना० भरतन को रू० 650-30-740-35-880-६० रो०--40-960 के वेतनमान में सदर्य प्राधार पर प्रशानन सहायक लेखा ध्रीयकारी के रूप में दिनांक 1--4-1986 से प्रमावी हो कर के दिनांक 20-5-1986 प्रयंक्त ध्रथमा ध्रामामी ध्रादेणी पर्यक्त इनमें से जो भी पूर्व बिहा हो, नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी, प्रबन्धक,कार्मिक व प्रशासन

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदरा्बाद⊸500016, दिनांक 26 अत्रैल 1986

सं० प ख प्र/8/1/86-भर्ती---निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतदृद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थाई सहायक सुरका प्रविकारी, श्री ए। ० एउ० (१०) नाथम का उसी प्रमाग में श्री एउ० के० तालक, पुरता प्रधिकारी के छुट्टो पर जाने पर 5-4-35 के लिकर 3)-5-81 जा तार्थ हा के सामारक पुरता श्रीश्रासी नियुक्त करते हैं।

एस० परमनाथन, बरिष्ठ त्रमासन एवं लेखा पविजारी

श्रन्तरिक्ष विभाग इसरो उपग्रह केन्द्र

बैंगलूर-560017, दिनांस 17 धरैल 1986

सं० 9020/1(15.1)/86 स्वातक-I--इतरो उपप्रहु केन्द्र के विदेशक, प्रकारिक जिमाग के इपरो उपप्रह केन्द्र, बैंग्यूर के और एक रोक होताने, वैक्तिक प्रक्रियका "र्वक बो॰" वे सक्त दक्षा करते हैं।

> एव० एस० रामदास प्रगासन प्रधिकारी-II

महानिदेशक, नागर विमातन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1986

सं० ए० 12025/2/84-दिंग डबर्गू -- ाण्ड्रपति, श्री आर० ए० ठाकुर को दिनांक 27 फालरी, 1986 (पूर्वाह्म) से और श्रन्य श्रादेश होने तक, नागर चिनाना जिमान में 1100-50-1600 रूपने के बेतनात में, एस एस स्वाधान में, वरिष्ठ विद्युत एवं मांजिए श्रीविकारी के पर पर विद्युक्त करते हैं।

श्री ठाकुर को विद्युत एवं पांतित वर्षाता, सफररजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

> वेद प्रकाश उप निदेशक, प्रशासन जुते महानिदेशक, नागर विसासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 31 मार्च 1986

सं 1/564/86-स्था०--विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्दारा निम्नलिखित पर्यवेक्षकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से और शाखा में श्रागामी श्रादेशों तक स्थानापन्त रूप से रूप परियात प्रबंधक के रूप में नियुक्त करते हैं:--

क्रम सं०	नाम र	तैनाती की वर्तमान शाखा	उपप्र० के रूप में निथुक्ति पर तैनाती की भाखा	उपप्र० के रूप में नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4	5
1. ฆ์	ो वी भास्करन	बम्बई भाखा	नई दिल्ली शाखा	13-1-86
2. র্ম	ो एस० गोपालन	मद्रास शाखा	मद्रा <i>त</i> भा खा	19-12-86
	ो एम० राम मोह धव	न मद्रास भाखा	मद्रास णाखा	4-1-86
4. প্র্য	ो ए० के ० घट जी	ं कलकत्ता <i>शाखा</i>	कलेकत्ता <i>णाखा</i>	4-1-86

र० का ठक्कर, उप निदेशक (प्रशा०) **कृते** महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद णुल्क समाहर्तालय कानपुर-1, दिनांक 21 श्रप्रैल 1986

मं० 1/86--िनम्निलिखित निरीक्षकों (प्रवर श्रेणी) केन्द्रीय उत्पाद णुल्क के प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद णुल्क के प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद णुल्क वर्ग "ख" वेतनमान ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर पदोन्नित होने पर प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क के पद का कार्यभार उनके नाम के समाने विए गए स्थान तथा तारीख को ग्रहण कर लिया है :--

ऋ सं०	नाम	स्थान का नाम जहां पर कार्यभाग ग्रहण किया	
सर्वश्री			
1. पी० बी	० सूरी	कानपुर मण्डल- $oxdot{H}$	30-9-85
2. प्रतुल च	ान्द्र राये 	कानपुर मण्डल-II	20-12-85

सं० 2/86—इस सम।हर्तालय के निम्नलिखित वर्ग w_{a} " ग्रिधकारी ग्रिधविंपिता की श्रायु पर उनके नाम के

सामने दी गई तारीख से अरकारी सेवा से सेवानिवृत हुं} गए हैं:--

ऋम सं०	प्र धिकारी	काना	म व पद	दिनांक
सर्वश्री 1. श्रार० ए० मिश्रा		क्षारुवर्ग ' ख ''	कानपुर -1 प्रखण्ड	31-10-85
2. जे०पी० मौर्य	•	तिक्षक वर्ग ख"	फर्रुखाबाद प्रखण्ड	30-11-85
3. पी० सी० सक्सेना		ोक्षक वर्ग ख"	म् ख्यालय कानपुर	31-1-86

सं० 3/86--इस नमाहतिलय के निम्नलिखित वर्ग "ख" प्रशापिति अधिकारी/नहायक मुख्य लेखाधिकारी/लिखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक, कानपुर अधिवर्षिता की आयु पर उनके नाम के आमने दी गई तारी व से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत हो गए हैं:--

क्रम सं० ग्रधिकारी का नाम	सेवा निवृत होने
	की तारीख
सर्वश्री	
1. इफतखार श्रहमद	31-12-1985
2. यु० श्रार० सेन	31-12-1985

सं० 4/86—-निम्नलिखित कार्यालय प्रधीक्षकों, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने प्रणामिक प्रधिकारी/सहायक मुख्य लेखा प्रधिकारी/लेखा परीक्षक वर्ग "ख" वेतनमान ६० 650—30-740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 के पद पर पदोन्नति होने पर प्रणासिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग "ख" के पद का कार्य-भार उनके नाम के सामने दिए गए स्थान तथा तारीख को ग्रहण कर लिया है :——

ऋम स० नाम	स्थानकानाम व	नियंभार ग्रहण
	जहां पर पदोन्यति	करने की
	पर पदभार ग्रहण	तारीख
	किया	
सर्वश्री		
ी. एस०एम०एल० श्रीवास्तव	फर्रुखाबाद मण्डल	10-1-85
2. एस० डी० भानू	श्रलीगढ़ मण्डल	9-12-85
3. के० एन० क्षिन्हा	सीतापुर मण्डल	31-1-86
4. एम० एम० सिद्दीकी	श्रागरा मण्डल	8-4-86
	जी०	एम० मैंगी

वडोदरा, दिनांक 21 श्रप्रैल 1986

सं० 11/1986--श्री एन० वी० जोतवानी, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुरुक (वर्ग "क")

समाहर्ता

(तक्रनीकी शाखा) मुख्यालय, वडोदरा दिनांक 7-4-1986 को 58 वर्ष के हो गए हैं । तनुदसार, वे दिलांक 30-4-86 के श्रपराह्न में निवर्तन सेवा निवृत होंगे।

सं० 12/1986—श्री टी० बी० उपाध्याय, श्रधीक्षक (वर्ग "ख") केन्द्रीय उत्पादन और सीमा णुरू (प्रिक्षिण णाला) मुख्यालय, वडोदरा दिनांक 1-5-1986 की 58 वर्ष के होने बाले हैं। गरा भार, वे दिनांक 30-4-1986 के श्रपराह्म में निवर्तन सेवा निवृत होंगे।

अरविन्द सिन्हा, समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन औरसीमा शुल्क वडोदरा

वडोदरा, दिनांक 23 अप्रैल 1986

सं० 13/86—समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क वाडोदरा ने केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क, निरीक्षक (सा० ग्रे) के ग्रेड के निम्नलिखित श्रिधकारियों को केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क के वर्ग "ख" श्रिधकार के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से २० 650—30—740—35—810 द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 के वेतनमान कार्य करने के लिए उनके नामके मामने उल्लिखित तारीखों से नियुक्त पदोन्नत किया है :——

क्रमांक	नाम	वर्ग "ख" के ग्रेड में नियुक्ति/ पदो- न्नति की तारीख
1	2	3
सर्व	श्री	
1.	नर्सिंगानी के० के०	5-8-85 पूर्वीह्न
2.	मुलचंदानी यू० जी०	9-8-85 पूर्वाह्न
3.	भायक डी० एम०	8-8-85 पूर्वीह्र
4.	गनसाता बी० एम०	12-8-85 पूर्वीह्न
5.	रावल बी०एच०	2-8-85 श्रपराह्म
6.	वेसाई सी० ग्रार०	5-8-85 श्रपराह्न
7.	भट्ट एच० ए०	2-9-85 श्रपराह्न
8.	नायर पी० एन०	25-7-85 श्रपराह्न
9.	भाह एम० एम०	23-8-85 पूर्वाह्न
10.	रफाई एम० एन० एस०	31-7-85 श्रपराह्न
11.	केख ए० जी०	2-8-85 भ्रपराह्न
1 2 .	ग्राचार्य बी० जे०	2-8-85 श्रपराह्न
13.	भट्ट हिमतलाल ए०	5-8-85 श्रपराह्न
14.	हुंगरा पी० वी०	12-8 - 85 पूर्वाह्न
1 5 .	देशमुख श्रार० जै०	12-8-85 पूर्वाह्न
16.	वैध जी० सी०	22-8-85 धर्वाह्न

1 2	3
सर्वश्री	
17. जोषी जी० वी०	1-1-86 पूर्वाह्न
18 जोषी एन० जी०	31-10-85 श्रपराह्न
19. गार्गे सी० बी०	4-12-85 पूर्वाह्न
20. पठाण के० एन०	30-10-85 पूर्वाह्न
21 शाह एच० पी०	5-12-85 पूर्वाह्न
22. भट्ट एस० एन०	28-11-85 पूर्वाह्न
23. साह एम० ए०	5-12-85 पूर्वाह्न
24. पटेल पी० बी०	28-11-85 पुर्वाह्न
25 गाहेल एम० एन०	9-12-85 पूर्वाह्न
26. पटेल एम० जे०	7-4-86 पूर्वाह्न

मो० य्र० भीमगया उप-समाहर्ता स्थापना व कार्मिक केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क वडोदरा

निरीक्षण महानिदेशालय

सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिरुली, दिनांक 17 श्रप्रैल 1986

सं० 5/86—वार्धक्य के कारण सेवा निवृत्त होने पर श्री ए० ग्रार० सर्वजना ने निरीक्षण महानिवेशालय, सीमा णुक्क व केन्द्रीय उत्पादन शुक्क के कलकत्ता स्थित पूर्वी प्रावेशिक यूनिट में दिनांक 31—3—1986 (ग्रपराह्न) से निरीक्षण ग्रधिकारी ग्रुप "ख" के पद का कार्यभान त्याग दिया।

सं० 6/86-श्री वेद प्रकाश मकाँख ने, जो पहले प्रबंध एवं संगठन सेवाएं निदेशालय, तई दिल्ली में ग्रपर सहायक निदेशक, के रूप में कार्यरत थे, प्रबंध एवं संगठन सेवाएं निदेशक, के रूप में कार्यरत थे, प्रबंध एवं संगठन सेवाएं निदेशालय (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) के दिनांक 31-3-86 के रिलीफ श्रादेश संख्या 532/1/82 प्रबंध एवं संगठन सेवाएं के श्रनुसार इस निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क में प्रत्यावर्तन (रिवर्सन) होने पर दिनांक 1-4-86 (प्रविद्ध) से सहायक मुख्य लेखा श्रधिकारी का कार्यभार संभाल लिया। बी० के० श्रधवाल, निरीक्षण महानिदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 11 श्रप्रैल 1986

सं० 4/86 फाईल सं० 22/2/85-प्रणासन-1 (बी) ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद् द्वारा, श्री किएपाल सिंह पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में, प्रतिनिक्त सहायक निदेशक/सहायक ग्रभियंता के ग्रेड में, केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप ख) सेवा में स्थानापन्त क्षमता में 27 फरवरी, 1986 पूर्वाह्म से श्रगला श्रादेश होने तक नियुक्त करते हैं।

भार० शेषादि, भ्रवर सचिव, इते अध्यक्ष

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग निर्माण महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 भ्रप्रैल, 1986

ां० 30/4/82-ई० सी०-1--राष्ट्रपति श्री सीता राम पांडे को सहायक कार्यपालक इंजीनियर (मिविल) के ग्रेड में केन्दीय इंजीनियरी सेवा समूह 'क' के केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में दिनांक 1-3-75 से स्थायी घोषित करते हैं।

के० सी० **देहु**री, प्रशासन उपनिदेशक

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसोना प्रा० लिप के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 भ्रप्रेल 1986

मं० 693/4039/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धाल 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसोना प्राठ लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्मनी श्रविनियम 1956 एवं ईगल फिल्मस् एन्ड फिनान्स प्रा० लि० के विषयं में बम्बई, दिनांक 16 श्रप्रैल 1986

सं० 719/13795/560'(3)—— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्धारा यह भूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर ईगल फिल्म्स एण्ड फिनान्स प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिषत न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उसत कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 और ओहम्स एन्ड फराड्स कार्पोरेशन प्रा० लि० के विषय में बम्बई, दिनांक 17 श्रप्रैल, 1986

सं० 724/12215(560)(3)——कम्पनी भिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के भृतुसरुण म एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भवंसान पर ओहम्स एन्ड फराड्स कार्पेरिशन प्रा० लिं० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंपत न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कस्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 एवं सोबनर प्रा० लि० के निषय में बम्बई, दिनांक 17 भ्रप्रैल, 1986

सं० 658/16941/560(5)——कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्शारा सूचना दी जाती है कि सोबनर प्रा० लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं ए० एच० एफ० होजियरी एन्ड रेडीमेक्स प्रा० लि० के विषय में बम्बई, विनांक 17 अप्रैल, 1986

सं० 663/19428/560(5)——कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण सं एतव्जारा यह सूचना दी जाती है कि ए० एच० एफ० होजियर एन्ड रेडीमेक्स प्रा० लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर रे काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> वी० राधा कृष्णन, कम्पनियों का श्रतिरिक्त रिजस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई

शहरी विकास मंत्रालय (सम्पदा निदशालय) नर्षे दिल्ली, तारीस 8 मर्ष 1986

सं. ए-19012/5/86-प्रशा. "स"—राष्ट्रपति विधि कार्य विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, के अधीक्षक (विधिक) श्री एच. के. सक्सैना को 29 अप्रैल, 1986 पूर्वाह्न से सम्पदा निद्देशालय में सम्पदा सहायक निद्देशक (मुकद्मा) के पद पर, स्थानांतरित हुए श्री एस. वी. शरन, सम्पदा सहायक निद्देशक (मुकद्मा) के स्थान पर, निय्वत करते हैं।

लक्ष्मण दास सम्पवा उप-निवंशक (स्था.) प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-----

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज भुवनेश्वर भुवनेश्वर दिनांक 8 स्रप्रेंस 1986

निदेश सं० म्राई० एस० सी०/म्रर्जन रेंज/कटक/ 86-87---म्रतः मुझे, म्रार० सी० सेठी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी पं० 4056 है तथा जो वाहार विसी नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनसूची में और पूर्णरूप से वणित है) रिष्ट्रिकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कटक में भारतीय रिष्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-8-1985

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकर रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श क्वी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 3—66GI/86

(1) श्रीमित कमी वेवा पित मृत जयी बारीक 2. णकुन्तला कुमारी देवी पित पन्दु प्रधान थाना— मधुपाटना जिला कटक ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गापानेन्दननाथ दास पिता-श्री वेशनव चरण दास सामन्त शाही थाना-पुरी घाट जिला-कटक (उड़ीसा) (अन्तरिती)

को यह सूचना आरां करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ५---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की टामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौता-बाहार विसीनावर जिला विसी कटक थाना-कटक सेंटर नं० 214 थ्याता नं० 806 हाल खाता नं० 62 खासडा नं० 3261 एरिया ए०सी०ओ० 87 जिसमील श्राउट श्राफ् ए०सी०ओ० 166 ओर खसरा नं० 3256 एरिया ए०सी०ओ० 663 श्राउट श्राफ् ए०सी०ओ० 448 माट एरिया ए०सी०ओ० 150 डिसमिल

> श्रार० मी० सेठी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भुवनेक्ष्यर

तारीख: 8-4-1986

मोबर :

प्रकृप भाष्ट्री. युष्. युस . -----

श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के प्रधीन संधना

भारत सरकार

कार्याजव, सहायक मायकर मायकत (निरीक्तन) ग्रर्जन रेज बंगलीर

बंगलौर दिनांक 7 श्रप्रेल 1986 निदेश सं० नोटिस नं० 48321/85-86—— श्रतः मुझे़, श्रार० भारद्धाज,

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त विभिनियस' कहा गया हैं), की भारा 269-व के बंधीन सक्षम प्राधिकार, को, यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, निसका उचित वाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 228-1 स्रपार्टमेंट नं० टी 3 है तथा जो नं० 87 ए काड़ी विलेज मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्व स्नम्सूची में और पूर्णस्प में विणित है) रिजिस्ट्रीयर्ती स्रिधिकारी के कार्यालव मंगलूर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 26-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे बहु विद्यास् करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार अन्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफान का पंद्रह प्रतिचत से निधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के जिए तब पाय। गथा प्रतिकल, भिम्नोकित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण जिलिकत के वास्त्रविक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (कहें अपनारुष से धूर्य किसी जाम की बाबक, उसके अधिमियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में अभी करने या उत्तर अधने में सुविधा के निए; और/बा
- (थ) देशी कियी बाग या कियी वस या बन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय लाय-श्रर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनामें शन्तिरती हुनारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहियेथा. कियाने में प्रविचा के किए:

श्रतः अस्, उक्त अभिनियम की भाग 269-म के जनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी० सदाजिया शय देवी कृषा वास लेन बाल मद्रा मंगलूर ।

(भ्रन्त कि)

(2) श्री उधीफन राबंर्ट डिसूजा व प्रतिनिधि जान लोबो लोबो विहार बेजाय मंगलूर हिन्न लोबो कविता स्रपार्टमेंटस बेन्डुर मंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को बहु भूचन। जारी करके पृथाँकर, सम्पृत्यि का अर्थन के शिए कार्यशाहियां करता हुई।

सक्द सम्बद्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कार्छ्य; --

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत हैं

 45 विन की व्यक्तियाँ पर
 स्वता की तामील से 30 दिन की स्वधि।, जो भी
 स्वधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांतिस स्वतासों में से किसी स्वधिशः।
- (स) इस स्वना कं राजपत्र में प्रकाशन की ताराध सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्द स्थावर ब्वारा अथोइस्ताक्षरी के शस निश्वत में विग्र का सकेंगे।

स्वकारकरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों और पतों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया भूसा हैं है

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 772/85-86 तारीख 26-8-1985)। किवता अपार्टमट III फ्लोर में अपार्टमेंट नं०टी० 3 जो नं० 87 ए और श्रार० एस० नं० 228-1 टी० एस० नं० 312-1 (नीयत वेस्ट्रन पोरणन) जो काद्री, विलेज मंगलूर में स्थित है)।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलूर

तारीख 7-4-1986 मोहर : शक्त नत्री, दौ, एन ु एस<u>.</u>-----

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थाना

भारत सहस्रा

कार्याक्रय, शहायक वायकर वाय्क्त (निहासक)

ध्रजंन रेंज बंगलूर बंगलूर दिनांक 7 श्रप्रेल 1986

िदेश सं० नोटिस सं० 48370/85-86-- श्रत: मधी, श्रार० भारद्धाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काइन है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका स्वित नावार नृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० श्रार० एस० 361/1 श्रपार्ट मेंट नं० 8 है तथा जो श्रतावर विलेज मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19-8-1985

को पूर्वित्त सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने के कारण हैं कि गयापूर्वित के स्वरित का उचित बाजार मूल्य करके हरामान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पल्डह अतिकृत से अधिक ही और अन्तरिक (अंतरिकी) और अर्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरिण के जिए द्य पाया गया प्रतिफल निक्ति के क्षायम से उन्तर अन्तर्ण निक्ति से बार्विक से बार्विक से बार्विक के स्वरूप से उन्तर अन्तर्ण निक्ति

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने की अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने को सुविधा अधिका; बार्ड/बा
- (क) एसी किसी जाव या किसी थन वा काल वास्तियों कर्ता, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवाय प्रकट नहीं किया भया था किसा बागा बाहिए था, छिपानं भं स्विधा के सिए;

पतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक भ, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अक्रिक्षान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) में प्रमाप्तर बिल्डर्स ओल्ड केंट रोड मंगलूर (अन्तरक)
- (2) श्रलेक्जेंडर विशियम गोवियस रोज विल्ला बट्टा गडेंडे काद्री कम्बला रोड मंगलूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के बुर्वन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेष् :----

- (क) इस स्थान के राजपण मं प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की जबभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की जबिध, जो भी स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य स्थ्यिक्यों में से किसी स्थित हुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

धनु सूची

(दस्तावेज सं० 844/85-86 तारीख 19-8-85)। सं० ग्रार० एम० 361/1 टी० एम० नं० 236/1 में 1/16 भाग और प्रपार्टमेंटस नं० 8 जो श्रत्तार विलेज मंगलूर में स्थित है।

श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज बंगलूर

तारीख : 7-4-1986 मोहर:

प्रका बाह्र .टी . एव . एव . ----

बायफर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन ब्यान

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 7 म्रप्रैल 1986

निर्वेश सं० नोटिस नं० 48319/85-86— श्रतः मुझे श्रार० भारद्धाज,

नायकथ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाचार मुस्ब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 228-1 श्रपार्ट मेंटस नं एफ श्रार 4 श्रार एस नं 228 है तथा जो नं 87 ए काड़ी विलेज मंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड सनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23-8-85 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृंद्य से कम के स्थान प्रतिफात के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों के संरक्ति का उचित बाजार भृष्य, रसके स्थमान प्रतिफात का पंत्रह प्रतिकात से विश्व है और अंतरक (बंतरकों) और बंवरिती (बन्तरितियों) से बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया पया प्रतिफात का निम्नितियां) से बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया पया प्रतिकात का निम्नितियां उद्देशिय नहीं किया क्या है हि—

- (क) अन्तरण से हुइ िकासी साथ की बावत उपल विधि-विश्वत के बधीन कर दोने के अकारक के दावित्व के कती करने वा प्रवर्ध वचने के स्विधा के सिंग्ह; बाद/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी थन या बन्च आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त बचिनयम, वा धन कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के सिए;

नतः सव उक्त निधितियम की धारा 269-ग की जनसरन मों, मी, उपल अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निध्नलिखित व्यक्तियों, नधीत् :---- (1) श्री बी० सदा शिवा राव देवी कृपा वास लेन बाल-मद्रा बंगलुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हेनरी श्रान्टोनिपिन्टो डी० नं० 17-15-1162 एस० एल० मतिदास रोड कालनीर मंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को वह स्थान भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति भी वर्षन को सिम कार्यनाहियां करता हुं।

जनत तम्परित के नर्जन के संबंध में कोई भी नाकोर :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय ।
 45 दिन की वनिंध या तत्संबंधी स्पन्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिम की बनिंध, को भी
 जनिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी बन्य व्यक्ति ब्वार अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकनेंगे।

स्वव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त कव्यों नीर वर्षों का, की अवेद अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा वो उस कथाव में दिशा गया है।

अनुसूची

(यस्तावेज सं० 766/85-86 तारीख 23-8-85)। कविता अपार्टमेंटस के IV फ्लोर में अपार्टमेंटस नं० एफ० आर० 4 जो नं० 87 ए कादी विलेज मंगलूर में स्थित है।

> म्रार० भारद्धाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, बंगसूर

तिथि 7-4-86 मोहर: प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुभना

भारत सरकार

मध्यतिया, सहायक आयकर आयुक्त (जिरोक्षण) श्रर्जन रेंज, अंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 म्राप्रैल, 1986

निदेश सं० 48540/85-86— श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज श्रासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 11 और 11ए है तथा जो गुरूकर देवन्ता स्ट्रीट किल्ले मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1985,

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान गितफल के लिए कन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उरूके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का ग्रिष्ठ प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया मिकल निम्नलिखित स्द्षेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, छक्त पियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए;

कतः कक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अधोन, निम्नो लिक्त व्यक्तियों. अर्थात :--- (1) श्री एच० एस० गंकरा राव नं० 67/16, गुरूकर देवरना स्ट्रीट, किल्लो मोहल्ला, मौसूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एच ० ए० वेंकटाचल्पति शेटटटी के० श्रार० नगर रोड, हुन्सर टाउन मैसूर डिस्ट्रिक

(श्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कींड् भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से यिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रश्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

(दस्तावेज सं० 2656/85-86) तारीख सितम्बर, 1986) सम्पत्ति है जिसका सं० 11 और 11ए जो गुरूकर देवन्ना स्ट्रीट, किल्ले मोहल्ला मैसूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, बंगल्र

तारीख: 7-4-1986

प्ररूप बाद'. टी. एन्. एत. -----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीत मुख्या

भारत सरकार

कार्यावय, सङ्गधक बारूपर आवृ**क्त (निर्धकाय**) स्रर्जनरेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अप्रैल, 1986

निदेश सं० नोटिस नं० 48332/85-86--- श्रत: मुझे, श्रार० भारद्वाज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 519/1ए1 है तथा जो कस्बा दवाजार विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इपने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-8-1985

का प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तारत का गई है जोर मूक बहु रिकार मूल का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके मध्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिक्षत में विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के गैय एसे बंतरण के सिए तब पामा गया प्रतिकल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निगित में बास्तिबल कर से कथित नहीं किया प्रमा है क्रिकार कर से कथित नहीं किया प्रमा है क्रिकार

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सामित्य में कमी कड़ने मा स्थल बचने में सुविधा के सिए; सोन्द्र/का
- (ग) च्या किसी आय या किसी थन या अन्य अधिकारों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उपल आभिन्यम, १०१२ का ११) या उपल आभिन्यम, १०१४ का २७% अधिकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) उ प्रयोजनार्थ अन्तरियो द्वारा प्रकट नहीं किया या किया जाना चाहिए था. छिपाने में द्विया से किए;

जतः अव, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के वन्सरण माँ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---- (1) परिज्ञान कोश्रापरेटिय हाउकिंग मोताइटी लि० मंगलूर रेक्नेटरी श्री श्रणोक मूडाबिब्रि ।

(ग्रन्दरक)

(2) श्री कें जिल्हा राव ए-2, पिशान की-स्रापरेटिय हार्जीक्षण सोसाइटी लि० जी०एघ० एस० क्रास रोड, मंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काय नाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकावन की तारींव सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया एर
 सूचना की तानील सं 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त श्रीचित्रमा, के अध्याम 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया गमा है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 811/85-86 तारीज 30-8-1985) सम्पत्ति है जिसका मं० ग्रार० एस० मं० 519/1ए1 जो कासबा बाजार विलेज, मंगलूर में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 7-4-1986

्राह्म बाह् . टी . एन् . एह . ----

शायकर आँधनियम, 1961 (1961 का 43) की य 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 7 ग्रप्रैल, 1986

निदेश सं० नोटिस सं० 47325 ग्रत: मुझे, ग्रार० भारद्वाज भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० एस० 236/1 है तथा जो म्रनावर विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इरासे उपाबद्व म्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 26-8-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में क्म के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संअरित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल में, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह शितश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितायों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से करिशन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्ही भारतीय आय-कर अधिनियस, १६८० १००० १००० को प्राप्त की 11) या उन्हें अधिनियस का अन-वार अधिनियस, १००० (१९५७ का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरीती द्वारा प्रकार नार्थ के प्रयाजनार्थ अन्तिरीती द्वारा प्रकार नार्थ के प्रयाजनार्थ अन्तिरीती द्वारा प्रकार नार्थ के स्थाजनार्थ अन्तिरीती द्वारा प्रकार नार्थ के स्थाजनार्थ अन्तिरीती द्वारा प्रकार नार्थ के स्थाजनार्थ के सिष्ट

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :--

- (1) मेसर्स पापुलर विल्डसं ओल्ड केंट रोड, मंगलूर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री लारेन्स माडता ग्रपार्टमेंटस नं० सी-4 ।। फ्लोर पार्वती ग्रनन्ता ग्रपार्टमेंटस कम्पलेक्स ओल्ड केंट रोड, मंगलूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 776/85-86 तारीख 26-8-85) II फ्लोर में अपार्ट मेंटस नं० सी० 4 जो नं० आर० एस० सं० 361/1 टी० एस० सं० 236/1 जो अत्रावर विलेज मंगलूर में स्थित है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 7-4-1986

प्रकृप बाह्र . टी एए एस .-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बाव्एक (शिरीक्षण)

म्रर्जन रेज, बगलूर

अंगलूर, दिनांक 7 धप्रैल, 1986

निदेश सं० नोटिस सं० 48253/85-86--- म्रतः मुझे, म्रार० भारद्वाण

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7/10ए-9 है तथा जो कुमारा कृपा रोड, है ग्राउडस बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-8-1985

का पुर्वोक्त सम्मित्त को उपित वाजार मृस्य सं कम को द्रश्यमान श्रीतक स को लिए जन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाबार मृस्य, जसके दृष्यमान प्रतिफल में, एमें द्रश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रोत्तक्त से प्रथिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरित्यों) के बीच एने जन्तरण के लिए तथ पावा बमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाल्तविक रूप से कथित नहीं किया ममा है :—

- (क) बन्तरम से हुई किसी बाय की बायत उक्त अभिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उसके वयने में सुविधा के लिए? करैर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय नामकार विधिनयम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया व्या था या किया जाना थाहिए था, क्रियाने मो सुविधा को सिह;

बतः क्षत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण वं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :--- (1) श्री एच० एस० सम्भा णेट्टी 12/3 केम्प्रिज रोड श्रनसूर उदानी लेशाट, बंगलूर 8

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रतिल ग्रार० जैन 2 ग्रमित ग्रार० जन (मेनसं) उसके प्रतिनिधि श्री एम० रिकाबचन्द पंचमील बिल्डिंग III कास, गांधीनगर, बंगलूर।

को सहं सुचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इंच युवा के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संविधि, जो भी सबीध नाद में समाज होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकार न की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिस-ब्रद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताभरों के यस निकार में किए जा सकेंगे।

स्यक्कोक रूप:—इसमें प्रयुक्त वर्कों और पदों का, था उक्त विभिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1442/85-86 तारीख 12-8-1985) सम्पत्ति है जिसका सं० 7/10ए-9 जो कुमारा कृषा रोड, ग्राउन्ड बंगलूर में स्थित है।

म्रान्० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 7-4-1986

प्रकृषः साध्यः हो . धून , सूच , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

आह्य नरकार

कार्याक्य, सहायक सायकर आवृक्त (विरीक्षक)

भ्रार्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनाँक 7 अप्रैल, 1986

निर्देश सं० नोटिस नं० 48367/85-86--- श्रतः मुझे, स्रारक्षारकार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रणात् 'उन्त निर्मियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीर सक्षम प्राधिकानी को वह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/-रा. से निधिक हैं

भीर जिसकी सं श्रार एगा नं 361/1 (श्रपार्टमेन्टम न सि 2 तथा जो असावर विलेज मंगलूर में स्थित है (श्रीर इसस उपाबस श्रनुसूची में और पूर्णस्थ से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 30-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित नालार मुख्य र' कर के स्वयाय बित्रक के निए जन्तिति की गई हैं और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि द्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित प्राक्ति मुख्य, उतके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिभात से अधिक है और अत्तरक , उत्तरका) और कत रिती (जंतरितियाँ) हैं किया एसे जेतरण के निए तम पाया क्या प्रतिकत निम्निविचित उद्देष्य से उन्त अंतरण जिल्का में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुन् किसी आग की गार्गत, उक्त शृधिनियम के अधीन कर दोन के अन्दरक के वाधित्व को क्षी करने मा उससे क्ष्यने में अधिना को जिल्हा असे रूप
- (क) एसे फिसी जाय वा किसी धन या जन्य वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकार जीर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उथ्य अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्रमोजनार्थ अन्तरिती क्वाय प्रकट नहीं किया नय। वा का किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

शत: ३४४. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनूसरण में में, तक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (६) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत् ह—र-4—66GI/86

- (1) मेनर्स पापुलर बिल्डर्स स्रोल्ड केंट रोड, मंगलूर (अन्तरक)
- (2) श्री बोला गोपालकृष्ण कामत, 12/331, जवाहर नगर, गोरेगांव वेस्ट, बम्बई 62

(अन्तरिती)

को वह सूचना कादी ऋद्रके पूर्वोक्य सम्प्रीत के सूचन के हैंस्स कार्यवाहियों चुक कश्ता हुं।

जनत सम्पत्ति को अर्चन को सञ्चलभा मों कोटों भी लाक्षोप :----

- (का) अस एकता के राजपंत्र में प्रकाशन ती नानीकारी 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धि स्पिन्तमों पर स्वा की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो औं अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी स्पिन्त ब्वारा,
- (♥) इस मुक्ता के राखपण में प्रकालन की तारील है 45 दिन की भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाग अधोहकाक्ष्मी की वाक विश्वित में किए वा चुकींगे।

स्वाद्यक्रिएण :---इसमाँ प्रयुक्त कार्यों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-के माँ परिभाषित हाँ, वहीं कर्ष होगा को उस जध्याय में दिया ग्राही।

अनुसूची

(दस्तावेण स० 845/85-86 तारीख 30-8-1986) II फ्लोर में अपार्टमेंटस नं० सी 2 जो आर० एम० नं० 361/1जो आसावर विलेज, मंगलूर में स्थित है

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 7-4-1986

प्ररूप आई. टी. एत. एसं.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, विनांक 7 धरौल, 1986

निवेश सं० नोटिस नं० 48360/85-86-- श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 11 है तथा जो कन्नीन्गहाम कैसेंट बंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-8-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का गृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—- (1) श्रो एडवर्ड केन्टन माईर नं० 125हेड रोड, ब्रिस चामदेवन इंगलैण्ड अध बंगलूर में है

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एल० रणजीत श्रौर एक वै पी० ए० होल्डर श्री एस० ए० कायूम नं० 22 पंचशील 64/1 पाली हिल बम्बई-50

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ::--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्ति मों से फिसी बाकित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख स 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारों अभेहस्ताक्षरी के पास संस्थित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूपत करदों और पदों का, जा उक्त कांधिनियमः, के बध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1890/85-86 तारीख 22-8-85) सम्पत्ति सं० 11 में भाग जो कन्निन्गहाम क्रेसेंट बंगलूर में स्थित है।

> स्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण स्रर्जन रेंज, बंगल्

तारी**ख** 7-4-1986 मोहर 🖫 प्ररूप आहा .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, धंगलूर

बंगलुर, दिनाँक 7 श्रप्रैल, 1986

निदेश सं० 48209/85-86 → श्रतः मुझे, श्रार० भारहाज श्राध्य अर्थानियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन शक्षम प्राधिकारों कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रीर जि.कि सं० 67 है तथा जो ए कार्द्री विलेज मंगलूर में स्थित है (ग्रीर इसन उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्जरूप से विणित है), रजिस्ट्रोक्ती श्रिविकारों के कार्यालय, मंगलूर में रिंग्स्ट्रोकरण श्रिविनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिवीन, तारीख 14-8-85,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण शैलिखत में बास्तीवृक रूप से किथा नहीं किया गया है अ—

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त ब्रिथिनियम के अधील कर दोने के अन्तरक के क्रियित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बो॰ सदाशिवा राय देवी कृपा वास लेन, बाल महा मंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रगनेस डी० सोजा प्रतिनिधि श्री पी० एम० कास्टे-लिनो बिकरनाकट्टा कुलशेकर मंगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीककरण:——इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 735/85-86 तारीख 14-8-1985) कविता भ्रपार्टमेंटस IV फ्लोर में भ्रपार्टमेंटस नं०एफ० भ्रार० ए० जो नं० 87 ए कार्दी विलिज मंगलूर में स्थित है।

> न्नार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जनरें ज, बंगलूर

तारीख: 7-4-1986

प्रारुप मार्ड हो प्र प्र :--

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार, 269-ल (1) के संधीन सूचना

श्रारक दरकार

कार्यात्तम, सहायक वायकार वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 7 अप्रैल, 1986 निदेश सं० नोटिस नं० 48208/85-86-- भ्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपा अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीर सक्षम शाधिकारी को यह विकास कारने का का कारण है कि स्थावंर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रतः से अधिक **ह**ै भ्रौर जिसकी सं० 87 ए है, तथा जो कार्द्री विले ज मंगलूर में स्थित है (ग्रौर इत्रम उपाबद्ध ग्रनुस्चा में और पूर्णरूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908) 1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-8-85 को पर्वोक्त सम्पत्ति हो उचित बाजार मुल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की नई है और मुभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का **उणित** वाजार मूल्य, उसके इक्ष्यमान प्रतिफल से, एसे इक्ष्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिवास संग्रीभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं बन्तरण के लिए तय नाया गणा प्रतिकाल, निम्नति वित उद्योषय सं इक्त अन्तरण लिखित में नास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ्रिश्मिय कं सभील कर दोने के स्नारक भी दानिस्न में कभी करने मा उत्तसे वक्षणे में सुविधा भी किस्; श्रीप्र/या
- (वं) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियी की चिन्हें धारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री बी॰ सदाशियाराय देवी छपा वात लेन, वाल माटा, मंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रो तिरिल पवार केयर प्राफ श्रोमित लिल्लो लोबो वास लेन है लैण्डस मंगलूर

(अन्तरिती)

को सङ्घ सुन्नना भारी करके पूर्वांक्य सम्प्रीत्व के सूर्वन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन भी तारीस र्ध 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी स्पन्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति ब्यादा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच नैं 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्व्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यथ्वीकारणः -- इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पदौका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिकाशित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया ववा ही।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 721/85-86 तारीख 12-8-85) ।

श्रपार्टमेंट नं० 3, पिलोर कविता श्रपार्टमेंटस में I फ्लोर में एक 3 जो सम्पत्ति नं० 87 ए कार्द्री विलेज मंगलूर में स्थित है भौर जिसका नापना 953 स्केवर फीट भौर जिसका सं० टी० एस नं० 312-1 श्रार० एस० नं० 228-1 है।

> श्रार० भारका^ए सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें**ण, अंगलू**र

नतः ाव, उन्त निमिन्यमं की भारा 269-च के ननुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क वभीन, निम्नमिनित व्यक्तियों, वर्धात् ध—

सारीखा: 7-4-1986

मोहर 🖫

क्षराम नहरू । रहें । **एत**ा **एत**्र कान कानान

आवकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269 स (1) की अभीन जुमना

भारत संस्कार

कायांसय, सहायक अायकर मायुक्त (निरीक्त)

स्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 7 श्रप्रैल 1986

निर्देश मं० नोटित सं० 48318/85-86--- श्रत: मुझे, श्रार० भारद्धाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके उरकात 'उन्ता अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-के के अधीन सफ़स प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं टी॰ एन॰ 312-1 अपार्टमेंट नं॰ 52 है तथा जो कार्दी विलेज मगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुस्वां में ओर पूर्ग रूप से वर्गित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यानय, मंगलूर में रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-1985

को पूर्वित्रस सम्परित की उचित बाजार मूस्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का अत्रण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषक्ष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के सीम एसे अन्तरण के पिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निविश्वत उद्दोष्य से उस्त अन्तरण मिक्कि को नास्त्रिक इस से कांश्त नहीं किया गया है उन्न

- (क) कन्तरण संहुर थिती नाथ की नायकः, कन्त अधिनियम क जभीव अर धने के बन्तरक के स्थिति में कसी करने या उससे बचने में मृथिधा के लिए अडि/या
- (क्ष) एकी किसी नाम ना किसी पन ना नम्म नास्तिनी की, जिन्हों भारतीय वाय-कर निर्धानयमा. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाज-नार्थ अस्तिरती व्यार प्रकट नहीं किया नया या गा क्या जाना चाहिए था ख्याने में सुविधा ने सिए;

ार : अब, उन्दर किंधिनियम की धारा 269-न को जन्दरक जो, मों, अक्ष्म जिथितियम की धारा 269-न की जनभारा (1) के जारीर क्रिनियमिक व्यक्तियों संघाद धार- (1) श्री बी० सद्याणियाराय देवी कृपा वान लेन बा लें मट्टा, मंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति मार्बेल भेनडोन्का क्षेयर श्राफ विनसेंट मेंन्डोन्का मानमपाडी विलेज, मुल्की ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कहने पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां सुरु कहता हूं।

उपत सञ्चलि के क्यान के सम्बन्ध में कोड़ी भी अध्यक्षि ।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुए।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतार उपत स्थानर मन्यांता में हिटा ब्रिंग किसी बन्य व्यक्ति द्वारा क्षेत्रोहस्ताकारी के शक्त सिवित में किए का सक्षेत्र ।

स्वक्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्ष का, जा उक्त जिमिनयम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में । द्या गया है।

वन्स्ची

(दस्तायेज सं० 760/85-86 तारीख 23-8-85) । कविता प्रपार्टमेंटस 1 I पलोर में प्रपार्टमेंट नं० एस० 2 जो कार्दी विलेज मंगलूर में स्थित है ।

ग्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 7-4-1986

प्रक्षा वार्षः, ट्री. पुन्, पुन-अवन्यवस्थान

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीन स्क्रमा

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निर्<u>का</u>ण)

भ्रर्ज न रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 म्रप्रैल 1986

निर्देश सं० नोटिस नं० 48203/85-86-- श्रतः मुझे, श्रार० भारद्धण,

आयकर अधिकियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल जिस्से अधिनियम , कहा गया है), की भारा 269-ए के अधिन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि अधानर सम्मति, जिसका उचित हाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर०एस० नं ०361/1 ए०पी०टी०बी०-1 है, तथा जो अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में आर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 1908 का 16) के अधीन तारीख 13-8-85

की पृथीयत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिक्रण के लिए अतिरित की गए हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टिक सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, अर्क इंद्रक्ति प्रिक्ति सं, एसे स्वयमान प्रतिक्रल का चन्द्रह प्रातस्थत म अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिथीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक्रल, शिन्निनिखित उद्विस्य से उक्त अन्तरण कि जिल्ला में वास्थित क्ष्य से अभित नहीं किया गया है अन्तर

- (क) जन्तरण से हुई किसीं भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- त्य) एसी किसी गाय या किसी धन या अन्त आस्तियाँ
 ता, जिन्हें भारतीय आग्रंकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 व्यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जामा शाहिए था, कियाने में सुविधा
 के जिल्ह;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के उकी. निम्नालिखित व्यक्तियमा, अर्थात्ः—

- (1) मेसर्स पापुलर बिल्डेंस ओल्ड केंट रोड, मंगलूर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जयानन्दा बेन्गेरा पावंती अनन्ता प्रपार्टमेंट कम्पलेक्ल ओल्ड केंट रोड, मंगलूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्परित के अर्थन के शिए कार्यवाह्यां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तंबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मं समाप्त हो, के भीतर पूर्वाक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूलना के राज्याच में प्रकारात की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित⁴ कहा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास । लिखित भा किस् जा सकेगे।

स्वर्ष्टीकरण:--इसमः प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 722/85-86 तारीख 13-8-1985)

सम्पत्ति है जिसका सं० बी०-1, म्रार० एस० नं० 361/1 में भाग जो श्रतावर विलेज मंगलूर में स्थित है।

> स्रार० सारखान सक्षम प्राधिकार सहायक स्रायकर सानुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज बंगलूर

तारीख: 7-4-1986

त्रामकर मधिनियम, 4961 (1961 का 43) की जना 269-ए (३) के जधीन सुन्ता

बारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज बंगलूर बंगलूर, दिनांक 7 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० नोटिस नं० 48369/85-86- अतः मुझे, श्रार०भारद्वाङ,

बायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269- एक के अधीन सक्षम शिविकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1.00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिमकी सं० ग्रार० एस० नं० 361/1 टी० एस० नं० 236/1 है तथा जो ग्रतावर विलेज मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19-8-1986

- (क्लों बन्तरण सं हुइं किसी आय की बाबत, जक्त शक्षिरियंत्र, के शक्षित कर दोने के सन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उत्तते वचने में सुनिधा के तिए; बौर/ना
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या जन्य जास्तियों करें, जिल्हों भारतीय आय-कार मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या या कर विधिनियम, > 157 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्वा था जा किया जावा महिष्य था, जिपाने में एकिया औ विश्व की विश्व है.

०००० का जान का अस्तिका की अवस्थ १९६० ग की अप्युक्त का का का कारा 269-म की सप्थारा (1) अस्ति विकास का का कारा का का स्वास्थ्य का सप्थारा (1)

- (1) मैंसर्स पापुलर बिल्डर्स ओल्ड केंट रोड, मंगलूर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री म्रलेक्जेंडर विलियम गोवियस रोज विल्ला बट्टा गुडे काद्री कामब्जा रोड, मंगलूर ।

(ग्रन्तरिती)

की वह सुचना कारी करके पूर्वोक्त हम्मित के ब्रवंत के जिल् कार्यवाहियां सुक करता हु"।

उक्त हंपरित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मे --

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की प्रविध वा तत्सकाली कारितमों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को भीन को सी कार्यि माद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्विषा कार्यिम में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस क्षमा के राजपम के प्रकारत की वारीन से 45 किम के भीतर उपत स्थावर सम्पर्ति में हित्तवस्थ दिस्ती सन्द व्यक्ति स्वारा अयोहस्ताकही के वास विविध् में निष्य का सर्वोत्ते ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ब्रीविवय, के बध्याय 20-क में प्रोप्ताविक है, वहां जुई होगा, जा उस् अध्यास में विका नवा है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 843/85-86 तारीख 19-8-85) सम्पत्ति है जिसका सं० ग्रार० एस० 361/1 टी०एप० सं० 236/1 जो ग्रतावर विलेज मंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्धाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलू र

तारीख 7-4-1986

बन्धकर क्रीधिनितम, 1961 (1961 का 43) की रूर 259 ग.(1) के भषीन सुपता

शासा बरकार कार्याक्रय, सहायक आगकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर वंगलूर, दिलांक 7 ग्रप्रैल 1986

निदेश सं० नोटिस नं० 48191/85-86-- स्रत: मुझे, स्रार० भारद्वाज,

आयक र शांधी त्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस पेटवात 'उकत अधिनियस' कहा गया है), की भारा 260-स के स्थीत सक्षम शांधिकारों को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थानर एप्यतिह निक्का इरिंद साजार यूक्स 1.00,000/- रहे हो अधिक हैं

और जिस्की सं० 4 है तथा जो विन्तमधाला II स्टेज बंगलूर में स्थित है (और इससे उराबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिकाम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय 14-8-1985,

का एवा का सम्मत्ति के जिनत बाजार मत्य से कत के द्रश्यमत है तिएए ए जिन एक्सीए को गई है और मुक्ते यह विकास करने का उपर है कि एश्लाकित तो गई है और मुक्ते यह विकास करने का उपर है कि एश्लाकित नम्मत्ति का उपनत जाजार मृत्य, इसकी उस्थमन प्रतिफल तो, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का वस्था प्रशास के जिन्द हैं कि भिन्द हैं कि भिन्द हैं कि प्रतिक्रित के लिए तय पाया गया हितफत निम्मतिस्थित उपवेषर से उन्त अंतरण कि लिए तय पाया गया हितफत निम्मतिस्थित उपवेषर से उन्त अंतरण कि लिए त

ि स्वारण वे हुन् विक्री साथ की बाबत, छक्त मंधिनित्य की अधीय शर दोने से अन्युक्क के कार्किल में कभी करणे या मसूबे समूबे में सुरिया (१) करि वा

्रं स्मी रंगसी आय स्त किसी धन या जन्य अमिसतों के: जिन्हीं भारतीय जागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भागा अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंजनार्थ वर्जी सें, युनाक प्रगट रही किया एक का के किया जाना चाहिये था. क्लिसने में

भत: तथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीटी० एन० नरेन्द्रा रेडडी नं० 1/11, श्रलसूर रोड, बंगल्र।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स जेट एर प्रा० लि०, यूनिटी बिलर्डिंगस नं० 12 एम० ब्लाक जे० सी० रोड, बंगलूर।

(म्रन्तरिती)

कां यह सूचना चारी करके पत्रीक्त संपत्ति वे तर्जन के तिहा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बन्त सम्मति के बचेद के भक्तक भी क्षेत्र है। बासव .

- (क) इस स्थान के राजधन मां प्रकाशन की तारीस सें
 45 दिन की अवधि (१ तरमकारिक) विविद्यां पद
 स्थान की ताबील से 30 दिन की अवधि, सो भी
 अवधि वाद की प्रवास्त हाती हा, के मीटर प्रविस्त
 व्यक्तियों में से किसी क्वीवत स्वासः
- (स) इस सूचना के राजपत्र को प्रत्तकार्य करी ताराणि श 45 दिन के भीतन अवस्य स्थापन का को दिसनकृत रिक्सी अन्य कावित क्षत्रकार अक्षत्रकाशनों के ताल को उन्हें से किए का कावित

स्यक्टोकरणः समाँ प्रयुक्त शब्दां भीर पदा का, का उन्तर विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित ही, वहीं वर्ष होता, को उस मध्याय में दिवा नया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1487/85-86 तारीख 14-8-1985) । सम्पत्ति है जिसका सं० 4, जो विन्तमनगला I स्टेज, इंदिरा-नगर, बंगल्र में स्थित है ।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलर

तारीख 7-4-1986 मोहर:

प्रकृष् काईं, ही . एन . एतः . - - - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 10 अप्रैल 1986

निदेश सं० नोटिस सं० 48176/85-86-- प्रतः मुझे, प्रारं० भारद्वाज

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िजसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बोजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1084 है तथा जो एच ए एल II स्टेज में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, शियाजीवगः, में रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 5-8-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल में, एसे द्व्यमान प्रतिफल का अंतरिती (अन्तरितिस्ते से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना चाहिए था, िक्याने में स्विधा के के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की जणभारा (1) के अधीन. निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थाता :--

(1) श्री ओ० एम० माथ्यूस 1084 एच ए एल II स्टेज इंदिरा लगर बंगलूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री करमजीत सिंह गिल, 1084, एष० ए०एल० I] स्टेज इंदिश नगर बंगलूर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सैं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त न्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्ड}, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बर्क्की

(दस्तावेज सं० 1380/85-86 तारीख 5-8-1985)। सम्मत्ति है जिसका सं० 1084, एच०ए०एल० II स्टेज वंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलूर

तारीख: 10-4-1986

मोहरः

कामकर विभिनित्रकः, १९७१ (1961 को 43) की पाछा 269-प (1), के सभीन स्वना

前便 不见性

कार्याक्ष्य, तहायक आयक्ष्य नायुक्त (विरोक्षक)

मर्जन रेंज, महमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 18 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4125—— श्रतः मुझे, पी०डी० खंडेलवाल

भायकर जिभीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'छमत अधितियम' महा गया है), की भारा 269 के के जभीन सक्षम प्राधिकारी को. यह तिक्यक स्टरने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका स्थित कारण मार्थ

1,00.000/- रु. से विभिक्त है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 833 मरीला कालेज के पीछे किश्न नगर है तथा जो भावनगर में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सारीख 8-8-85

को पूर्वोक्स सम्परित को उपित बाजार मूल्य से काम की व्यवसान प्रतिकास के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विच्यास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्स संपरित का खिला बाजार पूर्व, असके वस्त्रवान प्रतिकास है, ऐसे वस्त्रधान प्रतिकास का पन्तक प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच देसे जंतरण के निह तब प्राया गया प्रतिक् कत, निम्निकित उद्योग्य से अस्त अंतरण जिल्हा में अपूर्व-विक क्या से कथित नहीं किया नवा है कु-

- (क) क्यारण ने हुए कियों बाब की बाबधा, उक्षण श्रीधा निवास के वशीन कर दोने के क्यारक के दायित्व के क्यार्थ के दायित्व के क्यार्थ के दायित्व के क्यार्थ करने या उन्हों क्याने में स्ट्रीटिंग है जिला क्यार्थ क्य
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हूं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भर या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा चे किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अन्सरण कौं, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॢ—

- (1) श्री शांतीलाल मोहनलाल पारीख प्रसाद खण्डु भाई देशाई मार्ग वीले पारले (वेस्ट) बम्बई 56 (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स नंदनवन को० श्राप० हाउसिंग सोसाइटी मुख्य प्रयोजक-श्री वशरामभाई मोहन भाई पटेल प्लाट नं० 855 महिला कालेज के पीछे डायमण्ड चौक भावनगर।

(म्रन्तरक)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिह कार्यवाहियां करता हुई।

नत कम्परित के कर्मन के स्थानमा में कोई भी अक्रोप:---

- (क) इस सूचका के राजपत्र से प्रथमकान को तारींत से 45 दिव की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिव की संवधि, को भी वदींव बाद में समन्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तिसमों में से किसी व्यक्ति बुनाय;
- (ब) इस स्थाना को राज्यपत्र यो प्रकासन की तारीचा से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बच्चभ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताकारी के पात विवित में किस् का सकोंगे।

स्पव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 833 महिला कालेज के पीछे किश्न नगर भावनगर रजिस्ट्रेशन नं० 2389/8-8-1985

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ग्रहमदाबाद

तारीख: 18-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

, अर्जन रेज श्रहमदा**बा**द

ग्रहमदाबाद दिनांक 18 मार्च 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4126—— ग्रत मुसे पी०डी० खण्डेलथाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ़ीचर्म टी०पी०एम० 3 एफ पी० 634 एम० पी० 12 वृन्दावन है तथा जो प्रपार्टमेंट गुरुबार्ट टेकरा प्लेट नं० 3 एफ और एफ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिक्यम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 3-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रातंफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसते बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अभिनियम् की भारा 269-ग के अनुसरण

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--

, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)

(1) श्री विश्नुभाई नारयनक्षास सोनी वृन्दावन भ्रपार्ट-मेंटस गुलबाई टेकरा अहमदादबाद।

(धन्तरक)

(2) श्री विनोदकुमार इड्डदर लाल सोनी 3 वृन्दावन) श्रपार्ट मेंटस बेनुधर सोसाइटी के सामने गुलबाई टेकरा श्रहमदाबाध।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के िकए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की साराक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है

अनुसूची

फीचर्सं टी०पी०एस० 3 एफ़० पी० 634 एस० पी० 12 वृन्दायन श्रपाटमेंटस फ्लंट नं० 3 जी० एफ० और एफ० एफ० गुलबाई टेकरा म्रहमदाबाद।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रजन रेंज ब्रहमदाबाद

तारीख: 18-3-1986

मोहरः

बच्च आई. सी. ह्य . दव . ------

नावकर समितियन, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-म (1) के नमीम सूचना

प्राप्त प्रत्यार

कार्यातय, सङ्गावक भावकार जागुक्त (निर्दाक्षण). शर्जन रेंज, श्रष्टमदावाद

भ्रहमदाबाद दिनांक 18 मार्च 1986 निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 4127—- भ्रत मुझे पी०डी० खण्डेक्षवाल

भावकार विभिन्निका, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वस्तात् 'इक्स अधिनिका' कहा गया हैं), की भारा 269--इ के कथीम-स्थान प्राधिकारी को नह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थानर समंति, जिसका उत्तित बाजार मूज्य 1,00,000/-रः. से अभिका है

और जिसकी सं० बिर्लिंडग और मकान सर्नेव नं० 22 टी॰पी॰ एस॰ 6 एफ़॰पी॰ 268 है तथा जो सेंस 278 गुजरात क्षात्रिय को॰-ग्राप॰ हाउसिंग सोसाइटी लि॰ प्लाट नं० 9 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्णकृप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 29-8-1985

- हुँको सन्तरण वे हुइं किसी शाव की शावतः, अस्थ विधिनवन से सभीन कर देने के जन्तरक से वादित्य में कनी करने या उत्तरे वसने में सुविधा से सिएं वरि⁄वा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय नायनर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धनकर निधीनायम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

चन्न वच्च वच्च विधितियम की भारा 269-ग के अनुसरक हो ही, उच्त विधितियम की भाष 269-ग की उपभाष (1) हे वभीन, निम्नीलीवत व्यक्तियों, वच्ची :— (1) श्री भटव त्याल चन्दुलाल देशाई 4, श्रतीत प्लेटस घन्द भार वप स्टाप के सामने नजदीक नारायणनगर, पालडी श्रह्मदाबाद।

(भन्तरक)

(2) श्री धरमसीभाई प्रागजीभाई मोडासिया 19, - पटेल सोलाइटी पंचवटी पेट्रोल पम्प के नजदीक एलियस क्रिज, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचका बाटी करके पूर्वीक्य सम्परित के वर्जन के लिए कार्यकाहिया करता हुं ।

बक्त हरूरित के अर्थन के संबंध भी कीड़ी भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूमना के सामपत्र में प्रमाणन की सारकेत से 45 किन की मनिथ या सरसम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना नी तामीन से 30 किन की मनिथ, जो भी अवस्थि अप में सवाच होती हो, के भीतार प्रतिस्थ व्यक्तियों में से किन्दी व्यक्ति इसारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी जन्म व्यक्ति क्वारा अभोह्स्ताक्षरी के पास जिल्लान में किए जा सकरें।

स्पाक्तीकरणः ----इसमें प्रभृक्त शब्दों कीर पदी का, वो उचक अधिनिक्का, के अध्याय 20-क में परिआधिक हो, उड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्थी

पुराना मकान जमीन क साथ बि नं० 22, टी॰पी॰एस॰ 6, एफ़॰ पी॰ 268 से 278 गुजरात ह्य क्षत्रिय की॰ग्राप॰ हाउसिंग सोगाइटी लि॰ प्लाट नं० 9 रजिस्ट्रेशन नं० 9246 29 8-85

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, स्रहमदाबाद

नारी**ज** 18-3-1986 मोहर : प्रकार बाह्" ही, एन एस ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन मुपना

भारत सहकार

शायांनयः, स्ट्रान्तः आयकाः प्रायुक्तः (निरोज्ञणः)
ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद
ग्रहमदाबाद, दिनाँक 18 मार्च, 1986
निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4128—- ग्रतः मुझे, पी०डी
खण्डेलवाल,

श्रायकर वर्ग धनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० शेखपुर खानपुर टी ०पी ०एस० नं० 3, एफ० पी० 218 एस० पी० 3 ए है तथा जो जन्नीन क्षेत्रफल 403, वर्ग थार्ड प्लीन्थ 134.80 वर्ग मीटर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णका से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, महमदाबाद में रिष्टिंद्रोकरण मधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-8-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कप्र के सहस्रकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम्, 1922 ११०७७ का ११) या उठ आधानयम्, का धन-ब्लेट अधानयम्, १९६७ । १९५७ वर्षः १९५० का

थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जता बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन अल (1) प्रवीन भाई नटवरलाल रामनगर, सावरमित, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) नन्द प्रयाग म्रपार्टमेंटस एसोसिएशन प्रमोटर श्री नरसी भाई केशव भाई 25, पारदर्शक सोसाइटी पेटेलाइट रोड, म्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्णिक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया अन्तर हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरा के पार निक्षित में किए जा सकोंगे।

श्यवस्थाकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्या और पदों का, जा उनते विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शेखपुर खानपुर टी० पी० एस० 3, एफ पी० 218 एस० पी० 3 ए जिमीन क्षेत्रफल 403 वर्ग यार्ड प्लीन्थ 134.80 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 9180/28-8-85

पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 18-3-1986

प्रकृत प्राह्म हो . एव . एव . ----------

नामकर माधिनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कर्मांसय, शहायक शायकार जानुका (निर्द्यांका)

श्चर्जन रेंज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 20 मार्च, 198 6 निर्देश सं० पी० श्रार० णं० 4129~→ श्रतः मुझे, पी०डी० खण्डेलवाल.

आयकर प्रिंगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसकें पश्चात् जिसे इसमें कहा भवा ही, की भारा 269-व में अभीन सभम प्राधिकारी को वह विक्रांच करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

शौर जिसकी सं कालूपुर बार्ड नं 3, शीट नं 40, सी ० एस० न ० 3605-बी, जमीन है तथा जो क्षेत्रफल 120 वर्ग यार्ड व्लीन्य तक कन्स्ट्रक्णन्य के साथ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद प्रमुस्त्री में श्रीर पूर्णक्ष से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9-8-1985

का पूर्वों कत संस्पित के उचित वाकार मूल्य से कम में अध्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई वार कृते गई विस्थान करने का कारण है कि स्वाप्वोंकत कम्पत्ति का उचित वाकार मूल्य, उत्तके अध्यान प्रतिफल से एके अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (ब) अफरण वे दूर्र कियों बान की बानका। क्या महिन्दिक्य के अधीय कर दोने के बम्बरण वें दानिस्थ भी कभी करने वा क्याचे बचने में सुविधा के सिद्ध और/बा
- (क) एंती किसी नाय वा किसी पन वा कला कारितवों को, विन्हें नारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोभनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया बाना चाहिए था, कियाने में श्रीयथा के शिह;

कतः वय, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निकिति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमिति भगवंतीवेन लक्ष्मण दास गोकलानी 11, तिलक नगर सोमाइटी वाडण के नजदीक श्रष्टमदाबाद
 - (भ्रन्तरक)
- (2) मेसर्स जुममन कारपोरेशन रिजस्टर्ड फर्म रिलीफ रोड, श्रहमदाबाद

(ग्रन्तिरती)

को नह न्यना चारी करके पृथीकत सम्पत्ति के अर्थन के दिश्य कार्यशाहियां शुरू करता हुै है

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई' की बालीय हं----

- (क) इस त्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की कामी या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वता की तातीक से 30 दिन की संवधि, जो भी जनिश बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (व) इत स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के नास निवित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमे प्रयुक्त कव्यों तौर पदों का, को उक्त विष्क् नियम के अभ्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कालूपुर बार्ड नं० 3, शीट नं० 40 सी० एस० नं० 3605-बी जमीन क्षेत्रफल 100.42.85 वर्ग मीटर 120 वर्ग यार्ड 1080 वर्ग फोट प्लान्थ तक कम्स्ट्रक्शन के साथ।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राघिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

सारीख: 20-3-1986

ध**रूप बार्ड**ः टी. एन, ए**रा.--**----

नायकर निधनियन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ (1) के नभीन स्भाना

भारत सरकार

बार्यासय, बहायक नायकर बायुक्त (निरीक्स)

धर्जन रैंज, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाक 20 मार्च, 1986 निर्वेश सं० पी० ग्रार० नं० 4130— श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

शायकर शिंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसं इसमें इसके परवात् 'तक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाकार व्यक्त 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जियकी सं० 2 मंणिला पुराना मकान प्रोतमनगर फर्स्ट हालके है तथा जो नजटीक टी०पी०एम० 3, एफ पी० नं० 426 एलिम ब्रिज श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 ह1908 का 16) 8 श्रघीन, तारीख 20-3-1986

की पृत्रोंक्स सम्मत्ति के उचित बाजार बृस्य से कम के दृष्यकान वितिकत को तिए जन्दिरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृष्यभान प्रतिकत से, एसे दृष्यमान प्रतिकत का पन्द्रह्र प्रतिकत से अभिक है और जन्तरक (अन्तरका) और जन्तिरती (अर विश्वास) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकत के निम्निजिधित उद्देश्य में नक्त अन्तरण कि विद्य में गर्मांक्क अन्य से कथित नहीं किया गवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अमस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था भा या किया जाना चाहिए था, किया में संविधा के प्रयो

अतः अव, उक्त ऑधिनियम की धारा 266-ग के, अनुसरण् जो, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकालिकित व्यक्तियों, अधीत ६(1) श्री मतीश भाई बलदेव प्रभाद शुक्ला 2; श्रानंद श्रपार्टमेंट विकास गृह रोड, टीकम लाल चाल के सामने पालडी श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) द मैंनेजर मारंगपुर को०-म्राप० हाउसिंग सोमाइटी लि०, तलीयाकी पोलके बाजू में सारंगपुर, अहम-दाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

काक्त सम्मत्तिः को कर्जन को मंबंध मां काहिः भी साक्ष्म :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में संबाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पवित देवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधितवम, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा अरे उस अध्याय में दिवा स्वा है।

ग्रन्सूची

2 मंगिला पुराना मकान प्रीतमनगर फर्स्ट हाल के नगदीक टीज्पीज्एसज् नं 3, एफ पीज् नं 3 826 एलियस क्रिंग, अहमदाबाद

> पी० डो० खण्डेलवाल यक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (विरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 20-3-1986

प्रकृप बाइ. टी. एन. एस. ------

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्य, अप्रताम मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनौंक 21 मार्च, 1986 निर्देश सं० पी० श्चार० नं० 4131→ श्रतः मुझे, पी०डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभाव 'उक्त किविनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म पाधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित शालार मूल्य 1,00,000/ रा निर्धिक है

श्रौर जिनकी सं अला जिमीन श्रीतफल 990 वर्ग मीटर श्रवेर सीम में पर्वे नं व्है तथा जो श्रहमदाबद 35/2/में हिस्ता नं व 2 एवटी व पीवए तव 2 एफ व्योव नं व 740 में स्थित है (श्रीर इतसे उपावड़ अनुसूची में श्रौर एर्ण रूप से वर्णित है), रिवस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिपियम 1908 (1908 का 16) 8 श्राघीन, तारीख श्रगस्त, 1985,

की प्रांकित सम्परित के उकित बाबार मृस्य से कम के ल्ह्यमान प्रतिफर, के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि उद्यादकीकत संपत्ति का गोलत कारण मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रशिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्व पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनतरण से हुन्द किया काम की अध्या, उत्तर विधानियम के बभीन कार दाने के अन्तरक की धामित्य में कमी करने या उससे मचने में स्वीयधा के लिए; और/था
- (खं) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

कत: अथ, ज़क्त र्लाधीनसम की धारा १६९ म के अनुसरण मों, मौं, जक्त अधिनिस्स की धारा 269-घ की जपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) तवनोत्तलाल भ्रमुलख 21, सुभाषनगर, णाहीबाग, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विषित चन्द्र फर्नैयालाल लहिरी, डायमरेटर केरी लैण्ड कन्स्ट्रक्यन एण्ड इन्वेस्टमेंट प्रा० लि० मनी भवन गुरूक्षा गेष्ट्र हाउस के सामने रोड, मंगलदात रोड, एलिस क्रिज, ग्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियां करता। हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अमीभ या तहसंबंधी व्यक्तियाँ वर सूचना की तामीन से 30 दिन की समिभ, दो भी बादिया में रामाप्त इतिहा, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, भो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हुं, षही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मनसची

चुला जमीन क्षेत्रफल 990 वर्ग मीटर-1188 वर्ग यार्ड श्रचेर सीम में भवें नं∘ 35/2/ए हिस्सा नं∘ 2 ए टी॰ पी॰ एस० 23 , एफ पो॰ नं॰ 740 रिजस्टेशन नं॰ 37203 दिनांक श्रगस्त, 1905

> पी० डो० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, स्रहमदाबाद

तानीष : 21-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4132—यत: मुझें, पी० डी० खंडेंलवाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्तं अधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपवित्त बाबार मृक्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

- (क) जन्तरण ते हुई फिली जाय की वावत, अक्त जिमित्यन को अभीन कर दोने को अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया आवा खाइए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः वाव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के चभीन निम्मिलिवित व्यक्तियों, अर्थात् ड—6—6—6GI/86

- 1. श्री वेवीप्रसाद महादेवप्रसाद, न्यूं गुजरात कोटन मिल कम्पाउन्ड, नरोडा रोड्, अहमदाबाद। (अन्तरह)
- 2. डा॰ किशोर शिवभगवान अग्रवाल, की स्रोर में गुजरात मेडिकल सेन्टर, 63, लो गार्डन अपार्ट मेन्ट, ए लिस क्रिज, अह्मदाबाद। (अन्तरिती)

को यह त्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

समत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचिया के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वास, अभोहल्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन वोडकदेव सीम में सर्वे नं० 18/2, 18/4 भौर 18/5, क्षेत्रफल 94 गुन्ठा—11374 वर्ग या**र्ड**।

पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अजॅम रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 21-3-1986 मोहर प्रस्प बार्ष . ट्री. एन . एस ...----

शाय कर बॉधनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के बधीन स्पना

भारत उरक्रह

काशातय, महायक भागकर आशृक्त (निरीक्षक)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1986

तिर्वोग सं० पी० आए० नं० 4133---यतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

जायकर जाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स बे अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रोर ि। हो नं उत्पुर वोर्ड नं 3, शीट नं 40, सी० एस० नं 3605-के जमीन है तथा जो क्षेत्रफल 550 र्हा नाई प्लीन्थ पर कन्स्ट्रक्शन के साथ में स्थित है (और इसने उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देश से उक्त अन्तरण किचित के बास्तिक रूप से कांचत नहीं किया गया ही :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्त , उच्छ अभिनियम के अभीन कर दोने आई अन्तरक और वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय वा किसी भन या बन्य बास्तियाँ
 की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
 922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा भा भुद्धिया जाना चाहिए था, कियाने में मुनिय।
 अस्तिया

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ग्रें, ग्रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पामजन्द लाळमनदात बोकलानी, 11,तिलाक-नगर सोतायटी, बाङल के नजदीक, आश्रम रोड़क अडमदायाद।

(अन्तर्ह)

(2) मेसर्स जुमधन कार्परिधन, रजिल्टर्ड फर्म, रीलिफ रोड़, अहमदाबाद।

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्बन्धि के वर्णन के सम्बन्ध में कीई भी वासंघ :--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन की जविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वमा की तामील से 30 दिन की अविधि, के भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्थावत इवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उन्हें जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगे जो उस अध्याय में दिया। गया है।

धन्सूची

कालुपुर बार्ड नं० 3, शीट नं० 40 सी० एस० नं० 3605-के० जमीन क्षेत्रफल 458,57.09 वर्ग मीटर 550 वर्ग यार्ड--4950 वर्ग फिट प्लीन्थ तक कन्स्ट्रक्शन के साथ।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंकेंस्र, अहमदाबाद

वारीख: 21-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आ**यकार **आयृ**क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च के986 कृतिदेश सं० पी० आर० नं० 4134——या: मुझे, पी० डी० खंडेलियाल.

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1964 का 43) (जिसे इसमें इसके शवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं क कालुपुर बार्ड 3, शीट नं व 40 सी व एस व नं 3605-के, क्षेत्रफल 126 वर्ग यार्ड, कि स्थ क्षक कर्म्द्रकार के जाय में (प्रोध इस्ते उपाबद्ध अनुसूर्चा में प्राप्त पूर्ण का में विगः हैं), रिल्ट्रीकर्ता अधिजारी के जार्यालय, अध्यावाद में जिस्ह्रीकर्ता अधिजारी के जार्यालय, अध्यावाद में जिस्ह्रीकरण के धिजियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन कार्याख 9-8-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक एप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्निलि**क्षित व्यक्ति**यों , अर्थात् :--- श्रीमती लीताबेट मोहाभाई घटेल, ए-6, उमी अताटमेंट, परीमल रेलवे ऋतिंग के महादीक, पालडी, अहमदावाद।

(अन्तरक)

 मेसर्स जुमझन कापरियस, रिष्टिशान (देखी) फर्म, रिलीफ रोड़, अहमकाबाद।

(अंगारिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमो प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

यालुपुर बार्ड 3, शीटनं० 40, सी० ए स० नं० 3605— के, जमीत क्षेत्रफल 105.44 53 वर्ग मीटर—126 वर्ग यार्ड—1134 वर्ग फिट प्लान्थ तर कल्ट्रक्शत के साथ।

> पौ० डी० खंडनवाल ाजन प्राधि ारी सहायत आप तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∸ा, अहमदाबाद

नारीख 21-3-1986 मोहर

प्रका बार्च हों . १व . १व----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत बरकाइ

कार्यातम्, सहायक भावकर मायुक्त (निर्देशम)

शर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1986 निर्देश सं० पी० आर० न० 4135—यत: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वृश्वात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से निभक्त हैं

भौर जिलको सं० पालडी टी० पी० एस० 21 एफ० पी० नं० 521, 547, 548, 549 भौर 550 है तथा जो एस० पी० नं० 3, मकान जमीन पर 864 वर्ग मीटर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुनाक्त संपर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का कन्यह प्रतिश्वाद से जिथक है जोड़ जन्तरक (बन्तडकों) जोड़ अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निक्निसिय उद्योग से उच्त बंतरण जिनित में बास्तिक स्थ से कियत नहीं किया थया है हि—

- कि) प्रविद्यन से हुई कियों प्राप की बावल्त करक जिथानियम के अभीन कर दोने के बन्धरक के दायित्व में कमी करने या उससे स्वयने में सुविधा के चिए; जीट∕वा
- (व) एसी किसी बाव या किसी भन वा बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दिनिया वे किया

नता अब तक्त निर्मानक की भाष 269-ग के अनुसरण में, की, अक्त निर्मालक की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निर्मालिक व्यक्तियों अर्थात ह---

- 1. श्री रमनलाल घोलीदास शाह, 3 नवयुग को-आप० हा॰ सोसायटी लिमिटेड, श्रांबांबाडी, अहमदाबाद। (अन्तरह)
- 2. श्री श्यामसुन्दर हेमराज टीकवानी, रंगपाला पलेंट्स घुलिया कोट, गुजरात कालेज के नजदीक, ऐलिस क्रिज, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को वह सूचना वार्षी कहनी पूर्वोक्त ग्रंपितः के कर्बन में सिय कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थं) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारों है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए था सकीं।

स्पथ्यक्रिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्यों जार पदों का, जो उक्त क्षिपियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं जर्थ द्वांगा को उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

पालडी टी० पी० एम० नं० 21 एफ० पी० 521 547, 548, 549 श्रीर 550 एस० पी० नं० 3, बिल्डिंग जमीन पर 864 वर्ग मीटर—1036 8 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेब गन नं० 9149/50, दिनांक 28-8-1985।

पी० की० खंडलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख: 21-3-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 19 मार्च 1986 निदेश नं० पी० आर० नं० 4136---अतः मुझे,पी० डी० खण्डेलदाल,

नायकर गाँभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उनत सिंगियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारीं को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रींग जिसकी सं रखीताल टी पी एम 10, ऐफ पी नं 10-बी पर्नेट नं 4-ए हैं तथा जो जमीन क्षेत्रफल 290 वर्ग यार्ड श्रीर म गा फर्नीवर के साथ में स्थित है (श्रींग इपम उपाबढ़ अनुसूची में श्रींग पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय अहमदाबाद में पिएट्रीक्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 13-8-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कथ के द्वयमाय शिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूष्य, इसके व्ययमान प्रतिफ स से, एसे व्ययमान प्रतिफ स का प्रेश प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्दास्य ये हुई विश्वीं धाय की बायकः स्वयः अधिविषय ये धर्षीय कह देवें के बंदारक से पामित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/या
- (श) एसी किसी नाम या किसी भन या अस्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्च विभिनयम, यो भनकर जिभिनयम, यो भनकर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा अकट नहीं किया नया या या किया वाला खाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

जितः ज्व, उक्त जीविनयम की धारा 269-न की जनुस्यण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा र्ाः के अधीन, विस्तिचित व्यक्तियों, अर्थाब् ध—

- श्री नवीसचन्द्र केशवलाल, भागीदार—सवयुग ग्रोप फैक्टरी, पदमगीरी स्टेट, ग्राउण्ड फ्लोर नं० 2, मीराम्बीका एकूल रोड, भारभपुरा, अहमदाबाद-13 (अन्तर ह)
- मै० सीपाष्ट्र रचनात्मक समिति 4-ए०, अर्चना इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, रखीपाल पोस्ट आफिस के सामने रखीपाल, अहमदाबाद-380023। (अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्थन के शिवप् कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त संपत्ति के मर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेय:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, शो औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेंक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्रिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्भ होगा को उस अध्याय में दिया गुया हैं।

नगृज्ञी

फैक्ट ही बिल्डिंग 4-ए०, अर्चना इण्डस्ट्रियल एस्टेंट रखीपाल के नजदीक टी० पी० एम० 10-एफ० पी० 10-बी०, रिजस्ट्रेशन नं० 8398/13-8-1985।

> पी० डी० **ॅ्बंड**लवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेत रेंज∽1, अहमदाबाद

तारीख: 19-3-1986

मो हण:

प्रकृष कार्य हो. एन. एस.----

नायकर अभिमियन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-थ (1) के सभीन त्या

मारल सहस्रा

कार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—[[], अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1986 निदेश सं० पी० आर. नं० 4137——अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें (सके पश्पात 'उकत अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का धारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,600/- रु. गे अधिक ही

भीर जिन्नकी संव पर्नेट नंव 7, ने इन्ड पर्नाः, उदय आहर्ट मेंट, एसोनियेगा में है तथा जो पालडी वर्वे तंव 154—213 टीव पीव एमव 6, एफव पीव 482, एमव पीव 27 में खिया है (और इनसे उनाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण क्व संविधान है), रिवस्ट्री कर्ता अधिकारी के जार्यालय, अहम रावाद में रिवस्ट्री इरण अधिक्यिम, 1908 (1908 जा 16) के भवीन, तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिकल से, एसे द्रथमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से क्रियंत कहा किया गया है द्र--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाव वा किसी वन वा बन्य बास्तिवों का, जिल्हों भारतीय बाय-कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत्र व्यिनियम, वा भनकर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्दिरती ह्वाडा प्रकट वहीं किया नया था था किया जाना चाहिए वा क्रियाने में सृष्या के जिल्हा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धीरा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, सकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निर्लिक व्यक्तियों, अधीत् ६——

- 1. रनेशमाई माहरजंद जाह, फुल मुख्त्यार सगीर वन्पल रनेशभाई बाह और उत्त्यल रमेश भाई शाह, सूमंगल अहार्टमेंट थर्ड फ्लोर, डब्ल्यू० आई० ऐ० ऐ० के सामते, हेंगिंग गार्डन, बोम्बे। (अन्तरह)
- 2. श्री जगवीश भाई जयसुखलाल दवे, देता बैंह के नजदीह, गोड बंदर रोड़, बोरियली, बोम्बी। (अन्नरिती)

को शृह सूचन। चारी कारके पृत्रों कत संवरित की वर्षन को विष् कार्यनाहियां कारता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप ड ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, भी भी स्वाधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर प्रांस्त स्वित्यों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूजका की शाजपण में प्रकाशन की तारीज में 45 दिन को भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितनद्रभ किसी अन्य स्थित द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकींगे।

स्वयद्योक्करणः — इतमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वा उथका अधिनियम, कं वध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं वर्ध होगा, जो उस वध्याय में दिशा पता हैं॥

अनुसूची

फ्लैट न० 7, सेकान्ड फ्लोर, उदय अगर्टमेंट श्रोनर्स एसोसियेशन, पालडी, रिजस्ट्रेशन नं० 4934 सब रिजस्ट्रार आफिस से अगस्त 1985 में प्राप्त हुआ।

> पी० डी० अंडेलवाल मझन प्राधिनारी महायक आयकर आयुक्ता (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 24—3—1986

प्रक्प आई.टी.एन.एस.-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन मृचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 24 मार्च 1986 निदेश सं० पी० आर० नं० 4138—अन: मुझें, पी० डी० खंडेलवाल.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रांर जिसकी सं छड़ापड टी० पी० एस० 3, एफ० पो० 683, एस० पी० 12-ए०, है तथा जो जमीन क्षेत्रफल 670 वर्ग यार्ड, मकान में स्थित है (श्रांर इममे उपाबद अनुसुची में श्रांर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधि ियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, कारीख 20-8-1985

की पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उचिर बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिक्ष के सिए अन्तरित की नई हैं जीर मुक्के यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्ष संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकास से एसे क्ष्ममान प्रतिकास का वन्तर प्रतिकास से एसे क्ष्ममान प्रतिकास का वन्तर प्रतिकास से विश्व कर्ता वन्तर की और अन्तर रिती (अन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरक के सिए तय पाया बना प्रतिकास, निम्नासिका उद्देशक से क्ष्मत अन्तरक मिलिका में वास्तर्भिका कर से क्ष्मिक कहीं विश्वा तथा हैं डान्स

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त निर्मानक के व्यीप कर दोने के अन्तरन क दाबित्व में कभी अपने वा उत्तसे क्यने में सूरिका के लिए; और/या
- (क) एकी किया बाव वा कियी थन या अस्य आस्तियां को, विन्हें भारतीय जावकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती भरोजिना बेन विज्यालाल, जारतदात पटेल की विधवा पत्ना द कृष्य को-आगठ हा० संभागयटी, त्रिमिटेड, लो गार्जन एलिस क्रिण, अहमदाबाद। (अन्तरह)
- 2. श्रीमती सारुरवेन शंहरलान, दयालभाई पटेल की विश्वता तनी ,32, साबीस आहर्मेंट, एम० जै० लाइब्रेरी के सामने, ऐलिस ब्रिज, अहमदाबाद। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीक ने 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शाक्ष लिखित में किए जा सकी।

स्थव्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को खब्त जिमिनियम, को अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना। गया हैं।

अनुसुची

छड़ापड टी० पी० एस० 3, एफ पी० 683, पैकी एस० पी० नं० 12 --ए, जमीन क्षेत्रफल 670 वर्ग यार्ड धौर मकान के साथ।

> पी० डी० खंडेलवाल सप्तम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनौक: 24-3-1986

प्ररूप आइं.टी.एन.एस्.-----

बार्व बरकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1986 निदेश सं० पी० आर० नं० 4139---अन: मुझे, पी० डी० खंडेलबाल.

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रचात 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-क से अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थायर बम्परित जिसका उपित वाधार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिप्तकी सं को जरब सीम टी० पी० एस० 20, एफ० पी० 311, एस० पी० 3, स्रोर मकान क्षेत्रफल 360 वर्ग यार्ड स्रोर 439 वर्ग यार्ड में स्थित है (स्रोर उसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री क्रिता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 9-8-1985

को प्रशेषित सम्पत्ति को उचित बाचार मूक्य से कम के स्थान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार स्था, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का क्ष्यू प्रतिकृति से जिसका से विश्व है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब पावा गवा प्रतिफल का निम्नलिचित उव्वरिय से उक्त अन्तरण में जिथित वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्त्रहण सं हुए किसी नाम की वाचत उच्छा निर्मातमा के नधीन कह दोने के नम्तरक से समिरम में कभी कहने वा उससे नमने में सुनिधा के सिए; केह/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के बनुबरण वें, वें, उक्त अधिनियम की धारा 269-न को उपधारा (१) के अधीन, निकासिकित व्यक्तियों) वर्षात् क्ष्म-- श्री ह्कीसचंद के० पटेत, एच० पी० हाउस, टाउन हाल के पामने, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री ईश्वरभाई जेठाभाई ट्रस्टी-महर्षि एग्रीकल्चर रिमर्च युंभिवसिटो, 41, श्यामल, योगाश्रम श्रौर मानेक्वाग सोसायटी के पीछे, अहमदाबाद-15। (अन्तरिती)

को बह तुषना बारी करके पृथेंक्त सञ्चरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत प्रकारिक के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्च की नामीप ह----

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक सी 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

कोचरब सीमटी० पी० एस० 20, एफ० पी० 311, एस० पी० 3, जमीन श्रीर मकान क्षेत्रफल 360 वर्ग यार्ड श्रीर 439 वर्ग यार्ड के साथ रिजस्ट्रिशन नं० 8251/9-8-1985।

पी० डो० खडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-1, अहमदाबाद

चिनाँक: 24-3-1986

इक्ष्य नाइ , ही , एन , इस . ------

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कायांलय, महायक भायकर नाय्क्त (निरीक्षण) अजॅग रेंज-1, अहमदाश्राद अहमदाश्राद, दिनांक 24 मार्च 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4140---अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह निरशास करने का कारण हैं कि स्थान्केंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूस्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिनकी सं० वाडज सीम टी० पी० एस० 29, एफ० पी० 204, प्लाट नं० 9, है तथा जो $\frac{1}{2}$ महान मानेकलाल पार्क सोप्तायटी में नारनपुरा अहमदाबाद में स्थित है (प्रौर इन्ने उपाबद अनुभूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है), एजिन्द्री हर्ता प्रधिनारी के पार्यालय, अहमदाबाद में, रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, नारीख 1-8-1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने को कारण है कि संभापनोंक्त सम्मित्ति की उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकात अभिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बाम्तिक स्प में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्त्रण से हुई किसी आम की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के द्यित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध्य के भिष्, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा अन्य कर अधिनियम मा अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रथाननार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ब्लिपाने में सुविधा के लिए;

कत. जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-न के अनुसरक मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :—— 7—66GI/86 आं भूनाभाई विठा भाई पटें।, 5, रनता सांतायटी एम० एम० रीड, अतुमदाधाद।

(अन्तर ह)

2. श्री बाल्भाई त्रिभोवनदास, मानेकलाल पार्क मोलायटी नारसपुरा पोस्ट आफिस के सामने, अहमदाबाद-13 (असरिना)

को वह शृषना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्य सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच तें 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

ग्यध्दीकरण: ---इसमें व्यूक्त शब्दां क्रं, पदों का, आ श्रवता अधिनियम के अध्याय 2()-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उम अध्याय के विमा गया हैं।

अनुस्ची

ुं मिहान, मानेहिलाल पार्क सोगाउटी में नार्त पुरा प्लाट नं० 9, टी० पी० एउ० 29 रिजिस्ट्रेणित नं० 7855/ 1—8—1985।

> पी० डी० खडेलवाल सक्षम प्रांधि तरी यहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जा सेंबे-1, अहमदाबाद

तारी**ख:** 24-3-1986

मोहर्

प्रस्य बार्च. डी. एन. एच. -----

बादकर जीधीनयस्, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) से बचीन स्वया

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-1, अहमदाबाद
अक्षमदाबाद, दिनांक 27 मार्च 1986

मिर्देश सं० पी० आर० नं० 4141—अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० प्रच० पी० पठवानमें सी० अस० नं० 349, जमीन क्षेत्रफल 500 है तथा जो वर्ग मीटर+मजान 93.6 में स्थित वर्ग मीटर है प्रौर इपने ज्याबद्ध अनुसूची में और पूर्ण राम में विणित है), पिजस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय, बढवान में पिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इयसमान प्रतिफस के सिए अंतरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पल्यह भित्रियत से मिथक है और मन्तरक (अन्तरकाँ) और मन्तरिधी (अन्तरिल्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत व्रं विश्वास स्था है ।

- (क) संतरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त बीध-वियम में बधीन कर बीप के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे सकते हो सारिक के किस. और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के अधिकार्य अन्तिरियम, 1957 (1967 का 27) के अधिकार्य अन्तिरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधः से लिए;

नतः अन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- श्रीमती सुगोला कुवरखा लटवर सिंहजी परमार, महिला कोलेज के अजदी क, सुरेन्द्र नगर।

(अन्तरका)

2. श्रीमती प्रीतिबिन घुवीरिंशि जाड़का ग्रांर अन्य, महिला कालेज के नजदीक, सुरेन्द्र नगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास विकास में किए जा सकोंचे।

स्पादीकरण ६---इतमें प्रमुक्त कव्यों और पदों का, जो जवत विश्वितक के अभ्याय 20-क में परिभाषिक ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं "अ

and the

एच० पी० पटवाम में सी० एस० नं० 349 जमीन क्षेत्रफल 500 वर्ग मीटर—महान क्षेत्रफल 93.69 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 2965/23—8—1985।

> पी० डी० खंडेलवान गज़म प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

सारीख: 27-3-1986

इक्य भार । थी । एव । एव । •---

कायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के ल्योन स्थना

मारत तप्रकर

व्यामंत्रक, बहावक वावकर वावृत्त (निरीक्क) अजॅम रेंज-1; अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 27 मार्चे 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4142—अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रांर जिनकी सं० एच० पी० वेरावल में जमीत 401.89 वर्ग मीटर--- मकान है तथा जो 6 टनाक में स्थित है (ग्रांर इसते उपाबद अनुसूचों में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेरावल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-1985

को पृथेकित सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्य के स्थमान प्रिक्ति को सिए वैद्दित की नहीं हैं जौर मूझे यह विस्तास स्थने का कारण हैं कि स्थापुनांकत सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रांतफल सा पत्तह प्रतिकृत ने अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अम्बरितियों) के बीच एंसे अम्बर्ण के लिए तय वाया गया स्थितकत , निम्तितिकत स्वयंक्यों से उचत जन्तरक विविद्ध में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) वन्तप्रण ते हुए किसी बाब की बावब, उनक विकृतिक्त्र के वर्धाव कर दोने के वन्तप्रक के खीवरच वो कसी करने वा उन्तर्व वचने में तृष्णा के किए; क्षेप्र/या
- (भ) ऐंदी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुनिभा के सिर्।

अस: जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-व के अनुसरण भा, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अभीन, निक्ती शंक्षण व्यक्तियों, वर्षात् :--- श्रीमती कान्ताबेन अमृतिसाल, श्रीमती रंजनाबेन, जागनाथ, लं।टिया बिल्डिंग, सट्टा बाजोर, वेरावल।

(अन्तरकः)

2. श्री मेरन केणर जराडिया ग्रीर अन्य (भागीधार) गांव नया परा, तालुका वेरावल, जिला जूमानक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्नोक्त संपत्ति के जर्जन के किस् कार्यगिष्टियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (#) इस स्वाम को राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधी 45 दिन की व्यविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रस् स्वाम की सामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (थ) यस स्वमा के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सरूपित में हिस्बयुध किसी सून्य स्थावत द्वारा जभोहरताक्षरी की पास विश्वित में किस् वा सकोंने।

त्वकारिकरण:---इसमे प्रयुक्त गव्यों और पर्यों का, वो इसस विभिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विका भवा हैं।

अनुसूची

एच० पी० वेरावल में आठ ब्लाक जमीन एरिया 401-89-98 वर्ग मीटर रिजस्ट्रेशन नं० 2068/ 26-8-1985।

> पी० डी० खंडेंलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजॅन रेंज-1, अहमदाबाद

मारीख 27-3-1986 मोहर एक्ष्य नाइ¹.टी. एत्. एस. -----

भाषकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) ने नभीन सूचना भारत तरकार

कार्यालय सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 मार्च 1986

निदेण सं० पी० आए०नं० 4143——आ: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल.

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ग्रह्मात् 'उक्त व्यक्षितियम' कहा गया है"), की धारा 269 ब के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- का में अधिक ही

म्रोप जिन्ती सं एवं पी गुंडापाडी में धर्मीत क्षेत्रकत 69) जो गार्ड—माजन है तथा जो 218 वर्ग यार्ड में स्थित है (योर इसने उगवद अनुभूवी में भ्रीप पूर्ण का में विपत है), प्रजिस्ट्री ति अधिकारी के कार्यालय, राधकोट में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, प्रारीख 20-8-1985

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्परमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों क्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के एंसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-का निम्मलिखित उद्देश्य है इक्त बन्दरण निवित में बास्तियक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) शन्तरक वं हुइं किसी काय की बाबत, तकछ अधिनियम वो अधीन कर बोने के बन्तरक खं बाबित्य में लगी करने या शत्तके बच्चे में मुजिशा खं किए, और/या
- (क) ऐसी किसी लाग या किसी धन या अन्य लास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर विभिनियम, 1927 (1922 को 11) या उक्त विभिनियम, या वनकर वाधिनियम, या वनकर वाधिनियम, या वनकर वाधिनियम, या वनकर वाधिनियम, विभाग पान्य वाधिनियम विभाग वाधिया वाधिया वाधिया वाधिया वाधिया।

कतः वच, उक्त विधिनियम, की धारा 269-म के वन्तरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थाद :--- 1. श्री मातीचाल बीरजी पंड्या, 32, करनपरा, "रायल बिला", राजकीट।

(अन्तर्क)

 श्री देवजीभाई खीमजीभाई परसाता, "कल्यात", गुंडा-वाडी मुख्य रोड़, राजकोट।

(अन्तरिती)

को मह स्थान थारी करके प्रोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हु।

बक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीसर पूर्विकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिश्वित में किए वा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त कन्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एन० पी० राधकोट में गुंदावाडी शमीत क्षेत्रफल 680 वर्ग यार्ड महात 215 वर्ग या**ड** रिजस्ट्रेशन नं० 5326/20-8-1985।

> पी० डी० खण्डेलवाल नक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1; अहमदाबाद ,

नम्रोख: 27-3-1986

प्ररूप बार्ड.टी.एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायकत (निरीक्षण) पर्जात रोज-१, प्रहमदाबाद

फहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च, 1986

िर्देग सं० पी० श्रार्व नं० 4144---याः मुझ पी० डी० खंडेलवाल

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **ए**सके पइचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं।

और जिसकी संव पलट नंव 400 र्चथा मंजिलाप त्रिक्षेत्र श्राफ जिलींग में है, तथा जो रेम रोड कोर्म राजकोट क्षेत्रफव 1450 वर्ग फुट में स्थित है (और इसमे उनाबद्ध अनुपूची में अोर पूर्ण का से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 37 ईई फाइल किया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के प्रधान, ताराख 14 प्रास्त

1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान विकास के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण ह⁴ कि यथा पूर्वकित संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल **दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह** प्रतिशत से अधिक : और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उनुदोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त व्यक्तियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (**क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य** आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जात: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की धारा 269 य की उपधारा (1) क्षे अधीन निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

क. मेमर्स जे० एस० कोपॅरिजन 48, इन्द्रतारायन रोड्, मान्ताऋज वेस्ट बोम्बे-541

 श्री चंद्रीकाकें। एसीकलाल लाह् के/ओ श्री एसीक लान बुझीलान भारू एगन एपार्टमेंट 22/23 न्य जागताथ प्लंक् थर्ड फ्लोर राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अर्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वही अर्थ हागा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लेट नं० 402 चीथा मंजिल पर क्रिसेन्ट एफ बिल्डिंग में बार्ड नंग 15 सीय टीय एसव नंग 1010 रेसकोर्स राजकोट (गुजरात स्टेट) क्षेत्रफल 1450 दर्ग फीट फोर्म नं० 37 ईई 19-8-85 को फाइल किया।

> पी० डी० खंडेलवाल मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

तारीख: 20-3-1986

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

शायकर की भनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) व्यर्जन रेज-1, श्रह्मदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनौंक 20 मार्च, 1986

निर्देश सं० पी० प्राप्त नं० 4145-थराः मुझे पी० डो० खंडेलाधाल

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 26%)-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु से अधिक है

और जिप्तकी संव पत्रेट नंव 501 पांचवीं संजिल किनेन्ट एफ विल्डिंग है, तथा जो राजकोट रेसकोस रोड़ क्षेत्रफल 1125 वर्ग फीट में स्थित हैं (और इसने उपादेड इनुसूचीं में और पूर्ण हम ने विणित हैं), रिजर्स्ट्रीवर्ना प्रधिवार के वार्यकथ 37ईई फाइल किया में रिजर्स्ट्रीवरण क्षविनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दारीख 12 अगस्त 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उक्षेष्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उठके शुक्रने में सूविभा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहां किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविभा के लिए;

नतः अन्, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के जनुहरण ने, मैं, उक्त निभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के कभीन, निभ्निकाल व्यक्तितयों, कभीत् :--- भेसर्स जे० एम० कोपॅरिशन 48, इन्द्रनारायन राइ, शान्ताकुत वेस्ट, बोम्बे-54।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रतीत जेरामभाई आणरा और श्रीमती चर्मा प्रवीत आगरा बी-508, अनकल्याण अपार्टमेंट आरडीन सीनेमा के नजदीक राजकीट।

(श्रन्तरिती)

भांयह तुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त संबन्धि के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय मा दिया गया हो।

अनुसुची

प्लेट नं० 50 पांचवीं मंजिल पर किसेन्ट एफ बिल्डिंग में घार्ड नं० 15 सी० टी० एस० नं० 1010 रेस कोर्स राजकोट (गुजरात स्टेट) क्षेवफल 1125 वर्ग फीट, फोर्भ नं• 37 ईई दिनांक 12-8-85 को फाइल किया।

> पी० डी० खंडेलघाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-, भ्रहमदाबाद

तारोख। 20-3-1986 .

प्ररूप बाहै. टी ु एव ु एव ु :----

बादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के ब्रचीन स्वया

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 27 मार्च 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4141—अत: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० स्रच० पी० पठवानमें सी० अस० नं० 349, जमीन क्षेत्रफल 500 है तथा जो वर्ग मीटर + म जान 93.6 में स्थित वर्ग मीटर है स्रौर इतने उताबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वढवान में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिधी (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक है से किया नदा है है —

- (क) अंतरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त बिध-वियम की बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी कर्ने या उसमें बचने में मुण्यिक के नियम अरिर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरियों स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के मुडिधा के लिए;

जरा: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती सुशोक्षा कुवरखा नटवर सिंहजी परमार, महिला कोलेज के अजदीक, सुरेन्द्र अगर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रीतिबंन घुवीरिसग जाडका ग्रीर अन्य, महिला कालेज के नजदीक, सुरेन्द्र नगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के सास विवित में किए या सकीं ।

स्पष्टीकरण ६—इसमें प्रयूक्त खब्दों और वदों का, को उक्क अधिनियम के अध्यास 20-क में धरिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं भ

Raw d

एच० पी० पटवान में सी० एस० नं० 349 जमीन क्षेत्रफल 500वर्ग मीटर+मनान क्षेत्रफल 93.69 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 2965/23-8-1985।

> पी० डी० खंडेलवाल सझम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 27-3-1986

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

भारत विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जनः रेज-1, शहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च 1986 निर्देण सं० पी० श्राप्त नं० 4147---यतः मुझे,पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने. का कारण हैं कि स्थादर संपरित, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

फ्लेट नं 90 नवमा मंत्रला पर क्रियेन्ट एफ वो विलिख्य में है तथा जो रेम कोर्म रोड़ राजकोट क्षेत्रफल 1125 वर्ग फीट में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्या से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, 37ईई फाईल किया से रिजिस्ट्रीकरण अधिक्रिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार्राष्ट्र । अगस्त

को पूर्वेक्टित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसाहे दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अंतरितयों) के भीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निसिबित उद्देश्य से उच्त अंशरण विविद्य में वास्तिक रूप से करियन नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण के हुए कियी बाय की बाबत, उनत वीधीनयम के वधीन कर देने के जंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; वीद/या
- (व) एसी किसी बाब या किसी धन वा बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् :--- भेसर्ग जे० एस० कार्पोरेशन 48, इन्द्र तारायन चीड़, जालतक्त्र वेस्ट बोम्बे-54।

(श्रदारक)

 श्री एकनी तानः के० मीठानी और श्रीमनी प्रतीभा राजनीयाला माठाना के/ओ नरेन्द्र पी० महेगा
 जिस्थाण प्लाट शैलेप सदन, राजकीट । (श्रुम्बरिनो)

को बह स्वता वारी कारके पृष्ठींबत सम्पत्ति के अर्वत के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षीप ६००

- (क) इस मुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचता सी तामील से 30 विन की जनिंध, जो भी जनिंध वाद मां समाप्त होती की, के भीतर पृजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए वा सकेंगे।

स्यव्यक्तिप्रणः --- इसमें प्रवृक्त वन्धों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के सभ्याय 20-क में परिजायित है, नहीं सर्थ होना को उस सभ्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लेट नं० 901 व्यमा मंजला पर क्रियेन्ट बो' बिल्डिंग बार्ड नं० 15 मी०टो. एस० नं० 1010 रेस कोर्स राजकोट (गुजराज रटेट) क्षेत्रफल 1125 वर्ग फीट फोर्म नं० 37ईई दिनोक 1-8-1985 को फाईल फिया।

> पं िर्डा० खंडेलवान सक्षय प्राधिकारी सहायक आयक्षर प्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रोज-1, श्रह्मदाबाद

सारीख: 20-3-198**6**

मोहर।

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचमा भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, प्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० ⁴।48 ~ यप्त: मुझे पी० डी० खंडेलवाल

कामकर लिथिनियम, 1/961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारन है कि स्थावर सम्मित, जिसका सजित बाजार भून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव पनैद नंव 501 पांचनीं मंतिस पर किसेन्ट एफ बिलिष्टम में हैं, तथा जो रेस कोर्य पाककोड 1125 वर्ग फीट में स्थित हैं (और इससे उपाबद उन्स्निः में ऑप पूर्ण रूप से विणित है, रिजिस्ट्रीकर्ता अभिकारी के लायिक्य 37 ईई फाइल किया में रिजिस्ट्रीकरण शिक्षिक्यम.

1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 13 अगस्त 1985 को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के क्यामाः प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एमे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमालिखत उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्स-विक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई फिल्मी आम की आसत, तकत जिल्लियन के जभीन कर देने की जंतरक की गाविस्त में कमी करने या उससे बचने में मुलिका की सिए; जोड़ि/मा
- रियो एसी किसी नाम वा किसी वन या अन्य वास्तिका को, जिन्हें भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्य अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा की लिए:

जतः व ४, उक्त विधिनियम, की धारा 269-म के वनसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारत (1) के अधीन निम्निलिखिल व्यक्तिमों, वर्षातः :-- - 8---56GI/86

1. मेसर्म जुरु एमार्कामीरोगा (48, इन्द्रनारायन प्राड़, मन्ताकृत केस्ट कोम्बे-54।

(प्रस्तरकः)

2. श्री प्रकोत जैराम भाई श्राधारा वर्ष प्रवीन श्राधारा ए-१ जनकत्याण श्रपार्टमेंट सरदार जगर, श्राम्ब्रोन मीनेमा के जबदीक, राजकोट। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना आर्री करके पूर्वोकत अम्परित के सर्वात के रिटा अर्थणाहियां करता हो ।

उक्त सस्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में को**ई गाभे**प :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन की अविध या तत्सं की व्यक्तियां पर प्यान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस भूचना के राय्यम में प्रकाशन की तारीय र्र 45 वित्र को भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हितवब्द किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अभोहस्ताक्षरी के पार् लिखित में किए जा सकेंगे।

श्वालिकाला - क्समें प्रमुखन जब्दों और पदी आ, जो स्वस्त प्रधितियम, के प्रध्यात 20-क में परिभागित ही, शही सर्घ होंगा, को जब अभ्याय भें जिल्ला मना ही १

बन्स्ची

फ्लेट नं० 501 पांचवीं मंजिल पर किमेन्ट एफ बिल्डिंग बार्ड नं० 15 सो० टी० एम० नं० 1010 रेस कोर्स राजकोट (गुजरात स्टेट) क्षेत्रफल 1125 वर्ग फीट फोर्म नं० 37 ईई दिनांक 13-8-1985 को फाइल किया।

> पी० डी० खंडेलयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेज, श्रहमदाबाद

तारीख। 20-3-19**8**6 मोहर। **१९५५ आर्च**्य दी. एन. एस...

नाक्कर नहिपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के नमीन क्षमा

कारत एउटाउ

फार्मासम, श्रह्ममक नारकर बायुक्त (विद्रांशाम)

श्चर्णन रेंज, ग्रहमवाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4149-यत: मुझे पी० डी० खंडेलघाल

कायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एच० पी० राजकोट में भिक्त नगर मोसायटी कोठी नं० 6 है,। तथा जो जमीन 280 वर्ग फीट यार्ड व मकान 100 वर्ग यार्ड में स्फित हैं (और इससे उपायद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, सारीख 23 प्रगस्स 1985

को नुर्शेक्त सम्मत्ति के डीकत शाकार मृत्य से क्रम के क्यामान प्रतिपक्ष के सिंह क्यारित की पर्द है केंद्र कुओ वह विश्वास फरने का कारण है कि बचापुर्वोक्त सम्मत्ति का जीवत आजार मृत्य एकते दरमान प्रतिफल का नाह प्रतिपक्ष है जीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती क्यारितियों) के बीक एसे क्यार्य के लिए सब पामा गया विरुक्त विश्वासिक क्यारित के विश्वासिक क्यारेस के किया क्यार्य किवित में अस्तिक क्या से क्यार्य के सिंह सम्मत्तिक क्यारित महीं क्यार्य के सिंह स्व

- (क) बन्तरक सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त गणिनियम के अधीन खर देने के बन्तरफ के सन्तिस्य में सभी खरने वा बखने बचने में सुविधा
- (श) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय जामकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा चन्छ अधिनियम 1927 या धन-कर जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया थाना जाहिए था, जियाने में स्टिया के विका

बराः जन, उनत विधिनियम, की भारा 269-न वे बन्तर्थ हैं, प्रक्त अधिनियम की भारा 269-व की खुण्यासा (1) क्षणिक जिल्लामित व्यक्तियों, वर्षातृ है— श्रो जमनादास नानजोभाई गोपालनगर, कोठी नं ०
 राजकोट।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कुमार अभृत्तलाल भोजानो दीलीप कुमार ए० भोजानी भिक्तनगर सोसायटी कोटो नं० 6, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना चारी करके प्राकृत संपत्ति के अर्थन की जिस् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्क बुक्तरित के वर्षण के वस्तुम्य के कोई भी बार्बास्त--

- (क) इस स्वाध के एक्सन को प्रकारत की शारीक हैं
 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी क्यांतित्यों पर
 क्वा की शामीस के 30 दिन की बनीध को भी
 क्यांत्र का की सकत के शी हो, से बीगर प्रांतिक
 व्यक्तिकों के दे किसी क्यांत्र दुवाका;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हितनस्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किस वा सर्वोत्ते।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रवृक्त कथ्यों और पवाँका, को उक्त जिभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

नग्त्यी

एच० पी० राजकोट भिक्तनगर सोसायटी कोठी नै० 6 जमीन 280 वर्ग यार्ड मकान रिजस्ट्रेशन नं० 4357/ 23-8-1985।

> पो० डी० खंडेल**काल** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर 'प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, श्रहमदाबाद

वारीख। 34-3-1986 पोहर। प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

को धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 भार्च 1986

निर्देश सं० पा० धार० नं० 4:50---यत: मुझे, पी० डी० खंडेलघाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह से जिथक है

और जिसकी सं० एच० पी० राजकोट में जमोन 880 वर्ग यार्ड मकान हैं। तथा जो सर्वे नं० 433/1 प्लोट नं० 79 में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजण्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय राजकोट में रिजिस्ट्रीकरण प्रिश्रिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख 28 धारूत 1985

को पूर्वोबन्ध सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और मंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मं बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तर्ज से हुई सिखी बाव की बायत जनत सीथ्-नियम के स्थीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे स्करें में सनिधा के लिए; स्वीर/बा
- (व) देशी किसी बाद वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को , चिन्हों भारतीय बाद-कर विविधियन , 1922 (1922 का 11) या उसत विधिनयन , वा वद-कर विधिनयन , 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना जाहिए था , कियाने में सुविधा वे जिन्ह;

शत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियभ की धारा 269-च की उपभारा (1) जे अधीन, निस्तिचित क्यक्तियों जचति ध---

1. श्रो रतीलाल दहीयाभाई पटेल (हींगराज्जा) परमार हाउस स्थामो विवेकानंद गेड़, राम कृष्णनगर, राजकोट।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स दीप बिल्डर्स 32 – जन कल्याणन सोसायटी नं 1 भागोदार—नगीनदास हिराचंद मोदी दीपक कुमार जिनसकान्त, राजकोट।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृत्राँकत सक्परित के वर्जन के लिए कार्वनाहियां कुक करता हो।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सुचना के राजपत्र : कें प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्यु व्यक्ति व्यारा अभोइस्ताक्षरी के वास लिक्ट में किस वा सकेंचे :

स्थव्यक्तिरणः----द्सर्वे प्रयुक्त सन्दों और पश्चे का, यो उत्तर विधियम के अध्याय 20-क में परिभावित हीं, यही अर्थ होना जो उस वध्यान में दिवा सन्दार्शीय

नन्त्र्या

एच० पी० राजकोट में सर्वे नं० 433/1 पैकी सर्वे नं० 79 जमीन का प्लोट क्षेत्रफल 880-11 वर्ग मीटर बिस्डिंग रिजस्ट्रेशन नं० 5607 तारीख 28-8-1985।

पी० डी० खंडेलबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

मारोख: 24-3-19**8**6

बद्भ साइं.टी.एन.ए४.

नायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यासन, सहायक शायकर बाय्क्त (निर्दाक्क)

प्रर्जन रेंज-I. प्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1986 निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4151----यत: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

बायकर विधीनयम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की जारा 269-स के बधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच० पी० राजकांट में हजूर पैलेस रोड़ पारेख भवत है। तथा जो क्षेत्रफल 192.3 वर्ग यार्ड वार्ड नं० 5 सीट नं० 164 में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध जनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में भारतीय राजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 21 धगस्त 1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित वाकार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गर्द है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि स्थाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित वाकार मल्ध, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का रन्द्र->प्रतिक्षत से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तस पासा गया प्रतिक्षल निम्नसिखित उद्योद्य से उक्त अंतरण सिखित में शस्तिक क्ष से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाव की बावता, उक्त वीर्याणवस को वर्षों कर योगे में बन्तरक में बायित्व में दायी करने या उक्तसे स्वना में सुविधा के सिष्ट, सीर/या
- (ख) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः शय, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अनुसरण वी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— श्री रमीतलाल मोहन नाम पारेष और अन्य पारेख गेरी हजूर पैलेम रोड़, राजकीट।

पारुख भवन' हजूर पैलेस रोड़, पादकोट।

(अन्तरक)
2. श्री मनोलाल प्रानजीवन पारेख और अन्य

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्क सम्मरित के कर्जन के ज़िक्क कार्यनाहियां अन्ता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तहरीय से 45 किन की जनींध ना तत्तंत्रंभी व्यक्तियों पर स्थान की समीम से 30 किन की अमीध, जो भी अवधि भाद में समान्द्र होती हो, से नीतड़ पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण ह— इतमे प्रयूक्त कर्मो जीर पर्यो का, को उनक् वीधिनियम, के बध्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होना को उत्त कथ्याम में विका यम ही।

अनुसूची

एव० पा० राजकोट में हजूर पैलेस रोड़ पारेख भवन जमार क्षेत्रफन 192.3 वर्ग गार्ड मकार वार्ड नं० 5 बीट नं० 164 सर्वे नं० (954-55 राजिस्ट्रेशन नं० 4323 |21-8-85|

> पी० डी० खंडेलघाल सक्षम प्राधिकारा यहाथक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, श्रहमदाबाद

नारांष: 24-3-1986

प्ररूप भार्च, टी. एन. एस.-----

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के सभीन सुधना

नार्ड संस्कार

कायिनियः, महायक जायकर भागृक्त (निर्राक्षण)
श्रर्जन रेंज-, श्रहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनाँक 18 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4.152---श्रतः मुझे, पी० डी०

ख़ण्डेलवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एच० पी० राजकोट में सरस्वतो को० श्रो० हा० मोतायटी है तथा जो एस० पी० नं० 3 क्षेत्रफल 60 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुभूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रधि हारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त, 1985

हैं। पूर्वे कि सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मित का जीचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रस्ति के विश्वास सम्मित की जीच प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्ति उद्देश्य से उक्त बन्तरण निचित में सस्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) जनसरण में हुइ किसी जान की बानसं, उस्ता अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए। करि/बा
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी धन रा अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विविनयम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दवारा प्रकार नहीं किया वया था या किया जाना शाहिए था, खिपाने में सविधा के निए;

अतः अव, उक्त अभिनियम्, की धारा 269-म के अनुसरण भें, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) हे अभीन, विस्मितिक व्यक्तियों, कर्जात् स्— (1) श्रीमित प्रोजिनीबेन रिक्त लाल दोशी की श्रीर में कुन मुख्यार-श्री रमेश मौशाग्य जन्द दोशी श्री कुंज सरस्वती सोमाइटी निर्मला कान्बेंट स्कूल, कला-पड़, रोड, राजकोट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित कमलाबेन लीलाधर बाटवीया श्रीर श्री गोकल भाई देवराज 'श्रो कुंज' सरस्वती सोसाइटी निर्मेला कान्वेंट स्कूल के नजदीक कलापड रोड, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के लर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकारण को तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध काद माँ समाप्त होती हा, के भीतर पर्वेचित ध्यक्तियों माँ ने फिसी व्यक्ति द्दारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा वक्त है।

प्रनुसूची

मकान मित्कियत सरस्वती सोक्षाइटी में प्लाट नं० 3 सर्वे नं० 458 कलापड रोड राजकोट जमीन क्षेत्रफल 388 वर्ग मीटर 464 वर्ग यार्ड मकान 50 वर्ग मीटर 60 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन नं० 2372/दिनौंक श्रगस्त. 1985

पी० डी'० खण्डेल्याल पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें**ज**-I श्रहमदाबाद

तारीख: 18-3-1986

श्रुक्य आहें <u>दी प्रता</u>रखाः

बायकर बरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यातव, शहायक शायकर वायकर (निर्देशका) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमवाबाद, दिनाँक 27 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० धार० नं० 4153— श्रतः मुझे, पी०डी० खण्डेलवाल,

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं बंगला नं 10 हरियल्लभ सोसाइटी में है तथा जो नरोडा श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमान, तारीख 28-8-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के करममान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उशके श्रूपमान प्रतिकल से एसे वश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा बया प्रतिकल, निम्नसिविश उद्योग से उपत अन्तरण किवित में बास्तविक कप से किवित नहीं किया प्रा वा है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, अवतः वृद्धिभयन के बधीन कर देने के बंतरक के दायिता वें क्यी करने का उक्को वचने वें सुविधा के सिए; सर्/वा
- (क) इसी किसी आय वा किसी धन या अन्य जारितयों को, जिन्हें आरतील आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अखेलमार्थ अंबरिबी इवारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा में किया।

नड: वर, उन्ह निर्मित्त की भाषा 200-म जै नगृहस्य हो, बील उन्ह क्षिनियस की भाषा 269-म की उपभाषा ((1)) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री वलदेव भाई नाथाभाई पटेल, हरिवल्लक सोसाइटी, नरोडा, ग्रहमवाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रतुल विनु भाई पटेल 7, हरिवल्लभ सोसाइटी, नरोडा, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्वन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन की क्यिंथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुथ किसी अन्य व्यक्ति दुनारा अभोहस्ताक्षरी के पूज । सिचित में किए आ सर्कोंगे।

ंश्वक्यक्रिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं ० 10, हरिबल्लभ सोसाइटो में नरोडा रिजस्ट्रेणन नं ० 9176/28-8-85

> पी० डी० **खण्डे**लवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज[ा], स्रहमदाबाद ^५

नारीख: 27-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज़ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-ा, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 27 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4154—-श्रतः मुझे, पी०डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं टेनामेंट परमास्मा को०-ग्राप० हा० सोसाइटी में टेनामेंट नं ० 12-बी है तथा जो नारनपुरा, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्णक्प से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-8-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुं किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरश कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति स्पन्तितयों, सर्थाह ह

(1) श्री उपपालाल मोहनलाल पटेल 125, ग्रखण्ड श्रानन्द, सोसाइटो विभाग-1 माधुयण सोसाइटो के नजदीक, घाटलोडिया, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गाँतिलाल केणवलाल पटेल, 12-बी, परमात्मा को०-आप०हा० सोमाइटी लि० नारनपुरा श्रहमदाबाद-13

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस्स अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

टेनामेंट नं० 12-बी, परमात्मा को०-आप० हा० नि०, में टी०पी०एस० 19, एफ० पी० 108-4 वाडर सी शन नं० 8725/1 दिनाँक 20-8-1985,

> पी० डी० ग सक्षम सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (ग्रजैन रेंज-I, १

तारीख: 27-3-1986

प्रारूप आहु .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2697 (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीत रें ज, श्रहमदाबाद अवस्य कियोग २२ मार्च १०

श्रह्मदाबाद, दिनाँक 27 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4155 श्रतः मुझे, पी०डी० खण्डेलयाल.

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) हिंचले इत्यों इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के वभीन सक्षम प्रापिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, बिनका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/-रा. से अध्यक्ष हैं

श्रीर जिसकी सं आफिस नं 0 4, 2री मंजिल क्षेत्रफल 165 वर्ग फीट वायरने का श्रधिकार के साथ टेरेण 360 वर्ग फीट, नारायन चेम्बर में श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णक्य मे विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-7-1985 श्रगस्त 1985 में मिला।

क्षे प्रॉक्त संपरित के बीचत वाबार अपन से कन की स्वथमात वितासन के लिए अन्तरित की गई है बीर मुखे वह विकास करने का कारण है कि यभाय्वोंकत तम्मरित का उपिश वाबार स्वथ, उनके करवान प्रतिकत है, एवे क्ष्यमान प्रतिकत का पेत्र इतिकत से अधिक है और वृन्तरक (वृन्तरकों) बीड अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एवे बन्तरण के सिए तय पासा प्या प्रतिक कक्ष विम्नतिवित सहयेष्ठ से अच्छ बन्तरण विशिष्ठ में मास्तरिक कक्ष विम्नतिवित सहयेष्ठ से अच्छ बन्तरण विशिष्ठ में मास्तरिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी नाम की नामकः, उस्त वीपित्रयम के जभीन कर दोने के नंतरक में दासित्य वो कमी कड़ने या उससे मणने में द्विपा के किए; बहु/या
- (व) एकी किसी बाव वा किसी वन वा केन्द्र वास्तियों को, विन्हें भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्तर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रवोचनार्व वन्त्रीरती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने में विवास के सिवा;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की क्ष्मभारा (1) के अभीन जिल्ला विकास की स्थात :---

- (1) श्री एम० एम० जोफर मेनेजिंग डायरेक्टर युनिक रेक्टर गुजरात प्रा० लि० 2सरी मंजिल इमुभाई चेम्बर टाउन हाल के नजदीक, श्रहमदाबाद।
- (2) श्रोमित कान्ता बेन रमनलाल शाह श्राफिस नं ०4, 2सरी मंजिल, नारायन चेम्बर्स, ग्राश्रम रोड, श्रह्मदाबाद (अन्तरिती)

को यह सुभना चारी कारके पूर्वोक्त सम्मिटित के वर्जन के हिसप् कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी माजेनू:---

- (क) इस नुष्या के छ्ष्यपत्र में प्रकावन की तारीय है 45 दिन की व्यक्ति या तत्त्वस्त्रभी व्यक्तियों पद सूष्या की तासीस है 30 दिन की व्यक्ति, को औं सविध वाद में संवादत होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इत त्वाना के एकपण में प्रकावन की तारीच है 45 विन के शीवर उक्त स्वाधर सम्मति में हित-बहुत किसी बन्च व्यक्ति ब्वास नभोहरताक्षरी अन्ने यास सिकित में किस वा हकोंने ।

स्थानिकरण: ---इसमें प्रयुक्त का और पर्वो का को उक्त विभिन्निका, के बध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं कर्ष होगा को उस बध्याय में दिया गवा ही।

ननुसूची

श्राफिसनं० 4, 2 सरी मंजिस, पर नारायन चेम्बर्स में श्रह्मदा-बाद रिजस्ट्रेशन नं० 7370 दिनाँक ग्रगस्त, 1985 ।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

तारीख: 27-3-1986

अस्थ बाद् .टी. ध्व. एस . ------

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कायोसय, शहायक नामकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज,-I अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनौंक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4156--यतः, मुझे, पो०डी० खण्डेलवाल,

वायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा नया है'), की वादा 269- व को वभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विकास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति विसका उचित वाचार मूर

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पुष्पक श्रपार्टमेंट पारप फ्लेट नं० 4, एस० डी० श्रीर 4-एस० सी० में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबड़ श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकतो श्रिवकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिवियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 14-8-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के विषत बाजार मृत्य से कम के स्रयमान शितपास के सिए अन्तरित की पद हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बजापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित भाषार मृत्य, उसके अपमान प्रतिपत्त से, एसे स्थ्यमान प्रतिपत्त का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे बंतरण के सिए तम पामा पदा प्रधि-क्त किन्दितीयत स्कूर्वक ने अब्ब कन्तरन लिखित में वास्त-विक क्ष्म हे कवित नहीं किया पदा है।—

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा

एसी जिसी जाय या जिसी धन या अन्य शास्तियाँ की, धिनहें भारतीय वायकर जिथिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनयम, या चन का जिथिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया चला वा किया धाना चाहिए था, क्रियान में स्थिया के लिए;

सतः शव, शक्त विधिवयम की भारा 269-व की अनुवारण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, जिस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह— - 9—66GI/86

- (1) श्री इन्द्रजीत सिंह निरंजन सिंह टगोर फ्लेट, पालड़ो, अहमदाबाद । 2. मनजीन कौर निरंजन रित्ह एम-5-56-442, जास्त्रो नगर, ब्रहमदाबाद । (ब्रन्तरक)
- (2) श्रो गुरमीत सिंह स्रमरीक सिंह गुरचरत कौर श्रमरीक सिंह 4 एस० डी० और 4 एन० मी० पुष्पक स्रपार्ट-मेंट पारप पलेट उमीया विजय सोसाइटो नजदीक एस० एस० रोड, श्रहमदाबाद-15 ।

(स्रन्तरिती)

को सब् स्थान बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति से अर्थन के सिरु कार्धमाहियां करता हो।

बक्त सम्पत्ति के वर्षय के सम्बन्ध में कोई भी वार्क्ष :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की कामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनभि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादा;
- (क) इस न्यान के राज्यन में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दिवन्त्र किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा वधोहस्ताकरी के वास विकाश के किस वा सकेंगे:

स्वयाकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याव में किया क्या है।

श्रनमुची

पुष्पक अपार्टमेंट पारप फ्लेटम नं० 4 एम० डो० और 4 एम० मो० एम० एम० रोड, अहमदाबाद रिजस्ट्रीशन नं० 8496 और 492/14-8-85

पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर सायुक्त (निरीक्षण) स्रर्गन रेंज,-I स्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रकप आई.डी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्याबय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, I श्रहमदाबाद,

श्रहमदाबाद, दिनौंक 31 मार्च, 1986

निदेश मं० पी० ग्रार० नं० 4157 -- ग्रनः मुझे, पी०डी० खण्डेलवाल,

वासकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, विश्वका उचित् बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रीर जिसकी सं कलाक नं 253 बड़ोदरा, नालुका, दमफोर्ट है तथा जो जिला-म्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद भ्रम् सूची श्रीर पूर्णेरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिटकारी पूर्ण कार्यालय, श्रहमदाबाद से रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रजीन, तारीख 28-8-1986

को पूर्वोक्त स्म्मित के अभित बाधार मून्य से काम थीं सरवाम् इतिकल के लिए बंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्मित का उप्यित श्वार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का रुक्द प्रतिकृत से अभिक है और वंतरक (बंदरका) और वंतरिती (बंतरितिया) के बीच ऐसे बंतरण के लिए स्यू पाया नवा प्रति-क्य निकासिया स्वृद्धिय से स्वयं बंदरण सिवित में वास्त-विक स्म से क्षित वहाँ किया प्रवा है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिन्युव के वृथीय काइ धीन को अंतरक के वायित्व के कवी काइने या उद्युव अथने के सृतिक्ध के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय जा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा सा किया जाना चाहिए जा, जिया में सुविधा से सिए;

सर्वः, सव, उत्तर वर्षिनियम कौ धारा 269-व के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपुधारा (1) कृषीम्, निम्नजिधित व्यक्तियों, वर्षात् क्ष्य---

- (1) श्री रनछोड भाई मनीभाई पटेल ही रापुर हरीभाई मनीभाई पटेल होरापुर नरींसग भाई उत्तमभाई पटेल, नारनपुरा, परषोत्तम दास उत्तम भाई पटेल डीसा कान्तीभाई उत्तम भाई पटेल, हीरापुर। (ग्रन्तरक)
- ? 2) जयन्तीलाल भोगीलाल शाह एव०यू०एफ० ग़ैलेप कुमार जयन्ती शाह पोस्ट-बड़ोदरा तालुका दक्षफोर्ट जिला- ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को वह बूचना बारी करके पूर्वोक्त सञ्चलि के सर्वेग के सिक् कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकः स्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति दुवारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिड़िका मों किए वा सकेंगे।

स्थाद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों कां, जो उत्तर विधिनयम के बध्यात 20-के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अम्पुर्याः

5 एकर 10 गुंडा सर्वे नं० 238 ग्रीर 239 पर ब्लाक नं० 253 बडोवरा में स्थित है तालुका दसफोर्ट जिला-ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं० 9152 ग्रीर 9153 28-8-85!

> पी० डी० खण्डेलयाल मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रक्य गाइ 🚉 टॉ , एन , एव , --------

आयकर अभिनिय . 1961 (1961 का 43) की पास 269-व (1) के अपीन मृष्णा

भारत सरकार

क्षायसिय, सङ्गयक मायकर जायुक्त (नि<u>र</u>क्षिण)

श्चर्णन रें ज, श्रहमधाबाद

श्रहमदाबद, दिनाँक 31 मार्च, 1986

निवेश सं०पी०आर० नं० 4158—-ग्रतः मुझे,पी०डी० किल्लाल

खण्डेलवाल. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, विस्का उन्नित बाबार भूज्य 1,00,000/- रत. से **अभिक ह**ै ग्रीर जिसकी सं० डो सब डो श्रहमदाबाद प्लाट नं० 8 टी०पी० एम०-1 एफ० पी० नं० 148 है तथा जो टी०सी०टी० एम० बस्स्नापुर सर्वो नं ० 113, 122, 123, 124, 126, 128, में स्थित है (ग्रीर इससे उपात्मड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-8-85 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार शुरुष, उसके दृश्यमान प्रतिष्क्रक संध्ये दृश्यकान प्रतिकास का अनुह्र प्रतिकाल से मिक है और मंतरक (अंतरकों) और नंतरिकी (अन्तरितिथों) के बीच एसे।अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अंतरण निचित में वास्त-

विक रूप से कथित नष्टीं किया गया 🗗 🖫--

- (क्ष) श्रान्तरक् से धूर्ण किसी नाम की नामत प्रकल्प सिंपिनयम के सभीन कार दोने के अन्तरक की श्रामित्य में कमी करने ना उससे यभने में सुनिधा के निष्ण; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय नाथ-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, जिमाने से स्विभा के निष्;

शत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-न की अनुकरन में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमिति मालती बेन कान्ताप्रसाद गुप्ता की पुती 17, एम० फलावर कारमें कर, रोड, बम्बई । (अन्तरक)
- (2) श्री गुनवन्त भाई गोपानी पानीयाद तालुका बोगद जिला- भावनगर।

(ग्रन्तरिती)

महें पह स्वया बाडी करके पूर्वोच्य सम्पत्ति के सर्चन वे लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वनक कुम्परिक् के बुर्धन के सुम्मुम्प में खोदी श्री साम्रोप्यनन

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सै 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, और भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है 3

श्रनुसूची

डी सब डी श्रहमदाबाद सीटी वस्त्रापुर सर्वे नं० 113, 122, 123, 124, 126, 128, प्लाट नं० 8, टी०पी०एस० नं० 1 एक प्लाट नं० 148, 838 वर्ग मीटर रिंग्स्ट्रेशन नं० 8443 14-8-1985

> पी० डी० खण्डेलथाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, I श्रहमदाबाद

तारीख: 31-4-1985

प्रकृत वार्षः, टीः, एतः, एतः, -----

नायकर निभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की कार्या 269-च (1) के नभीन स्थान

भारत तरकार

तहायक नामकर नामकत (निर्मालक)

भ्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4159-- ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके प्रचाद 'उक्त मिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० पालडी एलियस क्रिज टी० पी० एस०-6 एफ० पी०, 165 ए स० पी० 1, है तथा जो फ्लेट नं० 3, क्षेत्रफल 100 वर्गीयार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-8-1985

को पूर्वोक्त संपर्ति के विचित्त श्रांबाह बूस्य से कम के द्वावमान प्रतिक्रण के लिए बन्तरित ही गई है गाँउ नुको यह निश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संक्रमति का उष्टित वाचार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रण से, एसे क्रयमान प्रतिक्रण का पन्त्रह प्रतिक्रत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरका) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ)को बीच होसे अन्तरण को लिए तय पामा प्रतिकृत है उन्नितिक्त उस्केष्य से जनतरण जिल्ति के वास्तिक कम से कर्मित नहीं पामा बना है है——

- (क) भन्तरण से हुन्दें किसी जाम की धानतः, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सूनिधा के लिख; काँद्र/वा
- (क) एसी कियी जाम वा किसी क्ष्म या जन्म जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने भा स्विष्ण की सिक्ष

वतः। तवः, उक्तं विधिनयमं की भारा 269-गं वी अनुसरक सी, सी, उक्तं विधिनियमं की भारा 269-वं की उपभारा (1) कृष्मीय, निम्निवित स्यक्तियों, अर्थातः ह—— (1) श्री रमेश चन्द्र हिमत लाल रोड, श्रोमित उपाबेन रमेण चन्द्र रोड, श्राणीतचालय फ्लेट नं० 3, एलियस क्रिज, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित कान्ता बेन रमेण चन्द्र शुक्ल ए० 3 श्रज्य फ्लेटस श्रहमदाबाद,-6

(अन्तरितो)

को मुद्द सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्प्रीत के वर्षन् के तंबंध में कोई भी गक्षेप उन्न

- (क) इस सूपना के राज्यन में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की नवीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तासील से 30 दिन की नवीभ, वो भी नवीभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा:
- (क) इत त्वना के राव्यन में प्रकावक की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवक्ष किसी जन्म महित द्वार, वभोहस्ताक्षरी के पाष निवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों बाँद पदों का, जो सक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं मुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

पालडी एलियस क्रिज टी० पी० एस०-6 एफ पी०-165 एस० पी०-1 फ्लेट नं० 3, क्षेत्रफल 100 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन नं० 8534 17-8-85

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रहमदाबाद

तारीख: 31~3-1986

प्रकृप जार्च हो . एन् . एस . -----

वायकर अभिनिय्वः ; 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म्(1) से वृत्रीय बुज्या

श्राचा परकार

भार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) अजन रेंज J, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनॉक 31 माण, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4160— श्रतः मुझे, पी०डी० खंडेलवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा ही, जी धारा 269-च के अधीन सक्तन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका जीवत वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी मं० प्लाटनं० 756 ए बिल्डिंग स्रीर प्लाट है ृ्तिथा जो डायमण्ड चोक में भावनगर में स्थित हैं (स्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, भावनगर, में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908) 1908 का 16) के स्रिधीन, तारीख 13-8-1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित वाचार मृज्य से कम के रहयमान प्रतिकल के सिए , अन्तरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वात करने का कारण हैं कि यथा-पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दबयमान प्रति-कक्ष तो, पृत्ते करममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं बार अंतरक (अंतरकाँ) बार वंतरितौ (अंतरितियाँ) के बीच पृत्ते वंतरण के बिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निजिब क्युवेस्य से उक्त अंतरण सिविश में बास्तिकिक क्य से कविश कहीं किया गया हैं प्र—

- (क) अन्तरण से हुन्द किती जाय की शावत, खकत जिथिनियंत्र के अभीन कर दोने के अन्तरस के वायित्य में कमी करने मा उत्तरे मचने में तृषिभा के जिए; कांद्र/वा
- (थ) इति किसी नाम वा किसी धन या अन्य अपस्तिकों को चिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तिरती स्वास प्रकट नहीं किया यया या वा विकास प्रामा नाहिए था, कियाने भी सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री महेश चन्द्र मगन लाल प्रमुख-श्री श्रानन्द को०-श्राप०- हाउसिंग सोमाइटी० लि० रिजर्स्टट श्रीफिस स्टेट बैंक श्राफ मौराष्ट्र, दरबार ग**ड** भावनगर ृ। (श्रन्तरकक)
- (2) श्री सुरण नरेन्द्र कुमार णाह पटेल पार्क एरोड्राम रोड, भावनगर।

(ग्रवन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित औं वर्जन के लिए। कार्यवाहिमा करता हूं।

उपर सम्पन्ति में कर्षण में सम्मन्त में मार्श भी वालोग :----

- (क) इस सूचना के एक्न्य में प्रकासन की तारीव से 45 किन की जनभि मा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीव से 30 दिन की जनभि, जो भी वनधि कर में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (थ) इस सूचना के रहचवत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 विन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हिंश-बहुभ किसी कन्त्र व्यक्ति क्याला अभोहत्साक्षवी के पास निविक में किए का स्थान ।

रम्बद्धीकहम् ६ — बुसर्गे प्रयुक्त कृष्यों श्रीर पर्यों का, को सक्तः श्रीवृद्धिकृष्य के सम्याद 20-क में परिशाधिक हैं, यही वर्ष द्वीगा को तस स्थाप में दिवयः गया है।

धनुसूची

बिल्डिंग स्रौर प्लाट दायमण्ड चीक में प्लाट नं० 756 ए भावनगर, रजिस्ट्रेशन नं० 2242/13-6-1985

> पी० डी० खंण्डेलवाल समक्ष प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्र्यजैनरेंज, स्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रकय बार्द⊛ स्त्री ह एव ह एक⊕ ल - - ----

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के सभीन स्थान

माउट सहस्रह

कार्यालय, सहायक नायकर नायृक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4161- - श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डे लवाल.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिलं इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित शायार मून्य 1,00,000/- गर. से अधिक ही

ग्राँर जिसकी सं सी ०एस० बोर्ड नं ० ७, उपरकोट मनोरभुवन है तथा जो प्लाट ग्रौर मकान भावनगर है स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूशी है ग्रौर पूर्ण रूप से विशत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कायोलय, भावनगर, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 2-8-1985

को पूर्वोक्**त सम्पत्ति के उड़ित बाजार मृस्य से कम के दरयमान** प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का **कार्**ण **है**

िक यथापूनां क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान अतिफल के पन्नह प्रतिकट से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के भीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कश्यत मृहीं किया गया है है

- (क) अन्धरण वं हुई विक्री बाम की बागत, उपसे अभिनियम के अभीग कर दोने के बन्तरक के दावित्य में अभी कड़ने मा अवसे स्पन्त में सुविधा के शिए मारे/शा

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में,। मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री कुमुद चन्द्र कन्हीया लाल पारिख मनोर मिल कन्चाउन्ड, निख्याद, गुजरात।

(भ्रन्तरक)

(2) मारुती लैण्ड डिवलपमेंट कारपोरेशन, 12-13, गोप मिक्त कर्माणयल कम्पलेक्स, भावनगर। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जाड़ी करके पृत्रोंक्श संपत्ति के सर्चन के लिए कार्यवरिष्टमां सुरू करता हूं।

उन्ह सम्पृतिषु के नर्पन् के तंनंत्र में कोई भी नाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीज सं 45 दिन की अवधि या तत्सक्त की व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीध से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अवृथ किसी बन्ध व्यक्ति व्यास वधाहस्ताक्षरी वे पास विविध में विद्युषा सुकींचे ।

स्पन्दीकरण — प्रमं प्रमृक्त घट्यों जीर पर्यों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में पीर्शाविश है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

बन्स् ची

सी० एस० बोर्ड नं० 7, उपरकोट मनोरभुवन प्लाट ग्रीर मज्ञात भावतगर में रजिस्ट्रोशन नं० 2379/2-8-95 ।

> पी० डी० खण्डेलनाल सक्षम प्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रकृष बाइ .टी.एन.एस. -----

भागकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-थ (1) के मधीन त्यना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च, 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4162-- श्रतः मुझे, पी०डी० खण्डेलवाल,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कार्ज हैं कि स्थावर संपरित, विद्यका स्वित वाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

न्नौर जिसको सं वनरंगपुरा गाँव सीम एफ०पी०नं० 171 से 176 श्रमीता है तथा जो को०-श्राप०हा० मो० लि० प्लेट नं० ए-6, क्षेत्रफल 120 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची; श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद हु रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-8-1986

को पूर्वोक्स सम्परित के उणित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के निष् बन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उणित वाबार बुक्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, ऐसे क्यमान प्रतिकल क्य पंद्रह प्रतिकत से कथिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निष् तम पामा गया प्रतिक कस निश्नितियों उच्चेषय से उथ्त अंतरण सिक्षित में पास्तिक क्य

- (क) सम्बरण सं सुद्दं किसी बाब की बाबल अध्य स्वितिष्य के स्वीप कर रोगे के सम्बद्धक के रामित्य में क्षमी करने वा उत्तस वचने वे तृतिपः। से सिए; और/या
- (क) इसी फिली बाय वर किसी धन या बन्य बालिस्यों का, जिन्हें भारकोम आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ध्वारा प्रकट महीं किया नया था या किया जाना आहिए था, जिनाने में स्विभा के लिए;

बत: बब, उक्त अभिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) औं अधीन निधनिष्ठ जिल व्यक्तियों, राजीन :— (1) डा० हरीश श्रीवास्तव श्राफीसस स्टाफ क्वाटर्स श्रटीरा श्रहमदाबाद।

(श्रन्तरक)

(2) श्री जितेन्द्र शान्तीलाल णाह् ए-57, गगन विहार फ्लेटस, खानपुर, प्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शिल्यद्थ किसी अन्य व्यक्ति य्वारा अभीहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिंगिकरणः——इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विया मया है,

अनुस्ची

नवरंगपुरा गाँब सीम एफ पी० नं० 171 से 176 स्रमीता को०म्रा० हा० सो० लि० फ्लेट नं० ए-6, 120 यार्ड रजिस्टू शन नं० 7888/2-8-1985 ।

> पी० डी० खण्डेलवाल समक्ष प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

भोहर 🥫

~-----

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक मायकर बाब्क्स (विद्यालक)

श्रर्जन रंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4163--श्रतः मुझे, पी०डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-ध की अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित सन्तर मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं क सवें नं क 237 सीर क्षेकलाइट के नजदीक प्लाट नं क 14, है तथा जो भावनगर प्लाट क्षेत्रफल 1179-72 वर्ग मीटर भ्रीर बाकताम एरिया 119 वर्ग मीटर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 19-8-85 को पूर्वोक्त सम्मरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रहिष्क के सिए अन्दर्शित की गई है और मुभे यह विकास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार भूत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के प्रवास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार भूत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के प्रवास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार भूत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से निका में वस्तर्य किए तय वावा गया प्रतिफल को प्रविद्धित से विश्व से वस्तर्य कराय विश्व से वस्तर्य में करने कराय वावा गया प्रतिफल को स्थापित उद्देश्य से वस्त कराय किया वावा गया प्रतिक कर की स्थाप नहीं किया गया है है---

- (क) मंतरण से तुर्व कियों साम की बावत, उपत अधितियम के नवीन कर दोने के ब्लाएक के बाहिएव में कभी करने वा उपये ब्लाने में बृद्धिया के जिल्हा मोत्र/वा
- एसी किसी अस्य वा किसी भन वा अस्य वास्तियों को पिन्ही भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिर्देशी वृधारा प्रकट यही दिवस प्या था वा किया जाना वाहिए वा, जियाने में मुविका न्दे लिए;

अंतः नव, उक्त जीभीनवस की भारा 269-त के वनुसरण जो, मी, उक्त जीभीनवस की भारा 269-व की उपभारा (1) के नभीन, निब्निनिवित स्मिन्तगों, जवाँत् हरू - (1) श्री श्ररविन्द दामोदर दास, भागीदार-हंस मेटल इन्डस्ट्रीन शीहोर जिला-भावनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रपूर्व सुदर्शन मजेथिया घोषा रोड, कसारा के नजदीक, भावनगर।

(भ्रन्तरिती)

को बहु भूषना बाड़ी करके पूर्वोक्त सन्युत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त बम्पत्ति से वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप्:---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीश कें 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की वासील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी नवींथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वांक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारा;
- (क) इस स्वना की राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उन्तर स्थावर सम्परित में हित- किसी नन स्थाबर स्थावर सम्परित में हित- किसी नन स्थाबर स्थावर संभाहस्तालारी के बाद निवित में किए का बच्चेंगे।

स्वच्यांकरणः — इतमें प्रयुक्त बन्धें बार पर्वों का, जो जनसार बहुधिन्यम, के ब्रध्याय 20-क के प्रिप्ताधित है वही पर्यो होगा नो उस घडवाय में दिया गया है।

यगत्त्रपी

सर्वे नं० 237 ग्रीर 238 ब्रेकलाईट के नजदीक प्लाट नं० 14, रोड क्षेत्रफल 199 वर्ग मीटर ग्रीर प्लाट क्षेत्रफल 1179.72 वर्गे मीटर भावनगरमें रजिस्ट्रेशन नं० 947/19-8-85

> पी० डी० खंण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रीयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, स्रहमदाबाद

तारीख : 31-3-1986

म ोहर :

इसर बाहें हो हन. एवं.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सब्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जागकत (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० स्नार० नं० 4164--स्रतः, मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, '1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, किरान्य जीनत वाकार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जय शेफाली रो हाउप नं० 40 सेटेलाईट रोड, है तथा जो ग्रहमदाबाद-15 में स्थित है (गौर इससे उमाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकती ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18-8-1985

का प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रशासनिक प्रतिफल के एमें अध्यापन अतिफल का वन्द्र प्रतिकात से अधिक हैं और अध्यापक (क्यमान) और बन्तां पती (अंतरितियाँ) के बीच एमें अध्याप के लिए तय पाया ग्या प्रतिकास, निम्मलिखित सब्दास्य में सक्या बन्तरण निकास वे वास्त्रीयक रूप से कांधित नहीं किया क्या हैं

- (क) अन्तरण से हुक् किसी अप का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; औह/बा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या करन अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आध कर नांधांत्राम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा के निग्रः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभी ते. निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात रंखा 10—66GI/86

 कमलाबेन त्रंवक लाल मेहता 16, देवाँग पार्क, ग्रहमदाबाद-15।

(अन्तरक)

2. लक्ष्मीनिवास ब्रिजलाल रंगटा (एच० यू० एफ०) 41, जय शैफाली पार्क, सेटेलाईट रोड, ग्रहमदाबाद 15 ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के खर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे!

स्वाद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है बही बर्ज होगा, जो उस बध्याय में दिया कवा है हैं

अनुसूची

जय शैफाली रो हाउसनं० 40, सेटेलाईट रोड, ग्रहमदाबाद-15

पी० डी० खण्डे**लवाल** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज-^I, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 31-3-1986

मोहर 🛭

प्रकल आई.टी.एन.एस.-----

जावकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जैन रेंज-1, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनौंक 31 मार्च 1986
निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4165--- श्रतः, मुझे, पी०डी०
खण्डेलवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० हाथीजन सीजम मर्वे नं० 356/3 है तथा जो जमीन क्षेत्रफल 16335 वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कायीलय, श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधितियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1985
को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कप के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पन्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और
अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिनत्य के क्यों करने का अक्षकों उपकों के खाँक के के लिए; और/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी अन या उन्छ आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

(1) श्री भोखाभाई जनशी भाई हाथीजन तालुना दस-कोई जिला-श्रहमदाबाद।

(म्रन्तरक)

(2) श्रो राजेश जयन्तो लाल चेयरमेन-संजय गाँधीनगर को-श्राप हाउसिंग सोसाइटी लि०, हाथीजन जिला-श्रहमवाबाद।

(म्रन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---.

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रगुक्त शक्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

हाथीजन सीम मर्वे नं ॰ 356/3 जमीन क्षेत्रफल 16335 वर्ग यार्ड, रिजिस्ट्रेशन नं ॰ 2052/अगस्त, 1985 ।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक: २1-३-1986

मोहर:

नेत: नय, उन्ते अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भी, भी, उन्ते अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के जधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, म्रहमदाबाद भ्रहमधाबाद, दिनाक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० म्नार० नं० 4166-->म्रतः, मुझे, पी०डी० खण्डेलवाल.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं हाथीजन सीम सर्वे नं 319 है तथा जो जमीन श्रोत्रफल 16940 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रानुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है,) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन, तारीख 1-8-1985

को पृत्रीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास 'करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की भावत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दाजित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (क) देशी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्ह मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के सिए;

जरः जम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री श्ररजनभाई करमन भाई हायीजन, तालुका-दमकोई जिला- श्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) क्षी पटेल जयन्तीलाल नटवर लाल, प्रमोटर-प्राफ हाथी जन राम कृपन को-प्राप० हा० सो० लि० हाथीजन, तालुका- दसकोई जिला- ग्रहमदादाद।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध दाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पूर्वो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ हुीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हायीजन सीम सर्वे नं० 319 जमीन क्षेत्रफल 16940 वर्ग यार्ड, रजिस्ट्रेशन नं० 7854/1-8-85

पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, महमदाबाद

दिनांक: 31-3-1986

THE THE ST. P. S. MINE POR

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

भारत करकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनोक 31 मार्च 1986 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4167- → ग्राः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल.

कायकर किशियम, 1961 (1961 ला 43) (जिसे इस में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारों की वह जिस्साद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत बाजार स्थ्य 1,00,000/- रहा से विधिक ही

श्रौर जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्ता हाथीजन सीम में है तथा जो सर्वे नं० 356/4 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-8-1985

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूळे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृच्य, उसके द्रवमान अतिफल से, एसे व्यवमान अतिकार कर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्त-विक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) बचडण वं हुए कियों बाध की बावए, व्हार बीपीनरम के बनीन कर दोने के बकरफ के बाहिए वें बनी करने या उदाई धनने तो होत्र में के नहिए बीर/म

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :—

(1) शास्त्री नामग्री हाथोजन तालुका इसकोर्ट जिला-अहमसबार :

to the second appropriate the second second

(अन्तरक) '

(2) श्रा बाहू जिन निर्मातिह पंगाबो नेयरमेन-हाथीणन श्री तो तपर जीव-त्रामव हाव सोसाइटी लिव, हाशोपन तालुका दक्कोई, जिला-ग्रहमदाबाद। (अन्तरिती)

AND THE STATE OF THE PARTY OF THE STATE OF T

्रा कर कर प्राप्त हो त्राचाल की तारीच है प्राप्त के प्राप्त स्थान सम्पत्ति में हित-श्री के प्राप्त क्षांहस्ताकारी के

स्पाद्धीकारणा १००० १०० १ मा विश्व भीर पर्यो का, वो उपन क्षीयात्राच्या १ ११ भारत १०० को परिवाधिक स्थापन १०० १ ११ सम्बद्धान में दिवा

अनुसूची

हाथीजन सीम सर्वे नं० 356/4, जमीन क्षेत्रफल 7079 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेश र नं० 2953/ 21-8-1985

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रकल आहें. स्व राज एतं

बायकर अधिनियम, 196: (196: का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीर सुचना

mer arm

कार्यालय, सहायक श्वापनः शब्द (भिरांसन) श्रर्जन रेंश-र्. ग्रहमदाबाह

ब्रहमदाबाद, दिगाँ ह 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० ग्रार्व नं > 4168 -- प्राप्त मुझे, पी व डीव खण्डेलवाल.

बायकर औपनिवयः, 1961 (196) का 43) ्यारे अवर्षे इसके पश्चार 'उत्रर कोमानाम' एक्षा व ही, को चारा 269-र में क्वीन सक्तर कानकारी का ा निराध धर्म का कारण हुं कि स्थावर सक्षांचा, तिसका डोचन गावार गुल्य-1,00,000/- छ. २ अधिक इ

श्रीर जिल्ला सं० हार्थाजन सोच नवीनं० ३५६/४ नही तया यो। जमीन क्षेत्रफल 23171 वर्ग पार्ड में स्थित है और इसने उनामद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कर हे पाँचर है), वेचेख्य उर्श जीव कारी के कार्यालय, ग्रहमदायाय में शिक्षिक्ष एक एविशिष्टम, 1908 (1908 का 16) के धर्जान, तालाहा अवतः, 1985

कां पूर्वीवस सम्परित के करियह आकार मुख्य र छन। के उत्पक्त प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और अभी यह चिरवास करने का कारण ही कि । वास्त्रेशन विशेष का प्रविद्या हासार म्स्य, उसके दरप्रमान प्रीयाफल च. एक जास्कार अतिकास 📽 पं**पद्ध प्रतिकात से आँबक** हुं। धार बरारल एकंपरका हे लीट संबन रिती (बंतरितियाँ) के बीच एने बंतरण उतिए तब पान मह प्रतिकत निम्ननिधित उद्योश्य सं उथ्य धंसरण सिर्धित या शस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- कि प्रसर्थ है हुई किसी बाब की बाहर, उन्ह विविचित्र के विश्वति कर ही के जनगढ़ ही दायित्व में कमी करने या उससे बनन में सायभा के लिए; और/या
- (य) ऐसी बिसी भाव चा एकड़ा उन वा वान करें का है। **बो, विक्**षे **राष्ट्रीय** सारा-कर प्रकिति छन्। १९८० (1922 का 11) का उक्त अधिनक्क, दा वन-कर विभिन्तिसम, 1957 (1957 🖾 27) 📽 प्रयोजनार्थ क्लारिक्टी स्थात काट सहत विल्ला नका या या किया बारा काहिए का क्यान सा उपहा atur if the

बाह: बाह:, केवत वाधितियन की शत 269- का लन्सरम में, में, उक्त सिधिनियम की धारा 269-व की उएधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(।) थाः । यरजन भाई नामजीभाई हाथीजन, तालुका, द तफाई, जिला~ शहमताबाद

(अन्तरक)

(2) श्रो र कानजी महाजी चयरमेन हाथीजन श्रो नाथ भो नग[°], को०-ग्राप० हा० सोक्षाइटो, लि०, हाथीजन लीलः शहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

का यह राचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए 是是自然的 · 中国 · ·

सामा महातिल से अवंश के शहल में कोंगे की बाक्ये हु-

- ाया दाल बाबक की शाक्षण में अला वस की सारीय से AC 184 की प्रकास जा तत्वें भी व्यक्तिमाँ पर मुख्या की टाबीस से 30 दिन की नविष, वो भी अस्टेर ध्या में अगण्ड होती हो, दे भीतर पूर्वीवत अंदिक्त के के वे के विवर्ध स्थापन
- (क्षा) हम अध्यक्ष १५ अञ्चलक क्षे^रार । ११ हन को सारीस स के अर्थार प्रका सामग्री पर्वत में दिएक्ट्रा िन्दी जन भवित सुनारा अवहेंसा कर के पान जिल्ला में १६० मा अहरें।
- मः- े भें रहका राष्ट्रा और वर्षों का भें उपन विभिनियम के अध्याद 20 के वी भी भाषित हां, सही अर्थ होता, को सत्र अध्याप में दिया 清報 影子

अन्स्ची

हाथीजन सीम नर्वे नं ० 356/4 जमीन क्षेत्रफल 23171 वर्ग यार्ड

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर सायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रकृत भाव³. टी.: एन. एस.-----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-घ (1) के जभीन सुचना

भारत सहस्रा

कार्यालय, सहायक जायकर बाबुस्क (पिर्वाक्त)

श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च 1986 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4169--- श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

बामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसमें इसमें इसमें एक्थात् 'उनल मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीज स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फिलट नं 12, 2 री मंजिल, अमी जरा अपार्टमेंट है तथा जो क्षे फललफ 107 वर्ग यार्ड सुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपावध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिध शरी के कार्यालय, वर्द्रवान में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-8-85 को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के स्थ्यवान अतिफल के लिए बन्तारित की गई है और मुके यह विकास करने का कारण है कि यथापुनोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एस रूपमान प्रतिफल का पंद्रह अतिपास से विभक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (बन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पाया प्या प्रतिफल, निम्नितियत उप्योग से उत्तर से उत्तर का कार्य है किस प्राप्त का कार्य से कार्य से विभक्त का से सिक्त का स्थापिक के से सिक्त का कार्य से सिक्त का से सिक्त का से सिक्त का सिक

- (क) बन्दार्थ से हुई किसी नाव की बाबक, उद्धा बहिकनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अवने में तृषिभा के निए; क्षेष्ट/या
- ्छ एसी किसी नाय वा किसी धन था अन्य नास्सियों को जिन्हों भारतीय नायकर नाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया धन या किया जाना नाहिए वा, छिपाने में सुनिधा खें निष्

अप: लब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म को अनुसरण गें, में, इक्त अभिनियम की भारा 269-म की रूपभारा (1) (1) पारस इन्टरप्राईजेज भागीदार-सुमनीचन्द्र के० संघवी, ब्लाह नं० 48 स्वास्तिक सोसाइटी, सुरेन्द्र-नगर

(अन्तरका)

(2) श्री नरेशकुमार रमनीकलाल वोश फ्लैट नं० 12, 2री मंजिल भ्रमीजरा श्रगर्टमेंट पुराना रेलवे जंक्शन, सुरेन्द्रनगर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्ष सम्पत्ति के अर्थन को क्षित्र भर्मवाहियां करता हुई।

उन्त सम्पर्शिक के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्तिस इंगरा,
- (भ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-क्षूण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के यारा लिखित भें किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: - इसमं प्रयुक्त धन्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 12, 2 री मंजिल, क्षेत्रफल 107 वर्ग यार्ड श्रमीजरा श्रपार्टमेंट सुरेन्द्र नगर रजिस्ट्रेशन नं० 2998/28-8-85

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

क्षेट्र :

प्रकप आर्थ. टी. एम. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, धहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4110--श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1.00,000/- उ. में अधिक है

धौर जिसकी सं० पक्षेट नं० 2, जी० एफ० ध्रमीजरा ध्रपार्ट-मेंट है तथा जो सुरेन्द्रनगर क्षेत्रफल 107 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, पट्यान में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-8-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे रूथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधिनियम की अधीन कर दोने की अन्तरक की धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा शेलिए: और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन भा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ख्वारा अकट नहीं किया गय धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधि के सिस्ए।

अतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अस्मितयों, अर्थात् उ—

(1) पारम इन्टरप्राइजेज भागीबार-सुमतीचन्द्र के संघवी, ब्लाक नं० 48, स्वास्तिक सोताइटी सुरेन्द्र-नगर।

man many of months with some of

(श्रन्तरक)

(2) श्री शारदाबेन कान्तीलाल वसानी, फ्लेट नं० 2, जी० एफ० श्रमीजरा श्रपार्टमेंट पुराना रेल्वे जंक्शन सुरेन्द्रनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

उस्त संपति के कर्णन के संबंध में काई भी कादीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

श्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उन्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्रया। गवा है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 2, जी० एफ० अमीजरा श्रपार्टमेंट क्षेत्रफल 107 वर्ग यार्ड सुरेन्द्र नगर रजिस्ट्रेशन नं० 3048/31-8-85

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-रें, स्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

京時 明度、25% 87% 阿木(1000年)

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 969-ण (1) के वाधीन सुचन

भारत सरकार

कार्यावय, सहायक जायकर जायुक्त (चिरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-I, ग्रहमदावाद ग्रहमदावाद, दिनाँक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० ग्रार०नं० 4171-- ग्राः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1 जी अएक० के एक त 107 वर्ष आई है तथा जो अमीजरा अपार्टपेंट युरेन्ड नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपावह अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्षित है), रिजिट्री नकतीं अधिकारी के कार्यालय, पठवान में रिजिस्ट्री नरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-8-1986 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उपित बालार मूल्य से क्रम के द्रश्यमान प्रतिकार के सिए एक पिरा में स्थाप है कि अपाव के सिए एक पिरा में स्थाप है कि अपाव के सिए एक पिरा में स्थाप है कि अपाव के सिए एक पिरा में स्थाप है कि अपाव के सिए एक पिरा में स्थाप है कि अपाव के सिए एक पिरा में सिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) पारा इन्टरधाईनेज धागीदार-सुमतीचन्द्र के० संघदी 48, स्वास्तिन सोसाइटी, सुरेन्द्रनगर। (ग्रन्तरक)
- (2) चेतनावेन परीयल शाह, फ्लेट नं० 1, जी०एफ० ग्रमीनता अपार्टमेंट पुराना रेल्वे जंक्शन, सुरेन्द्र नगर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ट स्क्यांत्व के वर्जन के लिए आस्वाराच्या राजा हो।

र कर महिला । एक ही शास्त्र र ए फोर्स्टी की साम्रोद्धि है।

- (क) इस मुख्या के रागाण को अधारण की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की टामील को 30 विन को अवधि जो भी अवधि को की कार्या के अधार प्रमेकिन के अधार प्रमेकिन के अधार प्रमेकिन
- (क) रम स्थान के नावनात या प्रकाशन को तारीख सं अप विकास के एक एक अस्तान मक्यों के सी हिलास्प्र किकोर काम के का का का नामका के की की सास विकास की किया का माने के

स्पद्धीकरण --- एस श्वास्त सब्बी अरि पद्धी का, वो उत्था अधिनासम्बद्धी अर्थास 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी अर्थ होंगा को चल अभ्याय में दिया सर्वे थीं।

अनुसूची

फ्लेट नं > 1, जो > एफ > क्षेत्रफल 107 वर्ग यार्ड ग्रमीजरा अपार्टमेंट सुरेन्द्रनगर, एजिस्ट्रेगन नं > 3047/31-8-85 ।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, स्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधील स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनांक 31 मार्च, 1986

निदेश मं० पी० श्रार० नं० 4172—स्प्रतः मुझे,पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित राजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नीलगगन को०-म्राप० हाउसिंग सोसाइटी में तलाव है तथा जो दरवाजा जूनागढ़ फ्लेट नं० बी-8, 2री मंजिल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख अगस्त, 1985

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फान, निम्मलिखित उद्दोश्य से उच्त अंतरण दिवित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाय्तिय में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी या किसी धन था जन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती वृत्तारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, किला में सुनिधा जे लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 262-घ की उप्धासर (1) के अधीन., निम्किसित व्यक्तियों, अधित ६—— 11—66GI/86

- (1) श्रीमित मुम्ताबेन वतलभदास पंथानी केयर स्नाफ वतलभदास एण्ड कम्पनी दानापीठ जूनागड़ । (मन्तरक)
- (2) श्री जयेन्द्र कुमार बचुभाई गोरख फ्लेट वं० बी-8 2 री मंजिल नीलगगन फ्लेटस तलाब दरवाजा जूनागढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गथा है।

अनुसूची

फ्लेट नं० बी-8 2 री मंजिल नील गगन फ्लेटस तलाब दरवाजा क्षेत्रफल 132 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 1763/ 4-8-1985

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रकृष बाद्ं.दी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन

भारत नाउकार

कार्यातय. सहायक बायकर बायक (निरीक्षक) श्रजीत रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 31 मार्च 1986 निर्देश नं पी ग्रार० न > 4173-- श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलयाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें जिले पंथ्यात (उनत अधिनियम) कहा थवा है), की भारा 269-च के नथीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्प्रकार, विसका उचित वाजार भूम्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट मुरेन्द्र नगर में क्षेत्रफल 107 वर्ग भार्ड है तथा जो अभीजरा अपाटेमेंट जी० एफ० न० 1 में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय वदंवान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के इश्यमान ब्रिकेस के लिए जन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्बरेश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीय कर दोने के अम्तरक के वाजिल्ल को कभी करले वा उच्छे दचने में स्विधा के किए; बीड़िंगी
- (अ) एमी फिसौ बाय या जिल्मी धन वा जन्य बास्तवा की जिन्हा भारतीय अधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण श द्वा किया प्राप्त बाहिए था, क्रियान मा गृविका क लिए।

- (1) पारस इन्टरप्राइजेज भागीदार—-सुमर्त,चन्द्र के० संघवी और ग्रन्य ब्लाक नं० 48, स्वास्तिक सोसाइटी लि० मुरेन्द्रनगर।
 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री त्रबकलाल कानजीभाई पारीख पलेट नं० 1, जी एफ० गमीजरा अपार्टमेंट पुराना रेलवे जंम्णन सुरेन्द्रनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🏣

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत मों प्रकाशन की सारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपर्तत मों हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी की पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पथ्यकिरणः—इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, को उच्छ अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वदा है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 1 जी० एफ० क्षेत्रफल 107 वर्गयार्ड स्रमीजरा स्रपार्टमेंट सुरेद्र नगर रिजस्ट्रेणन नं० 2997/28-8-85

> पी० डी० खण्डेलवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (िरीक्षण) घर्जन रेज-^I, घ्रहमदाबाद

नतः ४४. उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भा, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभाष (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत :---

तारीख: 31-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंत रेंज-I'. ग्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च, 1987

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4174-- ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल.

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लिट नीलगगर को०-ग्राप० हाउसिंग सोनाइटी म है तथा जो तलाब दश्याचा जूनागढ़ 8 वी मंचिल, बी-30 में स्थित है (ओर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणा है), रिक्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के वार्यालय, जूनागढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जारीख 2-8-1985

को पूर्वितत सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वितत सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तर्शितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्यिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नकिसिक व्यक्तियों, अर्थात् — (1) (1) श्री पोतपट लाल गोविंद भाई पटेल केगर ग्राफ कृष्ण ओरल मील्स मजेपाडी दश्वाजा बारर जूनागढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हर्षकान्त इरेन्द्रराय वैद, फ्लेट न० बी-80 8वी मंजिल, नील गगन फ्लेटस तलाब दरवाजा जुनागढ़।

(श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कर कें पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गों।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसची

फ्लेट नं० बी-30, 8वां मंजिल, नीलगरन फ्लेट तलाब दरवाजा क्षेत्रफल 116 वर्गमीटर रिजस्ट्रेगन नं० 857/2-8-85।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

नारीख: 31-3-1986

इस्म बार्छ टी_ड एव_ड एक_ड ----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

प्रार्ट स्रका

कार्यानम्, सञ्जयकः भावकर भावकर (निर्देशक) धर्णन रेज-I, श्रहमदाबाद

अंगत् रण--, अध्ययांचाय

भ्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986 निदेश सं० पी० भ्रार०नं० 4175—-भ्रत मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

बायक हु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इत्तर्भे इत्तर्भे पश्चात् 'उन्त अधिनियम' बद्धा गया हाँ), की भाउत 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-सः. से अधिक हैं

और जिसकी सं किलकत दामनगर में बंडी डेला है तथा जो जमीन क्षेत्रफल 1333-6 वर्ग मीटर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लाही में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-8-1985

कां पृशांकत संपति के जीवत बाबार मृस्य से कड़ के द्रायमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रितिफल ते, एसे इत्यमान प्रितिफल के पन्द्र प्रतिदात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उन्त अंतरण लिखित में बासविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) समाहम् वं हृष् किती नाम की नाम्यः, उपयु विवृत्तिया के नामीन कर वर्ष के नाग्यक के शायित्व को कती करने वा प्रवृत्ते वस्त्रो के स्तृत्वा के निष्ः। और/या
- (थ) एंसी किसी बाद वा किसी थव वा कन्य जास्तिकों को, चिन्हों भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11), वा उच्छ विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा वे जिन्हों।

बर्धः वयः, उन्तः विधिन्दयं की पार्च 269-म में बनुसरण में, में, उन्त विधिनियमं की भार्च 269-म की उपभारा (1) हे मुनीन, निम्मतिषित व्यक्तियों, वर्णात ह— (1) श्री युसुफग्रली दादरभाई वोश, दामनगर जिला-ग्रमरेली।

(भ्रन्तरक)

(2) ज्योतिबेन जयन्तीलाल पटेल और अन्व, प्लाट नं० 914, ब्लाक नं० 2, म्युनिसपिलटी डेरी, भावनगर। (म्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त स्म्मोत्त के वर्षन के रिक्य कार्यनाहिना करता हुं 🚯

जनत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में मार्श भी बाखेर :---

- (क) इस सूचना को प्रचयत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बनीध या तत्संबंधी स्वयंक्तियों प्र सूचना को तायील से 30 दिन की बनीध, यो भी सनीच बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कर स्वीयत्यों में से फिसी व्यक्ति ध्वाय:
- (ख) इस सूजना के राजभव में प्रकाशन की दारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए वा सकों ने।

भ्यव्योखरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनिवस के अध्याव 20-क में परिभाषिष हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनम्ची

मिलकत दामनगर में जिला श्रमरेली वंडो और जमीन क्षेत्रफल 1333-6 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 85/19-8-85

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-I, स्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रकृष **वाद**्टी, एस. **एस**् -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकात

कार्यात्तय, सहायक बायकर भायक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंग-I, श्रहमदाचाद
श्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च 1986

निदेश सं०पी० ग्रार० मं० 4176→ -ग्रनः मुझे, पी० डी० खंडे लघाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके पृथ्वाह जिस्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का सारण हैं कि स्थान मण्यान, जिस्ता उण्जि मानार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं गुजरात हाउनिंग बोर्ड विजय नगर, एम० श्रार जी एच० ब्लोक सं 53 है तथा जो फ्लैंट सं 316 वाइज सर्वे सं 307 क्लैंट सं 95 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीत दिनाँक 23-8-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुक्य, उसके क्यमान प्रतिफल का एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्तु प्रविचत से विभक है और बन्तरक (अन्तरक?) गौर बंदरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया बना प्रतिफल निम्नितिचत उद्देश से उस्त बंदरण निम्नित् में बास्त्विक रूप से कथित उहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ला उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी जाम या किसी भग शा मन्त बास्तियां क्यों, जिन्हों भारतीय बाय-कर सिंधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था किया बाना कादिए था, किया में प्रिका की विद्या

बहः क्षव, उक्त बीधिनियम की धारा 269-स के बन्सरक में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री फरीदकुमार कान्तीलाल दशाई 53-316 विजय नगर नारनपुरा, ग्रहमदाबाद-13

(अन्तरक)

(2) श्री धीरेन भीखुमाई पटेल 35-207 विजयनगर नारनपुरा, श्रहमदाबाद-13

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में शकाशन की तारी **स** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितब द्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकोंगे।

स्वाक्षीकरण: --- इसमाँ प्रमुक्त शब्दी और पदों का, जो उज्ख अधिनियम के अध्याय 20-क मों परिभागिषण ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मों दिया यस ही।

अन् सूची

गुजरात हाउसिंग बोर्ड विशय नगर एम० श्राई० जी० एच० ब्लाक सं० 53 फ्लैट सं० 316 वाह्य नर्वे सं० 307 क्षेत्रफल 79.27-95 वग यार्ड फ्लैट रिजस्ट्रेणन सं० 8968/ 23-8-85 ।

> पी० डो० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅंज, अहमदाबाद

दिनौंक : 31~3-86 मोहर : ग्रहमदाबाद

प्रस्य भाइ, टी, एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत संहकार

कार्यासन, सहायक वायकर बाय्क्स (विद्रीक्षण)

श्रजन रेंज–ा श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनाँक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० पी० आए० नं० 4177—श्रत: मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल

शायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त लिभिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह निश्चास करणे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित वाचार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्पौर जिसकी सं० दरियापुर बोर्ड सं० 1 सर्वे सं० 3812 क्षेत्रफल 77 वर्ग यार्ड है तथा जो अर्वे सं० 3823 क्षेत्रफल 55 वर्ग- यार्ड पुराना मकान 132 वर्गा यार्ड में रिथा है (प्रीर इनसे उपाबढ प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिकस्ट्री वर्ग ग्रीधिशारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्री करण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौक 14-8-85,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में का हो स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हो और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके रव्यमान प्रतिफाल से, एसे ६१यमान प्रतिफाल का जिल्ला का पन्द्र प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितेंगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित मा चास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) सम्बरण सं हुई जिस्सी साथ कर्त नायत उक्त निधिय स्थिय से वृत्तीय कर दोने के सम्बर्धक के वासिस्य धी कसी करने या उत्तर वचने में सुविधा के जिए; कहि/या
- (क) एंसी किसी अप या विस्ता वन या अन्य अस्तियां को जिन्हों भारतीय अधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधाजनाथ अन्तिरिती व्वारा प्रकट भहीं किया गया वा वा किया अना वाहिए वा, छिपान में भूषिया वी विद्याः

क्षतः धव उवत किभिनियम की धारा 269-म के अन्यस्थ भी, मी, सकत विधिविधय की धारा 269-म की उपभारा (1) में ब्रधीन्य निम्मलिखिस व्यक्तियों, वर्षात् क्ष- (1) श्री इस्माइलभाई साद्वीयभाई जालूपुर टोपीबालाकी चौलके वामने कुंमारका दहेगा श्रह्मदाबाद ।

(अन्तर्क)

(2) तयमाबीबी सज्जन माहेब स्रांर स्रन्य कालूपुर टावर के गर्जदाक मदन मारकेट के पीछी, स्रहमदाबाद ।

(ग्रनरिती)

की यह सूचना चारां क्षारको पृशीक्त सम्परित के बर्चन हैं जिए कार्यवाहिया करता हो।

जनत संपरित के अर्थन को सबंध में कोई भी बाक्षंप र--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच से 45 दिन बने बनिय या तत्माच्यानी कावितयों पर सुचना को तार्वाल से 30 दिन को अविधि, जो भी विश्वितयों में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्या.
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की हाराब के 45 दिन की भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वग्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पार जिस्ति में किए जा शकींगे।

स्पद्धीकरण. -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, यो उसत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही नर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

दित्यापुर बोर्ड सं० 1 पर्वे सं० 3812 क्षेत्रफल 77 वर्ग भाई ग्रोप वर्वे सं० 3823 क्षेत्रफल 55 वर्ग यार्ड पुराता सजात कुल कस्टूक्शन एरिया 130 वर्ग यार्ड एजिस्ट्रशन सं० 844७/ 14-8-85

> पी० डी० खंडेलघाल नक्षम प्राधिकारी नहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंतरोंग-I, श्रहमदाबाद

दिनाँक : 31-3-86

प्रकृष बार्ड .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरोक्षण) श्चर्जन रेंज~I, श्रहमदाबाद

श्रहमदावाद, दिनाक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० श्रार० सं० 4173 - श्रनः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल.

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है ेद स्थापर सम्पत्ति, जिसका क्रीकर सामार मुख 1,00,000/- रत. में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० राज्युर हीरपुर सीम सर्वे सं० 206 एफ० पी० सं० 65 एटनामेंट सं० 8-ए है तथा जो 61.53 वर्ग मीटर टी०पी एस० 4 स्रीर 24 जी० एफ० स्रीर एम० एफ० में स्थित है (ग्रौर इसके उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वाणत है, रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, ब्रहमदाबाद म रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक 19-8-85.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंत-रिकी (अंतरिक्टियाँ) के जीच पृत्ते कतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तांचक ह्य से कौरत गही किया वया है :--

- ूँक) वंतरण **से हुई कि**सी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के दमीत कर दोने के बतरक के शायत्व में कभी करने या उग्रस दस्य में सूरिया के निए: वरि/या
- (ध) ऐसी किसी जाय या किसी थन या अन्य आस्टियां को, जिन्हों भारतीय वायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया यस भा मा रिया जाना बाहिए भा, जिलाने में सी क्या के दिला;

बतः कथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

(1) श्री मनसुखलाल नागरदाप चपारवाला श्री मंगलम नवलखी स्ट्रीट गोशालपुरा पोस्ट श्राफिन के सामने मुरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बलदेवदास ईश्वरदास ठक्कर 11, केतन फ्लैट रामबाग, मनीनगर, ग्रहमदाबाद--8।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपक में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वल्हीकर्ण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजपुर-हीरपुर सीम सर्वे सं० 206 एफ० पी० सं० 65-एटनामेंट सं० 8ए क्षत्रफल 61.53 वर्ग मीटर -- 73.83 वर्ग यार्ड जी० एफ० भ्रौर 70 वर्ग मीटर -- 84 वर्ग यार्ड एफ०एफ० जमीन पर क्षेत्रफल 25 वर्ग यार्ड टी० पी० एस० 4 और 24 दस्तावेज पर पी० एस० फाइल हिया रजिस्ट्रेणन सं० 8665/19-8-85।

> पी० डो० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनाँक : 31-3-86

प्रास्त्व नाइ[‡]् टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सह्ययक नायकर नायुक्त (विद्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4179:---ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० वेजलपुर सीम सर्वे सं० 296 फ्लैट सं० 6, एस० सी० 82 वर्ग यार्ड है। तथा जो सेकण्ड फ्लोर पुष्पक श्रपार्टमेंट पारव को० श्रो० सोसायटी एस० एम० रोड, श्रहमदा-बाद में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौक 5-8-1985,

का पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से एसे एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी बाव की बाबत, उन्तर अधिनियम के अभीन कर देने के बन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे दयने में सुविधा के निष्ट; और/ब
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) क्षो बी० बी० बरदराजन रतनगिरी अपार्टमेंट, सेकण्ड फ्लोर मीराम्बीका हाउईस्कूल ङ्कानजटीक अहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो जयंतीभाई हीराभाई पटेल ग्ररविदाबेन जयंतीभाई पटेल 42, वीपावली सोसायटी नारायननगर रोड, वालडी ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्बद्धित के वर्षन के हिस् कार्यवाहियां करता हो।

उन्त राम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिनियत में फिए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिश है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया "वा डै!

मम्स्ची

वेजलपुर सीम सबें सं० 296 फ्लैट सं० 296-एस० सी० क्षेत्रफल 82 वर्ग बार्ड से कण्ड फ्लोर पुष्प ह एपार्टमेंट में पारव को० ग्रो० हा० सोसायटी उमीचा विजय सोपायटी के नजटोक एस० एम० रोड, ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रेशन सं० 8008/5-8-1985।

पी० डी० खण्डे लवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

विनोक : 31-1-1986

प्रकृत आहे. ही. एवं. एक. -----

भाषकड अभिनियम, 1961 1961 का 43) की पारा 269-च (1) वं गंभीन स्चना

" The state of the

भारत सरकार

कार्यम्म , सहायकः जायकर ताज्यः (निरीक्षक) । अर्जन रेज्-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

जायक र अधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिलं इसमें स्थान प्रवाद पंजान का अधिनियम का गया ही), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ष्मार जिसकी सं० एव० पी० राजकोट में जैनकात 24 वर्ग यार्ड--216 वर्ग फिट है तथा जो पंवेर टापू पर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णिक है), राजिस्ट्री तो अधि ारी के नायालय, राजकोट में राजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 23-8-1985

को पूर्वीपत सम्पत्ति के उचित बाबार बूस्य ते कत के अध्यमान प्रतिकाल के निए बंतरित की नहीं हैं और मुम्में यह विश्वास असने का कारण हैं कि स्थापनित्ति सम्पत्ति के उचित बाबार भूका, उसके द्रयमान प्रतिकार में, एमें स्माप्त प्रतिकाल का अध्यक्ष प्रतिकात से अधिक हैं और अंतर के (अं रक्तें) और अंतरिती (अस्तरितियों) के बीच एमें अस्तरण के लिए तस पासा नमा द्या प्रतिकास निम्नतिसित उद्योग ने उस्त जंतरण जिस्तित से साक्ष्मिक रूप से अधिक स्पर्ध की स्माप्त हैं अस्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा कों लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
12---66GI/86

1. श्री पंज कुमार दुर्लभजी नटवानी, भक्तिनगर सोसायटी, मार्गं नं० 2, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री राम बिल्डर्स भागीदार—श्री प्रवीनचन्द्र सी० वक्षनी श्रांर अन्य, पेट्रोल पम्प के नजदीक, फुवाडवा रोड़, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित है अर्थन दे संबंध में कोई भी बाओप--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकावन की तारीवा से 45 दिन की जबिंग या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तारील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकींगे।

स्पष्ठिकरण : --- इसमें प्रबुक्त शब्दों और क्यों का, जो उक्त अधिनियम के हैं याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ हं ना को उस अभ्याद में हैंदवा नदा है।

वन्त्र्या

मिल्कियत जबेर टापू पर राजकोट में क्षेत्रफल 20 वर्ग मीटर-216 वर्ग फिट रजिस्ट्रेशन न \circ 3704/23-8-85।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अभीन स्**य**ना

भारत सरकार

कार्यालय, यहाय ६ आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4181—-अतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं ० एमील 448 वर्ग मीटर प्लाट नं ० 218 है तथा जो पृथ्वीराजपुरां गोंडाल में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुभूची में ग्रीप पूर्ण कर ने विणित है), रिल्स्ट्री-इता अधि गरी के कार्यालय मोरबी में रिल्स्ट्रीन्ट्रण अधि-नियम, 1908 (1908 प 16) ने अबीर शरीखा 28-8-1985

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रिताफल के लिए उन्तरित की गई है और मृज्ञे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्जोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत में अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की भागत, उक्त नियम के कधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के िलए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन वा बन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिर्सित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री मनहरलाल हरजीवन गांधी, स्व० हरजीय दास के कुल मुखत्यार, हैबररीड़, राजकोट। (अन्तरक)

 श्री उदयर्गिंग मनुभाभाई जाडे ग, कायाजी परा-2, मोरबी।

(अन्तरिती)

कोर यह सूचना जारी वरके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्स क्विक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

प्रनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 448 वर्ग मीटर प्लाट नं० 218, पृथ्वीराजपरा मोरवी रिजस्ट्रेशन नं० 1140/28-8-85।

> भी शिंश खंडेलबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

मोहर 🖫

क्षण कार्य .टी.क्न.एस.------

भागकर अभिनिज्ञाः, 1961 (1961 का 43) वर्ते पारा 265-म (1) वे जमीन स्वयः।

बार्क क्यार

कार्याचन ,: बहुत्वक नावकर कार्यक (रिपर्यक्रक)

अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986 मिदेश सं० पी० आर० न० 4182--म्रानः मुझे, पी० डी० खंडेलवास,

नावकर निधानका, 1961 (1961 का 43) (विका काने इसके क्थणात् 'उनस निविधित' कहा क्या ही।, की कास 269-च के न्यीन समान प्रधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्कार सम्बद्धित जिसका उचित बाधार मध्य 1,00,000/- रू. से निधक है

ष्ट्रौर जिनकी सं० जमीन क्षेत्रफल 384 वर्ग मीटर गोंडल में हैं तथा जो पृथ्वीरत्तपूरा प्लाट नं० 217, में स्थित हैं (भ्रीर इसने उपायद्ध अनुसूची में घ्रारपूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के ज्ञायालय, मोरवी में रिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन,

28-8-1985
का पूर्विक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीम सम्पत्त का उचित बाबार भूत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का प्रतिक प्रतिक प्रतिक का प्रति

भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल क' एसे दृश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिपास से अभिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) की अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच शेसे अन्तरण के लिए तय भावा गया प्रतिफल, जिस्नीमिति उद्देष्य से उक्त अन्तरण विविद्य में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया ही:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उसके बचाने में सविधा के बिद्ध; अर्थि/वा
- (व) इंबी किकी अस्य वा किसी अन या अस्य अमिलायों को किसू अरसीय मामकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) वा जेक्स मिनियम, वा भनकर मिनियम, 1957 (19/ / का 27) के प्रयोजनार्थ बन्सरिती कुलरा प्रकट नई किया गया था वा किया माम क्रिकेट का किसा वो क्रीयम के खिद;

काः वन, उन्त वीपनियम की पत्त 200-न ने कन्धरन मं, पं उन्त किंपिनयम की पाध 269-न की उपपास (1) के अभीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, स्थित् ::— श्री मनहुरलाच हरजीवन गांधी, स्व० हरजीवनदास फुल सुखत्यार, राष्कोट।

(अन्तर्ह)

 श्री लखर्घारजी मामुखभाई लाङ्गजा, गांव वद्यापिया तालुका मालीया, सौराष्ट्र।

(अन्नरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के जिह कार्यवीदियां सुरू करदा हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस धूकना के समप्त में अन्ध्रश्न की तारीय सं
 45 विन की नविध ना स्तम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूक्ष्म की समील सं 30 विन की समीप, जो भी
 नविध नद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत
 व्यक्तियों में से निक्सी व्यक्तिस क्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाप्तर सम्बद्धि में हित्तबब्द किसी जन्म व्यक्ति द्वास मनोहत्ताकरी के वास निवित में किस वा सकें

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

जमीत क्षेत्रफल 384 वर्ग मीटर पृथ्वीराजपूरा में प्लाट नं० 217, मोरबी रिजिस्ट्रेशन नं० 1169/28-8-85।

> पी० डी० ब्राइनिकाल ाक्षम प्राधिकारी महायक आयहर अध्युक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

मोहरः

प्रकृत बाइ . दी. एम . एस . -----

भाषकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की। भारा 269-म (1) के वभीन सुमना

बारत सहस्राट

कार्याक्षम, बद्दामक नामकर नामुक्त (निर्माम)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमद(बाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4183---अतः, मुझे, पी० की० खण्डेलवाल,

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्यात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास कर्य का कारण हैं कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उखित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एचं० पी० पालडों में बी० नं० 11-ए० दीवाकर सोसायटी है तथा जो क्षेत्रफल 100 वर्ग यार्ड अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अविकारों के कार्यालय 37-ईई० (फाइल किया) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-7-85

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-7-85
को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम क क्ष्म्यमान
प्रतिप्रम् के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्त यह विश्वास
कर्ते का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके क्ष्ममान प्रतिप्रत से, एसे क्ष्ममान प्रतिप्रत का
पन्नह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (बंतरकों) और जतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया
नवा प्रतिप्रल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित
में बास्तिक कर है किया पदी किया पता हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत. उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय बायकर वृभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृभिनियम, या धन्-कटु वृचिनियम, 1957 (1957 का 27) जे स्वोजनार्थ बन्दरिती इंदाय प्रकट नृहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा वो तिह्य ॥

कतः वय उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वो, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वो वधीन, निम्निकिसित व्यक्तियों, अवस्ति क्र--- 1. श्री धनवंन्तलाल चन्दुलाल गांधी, 11-ए०, दीवाकर सौपायटी, मुस्लिम सोसायटी के नणदीक, नारायन भगर रोड, पालडो, अहमदाबाद~7।

(अन्तरक)

2. श्री हसमुखनाई चामनलाल गाह ग्रांर सरलाबन एच० गाह, ए-4, नीकीता अपार्टमेंट, फतेहनगर, पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

का मह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में काद" भी आक्षार ----

- (क) इस स्थान के श्रामपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, जो और व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वाहा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पन्ति में हिततक्ष किसी अन्य न्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिठः हैं, वहीं अर्थ होना दो उस अध्याय में विकार भूश हैं।

अनुसूची

बी० नं 11-ए०, दीवा र सोसायटी, जमीन क्षेत्रफल 300 वर्ग यार्ड मंगन 100 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन नं 37-ईई दिनांक 23-7-1985 को फाईल किया।

पी० डी० खण्डेंलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायल आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनाँक: 31~3~1986

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्बाजय, बहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4184---श्रत: मुझे, पी० डी॰ खंडेलवाल,

मामकर निर्मानयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/रू० से श्रधिक है

और जिसकी संव एवंद पीव राजकेट में उन्न रक्तार को-मापव हाव सोसायटी, है तथा जो जमीन 301 वर्ग यार्ड, मकान हैं (और इससे उपाबद्ध म्रमुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 28-8-1985

(1908 का 16) के अधान ताराख 28-8-1985 को पूर्वों कर संस्पित के उर्देशन वाजार मूल्य से कम के उर्द्यमान प्रतिक्रण के जिल् अतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्यों कत संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उत्तर्थ कर्यमान प्रतिक्रल से, एसे उर्द्यमान प्रतिक्रल का चंच्य प्रतिक्रत में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिताः) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रण निम्मलि। सत उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वान्तिविक रूप से क्थित नहीं किया गया है ए---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अवः, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण भें, भें, उकत अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री छगाभाई दयासजीभाई मिस्त्री, पंचणील सोक्षा-यटी, मालवीया कालेज के पीछे गोंडल रोड राजकोट।

(भ्रन्तरक)

2. श्री धनजी पुंजाभाई समाया, उछरंग नगर मोसायटी, बी० नं० 1 मास्तर मोसायटी, राजकोट। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जाशी करको पूर्वोक्स संयक्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

जयत सम्पत्ति के बर्भन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भा अवधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होंगा यां उस अध्याय में दिशा गया है।

जन् सूची

एष० पी० राजकोट में जमीत क्षेत्रफ़ल 301 वर्ग यार्ड मकान क्षेत्रफल 1600 वर्ग फिट उछरंग नगर को-श्राप० हा० सोसायटी बी० गं० 753 रिजस्ट्रेशन नं० 5641/28-8-1985।

तारीख: 31-3-1986

प्रक्रम् कार्युः, ध्वीः, एरः, एकः, -------

भागकड जीपनियम है 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के मंपीन त्यार

बारुत चरकार

कार्यालय, सहायक बायकार नायुक्त (निर्धिकन)

श्चर्जन रेंज−I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनांक 31 मार्च 1986

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 4185--श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहजात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं टी पी एस 25 एक पी 418 एस पी 2 जमीन है तथा जो क्षेत्रफल 1175 76 वर्ग यार्ड मकान 400 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयं अहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पंचा गया प्रशिक्त, निम्निसित्वत उद्विष्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्दाक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के किए, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, में, एक्त अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) के अधीन.. निम्निशिक्ष व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री मधुसूदन भीमभाई मेहता 50 याहवाला सोनायटी मनीनगर ग्रहमदाबाद-8।
 - (भ्रन्तरक)
- प्रेम अपार्टमेंट श्रोनर्स श्रेसोसिएशन 21, पंकज सोसायटी सरखेज रोड ग्रहमदाबाद-7। (अन्तरिती)

की यह श्रूपना पार्य करके पूर्वोक्त क्मिरित के पूर्वन के निष् आर्थआह्या करता हों।

उक्त सुम्बद्धि के कर्षन के सम्बन्ध में कीई भी माधीए :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अ्यिक्सियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जा मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीलर उनत स्थावर संपत्ति मां हिस- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी को वास कि सिंधर वा कि किस था सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मं परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगराची

टी० पी० एस० 25 एफ० पी० 418 एस० पी० 2 जमीन क्षेत्रफल 1175.76 वर्ग यार्ड और मकान 400 वर्ग यार्ड रिजिस्ट्रेणन नं० 9205/29-8-85।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेजें–^I; म्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4186—श्रत: मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह शिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव वासना टीव पीव एसव 22 एफव पीव 391, जमीन क्षेत्रफ़ल है तथा जो 586 वर्ग मीटर फेक्टरी मकान के साथ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्टिनारी के वार्यास्य में किस्ट्री है, तारीख भगरत 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसें। किसी जाय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्वैनधा के लिए:

अतः अव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :— सौराष्ट्र पाटीवनार फक्टरी, प्रो०-कालीवास नारनदास बल्लंडा, श्रयस सौसायटी वासना, वरेज रोड, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स अनंतराय एण्ड कम्पनी अनंतराय डी० पटेल 6, शारदा फ्लेट्स मुदरपुरा आंबावाडी श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि यातत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से फिती व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन मी सरीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः --इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वासना टी० पी० एस० 22 एफ० पी० 391 जिमीन क्षेत्रफल 586 वर्ग मीटर फक्टरी मकान के साथ रिजस्ट्रेंगन नं० 6619/म्रगस्त 1985।

> पी० डी० खण्डेलवाल स्थम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: ^1-3-1986

. _____

बावत सहस्रा

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4187—स्थतः मुझे पी० डी० खडेलवाल,

धार कर विविधियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हुँ), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वार का का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला जमीन क्षेत्रफल 7337.88 वर्ग मीटर है तथा जो सर्वेनं 275 प्रसारवा सीम में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिक्यम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 13-8-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के तोषल वाजार मृत्य से अन्न के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गढ़ है और मृन्से यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्नह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में हास्तिक रूप से किया नहां है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्नर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के राक्तिक को कभी कारणे या उक्क के बचने के हुक्किश के सिष्ट; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी थन या अगर आस्तिर्यं की, किहं भारतीय नायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के अधिवास के सिद्ध;

अतः अव, उक्तः विधिनयम की भारा 269-ग के अनुसरम में, में, सक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर पिन्यसिसिस व्यक्तियों. अर्थात् :---मोहर्ष छ

- 1. श्रीमती सीताबेन माधवलाल शान्ताबेन माधवलाल भानुमतीबेन माधवलाल श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री अनिल कुमार फलयानभगई वाघेला सच्चीदानंद को० ग्रा० हा० सोसायटी लिमिटङ ग्रासारवा ग्रहमघाबाद।

(भन्तरिती)

की नह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्षन के लिए कार्यभाविष्यां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वं 45 दिन की जबिध या तत्त्वस्थान्थी व्यक्तियों पर भूचन की वासील से 30 दिन की मबिध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य प्राचित्रात । या विकारी व्यक्तित दावारा,
- (च) इ.स. सुचना को राजपत्र मों शकाशन की तारीख शं 45 विन को भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

वनसूची

खुला जमीन क्षेत्रफल 7337.88 वर्ग मीटर सर्वे नं० 275 प्रसारवा सीम रिजिस्ट्रेशन नं० 8424/13-8-85।

> पी० डी० खंडेलवा ल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्ररूप आई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, म्रहमदाबाद महमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4188— श्रतः मुझे, पी० की० खंडलवाल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके श्रेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान जी० एफ० 212 वर्ग यार्ड, जमाल-पुर वार्ड सी० एफ० नं० 3025 है तथा जो मुख्याम भेट पोल मांडवी की पोल ग्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्व ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकरण ग्राधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण ग्राधिकियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख ग्रमस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पनकर अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविशा के लिए;

अक्राः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

13--66 GI/86

 श्री अरेगाचन्द्र फकीरचन्द्र शाह और 3 अन्य, माडबीकी पंत्र, सुरदास शेठ की पोल, श्रहमदवाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री मुकेश कुमार लानभाई मोनी, श्रोठ की पोल, श्रतसील श्रहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हो।

उयत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विभिन्न मों किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

महान जीव एकव पर क्षेत्रफल 212 वर्ग यार्ड जमीन 1/3 ,212 वर्ग यार्ड के जमालपुर में वार्ड सीव एसव नंव 3025 सुरदास भेठ की पील मांडवी की पील ब्रह्मदाबाद रिजरिट्रेणन नंव 7311/अगस्य 1985।

पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी मटायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेंज-1 स्नहमदाबाद

नारीच 31--3-1986

महिर :

ja su manum s

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986 निदेण सं० पी० ग्रार० नं० 4189—-ग्रत: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

का कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1.,00,000 ∕- र**ः. से अधिक ह**ै और जिसकी सं० टी० पी० ऐस० 28, मकान जलाराम को० भ्राप० हा० सोसायटी में है तथा जो एफ० पी॰ नं॰ 444/2, 444/3/बी०/6/82/2, जमीन 300 वर्ग यार्ड मकान 97 वर्ग मीटर में स्थित है (और इससे उपाबद्व म्रानसूची में ऑ॰ पूर्ण रूप रे बर्णित है) २िल्ट्रीवर्ता म्रिधि-कारी के कार्यालय भ्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिर्फल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुस्य, उसके दृश्यमान प्रजिप्तल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेट अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिबक रूप स कर्मभन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्म था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शत: ४श, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण श्री, भी, उक्त अधिनियम की धार 260-घ की जपधारा (१) औं अधीन. जिस्तीलिश्चन -यीयतयों, अधीन, - ः श्री ऐमेश धन्द कांतिलाल मिस्ती 6/बी० जय जलाराम मोसायटी नया वाडज श्रहमदाबाद~13 (श्रन्तरक)

2. श्रीमती देवसुलीबेन उर्फ रसाबेन किशोरभाई विषाठी 3029 वाचाली पोल, वनमाली वांकाकी पोल शाहपुर, ग्रहमदाबाद-9।

(भ्रन्तिशती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्फ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमी प्रयुक्त इंडर्जीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी ५रिभाणित हो, वहीं कर्ध उप्या जो उस अध्याय में दिया गया हो।

धनुमूची

टी० पी० एस० 28, मकान जय जलाराम को० ग्रा० हा० सोमायटी लिमिटेड में एफ० पी० नं० 444/2, 444/3/6 बी०/6/82/2 जमीन क्षेत्रफल 300 वर्ग यार्ड म्कान 116.4 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेंगन नं० 8878

पी० डी० खंडेल**बाल**सक्षम प्राधिकारी न सहायक स्त्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज-1, स्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

ं प्रकार शहर्ष ः दो ः द्वा ः द्वा ः न्या ।

नायकर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन क्षवा

STORE GUAR

कार्यालय, संहाबक नायकर नावृक्त (निरक्षिक)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4190—-श्रत: मुझे, पी० डी० खंडेसवास,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त कीभीनयम' कहा गमा हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, वह विश्वात करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विश्वा उचित वाधार गृह्य 1.00.000/- रु. से अभिका है

और जिसकी मं० राजंपुर हीरपुर टी० पी० एस० 24, एफ ० पी० नं० 29 शाप है तथा जो महावीर क्लोथ मार्के ओनर्स एसोसियेशन में 326.25 वर्ग फिट में स्थित (ऑर इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्य, अहमदायाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्मस्ति के उचित बाजार मूल्य से कह के स्वयमान शितफल के लिए जन्तरित को गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पित का उचित बाजार मूल्य, उशके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिधात से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) जी,र जन्तरिती (अंतरितियों) से बीच एसे बन्तरण से सिए तब वावा च्या मृद्धि-क्य विकासिक स्वरंधित के स्वयं बन्तरण सिविश्त में वास्त्विक कर में स्विम नहीं किया पना है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बत बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) डे बचीम . निम्मनिधित व्यक्तियाँ अर्थीय डेंच्य श्रीमती मृदुलाबेन सुरेश कुमार शाह, वृन्दावन कालोनी, विकासगृह के नजदीक, पालडी, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री मोहनलाल राधेश्याम श्रग्नवाल, कमल, कुमार राधेश्याम श्रग्नवाल, मधुमालती श्रपार्टमेंट, भैरवनाथ रोड, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

स्त्रे वह क्षमा थाड़ी करकं पृथामत सम्मरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

अवत् अस्परित के अर्थन् के सम्पन्ध मा कोई भी बास्रेष ----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील भ्रम्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्यत्ति में दिव-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरें।

स्यष्टोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वण्स्वी

राजपुर-हीरपुर टी० पी० एस० 24ा एफ० पी० नं० 29 शोप महावीर क्लोथ मारकेट ओनर्स एसोसियेशन में शोप नं० 116 एफ० एफ० क्षेत्रफल 326.25 वर्ग फिट रिजस्ट्रेशन नं० 16939/श्रगस्त 1985।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1: श्रहमदाबाद

तारीख : 31-3-1986

मोहर ।

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाह
ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986
निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4191---ग्रतः मुझे पी०
क्षी० खंडेसवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी सं० सर्वे नं० 111 पैकी 110-115 पैकी क्लोक नं० 173 खेती की है तथा जो जमीन 3 एक 6 गुंडा में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्थ, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क अन्सरण मं, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

1. श्री रमेणभाई गांडालाल प्रजापित काम्तीभाई गांडालाल प्रजापित 16 बीर श्रर्जुन सोसायटी नवा बाइज ग्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री चंडूजी चनुरजी बबाजी चंडुजी ठाकोर मायुर-जी मोहनजी उदाजी मायुरजी ठाकोर शंकाजी मायुरजी ठाकोर गांव शीलज तालुका दसकोई जिला अहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

का यह भूजना जारी करके पूर्वीक्त् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अग्सूची

मर्वे नं 111 पैकी 110+112 पैकी क्लोक नं 173 खेती की जमीन क्षेत्रफल 3 एकर 6 मुंडा रजिस्ट्रेशन नं 7156/16-8-1985।

पी० ढी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 महमदाबाद

ारीख 31-3-1986 माह्यर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियम, 196/1 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के नभीत स्थान

मारत सरकार

नप्रयोजय, श्रह्मयक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च 1986 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4192- -ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले स्थाने इतके परवात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की धाक्र 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिल्ला उचित नावार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जी एफ शोप नं 9 महावीर क्लाथ मार्केंट ग्रोनर्स एसोसिएशन है तथा जो राजपुर-हीरपुर सीम टी पी एस -24 एफ पी 29, 281-25 वर्ग फीट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में भौर पूर्ण रूप से धणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1985

को पूर्विकत सम्मिति के उपित वापार यून वे कम के जनवान वितकत को तिए अंतरित की एवं है और मुक्ते यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य इसके कालकान प्रतिकाल से, एमें क्यानान प्रतिकाल का पन्हाइ वितकत से निधक है और अन्तरक (बंतरकों) और संवरिती (बन्तिपतियों) के बीच एसे सम्तरक से किए तक पाना वया प्रतिकाल, निम्निलिखित उव्योदयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कर से क्रिथत नहीं किया पना है है—

- (क) अन्तरण से हुई किती आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी तन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया अन से किया जाना साहिए था, किया में मृतिया से सिंध।

क्षतः अकः, अक्त विधिनियम का भारा 269-ग के वनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तितयों, अर्थात् :--

- श्री रजनीकाँत हरीलाल श्रामरा विनेशकुमार हरीलाल श्रामर। जगदीम कुमार हरीलाल श्रामरा 212, न्यू क्लाथ मार्केट रायपुर, श्रहमधाबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री गौतम मोटर ट्रेडिंग फम्पनी भागीदार— श्रजयराय किशनचंद मेहता, ए- 52, चीनाई बाग प्लैट्स एलिसविज, श्रहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यमाहिना करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ज्यकित्यों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध मद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस ब्यान के राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्मत्ति में हित्यव्य किसी जन्य व्यक्ति ब्याग व्यक्ति संस्था का कास विविद्य में किए का सकेंगे।

स्थव्योकरणः --इसमीं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मीं परिभाषित है, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जी० एफ० गोप नं० 9, महावीर क्लोथ मार्केट ग्रोनर्स एसोसिएशन, राजपुर-होरपुर सीम टी० पी० एस०-24 एफ० पी० नं० 29 गोप क्षेत्रफल 281.25 वर्ग फिट रजिस्ट्रेशन नं० 18249/ग्रंगस्त 1985।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रस्त नाइं.टी. १४: एवं . ********

नामकार बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नमीन सूचना

भारत स्वकार

कार्याज्ञच, तहावक नावकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4193--ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

काथकार कीमीनसम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके प्रथमत् 'अकत अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-च के नभीन जनान प्राधिकारी को वह विश्वास अस्ते का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- स. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं शोप क्षेत्रफल 120 वर्ग फिट खुला जमीन में शेष्ठ 24.58 वर्ग यार्ड है तथा जो टी शि एस०-3 एफ० पी० 100 ग्रजंता फार्म सेंटर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रह्मदाबाद में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 15-8-1985

को गुर्वोक्स सम्पित्त के उनित बाजार मृत्य से कम के श्वयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित को गर्क है और मृत्र यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उनित बाजार मृत्य, उसके श्वयमान प्रतिफल से एसे श्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरून के लिए तय पत्रवा गवा प्रतिफल, निम्नलिक्शित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया नवा है:——

- (क) अन्तरूव से हुन्द किसी आय की बाबत उच्कत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, विश्व भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) छ प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के किए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाराण (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री सुरेन्द्रभाई चन्दुलाल ग्राह् भागीदार-फेरर श्रार० एफ० 29, 174 विजय नगर फ्लैट
नारनपुरा, श्रह्मदाबाद। (2) रमेशचन्द्र
महिन्दरलाल पंड्या, 12, बीर विजय सोसायटी
नारनपुरा, श्रह्मदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्रो लालू भाई जार्ज चाको, एफ०-4, सेक्टर-6, निर्भय नगर, श्रहमदाबाद।

(भन्तरिती)

को यह सुभना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए लिए कार्यवाहियां भारता हां।

उक्त तम्पील के अर्जन के संबंध में कोई भी जासन ह-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 शिन की अनिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त राजिन्यों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भारत उत्त स्थापर सम्पत्ति मों हितबब्ध के भारत के पास विवास अधाहम्याक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गमा है।

अपुत्रची

शोप क्षेत्रफल 120 वर्ग फिट श्रौर खुला जमीन में शेड क्षेत्रफल 24.58 वर्ग यार्ड श्रजंता कार्मशियल सेन्टर में शोप नं० 99 टी० पी० एस० 3 एफ० पी० 100 रजिस्ट्रेशन नं० 6747/15-8-1985।

> पी० डो० खंडेल**बाल** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

भोहर :

प्रकथ बार्ष. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

वाइत् सरकाड

कार्बासक, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) भूर्जन रेंज- 1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० ४१९४--प्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० वेंजलपुर सीम सर्वे नं० 1020 खेती की जमीन है तथा जो 45 शेंड क्षेत्रफल 2 एकर 9 गृंटा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अवीन तारीख 17-8-1985

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१९४८ को ११) ए उन्ते विनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काराहर था, प्रवास के जिया।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- श्रीमती रेवाबेन खोडाभाई जेशिंगभाई की विधवा गाँव जोधपुर, जिला ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रमनलाल मनसुखलाल पारीख प्रियमान्तभाई रमनलाल पारीख जितन्द्र कुमार रमनलाल पारीख ''ग्राशीर्वाद'' बंगला नं० 16 इन्कलाब सोसायटी गुलबाई टेकरा, ऐलिसडिज, इ.हमदादाद-६। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करहा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बृबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

Way.

(क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

जनसची

वेजलपुर सीम, सर्वे नं० 1020 खेती की जमीन 1/5 शेड क्षेत्रफत 2 एःड़ 9 गुठा 10769 वर्ड वार्ड + 1/5 = 2153.8 वर्ग थार्ड, रजिस्ट्रेशन नं० 8532/17-8-85

पी० डो० खंडेनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग,-1, प्रहमदाबा द

तारीख: 31-3-1986

प्रकल जार्ज्, टॉ. एन <u>.</u> एक_ं :----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का ाउ) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बावकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-ा, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेण सं० पी० श्रार० नं० 4195---श्रत। मुझे, पा० डा० खंडेलवाल.

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्यात् 'उन्तर अधिनियम' बद्धा नवा हैं), की धारा 269-क से अभीन सक्षत्र प्राचिकाड़ी को, यह विश्वाद करने का कारन हैं कि स्थावर कमित, विश्वका प्रतियं वाषाउ नृत्य

1.00,000/- फ. से अधिक हैं और जिसकी स० वेजलपुर सोम सर्वे नं० 1020, खेती की जमोन 1/5 शेयर क्षेत्रफल 2 एकड़ 9 गुठा मों स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विशित हैं), रिजस्ट्रीजिती पिधिपारी के शायिलिय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रयोन, तारीख 17-8-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मृश्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मृल्य, उसके वश्यमान प्रतिक्तस से,

एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-एण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलितित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिण के सिए; बॉर/बा
- श्री किसी आय या किसी भाषा या अन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था किया गया चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात

1. श्रो जोषतमाई खोडाभाई, लीलबेन जोबनभगाई प्रमुखनाई जोबतमाई, मुकेशभाई जीबनमाई, गांव जोधपुर, जिला श्रहमदाबाद।

('अन्त'रक')

2. श्रो रमतलाल मनसुखलाल परीख, श्रिनेनात्माई रमतलात परीख, जीतेन्द्र कुमार रमतलाल परीख, श्रामीपिदि' बंगला नं० 16, इन्कलाव सोमायटा, गुलबाई टेकरा, ऐलिसक्रिज, श्रहमदाबाद।

(अन्सरिती)

को नह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पढ़ स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्ते और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वेजलपुर सोम सर्वे नं० 1020 खेतो को जमोन 1/5, शेयर क्षेत्रफल 2 एकड 9 गुंठा 10769 वर्ग वार्ड 1/5 --2153.8 वर्ग यार्ड, रजिस्ट्रेणन नं० 8531/17-8-851

> पी० डो० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण् श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबा

दिनाँक: 31--3-1986

नाशकार वीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन क्यान

भारत सर्कार्

कार्यावयः, सहायकं योगकर नोगुक्तः (दिर्शासक) ग्रर्जन रैंज-1, श्रष्टमदाबाद,

श्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4196—— ग्रत: मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को पह निष्यास अर्थ का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.90,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं वेजलपुर सीम सर्वे नं 1020 खेती की जमीन 1/5 मेयर है क्षेत्रफल 2 एकव 9 गुंठा में स्थित है (आँर इससे उपाब ब अनुसूची में और पूर्गरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथावृबोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौद अन्तरित (अंतरितियों) से बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निलिखित उद्वेदश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी भाग या किसी धन या कम्य आस्तियों की, विक्री आरतीय जांग-कर जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपन में स्तिया के निया

कता कथा एक्स अभिनियम की भारा 269-म को अनुसर्ग यो, यो, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारत (1) से प्रथीता, निम्निक्षित स्थितियों, स्थिति है—— (1) श्री शकराभाई खोडाभाई क लाशबेन शकराभाई सगीर विक्रम शकराभाई सुरेण, गांव-जोधपुर जिला-म्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमनलाल मनसुखलाल परीख प्रियकान्तभाई रमन लाल परीख जीनेन्द कुमार रमनलाल परीख 'श्राणीवाद बंगला नंज 16, इन्कलाब सोसाइटी, गुलबाई टेकरा, एलियस ब्रिज, श्रह्मदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटवब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किस वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रंयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी वर्ष ड्रोगा को उस कथ्याय में विका पथा डी।

अगुसुची

वेजलपुर सीम सर्वे नं० 1020 खेती की जमीन 1/5 णेयर क्षेत्रफल 2 एकड़ 9 गुंटा 10769 वर्ग यार्ड 1/5 णेयर~ 2153.8 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेणन नं० 8530/17-8-1985

> पी० डी० खण्डेलवाल समक्ष प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

दिनौंक : 31-3-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज्- I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4197—स्त्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- स्व से अधिक वै

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ऑर जिसकी सं० वेजलपुर सीम सर्वे नं० 1020 खेती की जमीन

1/5 गोयर हैं तथा जो क्षेत्रफल 2 एकड़ 9 गुंठा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनमूची में और पूर्णरूप से विणत हैं), रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिक्तम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 17-8-85 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं हैं और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्हा म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में दस्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वलदेवभाई खोजाभाई पटेल, कचीलाबेन वलदेव भाई खोडाभाई पटेल की पहिन गांव-जोधपुर, जिला-ग्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री रमन लाल ममसुखलाल पारीख प्रियकान्तभाई रमन लाल पारीख जीतेन्द्रकुमार रमनलाल पारीख 'श्राशीवाव' बंगला नं 16 इन्कलाब सोसाइटी, गलबार्ट टेकरा, एलिस ब्रिज, श्रहमदाबाद-6। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यकाहियां क्यांचा हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्ववारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियमः के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुमूची

वेजलपुर सीम सर्वे नं० 1020 खेती की जमीन 1/5 बीन परेचणी किये शेयर क्षेत्रफल 2 एकर 9 गुंठा 10769 वर्गयार्ड 1/5-- 2153.8 वर्गयार्ड।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

मोहर

प्रकर बार्ड, टी. एन्. एड....----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) π अर्जन रेज-I, ग्रहमदावाद

प्रहमदाबाद, विजंक 31 मार्च, 1986

निदेश संघ नी० मान्य नैंठ 4198 अतः स्त्री पी० डी०

AUZAATA

बाबकर बिधिनयम, 1961 (1965 का 43) जिसे इसमें इसके परवाद 'उनत निर्धिनयम', की शरा 269-स के नधीन संसम प्राधिकारी को, बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिसका वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं वेजलपुर सीम सर्व नं 120 खेती की जमीन 1/5 बीन है तथा जो परेचनों किए तथर 2एकर 9गूंठा क्षेत्रफल में स्थित है (और इससे उवार्क अनुसूची में और पूर्ण-रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता बिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 17-8-1986,

को प्रोंकत सम्पत्ति के डोचन कार कि से कम के द्रम्यभाग प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह निश्चास करने का कारण है कि यथापन की संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निकासिक का व्यापन से उच्य अन्तरण कि ति में नास्तरिक का कारण की लिए तय वाया गया प्रतिफल का वाया करा वाया

- (क) कर्म है हुई किती बाय की बाबत उक्त बिध-वें बंधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व कें कारने या उसते बचने में सुविधा के निए; बीर/बा
- (प) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा बा बा बा बाना चाहिए था, स्थिन में सूर्विधा चैं किस:

विसेत्र अवः, उन्ते विधिनयम् का धारा 269-ग क वनुसरव है, वै: अन्तर व्यधिनवृत्र की वास 269-व की उपधारा (1) है कर्ष निम्नलिखित व्यक्तियों, सूर्यात् :--- (1) श्रीं नटवर लाल खोडाभाई शान्ताबेन नटवरलाल भरत भाई नटवरभाई राजेश नटवरभाई गांव— जोधपुर, जिला—ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) रमन लाल मनसुखलाल पारीख, प्रियकान्त रमनलाल पारीख जीतेन्द्रकुमार रमनलाल पारीख 'आशीर्वाद बंगला नं० 16 इन्कलाब सोसाइटी, गुलभाई टेकरा एलिस न्निज, ग्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त एम्पलि के वर्जन के सम्बन्ध में कांई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के हाबपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की नवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसा व्यक्ति इतारा;
- (म) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन को तासीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, बही वर्ष होना जस स्थाय में दिशा गया ही।

बन्स्ची

वेजलपुर सीम सर्वे नं० 1020 खेती की जमील 1/5 बीन परेचनी किये शेयर का क्षेत्रफ़ल 2 एकर 9 गुठा 10769 वर्ग यार्ड \times 1/5-2153. 8 वर्ग यार्ड 1/5

पी०डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रका बार्ड , टी., एव , एव ,------

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सचना

शाहत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज ृ! ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च, 1986 देश सं०पी० ग्रार०नं० 4199——ग्रत: मुझे,पी०

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4199——ग्रतः मुझे, पी० डी० खन्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमीन बोडकडेव स्कीम में सर्वे नं० 133 एस० पी० 15 है तथा जो 10464 वर्ग यार्ड खेती के लिए में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावय में अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्थ, उभके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तक प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिशों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल निकृतिलिंक उप्रदेश से उक्त अंतरण कि विश्व में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरक संहूदं किसी बाव की शावत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक से बाबित्य में कमी करने वा उत्तरे वकने में सुविधा के विष्; बाद/बा
- (क) एसी किसी बाग या किसी धन या बन्त वास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाग चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिए;

बत: बब उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वं, बं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे अधीर, निम्मिसिक व्यक्तियों, अव्यक्ति के— (1) श्री जितेन्द्र भोगीलाल व्यास, गोकुलनगर, उस्मान-पुरा, ग्रहमदावाद ।

(ग्रण्तरक)

(2) जय श्रीवेन श्रजीतभाई मेहता 'ग्रमीज्योत् परीमल सोसाइटी ग्राबांबाडी ग्रहमदाबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) १ च पूर्वा विशेष मा तरबंबंधी व्यक्तिमां पर सूचना की शामील से 30 दिन की जनिष, को भी स्विध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रशेवत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य किया कि पास किया में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीक रहा:--इसमें प्रयुक्त पान्या जार पया ना, जा उना अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नवा है।

अनुसूची

जमीन बोडकडेव स्कीम में सब नं 133, एस पी 15

क्षेत्रफल 10464 वर्ग यार्ड खेती की जमोन रिजिस्ट्रेशन नं० 8000/5-8-85

> पी० डी० खण्डेलवाल संक्षम प्राधिकारी सहायक **प्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्ररूप भाइ . टी. एन्. एसं.-----

बायकर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धाउर 269-म् (1) के वधीय स्वार

भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक नायकर नायुक्त (फ्टिक्रिन)

श्चर्जन रें ज, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4200-- ग्रतः मुझे, पी०डी० खण्डे नवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह', की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार मृख्य 1,09,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 133, 134, 135, 137, 141, 142, 143, 144, 146, 181, है तथा जो बाइकदेव प्लाट नं० 16, 16ए, 16 बी, स्रशोक बाटिका में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी काकार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-1-1985

को प्रोंका सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य वे कम के वस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि युआपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफस के बल्द्रह प्रतिवृद्ध से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बल्दरण के लिए तय पाया गया कस निन्तिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में बास्तिविक में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत , उच्छ विधिनयम के नधीन फर दोने के बन्तरक के वावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बांदु/या
- ्ष) एसि किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नल जोभीनशम, या अनु-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती देवारा प्रकट नहीं किया गर्था था सकता जाना चाहिए था, छिपान में सुनियभ के सिए;

जत: अथः, उनतः अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण जों, मीं अन्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीन, निम्नीतिचित व्यक्तियों, अधीत :—∼

- (1) श्रो दोन के भाई लाल माई जीवन मनी ग्रोपेरा सोसाइटी के सामने विकास गृह के नजदीक, श्रह्मदाबाद-7 (श्रन्तरक)
- (2) श्री मुधीरभाई ई० नानावटी कर्ता-मुधीरभाई ई० नानावती एच० यू० एफ० मुधीरकुंज श्री चिमन लाल गिरधरलाल मार्ग, एलि प ब्रिज, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

भी वह सचना चारी करके पूर्वीच्य सम्मीत्त के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां गुरू करता हो।

उक्त सन्पत्ति के वर्षन के संबंध में कीई भी भारते हैं-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अन्ति, जो और जनभि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसबुध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकतें।

लच्चीकरणः --इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, यो उक्क अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता, यो अस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 133, 134, 135, 137, 141, 142, 143, 144, 146, 181, प्रौर जिनका हिस्सा बोडकदेन में प्लाट नं० 16, 16ए, 16वी, क्षेत्रफल 10318 वर्ग यार्ड अणोकवाटीका रजिस्ट्रेशन नं० 1511/29-1-85

पो० डो० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रें ज, श्रह्मदाबाद

तारीख : 31-3-1986

प्रकल कार्षः टाँ, एव । एतः, -------

स्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के कथीन सुवना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (विरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० श्रार्०नं० 4201--श्रतः मुझे,पी० डी० खण्डेलवास,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व को अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिका हैं

मीर जिसकी सं० टी ज्पी ज्एस ० 3, एफ ० पी ० 292/4, एस ० पी ० 44, जमीन 690. 45 है तथा जो वर्ग मीटर मकान 194. 33 वर्ग मीटर श्रीमाली को ० श्राप ० हाउ जिय सो माइटो में स्थित है (भीर इसरो उपावड अनुमूची में धीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रुधीन, तारीख 21-8-85 को पूर्वेक्स सम्मत्ति के उचित् माजार मूस्य से कमा के स्थ्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्मत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके स्थ्यमन प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंसरक (अंसरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंसरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वदेय से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क्य) जंतरण से हुई किसी जाग की वाबत, उक्त, व्यक्तिन की अभीत कर वेचे की वस्तरक को वाबित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा की विक्तः;
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अस्त अथा, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्र¥ि निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्ः— (1) श्री हर्पद भाई रतीलाल शाह, ई-4, जलदर्शन सोसा-इटी, श्राश्रमरोड, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्र परपोत्तमदाम जयिशा भाई पटेल पंकण पर-पोत्तम दास पटेल लाघागेज जिला-महसाना । (अन्तरिता)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के सर्चन के निक कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्बक्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधरेंप इ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरणः ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

वन्स्या

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, स्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रस्त बाह्", डी. एन. एस. ------

भाव्यार व्योधीनवन, 1961 (1961 का 43) की वास 289-व (1) के वचीन स्वना

नारस सङ्ख्यार

ध्यवसिष्, त्रहायक नायकर नायुक्त (पिर्यक्षिण)

श्चर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनौक 31 मार्च 1986

निदेश सं०पी० श्रार० नं० 4202--श्रतः मुझे,पी० डी० खण्डेलवाल.

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें 269-व के अभीन बन्नान प्राधिकारी की, यह विस्तात करने का कारण ही कि स्वावर संस्थीत, जिसका उमित वाजार भूज्य 1.00,000/- रह. से अधिका ही

श्रीर जिसकी सं० श्रोकाक सीम सबे नं० 355; खेती की जमीत है तथा जो क्षेत्रकल 2 एकड़ 7 गुणा - 10527 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908का 16) के श्रिधीन, तारीख 19-8-85

ना। पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से नाज के दश्यधान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की नहीं हैं लिए मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित सकार शृन्य उसके दश्यकान शिक्का हैं हैं एके दश्यकान प्रतिपत्त का प्रमुद्ध प्रतिपत विभक्त हैं और बंदरक (जंतपका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरक के बिए सम प्राप्त प्रतिपत्त , निम्निसिचित उद्देश से ज्वन जंतपक जिल्हा में वास्तिक रूप से कारित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण हे हुई किसी बाय की शबस, उक्स बिभिष्मित के लभीन कर होने के अध्ययक के खरियस को कसी फरने या उससे बचने मां स्विधा के एकए: बीर/या
- (क) एंची किसी भाव या किसी भाव या बन्ध बारिसयों करें, जिन्हें भारतीय कालकर विभिन्नमा, 1922 (1922 का 11) वा उपत अभिनिवस, या धन-कर विभिन्नमा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ केस्सरिती वृश्य प्रकट नहीं विध्या गया था या किया जाना काहिए हा, हिणाने में मृतिधः के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गें, उक्त सिंधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :---- (1) श्री हर्षदराव रेवाणंगर ज्ञानी 22, भाग्यलन्मी सोपाइटी नवा बाङज, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शान्तीलाल मोहनलाल स्रभीगर्म मोपाइटी पालडी, स्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करुको पूर्वोक्त संपत्ति को वर्षन के निष् कार्यवाहिया करुता हु:

उपत सम्पत्ति के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप 🚁 🗝

- (क) इस सूचना के रायपत्र में प्रकावन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 विन की बव्धि, वो भी बव्धि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर धूवों का काक्तियों भी से किसी व्यक्ति सुवातः;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्द काक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के वास निकास में लिए जा सकीये।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदौं का, जो अक्स अधिनियम के अध्यान 20-क में परिभावित ही, बहुी अर्थ होता को उस अध्याय में दिया मुना ही।

नम्त्र्यी

मोकाक सीम सर्वे नं० 355 खेती की जमीन 2 एकड़ 7 गुठां ~10527 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेगन नं० 8646/19-8-85

> पो० ची० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रकथ आहें, टी. एन. एस . ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) जो अभीत स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

घ्रहमदाबाद, दिनोक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4203--श्रंतः मुझे, पी०डी० खण्डेलवाल.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनक विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध क विधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

मौर जिसकी सं टी जिपी ज्या 28, बाइ ज स्मीस एफ पी ज नं ज 60 टें जं 12 है, तथा जो द्रीमलैण्ड पार्क सोसाइटी बाघाकाम एरिया 110 वर्ग पार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण स्प से बणिन है), रिजिस्ट्रीकर्रा श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-8-1985,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्ट से कम को कायजान प्रतिकाश के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निवसास कर में का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार भूका, उन्ने के दस्यमान प्रतिकास से, एसे दस्यमान प्रतिकास के शब्द प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के जिल् क्षय वामा गया प्रतिकात, निय्मित्वित उद्देश्य से उक्त अन्तर्क लिखत में बास्वविक क्षय से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संबुध किसी बाय की बावत सबस बाजि-नियम के क्यीन कर बोने के अंतरक के दायित्व में क्यी करने या उससे वचने में सर्विधा के सिए; क्यों करने या उससे वचने में सर्विधा के सिए;
- (क) इंसी किसी आब मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उक्त निधिनियम की धारा 269-व के नमुप्तरण के, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-व की नम्बारा /1) के वर्धक, निम्निविधित निक्कों, कर्मात् न्यान (1) श्रीमित कोकीलावेन कीर्तीकुमार शाह ड्रीमलैण्ड सोताइटी, नारयनपुरा, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भाईलालगाई श्रम्बालाल णाह छी-1, केदार श्रपार्टमेंट एच० एल० कौमर्श कालेज के पीछे, नव-रंगपुरा, श्रहमदावाद।

(भ्रन्तिरती)

की बहु सुवना कारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिद् कार्यमाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इक प्रवा के राज्यन के त्रकावन की तारीब से 45 विन की अवधि वा तस्त्रकाशी श्वीक्तवों पर स्थन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद के क्वापा होती हो, के भीतर प्योंकर व्यक्तिवारी में से किसी कार्कित प्रास्तः
- (व) इस स्वांत के राजवत्र के प्रकारत की बारीक वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बयुभ किसी कन्य व्यक्ति इतारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए वा सकति।

स्थव्यक्रिपण:----इतमें प्रमुक्त गर्नो और वर्गों का, घर सकत विधिनवम् के मध्याय 20-क में परिभाषिक्ष है, वहीं मर्च होना जो उस मध्याय में किया वता है।

अनुसूची

टी० पी० एप्त० 28 वाडग स्मीस एफ०पी० नं० 60 टेनामेंट नं० 12, ड्रीमलेण्ड पार्क, सोसाइटी बांघकाम एरिया 110 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन नं० 8784/21-8-85

> पो०डी० खण्डेलवाल सञ्जन प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस.-----

माधासर मिथिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्मना

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रें ज,-श्रह्मदाबाद . श्रह्मदाबाद, दिनाँक 31 मार्च 1986 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4204--भ्रतः मुझे, पी०डी० खण्डेलवाल,

बामकर विभिन्न में 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके करवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-च में अभीन सम्माप्त प्रमिक्तारी को मह निस्नात करने का कर रूप है कि स्थानर सन्मित्त, विस्का उपित्त बादार भूस्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं पालडी टी जिपी जए सा 3, एफ जिप 911, स्रोर 912 एस जो 18 है तथा जो महान क्षेत्रफल 105 वर्ग यार्ड जेमीन 323 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्णक्ष में विणित है), रिजस्ट्रीय ती स्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, तारीख 5-8-1985

मां प्योक्त संस्पित के जिसत वाजार मृत्य ए आए के दरयमान तित्यम के निष्ट अन्तरित की गई है और यह विक्वास कराये का कारण हो कि सभाप्तेंक्य सम्मत्ति का उजित बाजार दृश्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे द्रूयमान प्रतिफल का स्माह प्रविद्या से सिथक हो और असरक (अंसच्का) और अंसपिती (बन्तरित्या) को भीत एमें अन्तर्भ के जिल् तथ पाना गया किविक्स, निम्मासिक द्रुविक्षों से उक्त सम्मरण मिलीकत के लक्तिक्थ एम से सिक्त नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण सं हुई जिल्लो अध्य की वावय उच्च मधि-निवस के बभीन -6र दोन के बन्तरफ के दायित्य में कर्मी करले या उपलो अधने में मृतिभा की लिए; भीर/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, चिन्हें भारतीय नाय-कर वाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभाषानाथ अन्तियम, वाना धाह्मिए था, छिपाने में सविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों स्थित् ;-15—66 G1/86 (1) श्री धोरजनात मगत नान महौता, 1-3, जब महाबीर मोताहटो स्रार० बो० मेहता रोड, घाट-नीगरद्रस्ट, बम्बई-77

(भ्रन्तरक)

(2) मीलिक रजनो हान्त शाह 96 बी, ह्नीफ को०- आप० हा० सोपाइटी० लि० बिल्डिंग नं० 1, ब्लाक नं० 6, एम० बो० बोड, पोले पारले, बम्बई-56 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए अस्प्रवाहियां अवस्त हुं।

उथत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में बोर्स् सी बाखेंग :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्र्यंत्रीभी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की सत्रीय, जो भी अवधि नाद में सजाप्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति स्वाराष्ट्र
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के मीतर उक्क स्थावर सम्मणि में दित-क्ष्म कि.बी अध्य स्थावत स्थारा अधोइस्ताक्षरी के पास सिरिकत में किए या बकावे।

स्यस्तीकरणः -- इसमें मगुक्त संख्यों और पदों का, जो अक्स अधिनिवस, के अध्यास 20-क में गरिभाषित ही, वहीं सर्थ होंगा, को उस अध्यास में विका स्था है।

बन्स्ची

पा लड़ी टी० पी० एम० 3, एक पी० 911 और 912, ए म० पी० 18 महात क्षेत्रफल 105 वर्ग यार्ड जमीत 323 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेशन नं० 8007/5-8-85

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी पहाबक स्रावकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रें ज-, श्रद्धमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रस्थ नाइँ ् डी. एन ् एस ् - - - --

जायकार जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत बरकाह

कार्यालय, सहाधक आयकर आयुक्त (निर्देशक) ग्रजैन रेंज-I, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च, 1986 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4205~ - ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

अप्रवस्त् भरिवनियन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके वस्ताद 'उभक्त अधिवयम' कहा गया है कि बारा 269-स के बंधीन एका प्रतिभक्तरी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धिः, जिल्ला जीवत नावार मृत्य 00.000/- का से सीधक है

भीर जिसकी सं राजपुर हीरापुर सीम टी ज्यो एस व एक जिल्हा की एस विश्व की एस विश्व की एस विश्व की स्था के एस विश्व की स्था के एस विश्व की स्था के स्था के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्र प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (जंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजस्मर्थ अंतरिती चुनारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना आहिए था, कियाने में सृतिधा के बिए;

असः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नधीन, निम्नीलिक्त व्यक्तियों, अधीत्:---

- (1) श्रीमिति गीताबेन महेणकुमार टक्कर फ्लेट नं० 303, रावजीभाई टावर, मनीतगर, ग्रहमदाबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) डा॰ श्रभयकुमार कान्तीलाल शाह ए-1, सोनिया श्रपार्टमेंट सोसाइटी प्रभूदाम टक्कर कालेज, रोड, पालडी श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुजाया बाह्री कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवादियां कारता हु" ।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सं अंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बाद में सवाध्य होती हो, के भीतृह नवीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्यटनिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नन्स्यी

राजपुर होरपुर सोम टो प्पी प्रस् 4 (मनीनगर) एफ पी पं 141, 147, एस पी नं 43, श्रौर 44 मेहता श्रपार्टमेंट फ्लेट नं 5, एस एफ क्षेत्रफल 85 वर्गमीटर 102,वर्गयार्ड – 918 वर्गफीट रिज्स्ट्रेशन नं 9172/28-8-85

> पी० डी० **खण्डे ल**वाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदावाद

तारीख: 31-3-1986

मोहरः

शुक्त बाहु^{*}्य दी_न एन् एस .-----

भावकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म् (1) के मुभीन सुभाग

बाइट संह्याङ

कार्यान्त, बहायक वायकर वायमत (निर्दालण) श्रर्जन रेंज, शहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च, 1986 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4206—श्रतः मुझे, पी०डी० खण्डेलयाल.

बानकर नियानियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसने इसके पश्चात उन्त नियानियम नहा गया ही की धारा 269-व ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह नियमचा करने का कारण हैं कि स्थानर सन्तित, नियका उपित याजार मृन्य 00,000 ए. से नियम हैं

मौर जिसकी सं० टी॰पी॰एस० 6 एफ॰ पी० 540 से 543 एस॰ पी० नं० 4 टेनामेंट नं० 1 है तथा जो 320 वर्ग यार्ड जमीन भौर भकान विमूत्ति बैंक श्राफ इण्डिया सोसाइटी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूर्वा में भौर पूर्ण रूप से विजत है), रिजर्ट्रबर्ता अधिवारी वे वार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य ते कम के इष्यमान शित्कल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिकल से एसे इष्यमान प्रतिकल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निक्नलिखित उद्योक्त से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक इप में किथा नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तुत्रण सं शुरू िंकसी भाग की आब्द्र, उथत विधितियम् के स्पीन कर दोने के बन्तुरक के विधित्य के कती करने वा उससे एवने में सुविधा के जिए; कडि/मा
- (क) पुरेती किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों का, जिन्हें आरतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कमरिती द्वांध प्रकट नहीं किया गय। या वा किया भाना चाहिए था, कियाने में प्रतिका के सिए;

अतः जन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण -, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) अभीन_ निम्निजीयत व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्री चन्द्रा भूरा भाई शाह 23, प्रकृति कुंज सीसाइटी श्रेयस टेकरा श्राम्बापाडी श्रहमवाबाद।

(भन्तरक)

(2) श्री मोहीत मीव प्रसाद माकण्ड, संकीया मंजिल, इलार जिला-बलसाड।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करून हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के जीतर पृका कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

धनुसूची

टो॰पी॰एस॰नं॰ ६, एक॰पी॰ 540 ने 543 एन॰पी॰ नं॰ 4, टेनामेंट नं॰ 1, क्षेत्रफल 320 वर्ग यार्ड जमीन ग्रीर मकान 140 वर्ग यार्ड के करीब विमूर्ति बैंक ग्राफ इण्डिया को॰-ग्राप॰ हार्जीसंग सोसाइटी लि॰ में रिजिस्ट्रेशन नं॰ 4378/ 19-8-1985

> पी० डी० ख प्डेलवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजे-I, श्रहमदाबाद

शारीख: 31-3-1986

प्रकृष बाद. थी. एव. एस.---

मामकर जिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के जधीन स्वना

भारत सरकार

आर्थातम, सहायक आयकर आयक्त (विश्वीकाण) अर्जन रेंज-, श्रह्मदाबाद श्रहमदाबाद,दिनांक 31 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 4207 -- प्रनः मुझे, पी० डो० खण्डेलवाल.

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षय प्राधिकारों को यह विश्वाद करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्रांकिन नं० 7, 282 वर्ग कोष्ट 4थी मंजिल, सहसोग को० सेन्टर है तसा जो शाहपूर बोर्ड 2 सो एप० नं० 3259 शीट नं० 57-58 में स्थित है (श्रीर इ.स. उनाबद्ध भनुसूची में श्रौर पूर्ण हम से विणत है), रिज्स्ट्रोकिती अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-8-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबते, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या भन भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्भ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सूरिभा के लिए;

अप: अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थात :---

- (1) जोगीशा विनोदमाई शाह, डलको पोल आस्टो-डिया श्रहमदाबाद, श्री राजेण भोखूभाई। (अन्तरक)
- (2) श्री धोरेनसाई बी० ग्राह नेटेनाइट, श्रहमशबाद कुमारी चन्द्रावेन भूराभाई शाह, विमूर्ति बैठ श्राफ इण्डिया, सोबाइटी संजीवनी रोड, पालडी, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में बांइ भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के गीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये पा सकोंगे।

स्पष्टिकित्रण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क ये परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राफिय नं ० 7, क्षेत्रफल 282 वर्गफीट अथी मंजिल, मह्याँग कर्माणयल नेन्टर में शाहपुर बोर्ड-2 शीट नं ० 31 मी० एम० नं ० 3259 डीनवाई टावर के सामने लाल दरवाजा रिक्ट्रेशन नं ० 6538/13-8-85।

पी० षी० खण्डेलवाल मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयक्त निरीक्षण)

हार्धन रेंज, शहमदाबाद शहमदाबाद, विनांक 31 मार्च, 1986

निदेश में पी० शार० मं० 4208--श्यः मुझे, पी०डी० खण्डेलवाल.

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं ख्या प्याट मेर लनगर सीम सब नं 65, 66, 67, 69, युगान्डा है नथा जो को०-शाप० हाउसिंग सोबाइटी० लि० प्याट नं० 31, क्षेत्रफा 335 वर्ग मीटर में स्थित है (स्रीर इपसे उपाबद्ध शनुसुधी में श्रीर पूर्णस्य से विणित है), रिजिस्ट्री क्षिशाची के वर्षाच्या सहमदाबाद में पिस्ट्री-याम प्रधिन्यम, 1908 (1908 में 16) के श्रधीन, नारीख 23-8-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतिय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उबत व्यधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) के अधीन, निम्नीलिखित स्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री दाद्माई रेवन दान पटनः, 33. युगान्डापार्कः, भोताइटी, मनीनगर, ग्रहमवाबाद-8

(यनरह

(2) श्री राजशितम श्रहवानी मध्बन लक्षमनदास श्रहवानी एम-5, 40, 315, गास्त्रीनगर, नारन पूरा, शहमदाबाद।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारता अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त निधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस नध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

खुना प्लाट मेमनगर सीम में सब नं० 65, 66, 67, 69 पुगाल्डा को०-आप हाउगिंग भोगाइटी में प्लाट नं० 31 क्षेत्रका 335 वर्ग मीटर-402 वर्ग सार्ड रिप्स्ट्रेशन गं० 8921/ 23-8-1985

> पील डी० खण्डलवाल सक्षत श्राधि गरी सहायक द्याय हर स्वायुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दारीख: 31-3-1986

प्रकप नाइं.टी.एन.एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजन, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्कण)

अर्जन रेंज-I, धहमदाबाद अहनदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

अहतदाबाद, दिनाः ३१ माच 1986

निदेण मं० पी० ग्राप्त नं० 4209—ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव श्रवर सीम टीव पीव एसव 23, एसव पीव नंव 36, टेनामेंट शीतलकुंब है तथा जो कोव-श्रापव हाव सोसायटी टेनामेंट नंव 7, 7 वर्ग यार्ड और जमीन 200 वर्ग यार्ड स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण इप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के शायित्य शहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 गा 16) के श्रधीन, नारीख 19-8-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफार के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विषयास मूक्ते यह विषयास मूक्ते यह विषयास करने का कारण है कि वधा पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) को अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उच्चेश्य से उस्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक स्प से किश्त नहीं किया गया है है—

- [क) बन्तहरू धं हुई किसी साम की बाबत, सक्त विचिन्यम के बंभीय कर दोने के अन्तरफ के बाबित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविभा के निए; नौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् :.— (1) श्री हर्पदराय पुरसोत्तम जानी, शीतलकुंज सोसायटी, साबरमती, ग्रहमदाबाद

(अन्तरकः)

(2) नेतम व प्रजनाती जैन, श्यामल अपार्टमेंट, जवाहर चौज, सावरमती, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवर्तिहम्म करता हुं।

उक्त करपत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप हु---

- (क) इंच स्वना के राजपन में प्रकाशन की ता<u>रील</u> वें 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी स्वित्यों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की स्वधि, को बी जविध कार्य में सजाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्वक्तियों में से किसी स्वित बुदारा;
- (ब) इत मुक्ता को राधकत में प्रकाधित की तारीब है 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निवित्त में किए बा तकों में !

ल्याकीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में विया गवा है।

मन्सूची

और मीम टी० पी० एस० 23, एफ० पी० नं० 36, टेना-मेंट शीन तकुंत को० आप० हार्जीसग सोसायटी लि०, में टनामेंट नं० 7 क्षेत्रकत 75 वर्ग यार्ड और जमीन 200 वर्ग यार्ड के करीब रिकस्ट्रेशन।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

नारीख: 31-3-1986

माहर :

प्ररूप वाइं.टी.एम.एस.-----

बावकडु वीधनियम्, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-च (1) के नधीन सूचना

शारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांव 31 मार्चा, 1987

निदेश सं पि० ग्राप् नं 4210-- श्रतः मृक्षः पी० डी० खण्डेलवालः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मृत्य बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० काल्पुर बोर्ड 3 सव नं० 2305, 2306, 2306, 2306, 2309, 2339 2316 2317 है तथा जो 2313, 2303, 2301, 2310 2299 कंघकाम 420 वर्ग यार्ड 694-6643 वर्ग यार्ड में से स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुकी मैं श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिवारी के वायित्य, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीवर्ण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1985,

को प्वोंक्स सम्पांत के उपित वाबार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप् वोंक्त सम्पत्ति का उचित आधार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल िम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हु---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की नावत उचत बीय-नियम के अधीन कार दोने के बन्तरक के दायितन में कभी करने या उत्तर मचने में सुनिधा जे लिए; बीर/या
- िश्ती किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिणने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) ▶ अभीग, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- (1) श्रोति। विधानेत उफै शाल्याबेत व्यन्तीभाई छनाभाई गाह की पत्ति घो ाटा रोड, छनाभाई वाडी, धहमदाबाद।

(ग्रन्तर्दः)

(2) श्री दिनेण सुन्दरती शाह चीफ प्रमोटर-हीरा पन्ता शाट्स एण्ड श्राफिल श्रोनर्प एसोपिएशन, घी ांटा रोड, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरितो)

की वह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यसाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र 🆫---

- (क) इस स्थान के राजपम में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की जबिंध या तत्प्रम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्थान की तागील से 30 दिन की बनिंध, को भी अबिंध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पृथिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) 4क्ष स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भो उक्षेत्र अधिनियम, के अन्यात 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जालुपुर बोर्ड सर्वे नं० 2305, 2306, 2307, 2309, 2239 2316, 2317, 2313, 2302, 2301, 2310, 2299 बोमा ाम क्षेत्रकाम 420 बर्म यार्ड 694.66 2/3 की बार्ड में से रिनिस्ट्रेशन नं० 7615/9-8-85 7619/9-8-85 7627/9-8-1985

पी० डी० खण्डलवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, श्रह्मदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

शर्जन रेंग्न, शहमदाबाद शहमदाबाद, दिनां ः 31 सार्च 1986 निदेश सं०पी० शार० पं० 4211—-श्रापः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुपणे से अधिक हैं

शौर जिसकी सं० फ्लेंट वाङ्जमें टी० पी० एस० 29, एफ० पी० 108, एस० पी० गं० 2, है तथा जो नीत्र फ्लेंट गं० 6, एस० एफ 101, वर्ग याई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिनस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के वार्यात्य श्रहमदाबाद में रिनर्ट्री क्ण श्रिक्षियम, 1908 (1908 का 16) के श्रक्षीन, नारीख 9-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से एसे श्रथमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, दिम्निलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाल्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) गोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सत्तः **धव उनल विधिनियम की भारा 269-म के बन्सरण** प्रो, सी. अवन विधिनियम की शहरा 269-म की खपभावा (१) क रूपन् , किस्सुनियम विश्वास का अवस्था, कर्मा क्रमा

(1) श्रीमित ली सबती बेन पोपट तक शाह ए-1, श्रवृदा श्रपार्टमेंट ौन देराकर के नगर्दक मानेकवाग, श्रहादाबाद

(अन्सरक)

(2) श्री णिल ान्य भान्तीलाल यंघवी 19, यमलेश को०-याप०- हार्जीय मोपाइटी लि०, ामारिया रोड, मनीनगर, शहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपीत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट वाड गमें टी० पी० एग० नं० 29, एफ० पी० नं० 108, एम० पी० नं० 2, जीजन प्लैंट नं० 6, एस० एफ० क्षेत्रफार 84,11 वर्ग मीटर-101 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेणन नं० 8289/9-8-1985

> पी० बी० खण्डे (बाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

दिनांक : 31-3-1986

प्रकप साहें, टी. एन. एस. .-----

नायकर मुभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन सूचना

बारत करका

कार्यांत्रय, सहायक बायकर बायक्त (रिनरीक्षण)

भर्जन रेंज, भ्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4212--श्रतः मुक्षे, पी० डी० **हूँ खण्डेमवाल**,

बाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया 'हैं।, की भारा 269-श के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ० मकान इसनपुर में सर्वे तं ० 449, 363 वर्ग गज जमीन श्रौर 185 वर्ग गज है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 12-8-1985

को प्रोंकत सम्पत्ति के उकित शकार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उकित शकार मृत्या, उसके दश्यधान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल से पंत्रह प्रतिसत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय याया गया प्रति-फबा, निम्निलिखत उद्देश्य से उकत बन्तरण निश्चित में बास्त-विक क्य से किथा नहीं किथा गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बादत, उसके विधिनयम के वधीन कर दोने के बन्तरक से बादित्य में कभी करणे वा उससे वचने में सुविधा से सिए; बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय नाय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किना वाना चाहिए था, कियाने में स्विधा से सिए;

नतः नम, रायतः अमिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण न, में, उनतं निथित्यमं की भारा 269-म की रायभारा (1) में नभीन, जिल्लीका काक्तियों, अमृति उ— 16—66 GI/86 (1) नारंगोवेन सुबोधचन्द्र शाह, रंगवसा सोसाध्वटी नवाँ शारदा मन्दिर रोड, पालडी, महमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुधीर कुमार रिसकलाल माह, संजयकुमार रिसकलाल माह, 12, जाननगर, पालडी, श्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यक्ष् सूचना जारी करके पूर्वा क्या सम्पर्टित के अर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

स बरा संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की वदिश या उत्संबंधी व्यक्तियों वह सूचना की तामील चे 30 दिन की वदिश, वां और वदिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव सिक्ति में किए का सकेंगे।

स्वक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, हो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नवा हैं।

अगत्तर्भी

मकान इसनपुर में सर्वे नं० 449, 363 वर्ग गज मौर जमीन 186 वर्ग चज रजिस्ट्रेशन नं० 8371/3 दिनौंक 12-8-85 ।

> पी०डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

सारीखा: 31-3-198**6**

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पो० ग्रार० नं० ४२१३---ग्रनः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

णायकर किथिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उन्ते अितियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि त्यान्य सन्ति किथील, जिलका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिलकी सं वें जलपुर भोग वें नं 253 टेनामेंट नं 8-बी बंगना रजब है तथा नो को भाग हाउदिंग मोपाइटी लिं , जमीन क्षेत्रफल 328 वर्ग गज मकान 100 वर्ग गज में स्थित है (ग्रीरइनने उनाबद्ध प्रनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारो के कार्यालय, ग्रह्मदाबाद में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंथीन, तारीख 13-8-1985,

की पृथींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के क्यमान प्रतिकत के निष् बन्तरिक्ष की गई है और अब बहु विश्वाच करन का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पद्ग प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से शुर्भ किसी जान की गावत सकत अभिनियम के असीन कर दीने के अन्तरक औ समित्य में कमी करने या उससे वसने में सुनियः असिए: और/या
- (छ) सभी किसी आस या किसी ध्य या सम्य वास्तियों का, विनह भारतीय शासिन किसी शिक्षण , 1922 (192? का 14) या उत्तर अधिनियम, या धनकर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया था किया काना चाहिए था कियाने में सिन्धा से किए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण धैं. मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् ६—

- (1) नारतः बेन विश्व नुप्रताद आत्रार्य, जगन्नाथजो मंदीरको चालो, जमालपुर, दरवाजा, बाहर, श्रहमदाबाद। (प्रन्तरक)
- (2) पटेल चिमन लाल एम० बोपल तालुका दनकोई, जिला-अहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाखेप १--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि नाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पव्हिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

बेजललपुर संग्म सर्बे नं० 253 देनामेन्ट नं० 8-बी बसंत रजब को०-आप० हार्जिस्ग सोसाइटी में जमीन क्षेत्रफल 328 वर्ग गज मकान एरिया 100 वर्ग गज रिजस्ट्रेशन नं० 2426/ 13-8-1985

> पी० डी० खण्डलवाल सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्राय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्रजन रेंज, ग्रहमदाबाद**

तारीख : 31-3-1986

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्चे 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4214- - श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

अध्यकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त (जिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपयों से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० राजपुर हीरपुर टी०पी०एस० मनीनगर 4 एफ० पी० 46 है तथा जो एस० पी० 10, जमीन क्षेत्रफल 138 वर्ग मीटर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण-रूप संवर्णित है),रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-8-1985

कर पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है जौर अन्तरक (जनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, उक्त जिम्मीनयम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने वा उससे वचरे में सूविभा के लिए; जार/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी भन या अन्य नास्तिमों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिनने में सुविभा के सिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६—- (1) श्री जयन्ती भाई सोउकर टक्कर कर्नावली सोसाइटी भैरवनाथ रोड, ग्रहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

(2) श्री छगनभाई शामजीभाई पटेल कनांवती सो शाइटी भैरवनाथ रोड, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविश्व मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के एक लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह", वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया ह"।

अनुसूची

राजपुर हीरपुर टी॰पी॰एस॰ मनीनंगर 4 एफ पी॰ 16, एस॰ पी॰ 10 जभीन क्षेत्रफल 138 वर्ग मीटर 165.6 वर्ग त्रे रिजिस्ट्रेशन नं॰ 8809/4 दिनाँक 22-8-85।

> पो० डो० **खण्डेलयाल** सक्षम प्राधिकारी सहाथक द्यायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजैन रेंज, सहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

ामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

म्रहमवाबाद, दिनाँक 31 मार्च, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4215--श्रतः मुझे,पी० डी०

जासकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के जभीन संभव प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से बंधिक हैं

भौर जिसकी सं० बाँघाकामपाली मिल्कत हमनपुर मर्वे नं० 181 है तथा जो ब्लाक नं० 15, क्षेत्रफल 197 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इससे उनाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यीलय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908) का 16 के श्रधिन 26-8-1985

को कुर्वेक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बह्यमान प्रक्रिक के किए अन्तरित की नई है और मृत्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित नकार कृष्य, उसके बक्यमान प्रक्रिक से ऐते बह्यमान प्रतिफास का पंक्र प्रतिकात से बाँचक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफास, निम्नसिश्चित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुद्द किसीं आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः। जब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अबत विधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) बर्धीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :---

- (1) पुष्पनाथ द्रस्ट, द्रस्टी-दीलीप भाई माधवलाल पंडित, 13, महालक्ष्मी सोसाइटी पालडी, श्रहमदाह्याद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मेनन ट्रस्ट ट्रस्टी- कनुभाई मफतभाई पटेल, 11-शान्ती निकेतन सोसाइटी नारनपुरा, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्याररा अभोहस्साक्षरी के बास लिखित में किए जा सकर्यों।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उस्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, क्हीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

बाँघफामपाली मील्कत क्षेत्रफल 197 वर्ग यार्डगाँव-हसनपुर सर्वे नं० 181 ब्लाक नं० 15,ग्राम पंचायत नं० 1870-27 क्षेत्रफल 197 वर्ग यार्ड र:जस्ट्रेशन नं० 8838/26-8-85

> पी० डी० खण्डेलवाल समक्ष प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्र्जनरें ज, स्रहमवाबाद

तारीख: 31-3-1986

मोहरः

प्रकार बार्ड्, टॉ. एक . एख ु-----

बावकर निर्धानस्य, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में सभीत सूचना

भारत बरकार

कार्याचय , सहायक वायक्त भागका (निहासक)

म्रजंनरें ज महमदाबाद महमदाबाद दिनौंक 31 मार्च 1986 निदेश सं० पी० म्रार० नं० 216—— मृत मुझे पी०डी० खण्डेलयाल

कायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इत्तर्में इतके प्रकाश् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च थे अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० बी-2 जन मान्ती फ्लेटस टी०पी०एस०
3 है तथा जो एफ० पी० नं० 824 क्षेत्रफल 125 वर्ग यार्ड में
स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्णक्प से विणत
है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में
रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 22-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार भूक्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से बधिक है और अन्तरक (बन्त्रका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के सिए उव पांधा क्या दितकल, निम्मिलियत उन्दर्धन से उन्तर बन्तरक विविद्य में बास्तविक क्य से किथित नहीं किया दशा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बंतरक के दावित्य में कमी करने वा उत्तरों बचने में तृतिभा के लिए: वर्ष/था
- ह) ऐसी किसी जान या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीन नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, वा धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती चुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा चे किए।

नतः नवः, उपतं सीर्थानयम की धारा 269-व के वनुसरन में, में, उक्त सीर्थानयम की धारा 269-व की उपवारा (1) से संधीन, निम्मीनवित व्यक्तियों, संबंध क्- (1) श्रीमिति मुरेश्वाबन प्रशाहुतभाई शाह सोपान दर्शन सोसाइटी नवरंगपुर ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमिति सविताबन परपोत्तम पटेल प्लेट नं बी-2 जनशन्ती प्लेटस प्रीतमनगर ढाल एलियस-श्रिज श्रहमादबाद।

(भ्रन्तरिती)

का यह त्याना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के विष्टु कार्यमाहियां सुक करता हुं।

क्ष्मक कम्मिक्त को नर्पन में संबंध में कांचे भी बाखेंप ह---

- (क) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीवा के 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, वो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के शीतर प्रवेकित व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति व्यक्ति हा,
- (व) इव क्ष्मा के रावपण में प्रकावन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्ब्ब्र्च किसी बन्ध विकत व्यारा अभोइस्ट्याक्षरी के पाव विविध में किए वा सकेंगे।

स्वक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को कक्छ जीभीनवल, के कभाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में विमा वस ही।

पनुसूची

फ्लेट नं० बी-2 क्षेत्रफल 125 वर्ग यार्ड जन शान्ती फरेलेटस टी०पी०एस० नं० 3 एफ पी० नं० 824 रजिस्ट्रशन नं० 8860/ 22-8-1985

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, श्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रकल् मार्डे.ठी.एन एस ------

भावकर मार्मिनवम् 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अभीन सुमता

नारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षक)

ग्रजंन रें ज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4217—श्रत मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

नाधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, मह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साकार सुरूद 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० खेती की जमीन 13 एकर 37 गुडा सर्वे नं० 175/1, 177 है तथा जो 178 शीडोर में पुराना फार्म हाउस ग्राउण्ड फ्लोर पर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से बाणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 क 16) के प्रधीन, तारीख 14-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से विभक्त है और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पया प्रतिकास, निम्नसिवित ये वास्त-सम, निम्नसिवित ये वास्त-स्व क्रम से क्रमात बड़ी किया नवा हैं:——

- हैंक) बन्तरक संहुद किसी बाव की बावदा, उक्त वीवीनका को बधीन कर योगे की अन्तरक की क्षियरव को कभी करने या उक्स बचने हों सुविधा के लिए; भार/मा
- (क) एसी किसी जाव या किसी धन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा क्रियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उच्चत अधिनियम की धारा 2'69-ग के अन्सरण मों, मीं, उच्चत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन - निकारितीचक व्यक्तिकों, अधीत क (1) श्री माधवजी छनाभाई एटेल णीणोर, बतार वाडी, मंगल सोलाइटी ब्लाक नं० 8, श्रमरेली।

(भ्रन्तर्क)

(2) श्री मुलराज सिंह जीलुभा जाडजा और 4 अन्य नानी मनद, तालुका घोरानी जिला-राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अजेम के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपन संपत्ति के अर्थन में संबंध में कोई भी नाशंप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक ये 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिश्वां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी के पास कि सिक्य में किए का सकीं ने।

स्पष्टिकिकरण : — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया

धनुसूची

खेती की जमीन क्षेत्रफल 13 एकर वर्ग यार्ड सर्वे नं० 175/1, 177 और 178 सीणोरह 35 व पुराना फार्म हाउस ग्राउण्ड परोर पर रजस्ट्रेशन नं० 938/ 14-8-1985 ।

> पी० डी. खण्डेलवाल नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरेंज, भ्रहमदाबाद

तारीख 31-3-1986 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

शनकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की शस 269-व (1) के स्थीन सुचना

भारत सरकार

कार्थासय, सहायक जायकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रजंन रें ज, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4218—ग्रत मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें क्ष्ये क्ष्यात 'उक्त अधिनेयम' कहा क्या ही, की वारा 269 के अधीन सक्या प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका तीवत वाकार मून्य, 1,00.000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 493 पार्ट टी० पी० एस० 3 एलियस क्रिज गांधीग्राम है तथा जो रेफ स्टेशन ग्रहमदाबाद जमीन क्षेत्रफल ीिय वर्ग यार्ड 914 में स्थित है (और इसरे उपाबद्व ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीन्ति ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिलस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7-8-85

- (का) अन्तरक सं हुन्दं किली सस्य की पानता, नक्त गांधनिक्य की अभीन कर दोने की जनाग्य भी अधिक्य में स्वची नारने या जनने वचर्य के मुक्तिस का गिक्कः कीला/का
- क) एंसी किसी जाव वा किसी भन या अन्य जारितार्यों को, बिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्क वाधिनयम, वा धन-कर विधिनवम, 1957 (1957 का 27) के ब्रमोजनार्थ बन्तरिती ब्यारा बक्ट नहीं किया बक्स भा ना किया जाना वाहिए था, किया के सिया के लिए;

नतः वध, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के वनुवरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

(1) श्री सुदानदबन सुरेन्दभाई चिमनलाल शारकी विधा पहिन 'दशंन एलियस ब्रिज स्टेशन के सामने स्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कीर्ति कुमार फकीर चन्द मेहता प्रमुख-मेहता चेम्बसं एसोसिएशन 8, गिरधर सोसाइटी बाडज, ग्रहमदाबाद। 13

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं!

उन्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई बार्खय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाय:
- (ख) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास किसी मन्य किए या सकों है।

स्वक्षीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना जो उस अध्याय में दिया नेवा हैं ॥

अनुसूची

एफ० पी० नं० 493 यार्ड टी०पी०एस. 3, एलियस ब्रिज गांधीग्राम रेलवे स्टेशन के सामने ग्रहमदाबाद जमीन क्षत्रफल 914 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेशन नं० 7950-50/7-8-85

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंनरें ज, ग्रहमदबााद

तारीख 31-3-1986 मोहर

(भ्रन्तरक)

प्ररूप आह्रं.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4219— श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल.

कानकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विको इंचरों इसको पश्यात् 'जनत मधिनियम' सक्का गर्या हाँ), वही पहाड 260-- व से मधीय स्थान प्रतिभक्तरी को यह निश्चात करने का सारम हाँ कि स्थानर सम्बद्धि, विकास अधित समार मुख्य 1,60,600/- क., से जीक्का हाँ

और जिसकी सं० जमीन प्लीन्य टी॰पी॰एस० नं० 29 पर एफ॰ पी॰ नं० 76 हैं तथा जो जमीन 368 वर्ग यार्ड प्लीन्य 145 वर्ग यार्ड में स्थित हैं (और इससे उपाबद्व अनुसूची में श्रोर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1985,

को पूर्वोक्द संपत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दरयमान प्रितिफल के शिए अंतरिक की गई है और मृफ्ते यह विश्वास करने का कारूज है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल है, एसे दरयमान प्रक्षिफ का भंदर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्केष्ट से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से करियत नहीं किया नया है :—

- (क) अंतरण से हुन्द किसी जाब की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के कार्यक्त में कानी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः वाव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के संधीत्र, किम्निविधार व्यक्तियों, अर्थात् ⊯—

- (1) श्री संजीव उपाकान्त शुक्ल और अन्य, 1 ए, सौरम सोसाइटी, अंकुर रोड, अहमदाबाद।
- (2) श्रीमित उषाबन उषाकाम्त सुखीया 1ए, सौरम गवनमेंट सर्विस सोसाइटी अंकुर रोड, ग्रह्मदाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके पृथिक्त सम्बक्ति के अवन के लिए कार्यवाहियां कुछ करता हुं।

उपत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकायन की तस्त्रीय धं 45 दिन की जनींथ या तत्संबंधी स्वित्रायों पर तूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अनींथ बाद में सनाचा होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूशाया:
- े(त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विश्व के मीक्टर स्थानर बन्धी के विद्वार स्थानर बन्धी के पात निर्माण को मिन्स को स्थानत के पात निर्माण को मिन्स का स्थीनत को पात निर्माण को स्थान की स्थान की

धनुषु ची

जमीन प्लीन्थ टी० पी० एस० नं० 28 पर एफ० पी० नं० 96 सौरभ महा गुजरात को०-माप० हा० सोसाइटी लि०, जमीन 368 वर्ग यार्ड प्लीन्थ 145 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन नं० 4436/म्रगस्त 1985

> पी० डी० खण्डलवाल सक्षम प्राधिकाणी सहायक म्रायकर मायुक्त (निष्ठीक्षण) मर्जेन रेंज महमदाबाद

तारीख 31-3-1986 मोहर : प्रकृप बाइ . टी. एवं. एक. -----

नायकर अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) नी भारा 269-मं (1) के सभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर कायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-ाः ग्रहमवा**बा**द

श्रह्मदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० पी० आरि० सं० 4220--- श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल .

भ्यायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एच० पी० ग्रहमदाबाद में टी० पी० एस० 14 क्षेत्रफल 44 वर्ग यार्ड है तथा जो जी० एफ० 🕂 एफ० एफ + सेकेंड फ्लोर में स्थित हैं (ग्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुसूचो में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के फार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनौंक ग्रगस्त 1985,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कत्र के द्रायजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल निम्निसिकत उद्वेषय से उसते अन्तरण कि लिक के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से शुर्द किसी जाय की वावत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक से दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जीर/मा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तिजों की जिन्हीं भारतीय आक्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनेकर अधिनियम, या अनेकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

नतः नव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधास (1) के अधान जिम्हालिनित स्मिक्तयों, सर्भात् प्र—— 17—66GI/86

(1) प्रेमलता मदनलाल अग्रवाल सी०-6 प्रेम पर्लेटस शाहीबाग, ग्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोविदलाल गोरधनदान कवड पटेल सोनायटो, णाहोबाग श्रहमदाबाद

(ग्रन्नरिनो)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की व्यक्तियों पर स्वाम की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति को भी भविष भाव में समाप्त होता हो, की भीतर प्रविक्त व्यक्ति में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीब दे 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्व व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के गड़ लिखित में किए का तकेंगे।

स्वयद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त तस्यों और पर्यों का, जो उनक निधनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया नवा है।

वशस्त्र की

एच० पी० शाहीबाग में श्रहमदाबाद क्षेत्रफल 44.25 वर्ग यार्ड जी० एफ०: + एफ० + ऐफ० + नेकण्ड भनोर ।

> पो० डो० खण्डेलवाल गक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनाँक : 31-3-86

प्रकार भार्त्, क्षी. पुत्र , एक् ,-------

कामकर निर्भागवन, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-न (1) के नपीन ब्यावा

नारत राज्याह

काषांचन , बहानक वायकार नानुका (निरीक्क)

ग्रर्जन रें ज I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनाँक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० पी० आर० सं० 4221—श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसम

घौर जिसकी सं० मीनज नवायर में ब्लोक सं० 146 क्षेत्रफल 3 एकड़ है तथा जो 1 गुंडा 14641 वर्ग यार्ड में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सानन्द में रजिस्ट्रीकरण भिर्धित्यम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनौंक 21-8-1985,

को पूर्वेक्ति संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान श्रीसफल के सिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यणापुर्वेक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिशत उद्देश्य से स्कत अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किश्त कही किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुर्इ िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मन्य था या किया जाना चाहिए वा खिणाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-श को उपधारा (1) कै अधीन निम्नलिखित व्यक्ति में स्क्रीत क्रिक (1) श्री भ्रीरुभाई प्रतापसंग चौहान मंन कामेश्वर महादेव गांव--नवायरा तालुका सानन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रमरसंग परवतसंग महेन्द्रसींग परवतसंग गाँव चंगोदर तालुका--सानन्द

(भ्रन्तरिती)

का यह त्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तबत सम्बत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी बाक्सेंब ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी खं ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निर्मित्त में किए का सकेंगे।

स्वच्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीवनियम के जध्याय 20 क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं कर्य होगा जो उस सध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 3 एकर 1 गुंडा गाँव नवायरा में तालुका सानन्द ब्लोक सं० 146 रजिस्ट्रेशन सं० 1066/21-8-85

> पी० डो० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर आयुक्त (निरीक्षण स्रर्जन रेंज-I, म्रहमदाबाद

दिनौंक : 31-3-1986

भोहर :

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च 1986

मिदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4222--श्रत मुझे, पी० डी० खण्डेलवास.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं ० ए०पी० महुना में सर्वोदय सोसायटी है तथा जो प्लोट सं० 95 (142 वर्ग मीटर) में स्थित है (भौर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, महुना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनौंक 12-8-85 को पूर्भोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाश के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रशेतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में अभी करने वा अससे बचने में सृविधा के लिए; आहु/वा
- (क) एकी किसी बाब वा किसी धन वा बन्च आरिस्त्रभी को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में वृष्या की किस्त्रः

कतः इ.ब., उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तिवित स्थितियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती हर्षदावेन भूपतराय मेहता की ग्रोर से कुल मुख्यार जशवन्तराय जगमोहन मेहता, शराफ बाजार, महुवा, जिल्ला--भावनगर

(भ्रन्तरिती)

(2) श्री जितेन्द्रकुमार मोहनलाल सोनी शराफ बाजार महुवा जिला--भावनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींचा से 45 दिन की अविधि या तत्संखंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- भव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वस्थीकरण: ---इसमें प्रस्वत तब्दों जीट पदों का, बो अवह वीधिनियम के वध्याय 20-क में परिश्रावित हाँ, वहाँ वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया ववा हाँ त

अनु सूची

एच० पी० महुवा में सर्वोदय सोसायटी प्लोट सं० 95 क्षेत्रफल 142.42 वर्ग मीटर+जमीन 445 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन सं० 201/12-8-85

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-1, ग्रहमदाबाद

विनौक : 31-3-1986

प्रकृताही, टी., एन्., एक्.,------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन स्थना

भारत सरकार

काशालय, सहायक बायकपु बायुक्त (जिन्हीकर्ण)

ग्रर्जन रेंज- , ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च 1986

निदेश सं०पी० श्रार० सं० 4223--श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवास,

पायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० एक० पी० भावनगर में विजयरोज नगर प्लोट सं० 70 है तथा जो 188 वर्ग यार्ड--+ मकान सनद सं० 5684 में स्थित है (ग्रौर इसके उपादद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पृणंक्ष से विणित है) रजिल्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिल्ट्री-करण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक उ-8-85,

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उक्षके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रशिष्ठत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी अव्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किन्य भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर वृष्णिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया भवा था वा किया जाना जाड़िये था, जिपाने के बृषिधा के जिल्हा

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम अनि धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों,, अधित् क्ष— (1) श्री दिलीप धीरजलाल बारमबार स्व० धीरजलाल बाबूलाल के बिजयराज नगर प्लोट सं० 70 ए भावनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विणगमभाई जे० पटेल कमला बो० पटेल सी० 207 कमलेश पार्क एल० बो० एस० रोड, नारायननगर, घाटकोपर अस्बई--86।

(मन्तरितो)

क्षेत्रहस्यना वारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्षण्यी विष्ण कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कीई भी आक्षेप हः---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकायन की ताड़ीय थे 45 दिन की नविभ वा उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ , जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राथपन में प्रकाबन की ताड़ीन के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

मनुसूची

एव०पी० भावनगर में विषय राज नगर सुखसागर प्लोट सं० 70ए जमीन 188 वर्ग मीटर +मकान 1100 वर्ग फीट (नोर्थ साइड) रजिस्ट्रेशन सं० 2384/3-8-85।

> पी० डी० खण्डेलावाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

दिनांक : 31-3-86

मध्य पार्च हो हुन हुन -----

बायकर वीपनियम, 1961 (1961 मा 43) की भारा 269-व (1) के वर्षीन सूचना शाराह बारमार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज—I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिलांठ 31 मार्च 1986

निदेण सं० पो० आर० न० 4224——अतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूक्य 1,00,000/- रूज. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० अधिक टी० पी० एम० 3 पर एक० पी० सं० 154 है। तथा जो क्षेत्रफल 633 वर्ग फीट अमीबेला अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूर्धा में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबादमें रिजिस्ट्रीकरण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-8-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा बे निष्; बॉर/था
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियां को, जिन्हें आरतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त जिथिनियम की भाग 269-व के अनुसरण को, बी, उक्त जिथिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1) को जभीन, निम्निचित व्यक्तियों, जवकि ६—— (1) अमीका जारपोरेशन राजेश शान्तीलाल परीख नोर्थ न्यू कोलोनी सेंट जेजीयर्स कोलेज के नजदीक नवरंगपुरा अहमदाक्षाद—9 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योतिबेन बरवाभाई चाँधरी ग्राँप अन्य 12 श्रेयम कोलोनी स्टेडियम के सामने, नवरंगपुरा, अहमदााबद-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

दबत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षण :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति श्वनरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्याग अधोहस्ताक्षरी के पास सिंदित में किए का सकेगे।

क्लिकरणः ----इक्नें प्रयुक्त यथ्यों और पदों का, थे उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया यया है।

अनुसूची

आफिस क्षेत्रफल 633 वर्ग फीट सेकण्ड फ्लोर अमीवेला टी० पी० एस० 3 एफ० पी० सं० 154 रजिस्ट्रेणन सं० 7213/ 14-8-85

> पी० डी० खण्डलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, अहमदाबाद

दिनांक : 31-3-1986

प्ररूप आहूँ.टी.एन.एस.------जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारः 269 च (1) को अधीन स्चना

and distric

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986
निवेश सं०पी० आर० न० 4225--अत: मुझे, पी० डी०
खण्डेलवाल,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रकार 'उन्त निधानियम'क इस मध्य ही, की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कार्य है कि स्थान्य सम्पत्ति, विसका उन्ति बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं अाफिस से अण्ड फ्लोर पर टी० पी० एस०-3 एफ० पी० न० 1454 है। तथा जो क्षेत्रफल 313 वर्ग फीट अहमदाबाद में स्थित हैं (श्रौर इसके उपाबद्ध अनुसूत्रों में ग्राँग पूर्ण कप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिकस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14-8-85,

को प्जीशत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान शितफल के सिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह इतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय बाबा स्या प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित भै बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया क्या है ह—

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाव की बाबसू, उक्ट मीपीनयम के बचीन कर बने के जन्दर्क से राजित्व में कमी करने वा उससे वचने में बृह्मिया से लिए; बीर/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत् अधिनियम या धन-कर जीवनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरितो बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना धाहिए था, किया में सुनिया भी लिए;

बतः गव, अकत अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण में, में उनत निधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविति व्यक्तियों, अधीत :--- (1) अमीना कारपोरेशन राजेश प्रांतीलाल परोख नोर्थं न्यू कोलोनी जेबीयर्स कालेज के नजदीक नवरुंगपुरा अह्मदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री वेलजोभाई जीवाभाई चौधरी गांव--चराडा तालुका--वीजापुर जिला--महेसाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा ते 45 दिन की नवींचे या तत्वंत्रंत्री व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीच, जो भी शविच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्र च्यक्तियों में से किसी स्पनित ध्वारा;
- (क) इस सूचना के समयम में प्रकाशन की तालीय के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तालरी के सम्भ सिवित में किए का कुकेंचे।

स्थाकरणः - इसमें प्रयुक्त कान्यों और पवी का, थी उपक बाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, थो उस अध्याय में दिवा गंबा है।

नग्रुपी

आफिस सेकण्ड फ्लोर पर टी० पी० एस-3 एफ पी० सं० 154 अमीवेला 313 वर्ग फोट अहमदाबाद रिजस्ट्रेशन सं० 7218/14-8-85

> पी० डी० खण्डें**सवाल** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अ**र्जे**न रेंज–^I, अहम**दाबाद**

दिनांक : 31-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नश्यकार विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की वाद 269-व (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिशांत 31 मार्च 1986

निदेश सं०पी० आग्व सं० 4226—-अत: मुझे, पीव डीव खण्डेलवाल,

हायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके पक्तात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-च के वभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रु. से ग्राधिक है

श्रीर जिसकी सं मान मानेकवाडी में भावनगर है। तथा जो सी एस बोर्ड सं 5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्षा से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-8-1985,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार यूक्य, सस्ये स्थमान प्रतिफल है, एस स्थमान प्रविफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितेंंं) के बीच एसे जंतरण के लिए हव पायण्या शास्क्रक, निम्निलिस उद्देश्य से स्वत बंतरण निम्नित में भारतीय स्पार से की पत नहीं किया गया है:--

- (क) संबारण संशुद्ध किसी बाय की बाधता, उत्तर, अविधीनवय के अभीन कर दोने के बन्छरक के दायित्व में कारी करने ने उत्तर बुधने में सुनिया के लिए; आर/धा
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या नया भाषा किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: भव, उक्त ऑधिनियम की पारा 269-न के बनुसरण वं, में, उक्त अधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अधार क्र∼ (1) त्रीवेनीबोन नृसिहप्रसाद वैद प्लोट सं० 571-ए मावनवाडी, भावनगर,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुलाबवेन नारभवास मिस्त्री 12, नूमन भारतीय सोमायटी भावसगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 चिन की जबीं मा तरसम्बन्धी न्यक्तिमों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की नवधि, जो भी वर्षीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजेंकित क्यक्तियां में म किसी ब्यायन ह्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, सभोहस्ताक्षरी । पास विवेद में किस वा कर्केंगे।

अमुसूची

प्लोट सं० 571-क्षी सी० ए १० वार्ड सं० 5 मकान मानेक वार्डी में भावनगर।

> पी० डी० खण्डेलेवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

दिनों क : 31-3-86

मोष्टर :

प्ररूप बार्च .टी .एन .एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4528/ /85-86--अतः

मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- एत. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं उ दुकान नं 23, आर असे पि एस रोड, बड़ीदा है तथा जो बड़ीदा में स्थित है (श्रौर इस से उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 37ईई का 16 के अधीन, दिनां 3-6-85,

को पूर्विक्त संपत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का निदृह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिजल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक का से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर को के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रविधा के लिए।

अत: अव, उक्त अधिनियः की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिनियमिक व्यक्तियों, अधीत :---

(1) अवन्ती एण्टरप्राईज, अवन्ती चेम्बर्म एपन प्रेस होटल के पीछे बडौदा---5 !

(अन्तर्क)

(2) श्री निर्मल जेठानन्द ग्रीर अन्य स्टेगा रो**ड** निखसुली, बस्बई (बेस्ट) 79

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जर के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजभन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-धित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फोर्म सं० 37ईई का फोर्म पर कायिलय में जून 85 को पेश किया गया है ।

> पी० डी० खण्डेलावाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-11, अहमदावाद

दिनांक: 14-2-1986

श्रारूप बाई.टी.एन.एस.

बायकर बॉधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत संग्कार

कार्नाचन, सहावक जाएकर धाराकर मिरादिसकी

ग्रजैन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 17 मार्च 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4529/II/85-86—ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

कलकर अधिनियम, 1961 (1961 का 47) (किले ध्यमें स्थमें स्थमें पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा में हा हैं। की बारा 769-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० दुकान बोम्बे मारकीट सुपत है। तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद अपृंसुची में स्थीत एर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यात्य, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के श्रधीन दिनांक अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्मन्नि के जीवत बाजार मृत्य से कम के क्यमान बित्रक के लिए बेतरित की नई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्र का जीवत वाजार भृष्य, उसके दृष्यमान प्रतिफ स से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफ स का क्ष्मक प्रतिक का विविध्य का क्ष्मक प्रतिक से विधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिला नम जाया गया प्रतिक स किम्मित्रक स्पर्य के बिद्या से उसत अंतरण विधिक से वास्तिक कम से सिथा कहीं किया सका है है

- (क) नत्यास्य वं हुए किया अर्थ की अर्थता, जनक वीधीयसम्बद्ध क्यांन कर दोन का अन्यत्य को क्यांन्य में कनी करने वा वससे वचले यो अन्यत्य के लिए: वीर/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, विष्टुं भारतीय आवकर की भी नयह . 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियह या धनकर अधिनियह या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ये प्रयोखनार्थ असीरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था कियाने में सरिवास के जिल्हा

काः का उपन विविद्या की भारा 269-व को वनकर्ष में, में उक्त अधिनियम को धारा 269-व को उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 18—66GI/86 (1) गणेश सिल्ः मिल्स भागीदार एम० सी० चौधरी ऋखाड़ा, सुरत ।

(अन्तरक)

(1) मे० ग्रोछवजी सुलजी ड्रेसवाला भूलेश्वर रोड, बम्बई ।

(ग्रन्तरिती

को बहु सूचना चारी करके प्यांक्त सम्पत्ति के वर्षन के दिख कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

क्वल सम्मरिश के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रावपंत्र में प्रकाशन की शारील हैं
 45 दिन की अविध ना तत्संबंधी व्यक्तिनों नद्व स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी संत्रीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषित कानित्रों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकावन की तारीच कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवकृष किसी जन्म व्यक्ति हवारा अधोहन्ताक्षरी के पाव विविक्त में किए वा सकति।

स्वक्षीकरणः -- इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च विश्विवय के अध्यात 20-क में परिभाषित हैं, कहीं वर्ष होगा जो उक्क सध्याय में दिया। पदा हैं।

श्रनुसूची

सब-रिजस्ट्रार, सुरत में 671 नम्बर पर श्रगस्त, 85 में रिजस्टर्ड किया गया है ।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रकृत रेंज—II, ग्रहनदाबदमा

दिनांक: 17-3-86

हरण पार्च ही है एक वह ----

स्तरभाव अर्थभीनम्म । 1963 हैं र 1961 मा 43) मी भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत तर्कार

कार्यांबर, तहायक आवकर जागृत्व (जिर्दाक्रक)

श्चर्जन रेंज-II, श्रहभदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांकः 17 मार्च 1986

निदेश सं० पी० ग्राप्त सं० 4530/II/85-86---- ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

नावक्त् नृत्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रकार प्रमाद (उपसे मिथाम) नहां गया है), की धारा 269-च के नजीन संक्षम प्रारिशकारी को यह निश्वास करने का काइन है कि त्यांवर संपरित, जिसका उचित नावार मूल्य 1,04,086/- रु. से विक्त है

मीर जिसकी सं० दुकान मं० एच-24, श्रखाड़ा, सुरत है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबड़ अन्सुवी में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तो अधितारी के आर्थिलय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त 1985,

का पूर्विषय तंपित के उपित नामार अन्य ते काम के क्रमणान प्रतिपत्त की निए अन्तरित की गई है और अभि यह विश्वास नज़रों का कारण है कि स्थाप्येक्ति संपत्ति का उपित साजार अन्तर्भ का क्रमणान प्रतिपत्त को एसे व्यवसान प्रतिपत्त का क्रमणान प्रतिपत्त के निष् क्रमणान के जिए स्व नज़ा क्रमणान के जिए स्व नज़ा क्रमणान के क्रमणान क्रमणान के क्रमणान क्रमणान के क्र

- (क) विकास वे हुए कियी बाब की शावल. उक्त अधिकाल के अधीत कर योगे के अधारक के कावित्व में जनी कहारी या उत्तरे अधारे में सुविधा के बिक्ट कार्ड वा
- (क) पंदी कियी जान ना किसी भन या अन्य नास्तियों भी, विक्ट नारतीय नायकर निमित्रन, 1922 (1922 का 11) ना उक्त निमित्रन, या धन- कर निभित्रन, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविभा ने किया,

जन्न: जब, खब्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुबरण के, में जन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जभीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, जथीत् :---- (1) रेशमबाला प्रा० लि० ज्ञायरेक्टर श्री गोवर्धनभाई **डस्ह्या भाई** रामपुरा, सुरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सोहनलाल देवीलाल जी एच-24, सोम्से मार्केट, उमरवाष्टा, सुरत ।

(भ्रन्सरिती)

(क) इस सुमूह, ने राजकम में प्रकासन की तारीय से कार्यग्रीहमां एक करेवा दूरे।

दक्त सम्बद्धि के बचीन के सम्बद्ध में कीई सी बार्सन ह

का वह सूचना धारी कारके प्रश्नेष्क धन्मतित के अर्थन के किय 45 दिन की जन्मि ना तत्सम्बन्धी व्यक्तिनों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो और अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णों कर व्यक्तिस्थों में वे कियी व्यक्ति हुन्छ;

> (क) इस त्यान के राजपन में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन के शीतर उक्त स्थाक पंपणि में हितबब्ध किसी नम्य स्थानित द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या संक्षि।

स्थाधीकरणः—इसमें प्रवन्त कर्यों और पर्यों का, वो उनस् वीधिनियम के अध्याय 20-के में परिशाहिन्स हैं, नहीं नर्थ होगा को उस सम्याय में विधा गवा है।

अनुसूची

सब-रजिस्ट्रार, सुरत में 2591 नम्बर पर दिनांक ग्रगस्त 85 में रजिस्टर्डकी गयी है। यह मिलकत सुरत में स्थित है।

पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायजर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–II, ग्रहमदाबाद

दिनांकः : 17-3-1986

प्रकार वाह्र<u>ें हो ए</u>क . एक.

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन त्वना

HERE WHEN

कार्यावय, सहायक आयकर जाय्क्त (निरीक्षण)

म्नर्जन रोज-II, श्रहमदाबाद म्रहमदाबाद, दिनांक 17 मार्च 1986

निदेश सं० पी० धार० सं० 4531/II/8 **5-8**,6--अतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल.

भायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिन्ने एसमें इसके परवान् 'उक्त जीभिनियम' कहा चन्न ही, की भारा 269-व के जभीन बक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाच करने का कारण ही कि स्थापर बज्वीरक, जिसका श्रीवरा वाचार नृत्य 1,00,000/-रा. से अभिक ही

भौर जिसकी सं मकात 25बी सं नं 78/ए/I है। जो सुरत में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद अनुसुची मैं श्रौर पूर्णे रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के बार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अगस्त 1985,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के जीवन नावार मून्य से कम के वश्यकान प्रतिकत्त के निए मंतरित की गई है और क्ष्में यह निकास इस्ते का कारण है कि स्थानुबॉक्त तम्बत्ति का जीवत नावार मून्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल के कृतह प्रतिकत्त से क्षिक है और मन्तरक (अन्तरकार) और अंबरिती (अंतरितियाँ) के नीच एसे बन्तरण के मिए सब पाया बना प्रतिकत्त, निकासितियाँ उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित के शक्तिक क्य से क्षिक मही किया नवा है इन्

- हिंची सरारक से हुई किसी भाग की वानस्त, उपर अधिनियम में अभीन कर बोने में अन्तारक में सावित्य में कतीं कारने वा उसने वचने में स्विधा में किस्; श्रीड/वा
- (क) एंडी किसी नाम वा किसी भन वा नन्य आस्तियों को टिक्ट जारतीय नामकर नीयनियम, 1922 (1922 का 11) वा बक्त नीयनियम, या भन- कर जीयनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ जल्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना थाहिए था, क्रियाने में सुनिया के लिए।

बहात बंब , उक्त अधिनियम की भरा 269-व से निपृत्रण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन , निम्मसिवित व्यक्तियों , अर्थात् :—- (1) श्री रामासरन लक्ष्मीदास दावजी कुराजा, बस्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री भानचन्द्र एम० देसाई, छोड़ दौड़ रोड, सुरत

(ग्रन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पुत्रोंक्त सम्मत्ति के अर्जन के सिप् कार्यवाहियां कारता होतु।

इब्द सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारते हैं

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से सिमी व्यक्ति व्यक्ति वापा;
- ्रिक्ष) इत तूचना के राज्यन में प्रकाशन की वार्यांच थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में दितवद्वेष कियों अन्य व्यक्ति द्वारा वश्रीहरनाथारी के पास विश्वित भी देशन का स्कीती

स्थव्योकरणः — इसमा प्रयक्त शब्दों और पदों क ... विधिनियम के वध्याय 20 न्य में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होता को उस वध्याय में विदा पता

ATTE

मिलियित जो सुरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सुरत में 868 नम्बर पर अगस्त 85 में रिजस्टर्ड की गयी है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, भ्रहमवाबाद

दिनांदः : 17-3-86

प्रकल् भार्च . दी . वृष् . दूख

नावकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुक्का

भारत सहकाड कार्याचय , सङ्घाम बामकार वास्त्रत (विद्वासका)

भ्रजन रेज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनां । 17 मार्च 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० मं० 4532/[1/85-86-प्रतः] मुझे, पी० डी० खण्डेलवानः,

वासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विते इसमें इसमें पश्चात् 'उनत जिथिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व के सभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसको छित्र वाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी सं० ए-505, इण्डिया टैक्पटाइल मार्केट, है। तथा जो सुरत में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अपुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिपारी के वार्यालय, महमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37ईई वा 16) के श्रिधीन विनांक 4-7-85,

को प्रांक्त सम्मित के छिचत बाबार मृस्य से कम के कममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरन ते हुइ किसी जाम की वावत, उक्त जीध-निमन के जभीन कर दोने के जंतरक के दामित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविभा के निए; चौर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) वंदीय विभाईनीम को० श्रो० हा० सोसायटी रियाचीड,

सूरतः ।

(अन्तरक)

(2) श्री शाजाराम प्रह्लादराम लाटोरी छोड़पड़ शोड, सुरह ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करक पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्चन के विद कार्यनाहियां करता हो।

स्वत् सम्प्रसिः के अर्थन के संबंध में काई वाकी :---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 विग की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, चौ ची सर्वाच याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों जो से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस स्चता के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 किए के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किला व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विकृ जा सकोंगे।

स्वयाकरण:- -- इसमं प्रयुवत शन्यां और पया का, जो उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिधायिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

37ईई ा फोर्म पर ायलिय में जुलाई 85 को पेश किया गया है ।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त चुनिरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-I, ग्रहमदाबाद

विनां∵ : 17-3-1986

भक्त बार्षः हो. एव । एव : १००० व्यक्त

नायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन वृत्ता

बाह्य दर्जी

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II श्रह्मधाबाद श्रष्टमदाबाद, दिनांक 17 मार्च 1986

निदेश सं०पी० भार० सं० 4533/II/85-86--भ्रतः मुझे, पी० जी० खण्डेक्ष्यारू

कायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तं अभिनियम' कहा नया हैं), की बारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात् करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अजित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं जे जे जिन्न कि रिगरोड सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसके उपाब ब्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 37ईई का 16 के अधीन दिनांक 16-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कान के सम्बन्धन प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्नात करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्पत्ति का स्थित बाजार मूक्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिस्थित से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के हिए तन पाना चना प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वर्षण से उच्छ नन्तरण सिवित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया मना है है—

- (क्यू) अन्तरण ने हुन् किनी बाद की बादता जनत स्वीध-हिमस से बचीन कर देने से अन्तरक से बाहित्स मो कभी करने या उत्तर्थ बचने में सुविधा के हिमए; स्वीर/का
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भग वा बन्ध जास्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विभिनियम, वा भनकता अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया बाना शाहिए था, कियाने वे स्विधा के जिला।

(1) श्री संदीप श्रिमाईसस को० ओ० सोसायटी रिगरोड सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बालारामी श्रीमलकुमार बन्सल सुमुल डेरी रोड सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना वारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के तिथ् कार्यवाहिकां यूक करता हूं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोप :---

स्वन्धीकरण :—इसमे प्रयूक्त सन्दाँ नौड पर्यों का, जो सन्द अधिनियम, स्त्रे बंध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं नर्थ होण्य जो उपा अध्यास में विका स्वा हाँ।

- (क) इस स्वाम के एकप्त्र में प्रकाबन की तारींक के 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की ताबील से 30 दिन की बन्धि, को भी स्विध बाद में बचाक्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ट कर्नुक्तयों में से किसी कर्नुक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाखन की तारीच के नव्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा वधोहस्ताक्षरी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- वात कि कि तो में किए का सर्वीचे।

अनुसूची

37ईई का फोर्म पर कार्यालय में दिनांक 16-7-85 को पेश किया गया है ।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंण-II श्रहमवाबाद

थ**ठः, बद, उक्त वीभीनवम् की भारा 269-व के बन्सरण** में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) हे अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् ्—

दिनांक: 17-3-1986

माहर :

वर्षा । वर्षा । होतु प्रकृत प्रकृत स्थलक

नात्कञ्च न्त्रीय्तिकक्_छ 1961 (1961 का 43) क्यी पाठा 269-प (1) के बजीव क्षुत्रना

भारत सरकार

कार्गलय, सहायक मायकर बायूक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंभ-II, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 17 मार्च 1986

निदेश सं० पी० मार० सं० 4534/ /85-86--मत: मुझे पी० क्री० खण्डेलवाल,

कायकर विभिन्निया, 196. (1961 का 43) (विते इसमें इसके परवात् 'उनत भीविमयके' कहा गया हैं), की बाख 269-व के नवीन सवाय प्राविकारी को, वह विश्वतंत्र करने का कारण है कि स्थानर बज्जित, विश्वतंत्र विश्वतं मुख्य 1,00,000/- रा. से विभिन्न हैं

और जिसकी सं० 7-201, रिंगरोड, सूरत है। तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपन्बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई का 16 के अधीन, दिनांक 16-7-1985,

- (क) वन्तपन वे हुए जिली काम की नावश करवा वर्षिन निवन के अपीय कर वंशे के नावरक के शांतित्व के कर्मा करते ना वसके नावने तो वृद्यिका के जिला क्षेत्र/या
- (व) एकी जिल्ही नाव या जिल्ही पत वा बला नाहिस्तानों की, जिल्ही मार्सीय नाव-कर निधीनयम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर निजियम, वा धन-कर निधीनयम, वा धन-कर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कस्तरियों ब्वारा प्रकट नहीं जिल्हा नवा या वा किया वाना वाहिहर या जिल्हा में सुविधा के विवाह

अत: शर्या, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, धनक अधिनियम की धारा 269-म की समधारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) संदीप प्रिमाइसास को०-ओ० सोसायटी रिंगरोड, सुरतः ।

(मन्तरक)

(2) श्री राजकुमार मग्नवाल मान्नद रोड, मलाड बम्बई

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बच्छ बस्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बामोंक :---

- (क) इस स्वया के सम्बन्ध में प्रशासन की सारील से 45 किन की वस्ति या तस्त्राम्बन्धी स्वतित्यों पर क्ष्मण की तामील से 30 किन की स्वीध, को भी स्वयं कर में समन्त होती हो, से भीतर पूर्वोजन स्वतिकारी में से किसी स्वीच्य द्वारा;
- (ल) इस बुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीया से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस-क्रूब किसी कम्म न्यक्ति कृताश नमोहस्कालंडी के पास विश्वित में किस् वा स्थांगे।

क्ष्मद्रीकर्ष्य्:---द्रश्यो प्रगुक्त काम्यो और पदो का, को क्ष्मक व्यक्तिक्यम, को कथ्याम 20-क में परिशासित हैं, कही कर्य होता, को उस अध्यास में विका क्या हैंके

अपूर्वा

37ईई का फोर्म यह कार्यालय में दिनांक 16-7-85 को पेश किया गया है ।

> पी० डी० खण्डेलबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण), झजंन रेंज-II, महमदाबाद

विनांक : 17-3-1986

मोहर ।

सरवंदर विविध्यय , 1961 (1961 वा 48) स्ट्री वंद्य 269-व (1) वे वर्षीय कुल्ल

STREET SPRING

कार्यावय, तहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II, महमदाबाध

श्रहमदाबाद, दिनांक 17 मार्च 1986

निदेश सं० पी० भार० सं० 4535/II/85-86-- मसं. मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

नावकर निर्मानगर्ग, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके गरवात् 'उनत नहिंगानगर' कहा गया हीं, की धारा 269-या ने नथीन सकान प्रापिकारी को यह विकास करने का जारण ही कि स्वानर कम्मीत विस्तान उपिय वाहार न्या 1,00,000/-रा. से निभक हैं

और जिसकी सं० ए-308, रिंगरोड, सुरत है तथा जो सुरत में स्थित है (और इसके उपायब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि नियम, 37ईई का 16 के प्रश्नीन, दिमांक 16-7-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को ठिक्त बाबार मूक्य वे छव के बस्वजाब प्रविक्रश के अब्द बस्तिया की नई है और मुन्ने वह विक्राब काले का कारच है कि वस्त्रमुख्या सम्पत्ति का समित बाबार मूक्य, सबसे श्रवमान प्रविक्रत के पूर्व सम्प्रवाद प्रविक्रत का पंत्रह प्रविक्रत विषक है और बन्तरक (बन्दरकों) और अन्तरियी (बन्दरिक्षतों) के बीच एसे बन्तरम के निए तय नाया च्या प्रविक्रत, विम्नीसिंग उद्देश्य से उन्त बन्तपूर्ण विक्रित एं वास्तिक रूप से कथित नहीं किया बना है है——

- (क) कर/धन में सूर्य कियी नाम की नाम के नाम के नाम के नाम की नाम के नाम के नाम के नाम की नाम
- (क) इंधी कियों नाव या कियों भव या नाव नातिसावीं को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, धा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रवोध नाव किया जाना अहिए था. किया वे स्वाध वा किया जाना अहिए था. किया वे स्वाध के स्वाध के

(1) संदीप प्रीमाइसीस को० ओ० सोसायटी रिंगरोड, सुरस ।

(ध्रन्तरक)

(2) श्री मिथलेशकुमार माहु राहीत मारकेट रिगरोड, सुरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्चन के लि. कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्ती में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37ईई कार्म फो यह कार्यालय में दिनांक 16-7-85 को पेश किया गया है ।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

जतः अव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के क्ष्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्शात ु---

विनांक : 17-3-86

मोहर

प्रकृत कर्यु , ठौ , एव <u>, एक</u> , ०००००००,०००

मामकर मीभीनयन, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-ग(1) में स्पीन मूचमा

पाउस पहुच्या

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज-II, शहमदाबाद श्रहमदाींद, दिनांक 17 मार्च 1986

निदेश सं० पी० भार० सं० 4536/II/85-86--भ्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त किश्रीयस्थ' कहा गवा है'), की शास 269-भ के नभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, फिसका अभित बाबार मूल्य 1,00,000/- रहः से मधिक हैं

और जिसकी सं० ए-514, रिगरोड, सूरत है तथाजो पूरत में स्थित है (और इसके उपाबद्व प्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्रहमधाबाद में रजिस्ट्री-करण म्रधिनियम, 37ईई का 16 के प्रधीन, विनांक 14-7-198 5,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रीचत बाजार मृत्य से कम के स्वयमान तिफल के लिए बेलरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभाग्योंक्त संपत्ति का उपित बाजार शस्य, उसके धरवकान प्रतिभाज से एसे धननमान प्रतिफल का यम्बर्धप्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितिकारी) के बीच एसे अन्वरण के सिए तक नका गया प्रतिकार निकासिक्ति तबुबक्त के बक्त कन्तरक श्रिकित में बास्तिनिक क्य है कीयत यहीं किया पता है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बायुकी बाबत, उक्तू विविधियम के वर्षीय कर दोने के अन्तरक के वारित्व में कनी करने वा छख्डे क्यमें में स्विधा के लिए; बौर/बा
- (क) एोसी किसी बाव वा किसी पत्र वा अन्य वास्तियों को जिन्ही भारतीय वायकर वीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या बक्त विधिनिशम, या धन-कर अभिनिक्म, 1957 (1957 को 27) चैं प्रयोजनार्थ अन्सरिती वन्तरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिल्लाने के सीवध्य र किला

(1) संदीप प्रिमाइसीस को० ओ० सोसायटी रिंगरोड,

(ग्रन्सरक)

(2) श्री वेदप्रकाश परती सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सुभवा धाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया चुक करता हुई।

उक्त सम्मित्त के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाजेप ह---

- (**७३) इस स्**चना **में रा**चपन में प्रकाशन की दारीय है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (था) इन्ह स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीड से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिंग्निस में किए आर सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा नका है 🏥

नगसची

37ईई का फोर्म यह कार्यालय में दिनांक 16-7-85 की पेश किया गया है।

> पी० डी० खण्डेलघाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , ष्रहमदाबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उब्द अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ध्ये सधीर . विकासियिक **ध्यापनम्** 🕫 न**र्थात् ४**---

दिनांक : 17-3-86

मोहर ।

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ---

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनौंक 17 मार्च, 1986 निदेश सं०पी० श्रार०नं० 4537/II/ 85-86--- श्रतः मुझे, पी०डी० खण्डेलवाल,

बार्यकार कथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे दसमें हमने परपात् (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का आरण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुन्य 1.00,000/- रा. से.अधिक ही

स्रोर जिसकी सं ० ए-205, रिगरोड, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण ख़्या से विणत है), रिजस्ट्री -कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 37 ईई के अधीन, तारीख 2-7-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में अम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन: निम्निकिकित व्यक्तियों. अर्थात :---- 19-6601.86

(1) मेसर्स संजीव प्रिमायसे न को०-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी रंग रोड, सूरत

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स भावत कुमार अप्रवाल, 208, जमनादास जी० स्ट्रोट, कलारुसा-7

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाधियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त **अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित** ह¹, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37ईई का फार्म यह कार्यालय, में जुलाई 85 की पेश किया गया है

> पी० डी० खण्डे सवास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजें∎ा, श्रहमदाबाद

नारीख: 17-3-1986

प्रकृष वार्षं .दी .एन .एस . -----

बायभर विधिनियत्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत अरुक्तर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-धा, प्रहुमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 17 मार्च, 1986

अहमदाबाद, दिनाक 17 माच, 1986 निदेश सं०पी० श्रार० नं० 4538/II/85-86→-भ्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

जानकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिश्लाक करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक ह"

म्रोर जिसकी सं० नं० 801 टी० पी० एस० नं० 7, फतेह्पुरा है तथा जो बड़ोदा में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख मगस्त, 1985

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यामान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिकात से बाधिक है वाँड बंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिका) को बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकात, निकासितिक क्या से उक्त अन्तरण लिखित में बास्क किया क्या से उक्त अन्तरण लिखित में बास्क किया क्या से अन्तरण नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण के हुई जिली जाब की वावता, स्वयत अधिनियल के अधीय कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्ली करके या उत्तक वश्वते में सुविधा के सिक्; बॉर/बा
- (व) एसी किसी गांव या किसी वन या जन्य जास्तियाँ का, जिन्हाँ नास्तीय जाव-कर विधिनियम, 1977 (1922 का 11) वा उपत जीधनियम, या भनकर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के विद्य;

अतः अतः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अथित :—-

- (1) कनजीभाई रमनलाल सोनो, हरमीरोड, बड़ोदा। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीपो ग्रपार्टमेंट जयभुखभाई मुलजीभाई बड़ीदा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की गनिथ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर तृचना की सामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त का जिल्लामों में से किसी व्यक्ति ब्यासत;
- (स) इस सूखना के राजपण में प्रकाशन की सारीत में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में 15 किया क्यों क्या में किए जा सकेंगे।

स्प्वाकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, को उक्त जिथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मभुस्ची

मिल्कत जो फतेहपुरा, बड़ोदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार बड़ीदामें 6022 नं०पर श्रगस्त, 1985 को रजिस्टर्ड कि गई है।

> पी० डो० खण्डे लवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-धि, ग्रहमदाबाद

तारीख: 17-3-1986

प्रकण आहु^र, टॉ , एन , एव ु-----

नायकर विभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन क्लाना

तारत राजार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जनरेंज-II, श्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 17 मार्च, 1986

निदेण संं पी० श्रार्० नं ० 4539/II/85-86--- श्रत: मुझे, पी डी० खण्डेलवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यार करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सं० नं० 113, बड़ोदा है तथा जो बड़ोदा में स्थित है अभीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री इकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार जून्य से कम को क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एंसी किसी बाय वा किसी थन वा कवा काहिसकों करे, जिन्हों भारतीय अध्यकर अधिवियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्च अधिवियम, या धन-कर अधिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुजिधा वी किया

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भो, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च वरी उपभारा (1) के अभी निम्निसिस स्यक्तियों, सभीत ; — (1) श्री किशन लाल गिरधरलाल ठक्कर, पुनीत चौक, पादरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सरस्वती कलावती मंडल, प्रमुख श्री गाडाभाई शिवाभाई निजामपुर, बडोदा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह त्यना पारी करके पूर्वोक्त तत्र्याति भी वर्षन से लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

ब नए बंप्रिस के वर्णन के बंबंध में कोई भी वासोप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर् स्थान की तामीस से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में चे किसी स्थित ब्यारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकींगे।

भ्यव्यक्षिरणः --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उनर मधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ क्षेणा को उस अध्याय में दिया वसा है।

बन्स्ची

मिलकत जो बड़ीदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बड़ीदा में ग्रगस्त, 1985 को रजिस्टर्ड कि गई है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-II, स्रह्मदाबाद

तारीख: 17-3-1986

प्रकर्प बाहीत हो तु एक अपूर्व अञ्चलकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

नारत प्रस्कार

कार्याच्या, वश्चायक वायकार वायुवत (विरोक्षण)

ध्रजेन रेज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 17 मार्च, 1986

निवेश सं० पी० प्रार० नं० 4540/II/85-86-- प्रतः मुझे, पी० डी० खण्डे लवास,

वावकर विधिनवन, 1961 (1961 का 43) (चिचे दसमें इसमें परकात् 'दक्त विधिनयन' कहा नवा हैं), की वारा 263-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विद्यका उचित वाकार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० नं० 258, जमीन प्लाट नं० 20, हैं तथा जो श्रकाय बड़ोदा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत हैं) रिजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि उधापुर्वोत्तर संपर्तित का उसित अजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
सम्बद्ध प्रतिक्षत से बिधक है बीर बन्तरक (बन्तरका) बौर
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) खे बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिकृत, निम्निनिष्ठित उद्देश्य से उसत अन्तरण
निविक्त प्री अस्तरिक का से अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) विशय के हुए किसी बाद की बावस्त, स्वयं वीधनिया के बधीन कर दोने के बन्दरक के राजित्य में कमी करने वा स्वयं असने में सुविधा के लिए: बॉर/बा
- (य) इसी किसी बाब या किसी धन या बस्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय बावकड़ विविद्यित्वम् 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के बिक;

वदः सम, क्यत विभिन्न की भारा 269-न में बनुसरम् ने, बैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, विहरत्तिस्ति व्यक्तियों, वर्धात् रें--- (1) श्री शान्तीलान भागीलान शाह, बम्बई गौग सेन्टर के पीछे, बडोदा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री देवजी परमन भाई हिरानी, जै०पी० रोड, बडोटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करनी पूर्वोक्त सन्गृत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तर रोपरित के बर्जन के बंबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारिय के 45 दिन की जनकि मा तत्संत्रेणी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की नविध, वो भी कृतिय दाद के बनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिता में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुवान के ख्वपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीसर उन्त स्थावर संपति सेक हिनबक्ष किसी बन्य व्यक्ति व्यास व्यक्ति व्यास विश्वस्था के पास निवित में किए जा सकति।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, वो उचन समिनियम के सभ्याय 20-क में परिश्रावित्त हैं, बही वर्ष होगा जो उस अभ्याय में दिया गवा हैं,।

बन्त्यी

मिलकल जो अपकोय, बड़ोदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार बड़ोदा में 5706 नं०पर अगस्त, 85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० ग्री० खण्डे लवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रें ज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 17-3-1986

मोहरः

प्ररूप जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुच्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनां के 1 मार्च 1986

निदेश सं०पी० आर० नं० 45 41/ /85-86—— अनः मुझें, पी० डी० खण्डेलबाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रार जिनकी सं ० 139/1, टी ०पी ० II, एफ ०पी ० नं 362 है तथा जो जड़ी दा में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाब ग्रमुम् में ग्रीर पूर्ण रूप विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, सारीख 23-8-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुः किसी आय की यायत उपत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्त्रिका के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) हे अधी । निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री एमेश चन्द्र हरप्रसाद शर्मा, ताना अपार्टमेंट, बडोदा।

(अन्तरक)

(2) किएन्ट पेट्रोकेम प्रा० लि०, रेसकोस, बड़ोदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

मिल्कत जो बड़ोदा में स्थित है सब रजिस्ट्रार, बड़ोदा में 5840 नं० पर दिनांक 23-8-85 को रजिस्टर्ड भियागया है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

नारीख: 17-3-1986

प्ररूप आहार.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिमांक 17 मार्च, 1986

' । ' । ' । তি সাহত ল'০ 4542/11/85~86——সান: मुझा, দীত ভীতি আডেইলিবাল,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

स्रोप जिपकी लंक अज़ीदा कमबा 503/1/31 है नथा जो संपत राव कालोनी में स्थित है (स्रोप इसके उपाबद्ध अनुसची में स्रीप पूर्णकप ने वर्णित है), रिजिस्ट्री जो अधिकारी के जायिलय, बड़ीदा में रिजिस्ट्री करण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 15-7-1985

का पृश्विका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरसमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरसमान प्रतिफल से, ऐसे दरसमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिग्रिक कि स्प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किपिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, ा, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) - जे अधीन, निम्निनियित व्यक्तियों, अधीक्ष ः—

- (1) श्री चिमतभाई ईष्वर भाई पटेच, अलकापुरी, बड़ोदा। (अन्तरक)
- (2) मेमर्स संजय कारपोरेशन, अलकापुरी, बड़ोदा (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्बक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अदिध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्विस्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्ट अध्याय में दिया गया है।

वनुसूचीं

मिल्कत जो बड़ोदा कस्त्रा में स्थित है। मब रिजस्ट्रार, बड़ोदा में 5072 नं० पर दिनांक 15-7-85 की रिजस्टर्झ किया गया है। जिसका कुल मूल्य 9,00,000 रु० है।

> पी० छी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारौ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 17-3-1986

भूक्य नार्ष्, टी. इन प्रत , ------

कासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) ना भारा 269-ण (1) के अभीन सुच्या

भारत सरकार

कार्बाध्य, सहायक आपकर आयुक्त (निर्दाक्त) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० आर० नं०4543/11/85-86——अन: म्झे, पी० डो० खण्डे लवाल,

नायकर म्र्यंभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रकाद 'उत्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नभीन सक्ता प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मृल्य

1.00,000/~ रु. से अधिक ह

और जिसकी सं० बड़ोदा कस्बा 503/1/77 प्लाट नं० 3 है भिया जा उड़ीस में विवान है (और इसने उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्णेष्टा में वॉणेन है), रिजिस्ट्री क्वी अधिकारी के कार्यालय,बड़ोदा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 15-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए उत्तरित की गई है और मूझे मह विद्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दूरयमान प्रतिकल से एसे दूरयमान प्रतिकल का गढ़ह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के वशीन कर दोने के क्वरिक के दाविस्थ में कभी करने या उक्कसे बचने में तृतिभा के निए; आर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन्न या जन्त आस्तिनों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभिनियम, या के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा विवा जाना चाहिए था, स्थिपने में सूदिया के जिए;

- (1) श्री अम्बानाल उमेदभाई पटेल, अलकापुरी, बड़ोदा (अन्तरक)
- (2) आपार्व एजेन्सी श्रीराम चेम्बर्स अलकापुरी, बहोदा।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोजत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां सुरू करता हुं।

उपक सञ्यक्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्रोप ह---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की वयींथ या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वयींथ काद में समाप्त इस्ती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवारों में से किसी व्यक्तित ब्वादा;
- (व) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की आरोज के 45 दिन के भीकर उनके स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य कीवत इसारा नभोहस्स्याक्षरी के नाम लिखित में किए वा हकोंगे।

बन्स्ची

मिल्कन जो अड़ोदा कसबा में स्थित है। सब रिजिस्ट्रार अड़ोदा में 15-7-85 को रिजिस्टर्ड की गई है जिसका कुल मूल्य 11,00,000 हपए है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कैं, कैं. **डफ्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)** फें लधीन. निम्नतिस्तित व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख: 17-3-1986

त्रकृत आर्ह् <u>सी पून कृत - ------</u>

नावकर समितियम, 1961 (1961 का 43) फी भारा 269-म (1) से सभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायकर (निर्देशक) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मार्च, 1986

निदेण सं० पी० डी० आर० 4544/॥/85-86--- अतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य

1,00,000 /- का. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 58, टी० पी० नं० 12, निजमापुरा है तथा जो बड़ोदा में स्थित है (श्रीर इश्विस उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्णकान नविंगित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्या जय, बड़ोदा में जिल्हों करण अबिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य ते कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, इसके क्ष्यमान प्रतिफल ते, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्बदेय से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंसरण से हुन्दै किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अंसरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूमिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जबः, उपतः अधिनियमं की धारा 269-ग के अग्सरणं में, में, उपत अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री रमीनात्ररत छोटूभाई पटेल, निजामपुरा, बडोदा।

(अन्तरक)

(2) श्रो एस० कृष्णन निज(मपुरा, बड़ोदा।

(अन्तरितो)

का. यह सुचना जारी करुके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्मत्ति के भूर्णन के स्म्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राख्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अवधि या तत्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति स्वक्ता;
- (अ) इस तुषना के राज्यका में प्रकाशन की हारीख हं 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किश्री जन्म व्यक्ति क्वारा, अधोहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों बा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिक है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मिल्कत जो निजामपुरा बड़ोदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार बड़ोदा में 3182 नं०पर अगस्त, 85 में रिजस्टर्ड की गई है जिसवा कुल मूल्य 2,55,000 रुपए है।

> पी० डी० खण्डेलवाल मक्षम प्राधिकारी महायक भायकर आयुक्त (निरोक्षण) अजॅन रेंज ,म्रहमवाबाद

नारोख: 17-3-1986.

प्रस्प बाह्य , दी , एव , एस ,=----

भावभार कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउ 269-म (1) के स्थीन स्थान

भारत संस्कार

कार्यानय, सहायक जायकार बायुक्त (निर्देशिक)

धर्जन रेंज, ध्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 17 मार्च, 1986

निवेश सं० पी० श्रार० नं० $4545/\Pi/85-86--$ श्रतः मुझे $_{,}$ पी० डी० श्रुण्डेलवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ए/1 2 सं० नं० 47/बी 68/बी, 70/1/बी 68/बी है तथा जो बड़ोदा में स्थित है (श्रीर इसमे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यायय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के करवान तिरुल के लिए अन्तरित की गर्द ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का मृत्यह प्रतिस्रत से विभक्त है और बंतरक (बंतरका) और बंतरिती (बन्तरितिका) के बीच एसे बन्तर्ल के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नीसिक्त उद्देश्य से उन्त कन्तर्ण लिखिक है बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तपुरम से हुई किसी नाव की बान्ता, उनका वीधनियम् के अभीत कह दोने के जन्तरक के दाकित्व के कवी कहने वा जबके क्षणे में कृषिधा के सिए; बौर/वा
- (क) एसे किसी बाब या किसी भन वा बण्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की निए।

- (1) श्री मारोती राव रामराव भारवाडा बड़ौदा (अन्तरक)
- (2) श्रसेरपी कन्स्ट्रक्शन क० बोरीवली बम्बई नेष्ट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित् के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की बनिध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो और ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हित- बृद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्रिरी के पांच निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एका हाँ।

अन्स्यी

मिरुकत जो बड़ौदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार बड़ौदा में ग्रगस्त: 1985 को रिजस्टर्ड किया गया है जिसका कुल मुख्य 3,73 270 रुपए है।

> पी० डी० खण्डेलबास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रांयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंग श्रहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भॅ, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1), अ**देशकी** जिस्सीवित **व्यक्तियों का स्थार डिल्ल** 20—66 GI/86

नारीख: 17-3-1986

प्रक्ष बाईं हो एव एस .-----

जाधकर जीभिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

श्रायांत्रयः, सहायकः बायकर वायकः (निर्धाक्षणः)
श्रजेन रेंज, ग्रहमदाबाद
श्रहमदावाद दिनाँकः 18 मार्च 1995

निदेश सं० पी० श्रार्०नं० 4546/II/85-86--- शत: मुझे पी० डी० खण्डेलवानः

जायकर मिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269- व के अभीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं ्रीपलैंट नं ० 2 नारनपुरा सुरत है तथा जो सूरत में स्थित है (स्रोर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण भूप से बीजत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख श्रामन, 1985

की प्रेंक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृन्य से कन के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया क्या प्रतिक्क कि निम्निलिखत उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) बन्तरण संहुई किली नाम की वावत उन्त कीथ-निवृत्त के नधीन कर दोने के बन्दरक के दायित्व मा कमी करने या उससे संधने में सुविधा के लिए; नौर/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

- (1) श्री मेचरदास जमनादास हरीपुरा, सूरत। (अन्तरक)
- (2) श्री मधुन्धन मोहन लाल महतो, नानपुरा, सूरत। (अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूबांक्य सम्पत्ति के नर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन, की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिमिककत जो मूरत में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार सूरत में 934 नंजपर प्रगस्त, 85 को रिजिम्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंण, स्रहमदाबाद

तारीख : 18-3-1985

प्ररूप बाइ ुटी एन एस ,-----

बायकर मीधनियमं, 1961 (1961 का 43) की भूता 269-थं (1) से अधीन सूचना भारत बरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निजीक्षण)

ग्रर्जन रंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 18 मार्च, 1986 निदेण सं० पी० श्रार० नं० 4547/II/85-86-- ग्रन: मुझे, पी० डी० खण्डेलवास,

बावकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं बुकान नं 22, बोम्बे मारकेट है तथा जो उमरबाडा सूरत में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णक्प से विणत है रिजस्ट्रीवर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख अगस्त, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नुशिचत उद्वश्य से उक्स अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है——

- (क) अन्तरण, से हुई हिंकसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वर्षित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा वादित्य के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाम मा किसी भन या अन्य मास्तियों को जिन्हों भारतीय जायक कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विध्य में सिष्;

- (1) छान नता गान रचार मुख्यमार्ग, सुरता। (अन्तरक)
- (2) श्रो वागीशाल एक**ः म**ह्तो, उम**रबाडा, सूरक** (श्रन्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्जन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाधीप हु-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की संवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींचे।

स्यब्दीकरणः इसमें प्रयूक्त सन्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

भिल्कत जो मुरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार मुरत में 2592 नं० पर अगस्न, 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० जी० **खण्डेलवाल** अ**अ म प्राधिकारी** पहायक आयक्त आयुक्त (नि**रीक्षण**) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

बतः तव, उन्तः वीभितिषतं की भारा 269-ग के जन्मरण चें, में, उन्त जिभिनियमं की भारा 269-घ की उपधारा (1) हे अभीन निम्निमित्रित र किस्साहिल वर्णात् सम्म

ारीख :18-3-1986 **मोहर** : प्रक्ष नाइं.टी. एत. एस. ------

जायकर जीभीनियज, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269 ज (1) को जभीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जनरें ज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 मार्च 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4548/II/85-86--- अ :: भुझे, पी० डो० खण्डेलवाल,

नावकार निर्मानयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इतके गश्मात् 'उक्त निर्मानका' कहा कहा हैं), की धारा 269-च के नशीन सकाम प्रशिकारी की कह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, विश्वका अधित बाबार मूम्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रों िक को लिंग बार्ड नं र 12, नौध नं र 570, सुरत है तथा जो सुरत में स्थित है (मीर इस्त उपावद्ध भ्रतुमुची में म्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिक्स्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुस्त में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीव, तारीख 19-8-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उच्चित बाबार मूंच्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बंतिरत की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल के, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिक्ति उक्केंक्स से उक्त जंतरण लिक्कि में बाक्यक्ति क्य वे कर्मक नहीं किया क्या है है—

- (क) बंदरण सं हुई किसी नाम की बाबत, उक्क विभिन्नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री परीनलाल जे० षोठना केलानी बखार, सूरत। (अन्तरक)
- (2) दुष्पन्त गजेशभाई पटेल, वाडो फलीया, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.व स्पना, के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में क्रिय-वर्ष किसी बन्द व्यक्तित पुकारा बधोहरताकरी के नाम जिसित में किए वा सकति।

स्वक्रीकरणः:—इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्वों का, यो उनक्ष विवित्तन के वध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होता को तद व्याद में दिका वया हैं।

अनुसूची

मिल्कत जो सुरत में स्थित है। सब रिक्ट्रार सुरत में 6090 नं० पर दिनां रु 19-8-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक अायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, अहमदाबाद

जतः अथ, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण म, म, इक्त अभिनियम की भारा 269-थ उपभारा (1) अ, अभीत, निम्निसियत अधिकत्यों, अभीत ग्ल्ला

तारीखा: 18-3≣1986

प्रकार बाह्ये हु हो . एव , भूब , --ध्य----ध्य-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्मना

मार्व च्यक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्णनरें ज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 19 मार्च, 1986 निदेश सं० पी० श्चार० नं० 4549/॥/85-86- श्वतः मुझे, पी० जी० खण्डेलवान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं बोर्ड खटादेरा स नं 3, टी० पी० ए. 4० नं ० 6 है तथा जो तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 14-8-1985,

को ग्वोंक्त सम्मित्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के सम्माम प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कि एवा है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजाए मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तु प्रतिकृत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितिवों) के बीच एसे बन्तर्क से विए तब पाग गया प्रतिफल, निम्नसिवित उच्चेद्य से उक्त अम्तरक निवित में अस्तिविक कम ते कियत बही किया नवा है अन्तरक

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या तससे वचने में नृतिभा वे सिए: बार्ड/या
- (च) एची किसी नाम वा किसी भन वा भाषा आस्तिकों को जिन्हों भारतीय नायकार निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया काना चाहिए था, विधाने में सुविधा के तिवः

वर्तत अव, उपत विधितवस की धारा 269-व के वनुवरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री गुरूबच्चन ज्ञानचन्द दावर, श्रम्बा लाईन्स, सूरत। (अन्तरक)
- (2) जे॰ बी॰ एसोसिएट्स, श्रादर्ग सोसाइटी, सूरत । (ग्रन्टरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्देश्य से वर्धन के तिस् कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति से सर्वन से सम्बन्ध में कोई ही बाधीब हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की बदिश या तस्तंत्रभी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की जयिश, वो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के वश्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिखा ववा है।

अनुसूची

मिल्कत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 5974 नं विनाक 14-8-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खण्डेलावल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज, ग्रहमदाबाद

तारीखा । 19-31986 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, ग्रहमदाबाद

महमदाबाद, विभांक 18 मार्च, 1986

निदेण सं० पी० ग्रार० नं० 4550/॥/85-86--- श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं बोर्ड नं 3, नार्थ नं 819 श्रौर 746-सी है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-8-85,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) उन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त किसीनयम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; सौर/या
- (ंड) एसी किसी जाय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट महुई किया नया था या किया जाना बाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के ब्रिशः;

ब्रत्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अडे अधीन, निस्त्रीतीयत स्वक्रिक्टें नर्धात म्यान (1) केहर जैयमभाई मोतोबाला श्रोर श्रन्थ, नवापुरा सूरत।

(ग्रन्तरक)

(2) दावत प्रोपरटीज ट्रस्ट, डा सैयद, साया वाजार, सूरत टाल, बम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोह भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्टाक्षरी के पास तिश्वत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कव्दों और भवौं कर, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मिरुकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार. सूरत में 5992 नं० पर दिनाँक 16-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्**त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **प्रह**मदाबाद

तारीख: 18-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनॉक 18 मार्च, 1986 निदेण सं० पी० श्रार० नं० 4551/॥/85-86- — श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं व बंगला नं 2, रादरे रोड, सुरत है तथा जो सुरत में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारी ख अगस्त 85 को पूर्व क्य स्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से काम के स्वयमान श्रीसफल के लिए अंतरित की गई है और मुश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व का सम्मत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का बन्द प्रतिकात से स्थिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्निविधत उद्देश्य से उपस बंतरण निविद्य में वास्तिक क्या मिन कि विधित में वास्तिक क्या से किया वहीं किया मिन है के सामा सिव के का सिव के सिव का स्था की सिव की वास्तिक का स्था की सिव क

- (क) बन्तरण सं हुई किसी नाय की बाबत, उक्त बिधीनयम के बधीन कर दोने के बन्तरुक के दायित्व में करने या उससे बचने मी सदिधा के लिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

वतः वंब, उक्त विभिनियम की धारा 369-ग की बनुसरण भी, भी. उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीर, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात न्यान (1) श्रीमती नुशीलासरन बी॰ देसाई गाँधीपार्क, पामीकी भात, सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगत सिंह प्रतापसिंह चौहान संजना सोसाइटी सूरत।

(भ्रन्तरिती)

कर यह स्थान जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति से अर्थन के सिष् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

इक्स सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण;--

- (क) इस ब्रुचना के राज्यन ने प्रकाशन की ताड़ीय हैं
 45 विमृक्षी सर्वीच या तत्तम्बन्धी स्पित्तमाँ पर
 ब्रुचना की तामीस से 30 विन की अविभि, जो भी
 अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकह
 स्वित्तमाँ में से किसी स्पन्ति इनायः।
- (स) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबृब किसी अन्य न्यक्ति बुनारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

ननुस्वा

मिल्कत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 5930 नं पर श्रगस्त 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है। पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

तारीख: 18-3-1986

मोहर 🖫

प्रक्य बाइं.टी.एन.एस.----

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्पालव, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जनरें ज-II श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद दिनांक 18 मार्च 1986

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 4552/।।/85-86-- म्रतः मुझे पी० डी० खण्डेलवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 67, 68, 69, 70 नूरपुरा ली वालोज है तथा जो हालिन में स्थिन है (श्रौर इससे उभावत प्रनुभूकों में ग्रौर पूर्ण-रूप से विणित है). (श्रौर इससे उपाबंद ग्रनुभूकों में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-8-8 5

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्येष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई जिसी जाम की बाबत, उनस जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर कधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तिरायों, अधीन: —

(1) बीना इस्टेट प्रा० लि०, फोर्ट, बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

(1) में संसं एन० एच० भई, एम० जै० मार्केट, बम्बई-2 (श्वन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ट स्पिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसब्ब्ध किसी मन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किस् का सकोंगे।

स्वध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

37ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनाँक 12-8-85 की पेश किया गया है। जिसका कुल मूल्य 6,00000 रुपए है।

> ণী০ डी० खण्डेलबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जनरें ज, श्रहमदाबाद

तारीख : 18-3-1986

मोहर 🖫

प्रकप बाइ टी. एन . एत . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत चरकार

कार्यालयः, सहायक श्रायकर **आभुक्त** (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1986

निवेश मं० पी० ग्रार० नं० 4553/II/85-86-- श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

कायकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (त्यस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० म्राफिस नं० 516 डायमण्ड हाउम स्टेशन रोड है तथा जो सूरत में स्थित है) और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय म्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण म्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 9-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पुक्ते यह विद्यास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल के पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिचित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जत: जब, जकत अधितियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, में, उकत अधितियम की भारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसिक व्यक्तियों, द्राविष्ट —— 21—66 GI/86 (1) जे० एम० सी० मेघानी बिल्डर्स (सूरत प्रोजेक्ट) क्षवेरी बाजार बम्बई।

(भ्रन्तरक)

(2) लल्लू श्रार० गिल्डर और भ्रन्य पोदार हास्पीटल के सामने बम्बई-18

(भ्रन्तिरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्फ्जन के संबंध में कोई भा आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्द- बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्राफिस जो डायमण्ड हाउस भूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म पर कार्यालय में दिनांक 9-7-85 को पेश किया गया है।

> पी०डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

तारीख : 19-3-1986

प्रस्य वार्षं.टी.एन,एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) की अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहावक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1986

निदेश सं० पी० ग्राग्० नं० $4555/\mathrm{II}/85\text{-}86$ — श्र x ः मुझे, पी० श्री० खण्डेलवाल

कावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिम्मियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख वे अथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पीता जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव मजरा जनतानगर संव नंव 1067 है तथा जो मूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-8-1985

को प्वांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेचित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया यथा है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-बियम के अधीय कर दोने के जंतरक के धियत्व में कमी करने ता उससे व्यने में नृविधा के लिए; बीड/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य शास्तियों की, जिन्ह भारतीय भावकर विधिन्द्व, 1922 (1922 का 11) या उक्त बोधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिका के सिए;

बरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री मोहन लाल नारयनदास गेहानी स्टेणन रोड सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गंडाभाई उमेदभाई पटेल खटोदश सूरत। (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वृर्धन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुक्ह्या;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वास बभोहेस्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वो का, को उनक्त विश्विमयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उत् अध्याय में दिक भया है।

बस प्रची

मिल्कत जो जनतानगर सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 5869 नं० पर दिनांक 9-8-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

तारीख: 19-3-1986

प्रस्प कार्य, जी, एन्. ए४ . ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्वना

STEEL STATE

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद; दिनांक 19 मार्च 1986

निदेश सं० पी० प्रार० नं० 4554/II/85-86--- प्रतः मुक्ते, पी० डी० खण्डेलवाल,

चायकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रसक्ते पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269- व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जियको संव सुलतानाबाद ग्राग्व एसव नंव 483, 486/4 है तथा जो 488 1 र्रे स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के वार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के

को प्रवेक्त सम्परित के उचित बाबार मृत्य से काम के करमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई हैं और मृत्ये यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिक क ल निम्निविद उद्विश्य से उक्त अन्तरण निविद में वास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) इंसी कियी काय वा कियी थय वा क्या आगितामां को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया बाना चाहिए था. कियाने हों स्विया के किए:

(1) श्री माणे ह भाई दादी शेठ 802, ऋषिराज ग्रपार्टमेंट श्रथवा लाइस सूरत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री छोटूभाई केणव भाई पीथावाला भीमपारे सूरत।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाञ्चिमां करता है :

उक्त सम्पत्ति के अर्थन की माजन्य जो को**द**ें भी बाद्योप :----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिव के मीहर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य स्थिक्त द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास विविध्य में किए था करोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ हत्रोगा जो उस उध्याय में विद्या गया है।

अनुस्ची

भिस्कत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 5920 नं०पर दिनांक 12-8-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० छी० खण्डेलवाल सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रहमदाबाद

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में . में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :—-

्तारीख : 19-3-1986

मोहर 🖫

प्रकप शाइ . टी . एन . एस . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याज्ञ सहायक जायकर जायक (निरक्षिक) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1986

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० $4556/\Pi/85-86$ -ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलथाल,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रु. से निधक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 7 रामपुरा सूरत में स्थित है (और इसक्षे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-8-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान शिवका के तिल् बन्तरित की नर्ष हैं और मुके यह किश्यास करने का कारण हैं कि वधायाँकत सम्परित का विकास मूल्य, उन्न के स्वमान प्रतिकास के श्री स्वमान प्रतिकास के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में बास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है "——

- (क) बलाइल से हुई किसी जान की बासत, उक्त महिंग्नियम के संधीत कर बाने के बलाइल को समित्य में कमी करने वा खबड़े बलने में कृतिभा अरि/या
- (थ) ऐसी किसी भाग वा किसी धन वा बच्च भारितयाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए ना, छिपान में सुनिया वी लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सन्सरण कों. कों, धक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिसित स्वन्तियों, अर्थात् ः—-

- (1) मरहम मगनलाल जमना दास और श्रन्य लाल दरवाजा मूरत। (श्रन्तरक)
- (2) श्री ठाकार भाई लाल दरवाजा सूरत। (ग्रन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जब्धि बाद में संसाद्य होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

जन्स् जी

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 5790 नं॰ पर दिनांक 16-8-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खण्डेलयाल मक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, श्रहमदाबाध

तारीख: 19-3-1986

मोहरः

प्ररूप आहू .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च, 1986 निदेश सं० पी० आर० नं० 4557/II/85-86--

अन: मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमेँ पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित काजार मृल्य

1,00,000∕- फ. से अधिक है

ग्रोर जिन्ही सं० दुहान नं० एफ ० 2.5 , उमरबाडा है तथा जो ्रत में स्थित है (क्रोर इसत उपाबद्ध जनुसूची में क्रीर पूर्णरूप से वॉशत है), राजस्द्री बर्ता अधि कारी के कार्यालय, सुरत में राजस्द्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक्ति संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न**हीं किया गया है**ः——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह^र भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ≖ें स्विधाक लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भॅ, में, उक्त सिंधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस्त क्यक्तियाँ, अर्थात् :----

- (1) श्री जिल्ल कुमार वासुमल, लानपूर्व, सूरत । (अन्तर्क)
- (2) श्रीमति सुशीलासरन सारनलाल उमरबार्ड, सुरत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ुन्न

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र रूपकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यात्रित दुवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए आ सर्केंगे।

[ः]स्यष्टोकरणः - – इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याथ में दिया गया है।

अनुसूची

गमिलका जो सुरत में स्थित । सब रुजिस्ट्रार 5867 नं पर दिनांक 9-8-1985 को रशिस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयहर आयुक्त (निरीक्षण) अजॅनरें प, अहमदाबद

नारोख: 19-3-1986

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद अहमदाबाद, विनांक 31मार्च 1986 निदेश सं० पी० आर० नं० 4558/॥/86-86-- अतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अंदि जिनकी सं० दु तात नं० की 38 धाम्बई मार्कीट, है तथा जो ूजमारबाडा सुरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णेक्ष में विणित है), रितस्ट्री क्ती अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजिस्ट्री तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीखा 20-8-1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके एक्यमान प्रतिफल से, एसे एक्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बौज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी अंध्रयं की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को . जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था , छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, भैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीन, निय्नलिखित व्यक्तियों. अधीत्:——

- (1) डा नटवर लाल सुकुवलाल पारीख और अन्य, 3, सन्बुरी मागॅ, डा सेनी बिसन्ट लोड, बरली, बस्बई-5 (अन्तरक)
- (2) श्री मूलवन्द रामछोड़भाई पटेल, मरीधरपुरा, सुरत्।

(अन्तिन्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तम्भृति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

दुशाम नं० जो बाम्बई मार्कीट, सुरत में स्थित है। जिलका रिजस्ट्रीणन 6099 नं० पर दिनांक 30-8-85 को सब रिजस्ट्रार में किय गया है।

> पी० डी० <mark>|खण्डे</mark>तवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज, अहमदाबाद

नारोख: 31-3-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीय युव्या

शाप्त बहुकान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अक्षमदाबद अहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4559/11/85-86-- अतः मझो, पी० डो० खण्डेलवाल,

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार, 'उन्त करिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व क अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्कास करने का कारण **र्ध कि स्थानर संपत्ति जितका उचित बाबार मण्ड**

1,00,000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० बाड नं 2 - नाद नं 04333 श्रीर 4337 है तथा जो मग्रामपुरा सुरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद मुची में फ्रोंप पूर्णारूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यों लय, सूरत में दिस्दी हरण अधि तियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, भारीख 20-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विरवास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) वृत्तरपाते हार्यकियों बाग की बावत. बर्गिविवयं से वधीय कर वोने से बंतरक से राजितक मी ककी करने वा अवसे नचने में सुविधा के सिए: बीर/वा
- (स्त) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, चिन्हां भारतीय जावकर जीभीपयम, (1922 का 11) या उक्त सिधिनियम, गा भन-कर मधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नग्नी किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधाको लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिर्सित व्यक्तियों अर्थात :--

- (1) चैंतन्य वें प्रटराम शाही आदर्श सोसाइटी, सुरत । (अन्तरका)
- (2) श्री कमल सरन मंगीलाल वैद, मुख्य मार्ग, मग्राम पुरा, स्पति।

(अन्त रिती)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपरित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कालेंच :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख डे 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी स्टक्तियाँ पर सूचना की तामीय हो 30 दिन की संदीभ को भी म्बृद्धि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से लिसी व्यक्ति इवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्वाय में दिया गया 🗗।

अनुसूची

दुरान जो सुरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सुरत में 6102 नं० पर दिनांक 20-8-1986 को रिजस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खण्डेलवाल् सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंल, अहमदाबाद

नारीख: 31-3-1986

प्ररूप शाह". ट. एन. एस. -----

कायभर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जीन रेज अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनोक 31 मार्ज 1986 निदेश स० पी० आरट मं० 4560/॥/85-86-- अतः मुझो, पी० डी० खण्डेलवाल,

नायकर मिश्रियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इक्सें इसके प्रवाद 'उन्त निश्मियन' कहा गया हैं), की पारा 269-व ने नृश्मित सनम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन हैं। कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उनित नावार मृस्य 1,00,000/- रु. से मिश्रक हैं।

भीर जिमको न० दुष्तान नं० ई-10 बम्बई मार्कीट, है तथा जो उमरबाडा सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्णें क्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-8-1985

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्त यह निश्वास करने का कारण है कि यश्चपूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल खे, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देशम से चक्त अन्तरण निवित में वास्तिवक इप से किया गया है :---

- (क) करनारण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-विश्वस के बधीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में कसी करने या उसते यचने में सुविधा के लिहे, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के तिए;

अंतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म कि उपधारा (1) के बधीन, निम्निसित स्पितां, कर्मा कुल्ल (1) घनश्याम वेयशीमल तुलसीयल मुर्त्त सिल्क स्टोर, मुर्त ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति रामकुमारो प्रकाश, ई-10, बस्बई मार्कीट, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना शारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप पु---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में से कियु का सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्तों और पर्वों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित है वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पया है।

वयुष्यी

दुकान नं ० जो सुरत में स्थित है। सब रिजस्ट्राप, सुरत में 6158 नं ० पर दिनांक 22-8-1985 को रिष्टिंड की गई है।

> पी०ष्ठी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

नारो**ख**: 31-3-1986

प्ररूप बाइ . टी. एन . एव------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत स<u>र</u>कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 31 मार्च ज 1986

निदेण सं० पी० श्रार० न० 4561/॥/85-86—— अतः मुझा पज० डी० खण्डेलवाल,

वावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धुसको परवात् 'उकत अधिनियम' व्यक्षा नवा ही, की धार 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर सम्बक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुत. से अधिक ही

जो सूरत में स्थित है (और इसमे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण-रूप मे विणित है) पित्रस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय सूरत में एजिस्ट्रीकरण श्रधितियम 1907 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9-8-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्हरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, । दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिष्ठाद से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (म) एमी कियो जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-दार प्राथिनियम, 1952 (1967 का भारत के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः • ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फे रभीन, स्मिन्तिकत व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 22—66 G1/86 (1) रमीभी विकमजी एण्ड कम्पनी मयदास मारकेट बम्बई-2

(भन्तरक)

(2) श्री फ़रशराम जगन्नाथ और श्रन्य स्टेशन रोड सूरत।है

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राप्रपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की बनिष या तत्त्वान्यणी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-वह्म किसी बन्य म्बन्ति द्वारा नभाहस्ताक्षरी के पास सिविद में किए जा सकेंगे।

स्यच्छीकरण:—श्रममें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्क अधिपियम के अध्याव 20-क में परिशाधित हैं, कहीं अर्थ होगा, जो उक्क अध्याम में दिवा नवा है।।

अनसर्ची

दुकान नं जो बम्बई मार्कीट सूरत में स्थित है। सी रिजिस्कार सूरत में 5892 नं पर दिनांक 9-8-1985 की रिजिस्टेंड किया गया है।

> पी०डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज श्रहमदाबाद

तारीख 31-3-1986

प्रकथ आहे. दी. एन. एस. -----

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-त्र (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज- , श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 31 मार्च 1986 निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 4562/2/85-86--श्रत मुझे पी० डी० खंगेलवाल

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० श्रम्पा लाईन्स उमरवाडा सुरत है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची और पुर्ण रुप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजीस्ट्रीकरण श्रधिनिवम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 21-8-1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूक्य से कम के दृष्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार क्रूब, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिवित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तीवक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बावत, उक्त अर्टुभनियम के बधीन कर दोने के जन्तरण के शियल्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बरि/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया राज था या किया जाना चाहिए था, व्हिपान में स्विपा के सिए;

अतः दब्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मों., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री मती लिलिताहुन गंकर लाल दूलारा लिमडा चीक सुरत।

(अन्तरक)

(2) विकास कों० आं० मोसायटी मी० ओं० गोन्धन एघ० मिस्त्री अंसामी रोड, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कर कर्ण कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाध्येप ह—

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की समिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय, अधोहस्ताक्षरी वे वास निवित में किए वा सकेंगे।

स्रव्यक्तिरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त आधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रनुसूची

मकान जो श्रम्बा लाईस सूरत में स्थित है। सब रिजिस्ट्रार सूरत में 1 11 55 नंसर पर दिनांक 21-8-क985 को रिजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खंडेलवाल े सक्षम प्राधिकारी यहायक श्राधकर श्रमयुक्त (निरीक्ष) श्रजेल रेंड श्रहमदाबाद

दिनां क 31-3-1986 मोहर प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4563/2/85-86-ग्रत: मुझे पी० डी० खंडेलवाल

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5 जो बार्ड नींद नं० 1 528/1/के० है तथा जो श्रठवागंट सूरत में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पुर्ग रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजीट्री-करण श्रधिनियम 1908। (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-8-1985

को पूर्वेक्सि सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से शुद्ध किसी आय की, बावत, उसत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दानियल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केंलिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष—

- (1) श्री प्रीतम दास नीयल चंद श्ररोड़ा डयंना जिला सुरत। (प्रान्तरक)
- (2) श्री म्रशोक कुमार मूलचंद शाह वलीचंद नागर को०ओ० सोक्षायटी सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनल स्थारित के वर्षन के संबंध में कोई भी बासपे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स्व 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस नुवत के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख़ र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए मा सकरि।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

फ्लट जो सूरत में स्थित है सब रिजस्ट्रार सूरत में 5702 नंबर पर दिनांक 2-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 31-3----

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4564/2/85-86--म्रत: मुझ पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,,01,000/- रह. से अधिक है

और जिमकी मं० फ्लैंट नं० 97 मुभाष नगर को० ओ० है तथा जो सोसायटी सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ऑर पुणं कर से विणत है) रिज स्ट्री वर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-8-1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफत के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य से कम के द्वयमान प्रतिफत के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकार सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दिश्व एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिश्वत उद्ववेष्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में शास्त्रिक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में और/या
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, किपाने में सुविधा के सिए;

जतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अ्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती मध् कान्ता नागर दास शंदरे रोड सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रासन दास पुरुषोत्तम दास पंजाबी रींग रोड सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजएत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधे,हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सफेंगे।

पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पलैट जो सूरत में स्थित है सब रिजस्ट्रार सूरत में 5693 नंबर पर दिनांक 1-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खंडेवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

दिनांक: 31-3-198**6**

. TOTAL IN LANGUAGE TO THE TANKELL.

प्ररूप आहें.टी. एन. एस , -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

धास्त संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4565/2/85-86-- श्रत: मझे पी० डी० खंडेलवाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिस इसमें स्सने परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रीर जिस्की सं० वार्ड नं० 11/596 नाथ वर सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (स्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में भ्रीर पुर्ण रूप संवर्णिप वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी का 16) के अधीन दिनाँक 7-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के ध्रममान मितफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृन्य, उसके दश्यकान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरण के लिए तय पाया गया रितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त यंतरण लिखित में सस्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर धेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या चलते वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ का जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्ज अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गें, ग्रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभौग, निम्मीस्थित व्यक्तियों, वर्षात भिक्त

- (1) हसमुख लाल श्रंबालाल पंडवा नाजाँवर सूरा (अन्तरक)
- (2) भारांती सरन डी० शाह तलवानी पटेल नाजाँवर सूरत।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उमत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों। में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, श्री उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ?

अन्सूची

मकान जो सूरत में स्थित है सब रिजस्ट्रार मूरत में 5800 नंबर पर दिनाँक 7-8-1985 को रजोस्टर्ड किया. गया है।

पो० डो० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 31-3-1986

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च, 1986

निदेश सं०पी० ग्रार०नं० भ5 66/11/85-86 ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० पट नं० 12, नवमजन फ्लेट, बार्ड नं० 2 है तथा जो सूरत में स्थित है (भौर इसमें उपाबड भ्रनुसूची में भौर पूर्ण-रूप से घणित है), रिजस्ट्रीकदर्ता भ्रधिनारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 6-8-1985

्षे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान में प्रकल के लिए उन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का मृह प्रति कात में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती; अन्तरित कों) के बंध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नित खें। के बंध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नित खें के विष्त असे से उक्त अन्तरण लिखित अमें बास्तिक कर से को भा नहीं किया गया है:—

- (क) शान्तरण से हुइ किसी आयः की बाबत, उन्तत नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदि∕या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री चरणदात जेयसराम खुराना, नवनर्जन श्रगार्टमेंट संग्रामपुरा, सूरन ।

(प्रस्तरक)

(2) श्री देशोतरत चन्द्रजाल कारिया (वार्जन, ग्रार्ट-मेंट, संग्रामपुरा, सूरत ।

(ग्रन्तरितो)

को यह सुच्छना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्प रित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूमना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अब्ब्रिश बाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि शो अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

ह्यष्ट्रोक्टरणः — इ.स.मॅं प्रयुक्त ६ व्हर्ष और पर्दो का, जो उक्त ग्रीधनिराम, के अध्यार 20-क में परिभाषित हु³, वहां अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्लेट नं० 2, नव सर्जन ग्रपार्टमेंट, सूरत में स्थित है । सब रजिस्ट्रार सूरत में 5/92 नं० पार दिनौंक 6-8-85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> यो० डो० खण्डेलबाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें जं, प्रदृनदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रस्प बाईं टी. एवं एस . ---

बासकर विभिनिसन, 1961 (1961 का 43) की. भारा 269-थ (1) के अधीर सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (विरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4567/11/85-86-- श्रत : मझे, पी० डी० खण्डेलवाल

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसकें इसकें प्रभात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं व ब्लाक नं व एच-889, सुरत है तथा जो सूरत में रियत है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर सूर्णस्प से विणित है), रिवर्सिकारी ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्राणध नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 23-8-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य में अम के स्थयमान प्रतिक्रम के लिए बन्तरित की नहीं हैं और मृत्रे यह विश्वाच करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीचत बाजार मूल्य, उसके स्थयमान प्रतिक्रम से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिक्रम का प्रतिक्रम से विश्व का प्रतिक्रम से विश्व का प्रतिक्रम से विश्व का प्रतिक्रम से विश्व हैं और अंतरिकार के सिए तय पाया प्रतिक्रम, निम्नितिबित स्थ्यस्य से सक्त वंतरण कि बित्र के जास्तिक के स्था से स्था कि स्था वहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण सहूर ग्लसा बायका वासते, उत्स्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बॉड्/बा
- (क) ऐसी किसी लाय या किसी धन या कत्य जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धर्माजनार्थ असिन्यम, 1957 (1957 का 27) के धर्माजनार्थ असिन्यम, वाहिए आ, किमाने में हिन्दा से सिन्दा सिन्द

मत: जम, उक्त किथिनियम की धारा 269-व के सनुसरण में, मैं, उक्त किथिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) कं अधीन. निम्नितिवित व्यक्तियों के स्थाब ड──

(1) श्रीमित जहुमरन मनोहर लाल, अस्के हनुमान रोड, सूरत ।

(ग्रन्स रक)

(2) श्री सीतारारम नारायण मूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्</u>जन के निर्ण कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तंपति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की ताजीन से 30 दिन की सविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धार;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीच है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-यद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के रास चिस्तित में किए जा सकाने।

ल्बब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, औ उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया। बन्द हैं।

श्रन्सूची

ब्लाक नं० 8 स्रौर 9 जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 290 नं० पर दिनाँक 23-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

तारीख: 31+3-1986

हर:

प्र**क्षप**ः **नार्ड**ः टीः एतः एसः - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) **के बभीद समना**

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4568/॥/85-86~- श्रत मुझे, पी० खी० खण्डेलवाल,

नायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधीनयम' कहा गया ह"), की चारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं० जमीन सं नं० 5 श्रीर 6, सालामीनोर है तथा जो जिला - खेड़ा में स्थित है. (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख 12-7-198 5

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निनिस्त उद्योध्य से उक्त अन्तरण सिस्तित में बास्तिक रूप के लिभित में बास्तिक रूप के लिभित में बास्तिक रूप के लिभ तब सिस्त में बास्तिक रूप के लिभित नहीं किया क्या है है—

पृंकि अन्तरण सं हुइं क्रियों आय की वास्ता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने या समसे वचने में स्विधा के सिक्स, वारि∕या

(१) एसी किसी जांध या किसी भन या अन्य वास्तियों की, जिन्ही भारतीय लांध-कर लिंधीनसम्, १९११ (१९२२ की ११) या सक्त अधिनियम, जा धन-कार अधिनियम, जा धन-कार अधिनियम, १९६७ (१९५७ की ११) अ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किस्त का या किसी प्राप्त प्रकट नहीं किसी या प्रकट नहीं किसी या किसी या किसी प्राप्त की स्वारा प्रकट नहीं किसी या किसी प्राप्त की सिंदा

बत: जब. इक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनसरण कें, अ', उक्त ऑफिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कें अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियाँ, वर्षात ६—-

- (1) एच० टो० पूनावाला, कारवे रोड, पूना। (स्रन्तरक)
- (2) श्री मोर्टेमरीबाभाई श्रव्दुलस्रली मञ्गांव, बम्बई । (स्रन्तरिती)

को बहु सुचना बारी करके पृथींक्य कम्पत्ति के नर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हुएं।

उन्त सम्मृति के वर्षन ने वंबंध में कोई भी वासेषु है-

- (क) इस त्यना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूच्या की तासील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्ति नाम में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिस्मों के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के शीतर उच्ये स्थापर सम्मास्त में हितवध्य किसी अन्य व्यक्ति ह्यारा, अभोहस्ताक्ष्टी के पास जिल्हिस में किए जा सकींगी।

स्पष्टिकरण !---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

व्रवस्य व

37ईई का फार्म पर कायिनय में दिनां र 12-7-85 का पेश किया गया है।

> पो० डी० खण्डेनबान सक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजंन रेंज, स्रहमटाबाट

तारीख : 31-3-1986

मोहरः

इक्ष बाइ", टी. एच. एच. -----

साथकर निजियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से सभीत स्वात

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंण अहमबादाद अहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986 निदेंग सं० पी० आर० नं० 4569/II/85-86—अत: मुझो, पी० डी० खंडेवाल,

नायकर निर्धानियम 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त निर्धानियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के निर्धान सकाम प्राचिकारी को, वह विश्वाक करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से निर्धाक है

भीर जिसकी संव वार्ड नंव 8 नार्वेन 1880 मुरत हैं तथा जो मुरत में स्थित हैं (भीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 2-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल स्थ पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्वंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बांस्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है द्व—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतक के दायित्व में कमी करने या अससे वचने में तुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आव वा किसी धन वा तस्य वास्तियों को चिन्नुं धारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 1१) क रावत विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ वन्तिरती ख्वाच प्रकट नहीं किया गयां था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

चतः चव, उक्त अभिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 23—66 GI/86 (1) श्रीमित आनुमिति नंदकुमार मुनीम, खार, (वेस्ट), बम्बई।

(अन्सरक)

(2) खनमुगन को० आ० हा० सोसायटी, उमिलासरन ग्रं० सरेंयरा गोपीपुरा सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के मर्थन के संबंध में कोई भी नाशेंद ा---

- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति औं भी बद्धी थाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बच्ध किसी जन्म व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास नियाद में किए जा सकोंगे।

स्पर्व्हींकरण :—इसमें प्रयोक्त भव्दों और पदों का, जो उत्कस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है.।

अनुसूची

मिलकत जो भुरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, मुरत में 5703 नम्बर पर दिनांक 2-8-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी. खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अजॅन रेंज II अहमदाबाद

तारीच : 31-3-1986

THE RES IS STORY OF THE PERSON OF THE PERSON

नायकार कीशीनवन, 1961 (1961 का 43) स्त्री भारत 269-न (1) से क्योंन सुवाना

TIME SERVICE

कार्यालय, तहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्क)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4570/II/85-86---अतः मुझे पी० डी० खंडेलवास,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अबने प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रह. से अधिक हैं

मौर जिसकी संवनंव 583-2, 583-4; खंडेलवाल है तथा जो जिंव गाँधीनगर में स्थित है (प्रांत इससे उपाबद अनुसूची में प्रांत पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्रीक्सी अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन 19-8-1985

करें प्रांचित सम्पत्ति के उचितः बाकार मृश्य से का के स्थानन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित्त में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुक्ष किसी आय की बाबत, उक्स की धीनसम्बद्ध अधीन कर बोने के अन्तरक वे दासित्व में कमी करने या उससे बचने ने सृविधा के विष्; क्रीक्र/बा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ का. जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, वा अनकार बिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया आना काहिए था छिपाने में सुविधा वे सिए;

तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपवारा (1) धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री जयनलीलाल खोयामाती दरजो चिमनलालपी० पटेल निभुवन पार्क, सारिव, अरूखा। (अन्तरक)
- (2) श्री पं।० प्रकाशनगर को० प्रा० ह० सोमायटी बादखेडा जि० गांधीनगर

(अन्सरिती)

का यह सुक्ता बाटी करनी पृक्तिक सन्ति में कर्ष भे जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं ।

करत कुन्ति हो बुर्वन के बुन्तन्त में कोई भी नामोप हन्न

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी विचित्र को से किसी कार्य में से किसी व्यक्ति हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुना,
- (का) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की उग्ररीत से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकीयी

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रमुक्त भव्यों और पर्दों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अधी होगा, जो उस अधार में दिया वया ही.

अनुसुधी

जमीत जो चादखेडा, जिल० गांधीनगर में स्थित है। सब रिजस्ट्रार गान्धीनगर में 1660 नम्बर पर दिना है। को रिजस्टिक किया गया है।

> (पी० डी० खंडेलवाल) समक्ष प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजॄ अहमदाकाद

तारीख 31-3-1986 मोहर: प्ररूप आई.टी.एम.एस. -----

मायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद अड्मदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० आ२० नं०

4571/∏--अत: मुझे पी० डी. खंडेलवाल,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से आधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 583, 3 583-6, 583-8 है, तथा जो चादखंडा जि० गांधीनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्याचय, गांधीनगर में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-4-1985

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से काम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझी यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उचत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; वौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था यः किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ह

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियाँ, अर्थात् ---

(1) श्री बाच्भाई प्रंसालाल दम्पी चमनसाल पी० पटेल साबरमित, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाणरानगर को० भ्रो० ह० सोमायटी चांदखेडा साबरमित अहमदाबाद।

(अन्सरिती)

को यह सुधना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपर्तित में हिसबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोष्ट्रसाक्षरी के पास. लिखित में किए जा सकी गें।

स्पच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त कव्दी और पदों का जो उच्छ अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मित्रका जो चांख्बेडा, लि० गांधीशगर में स्थित है जिस म कुप मूल्य 1,27,7761, रुपये हैं । सब परिष्टुप गांधोनगर में दिनांक 19-8-1985 में रिल्टर्ड की गई है।

> जी० और खंडेलवाल मक्षम शाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेज 11 अहमशबाद

नारीख 31-3-1986 मोहर 🗓

प्रक्ष बाह् ंटी एग्ड एक्ट-=====

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातम, तहामक मामकर नाम्कत (निर्देशक)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिशांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4572/11/85-86——अतः

मुझे पी० डो० खंडेलवाल,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 627, चादखेंडा, जिं० गांधीनगर है, तथा जो गांधीनगर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबक्क अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-8-85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (जंति शित्या) के बीच एसे अंतरण के बीच स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ज्व्यश्य से जक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आम की बाबत, उनक अधिनियस के अधीन कर को के जन्तरक के बायित्व में कनी करने या उससे सबने में सुविधा के सिए; बोट्/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनवार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिष्ट्रः

बतः वर्ष, उक्त विधितियम की धारा 269-ग के बनुसरण कें, कें, उक्त विधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कें वर्षक, निम्निचित व्यक्तियों, व्यक्ति मन्न (1) श्री नटवरलाल माटेनलाल दरपी जवाहरचौक, साबरमती, जिल० गांधीनगर !

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाशनगर को० श्रो० हा० सोसायटी चांदखेडा जि० गांधीनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

दक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी बन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो दस अध्याय में दिया गवा है।

भनुसूची

जमीन जो. चादखेडा में हिथत है जिसका कुल मूल्य 82, 7646-रुपये **हैं**। सब रजिस्ट्रार, गाँधीनगर में दिनांक 19-8-1985 वर्ग रजिस्टर्ज किया गया है।

> पी० डी० खंडेलवाल समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. अंद्रमदाबाद

तारी**ख** : 31-3-1986

भाहर :

प्ररूप आहूरं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनौंक 31 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० $4573/U/85-86 \rightarrow -$ श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्षायकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक **हैं**

ष्मौर जिसकी सं० 583-1 583-4-2 चाँदखड़ा है तथा जो जिला-गाँधोनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाँधीनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-8-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के ध्रयमान मित्रकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अते अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री पोपट जाल मफतलाल वरली, केयर श्राफ चोतूभाई, प० पटेल, जवाहर चौक, साबरमित जिला-गौंधीनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाशनगर, को०-ग्राप० हाउसिग सोपाइटी चाँदखें ड्रा, जिला-गाँधीनगर।

(ग्रन्तरितो)

कां यह सूचना जारों करकं पृथींक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नास लि। खत में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदाँका जो उनस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो चोदखड़ा में स्थित है। जिसका कुल मूरथ 1,35,036 रुपए है। तब रजिस्ट्रार, गाँधीनगर 19-8-85 को रजिस्टडं किया गया है।

> पो० डो० खण्डेलयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त ्निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रसम बार्', द्री, एन, प्रस,-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वो वभीन स्वना

भारत सरकार कार्याज्य, सहायक भावकार आयु**क्त (गिरीक्न)**

भ्रर्जन रें ज, भ्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4574/II/85-86~ अतः मुझे, पी० डी० खण्डे लवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ाक्त जिथिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन समम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० व्लाक नं० 5, वंगत कुटीर, वडोदा है तथा जो बड़ीदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 16-8-1985,

कां पृथांकत संपत्ति के उचित बाजार मृस्य सं कम के अवस्तान प्रितिकत के निए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास क को का कारण है कि यथापृष्ठोंकत संपरित का निषत बाजार कृष्य, उश्व देवसमान प्रतिकत्त से एसे देवस्थान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्मलिखित उत्विदेय से उपत अन्तरण लिखित में वास्तिकत रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त मधिन विकल के बंधीय कर बात के अन्तर्य के वादित्य में कमा करने या समये क्याने में सुविधा के सिन्दे; बाह्य/वा
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी भग या जन्म जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर जिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ जीभी नयम, या अप-अद अभिक्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन में अन्तिरिती त्यारा प्रमन्त ही किया जया या वा किया जाना काहिए जा, हिराने को न्द्रीमधा में किया जाना काहिए जा, हिराने को न्द्रीमधा में किया

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ज अधीए, निम्नलिखित प्यक्तियों, अर्थाल् —

- (1) किन्सरी भागीलाल गांधी और अन्य, 27/11, स्वास्तिक सोमाइटी, जुहू वाले पारेंले, बम्बई-56 (अन्तरक)
- (2) जैन गोरिडिया ट्रस्ट ट्रस्टी~श्री श्रोम० के० जैन, बड़ाला, बम्बई।

(ग्रन्तरितो)

की यह स्थना चारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अवन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्पन्ध में कीई भी काखेद स——

- (क) इस स्वा के रावधन में प्रकादन की तारीक से 45 दिन की बनिध या तत्स्य मन्धी म्यक्तियों पर स्वा की तामी के 30 दिन की समित से भी अविष दास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुता,
- (क) इस सूचना के राजपन के प्रकाशन की तारीज है 45 दिन के मीसर उनत स्थानर गंपरित के हिसन बहुत किसी जन्म व्यक्ति द्यारा अधोह्रस्ताकारी के पास लिकिस में किए जा सकोंगे।

स्पालनेकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अनुसूची

37ईई का फार्म पर कार्यालय, में दिनाँक 16-8-85 को पेश किया गया है।

पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजनरें ज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

AND AND THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PAR

मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद,दिनाँक 31मार्च, 1986 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4575/II/85-86--- ग्रतः

मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (थिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थादर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 975-4, वाडी, बडौदा है तथा जो बडोदा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूचीमें स्रौर पूर्णरुप से विणत है रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, बडोदा में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) स्रधीन, तारीख स्रगस्त, 85

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित वाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई और मुभे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यायमान प्रतिफल से, एसे द्यायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और क्रियरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ श्राया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उसत अत्राह्म विश्वस में बास्विक इस से किथा नहीं किया गया है है——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय को बायत, उक्त बिजियम के बचीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में क्यी करने या उत्तर बचने में स्किथा के सिए; बरि/बा
- (क) एसी किसी नाय शा किसी धन या बन्छ वास्तियाँ की बिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अ गण-कार जीधिनियम, अ गण-कार जीधिनियम, 1957 (1937 वा 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरियो द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था किया जाना थाहिए था, रिकालों में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-च के कन्नरण भै, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (+) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) वासभाई जमनादास, गौतम नगर, बडोदा। (स्रन्तरक)
- (2) श्रोमित नारागौरी श्रमृतजाल काफरिया, जामनगर (ग्रन्तरिती)

को यह सृष्ना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन के लिए कार्गवाहियां शुरू करता हुं ।

उस्त सम्मृति के मुर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ट्राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस हैं

 45 दिन की बर्बीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तागील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 वर्बीभ बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होता;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए वा सकेंगे।

स्वस्टीकरण — इसमें प्रयुक्त कस्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नुर्ध होगा को उस अध्याय में दिया विवाह ।

श्रनुसूची

मिलकत जो वाड़ी, बड़ोदा में स्थित है। जिसका कुल मूल्य 3,00,000 रुपए है। सब रिजस्ट्रार बड़ोदा में ग्रगस्त 85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पो०डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जंन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

धायकार श्रीभिनियक. 1961 (1961 का 43) की भारत 269-घ /1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर नाम्क्त (रिनरीक्रफ)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च, 1986 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4576/II/85-86-- ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्राथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्क 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित गांचार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी मं० 14/2 टी० पी० नं० 9 है तथा जो समदर बड़ोदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद धनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यात्रय, बड़ोड़ा, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रगस्त, 1985

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कमारित की गई है और मुभे यह विस्थात धारने का फारण है कि यथापूर्यों का सम्पत्ति का उचितत बाजार भूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्वयमान प्रतिफल का सन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बौर जंतरक (अंतर्कों) खोर बंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे जन्तरण के जिए तय पारा चया धारफन निज्निकित उद्दर्भन ने उचत अमारण किकिश में अध्यादिक क्या में क्रीकन नहीं किका बना है :---

- (क) अन्तरण मं हुइ किसी नाय का बावत, अन्तर नियम के नभीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के जिल्हा; शीक्ष/कः
- (क) एति किसी जाय या फिली पन या अस्य आस्तिबी की, विष्टुं आरतीय बावकर विधिवयंत्र, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिवयंत्र, वा प्रक्टर विधिवयंत्र, वा प्रकटर विधिवयंत्र, वा प्रकटर विधिवयंत्र, 1957 (1957 कर 27) की "योजनार्य असरिती हुतारा प्रकट २६ किया गया था विध्या वाता चाहिए था, भिज्यार्थ को सुविध्या की लिका

कतः कवः जन्त निभिनियमं की भारा 269-गं की जन्तरण वै: मैं, उपन विभिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) ही क्षणीतः जिल्लीजनिता व्यक्तिसाँ, उपनि काल (1) श्रो परषोसनदान, नरसिंहभाई हाकिमबाड़ी, सामने, नागरवाडा, बडोदा।

(भ्रन्तरक)

(2) राजेश कुमार मुपजभाई देसाई करोलीसाग, बड़ोदा।

(भ्रन्तरितो)

को यह ब्या कारी करके पृश्तिक संगीत्व के वर्षात के किस कार्यशाहियां कारका हो।

इयत सम्मीता के नवीर के बम्बन्ध के बाहि की मार्खेष हन्न

- (क) इस कुषना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 किन की बनीध मा तत्स्वम्बन्धी स्पनितमों पह सूचमा की साबीस से 30 दिन की बनीध, यो भी ननिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णेक्ट व्यक्तिमार्थी में से किसी स्पतित हुवादा;
- (श) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की राष्ट्रिक स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हित-वव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के नाध जिल्लिस में किए जा सकोंने।

स्वव्यक्तिरण:—-इसको प्रमुक्त सन्वों और पदों का, जो उनक वृधिनियम के सभ्याय 20-क में प्रिभाविक हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस सभ्याय में दिवा चना हैं।

अनुसुची

मिलकत जो, ममदर, बड़ोदा में स्थित है। जिसका कुल मृहय 1,60,000 रुपए है। सब रिजिस्ट्रार, बड़ोडा में प्रगस्त, 85 को रिजिस्टर्ड निया गया है।

पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज, श्रहमदाबाद

तारीख : 31-3-1986

श्रष्टम् भाष्ट्^र्टी <u>ः एमः एषा</u> उत्तरकारण

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० म्रार० पी० नं० 4577/II/85-86——म्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलाट नं० 4, श्रार० एस० नं० 300 है। तथा जो खास बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजीस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजीस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रिगस्त 1985

को पूर्वित्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वभापूर्वित्त सम्पत्ति का उभित बाजार श्रूष्य, उसके दरमान प्रतिफल से ऐसे अध्यान प्रतिफल का बाजर बाजर स्थूष्य, उसके दरमान प्रतिफल से ऐसे अध्यान प्रतिफल का बाजर प्रतिक्रित से विश्व हो बीच संवर्षक (बंवरकों) और बंवरिती (बंवरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के श्रिष्ट तब नावा नवा प्रतिक्रित कि विश्व ति के बाजरित कर विश्व कर विश्

- (क) कल्टरण से हुन्द किसी भाग की बायक समझ करिया की नियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए बीह्र/था
- ्रि इंडी किसी क्षा ता किसी पर ना कर्य कारिस्त्यों की, विश्व धारतीय बायकर विधित्यम, 1922 (1922 का 11) वा उनते अधित्यम, रा पर- कर निर्धानयम, रा पर- कर निर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ क्सीरित इनारा प्रकट नहीं किना क्या था वा किया बाबा चाहिए था, क्रियान में बृद्धिया के सिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 24 ---66 GI/86

(1) श्री ग्रमोकभाई पोपटलाल गाह् श्रयानगर, बडौदा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गायत्नी कोर्पोरेशन श्रनीलकुमार जयनीलाल नगर बडौदा।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के किस् कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

जनत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पटिशकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

मिलकलत जो बडोदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार बडौदा में 26-8-1985 को रिजम्टर्ड की गई है। जिसका कुल मूल्य 1,04,200 रुपये है।

> पी० डी० खंडेलवाल समक्ष प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, श्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रकृष बार्र. टी. एव. एव .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री भारा 269-म (1) के अधीन स्थान

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4578/II/85-86--श्रत: मर्झे. पी० डी० खंडेलवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वशास जिस्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान टीवा नं० 5/4 स नं० 69 है। तथा जो नवसारी में स्थित हैं (और इससे उपाबत प्रमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजीस्ट्रीकरण प्रधिनियम, (1908 का 16) के प्रधीन 20-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास का कारण है कि संजापूर्वोक्त सम्परित का ठिवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) वन्तरण ते हुई किसी बाब की बाबत, उक्त जिभीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सृष्टिधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1992 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का उपाधन करा अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-करा प्रकट नहीं विका गण पा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से किए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की बन्तरकः भों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् हुन्न (1) सरानोरम रखासमी मीरजा शाखसल रोड, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमनलाल हरिभाई छोयार नीरमाण नगर, नवसारी, जि॰ सलसाड।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

सकत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी ववधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निकिस में किसे जा सकीन।

स्वक्रीकरणः इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अमृस्ची

मिलकत जो भीजरवार, नवसारी में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, नवसारी में 1929 नक्सर पर दिनांक 20-8-85 को रिजस्टिंड की गई है।

> पी० डी० खंडेलयाल समक्ष प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-86

प्रारूप आहूं.टी.एन.एस. -----

· आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाव

श्रह्मदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० श्रार्० नं० $4579/\mathrm{H}/85-86--$ श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इत्यों इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर संपरित. जिसका जिया बाबार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० नं० 102, श्रायरदीप अपार्टमेंट, बर्डादा है। तथा जो खास बर्डादा में स्थित है (ऑर इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बर्डादा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31 श्रगस्त 1985

को पूर्वोक्स सम्मित के जीवत बाबार मून्य से कम के जानमंत्र प्रतिकान के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्बत्ति का जीवत बाबार बूक्स, उसके क्ष्ममान प्रतिकास से, एसे क्ष्ममान प्रविकान का बंग्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तव वाया नया शिवकान, निम्निशियत उद्देश्य से उन्त अन्तरण शिविष्य में बास्टिनक रूप से कथित नहीं किया क्या है :—

- (क) जन्तरण तं हुए किसी आय की बाव्य, उपन अधिनियम के जधीन कर दोने में जन्तरक भी दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा भी सिए; औड/सा
- (क) श्री किसी काम था किसी धन वा बन्य बारिसंसी को, जिन्हों भारतीय साम-कर सिंपिनवस, 1922 (1922 को 11) या उकत सिंपिनयस, वा धन-कर वंधिनियस, वा धन-कर वंधिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया सा वा किसा चाना वाहिए वा, किनाने में सुविधा के लिए≥

सक्तः वर्षः , उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसर्भ में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चै सभीत , निम्नीसिश्व व्यक्तियों , अव्यत् ६—— (1) श्री जगदीभचंद ओच्छपलाल शाह छोटा उदयपुर जिला बडौदा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रमरदीप अपार्टमन्ट प्रेसी धर्मसिंह नरिह्ह भाई प्रजापति 19-20, जवाहर सोसायटी बडौदा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के बर्जन के सम्बन्ध में कोई नी नाक्षेप उ----

- (क) इस स्वा के सम्पन्न में प्रकारत की तारीन से 45 दिन की बन्धि वा तरक्ष्मानी न्यूनियमों पृष्ठ स्वा की तामीन से 30 दिन की संविधि, जो भी स्वाधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त न्यूनियमों में से किसी न्यूनिय हुवाराः
- (क) इस क्षमा के राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के औशर उस्त स्थानर सम्पत्ति में हितवक्ष किन के औशर उस्त स्थानर सम्पत्ति में हितवक्ष किन के सम्बद्ध करिन क्षमा क्षमा किन के किए हा क्यों है।

स्पन्तीकरणः—इसमें प्रयुक्त सम्यों मौर वहां का, जो उपर विधिनयम, के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दहीं वर्ष होगा, वो उस सध्याय में दिया स्था हैं।

नन्स्ची

मिलकात जो बर्डीदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 74469 रुपये है। सब रजिस्ट्रार बर्डीदा में ध्रगस्त 85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, स्वादाबाद

नारीख : 31-3-1986

मोहरः

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० $4580/\mathrm{H/85-86--}$ ग्रतः भुक्षे, पी० डी० खंडेलवाल,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम;' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृस्य 1,00,000/- से प्रक्षिक है

और जिसकी सं० 92/1, प्लाट नं० 167 है, तथा जो अकोटा 167 बडोदा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजीस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय बडौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम. 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित क्षाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्क नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के िलए; और/या
- (स) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-गे की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती सरोजसरन साकरभाई पटेल रामकृटीर। बडौदा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चेतना प्रमुलाभाई सयया ग्रलकापुरी, बड़ौदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पढीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों को जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

मितकत जो अकोटा बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में अगस्त 85 को रजिस्टर्ड की गई है। जिसका कुल मृत्य 1,90,000 रुपये है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, स्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

प्रकम बाद्दी हो . एस , एस ,------

मायकर मधितियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मधीन ब्यना

मारद सहस्राह

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

श्चर्जन रेंज $-\Pi_{\hat{f}}$ श्चहमदाबाद श्वहमदाबाद, दिनौंक 31 मार्च 1986

निवेण सं० पी० स्नार० सं० $4581/\Pi/85$ - 86--स्नतः मझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गा हो), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

स्नौर जिसकी सं० 215/2, सुघड़, जि० गाँधीनगर है तथा जो गाँधीनगर में स्थित है (प्रौर इयसे उपाबद्ध अनुसूची में स्नौर पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्नधिकारी के कार्यालय, गाँधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्नधीन, दिनाँक 23-8-85,

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (बन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय नाम कम इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण किवित वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गवा है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आड./या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री भ्रानिल स्टार्च प्रोडक्टस लि० श्रानिल रोड, श्रहमदाबाद--25।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वाडीलाश फूलचन्द सुघड जि० गौधीनगर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्मृत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तंत्रंभ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ क्ष्म किसी बन्य स्थावत इवारा वधाहस्ताक्षरी के वास निकित में किए वा सकेंचे।

वनुसूची

मिलकत जो गाँधीनगर में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, गाँधी-नगर में 23-8-85 को रजिस्टर्ड की गयी है। जिसका कुल मूल्य 78915/- रुपए है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 31~3-1986

प्रकप आहे, बी, एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनौंक 31 मार्च 1986

ोता ं ०पी० श्रार० सं० 4582/॥/85-86-- अतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 42/23, जिलाली है। तथा जो तो० भ्रंकलेश्वर में स्थित है (भ्रौरइसके उपाधद्ध भ्रनुसूची में भ्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रंकलेश्वर में रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनाँक 23-8-85,

को पूर्विक्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और संतरिती बीच एसे अन्तरण के लिए ह्य पाया गया प्रतिफल, निम्निसित स्व्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप सं कथित अहीं किया म्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय क्की बाबत, उक्त अभिपित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

सतः अन, अन्त विधिनियम की भारा 269-ए के बनुसरक कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्री ग्रारंविंदकुमार रमेशचन्द्र ग्रौर ग्रन्य मोटाली ता० ग्रांकलेश्वर

(भ्रन्तरक)

(2) नर्मदा लेण्ड डेवेलोयमेंट भरुच

(ग्रन्तरितो)

की यह स्वतः बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्र जो उस अध्याय में दिया नया है।

अभूस्ची

जमीन जो मोटाली में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, स्रकलेश्वर में 2157 नम्बर पर 23-8-85 को रिजस्टर्ड की गयी है।

> पी० डो० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-II, श्रहमदाबाद

दिनाँक : 31-3-86

प्रचम बाह्र^क्र डी.. प्रम_े प्रस्_{थ स स्थ स}

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाधाद, दिनौंक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० भार० सं० 4583/॥/85-86--म्ब्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

गायकर गींभीनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का 1,00,000/- क. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० वार्ड सं० 12, नौर्थ सं० 1780 है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इसके उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजरट्री करण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक 19-8-85

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान गितफल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिख्ता से एसे दूरमान प्रतिफल का लिह प्रतिखत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए वन पाया नया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निकित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गवा है हिन्स

- (क) कलाइन से हुई किसी बाम की बावक करन वर्षक निवस में वंशीय कर दोने के बन्दरक को दाबित्य में कमी करने वा उत्तर्ध बचने में सुविधा के लिए; ब्लोड/वा
- (व) ऐसी किसी नाय वा किसी धन वा कन्य जास्तिनों को, विन्हीं भारतीय नायकर निधियन, 1922 (1922 का 11) वा वस्तु निधियन, वा इस्व कर निधियन, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किना झाना चाहिए वा, कियाने में विधिय। वी विध्यः

थतः सम. उपन समिनियम की भारा 269-व व वन्यपन में, भी, उपन विभिनियम की भारा 269-व की उपभास (1) के अभीन, निस्तिवित व्यक्तियों, अपति ४--- (1) श्री जनवंतलाल कुजेरदाम , सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती भुणीलासरन कान्तीलाल मछलीपीट सूरत ।

(श्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी कारके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हों।

बक्त बन्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र:---

- (क) इस ब्यान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीय से 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनिभ, को भी अन्धि वाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-बद्दुभ किसी बन्य व्यक्ति वनाय, अभोहस्ताक्षरी के नाख विवित में किए वा सक्ति।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभविषद ही, बही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

मकान जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 6091, 6092 दिनौक 19-8-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० ख़ण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∼II,ग्रहमदाबाद

दिनाँक : 31~3-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंज-II, प्रहमदाबाद
ग्रहमदाबाद, दिनौंक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० श्रार० सं० $4588/\Pi/85-86-$ -श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 821 बी गंगा जमना सोसायटी है। तथा जो सुमानपुरा, बड़ौदा में स्थित हैं (श्रीर इसके उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम, दिनाँक श्रगस्त 1985,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री कान्ता सरन एम० पटेल कोदाली , ता० बड़ौदा।

(प्रत्नर्क)

(2) श्री अश्विन के० माह गुलसाई टेकरा, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो बड़ीदा में स्थित है। सब राजिस्ट्रार, बड़ीदा में भगस्त 85 को रजिस्टर्ड को गयी है।

> पी० डी॰ खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायत ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

दिनाँक : 31-3-86

श्रास्त्य आह्* टी.एन.एस्त.

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अभीन स्चाता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज $-I^I$. श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० प० फ्रार० सं० 4589/II/85-86--- प्रत मुझे, प० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,200/- ए. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 467, सरदार सहकारी उद्योग नगर, है । तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्रौर इसके उपावत श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रिष्ठीन, दिनांक 22-8-85,

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान शितान के लिए अन्तरित की गई और भूमों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार इन्स, जनके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उददोष्य से उक्त अन्तरण सिस्तत में अस्तिधक इन्य से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बास की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्य के कनी करने या उससे वचने में सुनिधा में सिए; और/या
- (स) एसी किसी बाग या किसी भन वा अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयक-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, का भन-कर अभिनियम, का भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना भाहिए था, खिपाने में सिनिधा से विक्रा

 श्री रतीलाल शंकरलाल शाह राजपटेल रोड, बड़ौदा ।

(ग्रन्तरक)

 श्रमिक वायर बायडिंग वक्सी, बड़ौदा ।

ग्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्यूथ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, भी उस अध्याय में धिया ववा है।

अनुसूची

मिलकन जो बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 22-8-85 को रजिस्टड की गयी है जिसकी कुल कीमत 165000,-रुपए है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-॥, ग्रहमदाबाट

दिनांक 31-3-8**6**

मोहर 🖫

इक्स बाह्री, दी शुन, एस.

भावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के क्यीन मुच्छा

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (विरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-[[, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० सं० 4590/॥/85-86--ग्रहाः मुक्को, पी० खी० खण्डेलवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार ब्रूच्च 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भौर जिसकी मं० अभीन श्रीण मकान महेमणा है। तथा जो महेसाणा में स्थित है (श्रीर इसके उपाबड श्रृन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीयतां श्रीवरारी के बालयीय, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) केजश्रीन विनांक श्रास्त 1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रप्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके बृश्यमान प्रतिफल है, ऐसे बृश्यमान विश्वल का पन्तर्श्वित में सिक है और वस्तर (वस्तर की) और नम्तरितों (वस्तरित्यों ने बीच ऐसे वस्तरण के लिए तब पाया चवा विश्वल कि वस्ति कि उद्देश्य से उच्त प्रस्तरण निकार में वास्ति विश्व के प्रमुख्य नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर दोने खें अन्तरक अं डायित्य में कमी करने या उससे अचने से मुधिधा के लिए: आहि/का
- (क) एंसर किसी बाय वा किसी भन या अन्य असितयों की, जिन्हों भारतीय आयकर विधितवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा जा किया चाना चाहिए भा, कियाने के सविधा के लिए; वार्रिका

ंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1) श्री प्रीतम सिंह बडवाल महेसाणा

(ग्रन्तरक)

(2) सांईकृषा सोसायटी, जि०—महेसाणा. महेसाणा ।

(अन्तरिती)

को वह ब्रुपना बारी करके प्रवेतित सम्मति के वर्षन के किए कार्यवाष्ट्रियां सुक करता हूं।

इक्स सम्मत्ति के वर्षन के सम्मन्य में कोई भी नासने हं---

- (क) दब बुचन के सम्मन में प्रकारन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बदिन वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्बक्ति में हित-क्टूम किसी बन्च व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के रास विकित में किए वा सकेंगे।

स्पन्नीकरण :---इसमें प्रयुक्त सम्बं तीर पर्यो का, को सम्बं विभिन्निम, के बन्नाय 20-क में परिभाषित है, वहीं जुने होगा थी उस बन्नाय में दिया वस है।

अन्सूची

मिलकात महेसाणा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार महेसाणा में 1570 नभ्बर पर ग्रगस्त 85 को रजिस्टर्ड की गयी है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज-॥ ग्रहमदाबाद

दिनोक 31-3-86

प्रकृष नाष्ट्री.एन.एस. ------

नायकर विभिनिस्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्यभीन स्वता

AREA STATE

फ्रमांभय, सहायक आयकार आयुक्त (सिरीकाण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाट

ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० छार० सं० 4587/11/85-86-ग्रतः मुझे, पी० छी० खण्छेलवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य श्रीर जिसकी सं० मकान 379/2, भाडोसा, है तथा जो जि० साबरकांडा में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मोडासा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, दिनांक 22-8-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्थित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अाय का किसी धन या अन्य आस्तियां कर्ते, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया दाना वाहिए था, क्रियाने में स्विधा वे किय;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न को अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तिकों, अर्थात् क— (1) श्री पूजामायी जीदामायी पटेल भद्रीसन ता० बोरसंद

(फ्रन्सरक)

(2) श्री सोभामाग्री पी० पटेल भेटाडी, भलोडा ता० भालोदा ।

(प्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के बर्जन का लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच की 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किस्ति में किए वा सकों ने।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गवा हैं।

अनुसूची

मकान जो मोडासा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, मोडासा में 1165 नम्बर पर 22-8-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खण्डेलयाल मक्षम प्राधिकारी भ्रहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैंन रेंज–।।, भ्रहमदाबाट

दिनांक 31-3-1986

शक्त वस्तु <u>स्त्रीत एकत् प्रकारमञ्</u>या

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक जायकर जायुक्त (निराह्मक)

भ्रर्जन रेंज-॥, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० श्रार० सं० 4586/।।/85-86—श्रत: मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों इसकों परचार 'उक्त अधिनियम' कहां गया हो), की धारा 269-च को नभीन सक्षम श्रांषकारी को, यह विश्वास करने का श्रारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० जमीन श्रीर मकान, पानसोरा, ता० आणद है। तथा जो सं० 1408/1, 1408/3, 1399/9 में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिनस्ट्री हर्ता अधि गरी के कार्यालय, श्राणद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 9-8-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के **पर्यमान** प्रतिफल के लिए अन्तरित की ग**र्इ और** सभ्के यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उष्यत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) कशरण से हुइ रिकाफी बाच की बायकः, क्या विधियकः के वचीन कर रोगे के बानाहरू की शावित्य में कमी करने ना उससे वसने में सुविधा के किए; कींप्र/ना
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन ना अन्य जास्तियों की पिन्ही भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिम्मियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं कि वर क्वा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

अतः अव, उक्त अधिियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) हिन्दुस्तान कण्डक्टर प्रा० लि० जमनालाल बजाज, मार्ग बम्बई—21

(ग्रन्तरक)

(2) श्रपार प्रा० लि० 'डी०' केलीन बडौदा ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि सांध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विन के भीतर सकत स्थावर सम्मत्ति में हित- क्ष्म किती अन्य स्थावत इंगरा, अभोहस्ताक्षरी में वाद मिल्लित में किए जा सकोंगे।

स्वाहिक रण :---इसर्वे प्रयुक्त याच्यों मृद्धि वृद्धों भग, को उनक विभिन्नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगेर को उस अध्याय में दिसः यदा है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो घनसौरा, ता॰ ग्राणद में स्थित है। सब रिजस्ट्राय ग्राणद में 1507 नम्बर पर दिनांक 9-8-85 को रिजस्टर्फ की गयी है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–॥, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 31-3-86

एक बार्ट. टी. एन. एस. ------

बावकर क्षितियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के न्धीन स्वमा

माह्य संस्काह

कार्यास्य, बहान्क नावकार नाम्कर (निर्द्रीक्ष)

भ्रजीन रेजिना। श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनौंक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० स्नार० सं० 4585//85~86--श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

श्रिकर अधिनियम, 1961 (. 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कर स्थावर स्थ्यित, जिसका उचित बाजार मुख्य प्रोरिजिसकी सं ० पर्लीट, अभ्वा जाईन्स, है। तथा हो सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) राजस्ट्रीकर्ती 'क्षिकारी के कार्याक्य, सूरत रजस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनौंक 20-8-85.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रवजान प्रिपफ्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्नांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जरि बंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीसिस्त उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित्त यो वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गवा है:—

- (क) बन्तुरण वे हुई जिली भाष की बावद, उक्त वीपीत्रम के दुवीन कह दोने हो संबद्धक के बाबिरण में कमी करने या उन्नते वचने में सुविधा के लिए; आरे/ना
- (वा) शैसी किसी अाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, विन्तुं अरुदीय आवकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिको द्वारा प्रकट नहीं किया गदा वा या किया बाना वाहिए था, छिनाने में सुविधा के सिद्ध;

ं **बराः बच, धनत वीधिनयम की भाषा 269-म के अनुसरणं** में, मैं, उक्त विधिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) ध्दे सभीन, निम्नीलीकत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दौलतराय रणछोडजी नायक सिटीजन पार्क, ग्रण्पा लाईन्स, सूरत ।

(ग्रन्तरक

(2) श्री प्रविणा भाई दाड़ीभाई गोपीपुरा, सूरत ।

(भ्रन्तरितो)

को यह ब्राचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन क विष् कार्यवाहियां सुक करता हो।

उन्ह सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध के आई भी आक्रोप :---

- (क) दस त्युना के राजपण में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविश्व या उपस्थानकी अपिकतमों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविश्व , जो जी अविश्व कर्म में समाध्य हाती हुए, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति हुनाए;
- (क) इस सूचना के राजक्ष में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्या किसी व्यक्ति ख्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वकारिकरण:---इसमें प्रयुक्त क्षवरों भीर पदी का, जा उन्ह अधिनियम के बच्चाय 20-क में पीरशावित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय कें दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट जो स्रत में स्थित है। गब रजिस्ट्रार, स्र नम्बर पर दिनौंक 20-8-85 को रजिस्टर्ड कि

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, श्रहमदाबाद

्दर्नौक : 31−3−86

¹मोहरः

प्रकल भार्यक्त हो । एन . एस : १०००----

भावकड वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वृधीन सूचना

बाइव संस्कान

कार्यासय, सङ्ग्यक नायकर नायुक्तः (हैंनरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-।।, श्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च 1986 निर्देश सं०पी० श्रार० सं० 4584/।।/85 86 श्चतः मुझे पी० क्षी० खण्डेलवाल

मायकर मिशिनगम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक पश्चात् 'उस्त अभिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269- च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित गाजार मून्य ग्रीर जिसकी सं० पत्नैंट सं० 3वीं, ग्रथवा लाईन्स, है। तथा जो सूरत में स्थित हैं (ग्रीर इसके उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष से अणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाँक 22 8 85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि ग्रंथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखत उच्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बनारन वं हुई कियी भाग की बायत, जनन बीधीन्यन के बंधीन कर दोने के अंतरक के बाबिस्त में कामी कारने या उससे अचले में सुविधा के जिए: और/मा
- (थ) द्वी किसी बाद श किसी भूत वा अव्य आस्थित को, जिन्हें भारतीय आवकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थे प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आहिए था, जियाने में सुविधा जै शिह:

जतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के, अनुसरण वैं, विं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) वे अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, क्यांत्र क्यां (1) श्री मजीसरन लल्लुमायी देसाई वरेमा, ता० नवसारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री नोतिन रमेशचन्द्र देसाई भ्रण्पा लाईन्स, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

की सह स्थाना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हु।

उन्त सम्मारित की कर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :

- (क) इस स्वना के रावपूत्र में प्रकाशन की तारी व बें 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों यह सूचना की ठामील से 30 दिन की ज्वधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवाध,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में त्रकासन की तारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितनबुध किसी बन्ध व्यक्ति बुवारा सभोहस्ताक्षरी के गांध विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त कर्ष्यों जीर पार्यों का, जो जक्क अभिनियम, फें अभ्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुस्ची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। यब रिजस्ट्रार, सूरत में 6757 नम्बर पर दिनौंक 22-8-85 को रिजस्टर्ड की गयी है।

पी० डो० खण्डेनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-॥, स्रहमदाबाद

दिनाँक: 31-3-86

प्ररूप आहें.टी.एन.एस-----

बायकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बाबीन सुचना

भारत सरुकार

कार्याणय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-।।, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० श्रार० सं० 4591/॥/85-86--श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,00/- हैं। से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं विलक्षितगर भावद है। तथा जो बढ़ौदा में स्थित है (श्रीर इसके उपादछ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिष्टिंद्र कर्ता श्रधिवारी के वार्यात्रय, बड़ौदा में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक 5-8-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृन्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरममान प्रतिफल का पन्द्रह-प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया अधा प्रतिफल, निम्नां लेखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिवक क्ष हो कथित नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई िकसी बाय की बावत, बायकर बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) ा उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था स्थिपने में मविधा के लिए:

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण हो, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री शकुन्तलाबहन अर्रियदभायी पटेल बड़ौदा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कमल वरन्दमल तिलकनगर सोसायटी, बड़ौदा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकत सम्पत्ति के अर्जन क । लए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सक्त्रीचा को अर्फ्डन को संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, से भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां बुवाएा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के भाव किसियत में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

arest.

मिलकत जो तिलकर्नगर, बड़ौदा में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, बड़ौदा में 5435 नम्बर पर दिनांक 5-8-85 को रिजस्टर्ड की गयी हैं।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, श्रहमदाबाद

दिनाँक : 31-3-1986

प्ररूप माह". टी. एन. एस.

बायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-श (1) के अभीय सुचमा

गारत सहकात

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निवेश सं० पी० श्रार्० नं० 4592/II/85- 86--श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रमान (जनत अधिनियम) कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० मुमानपुरा, म० नं० 114 है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाँक श्रमस्त 1985

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करते का कारण के प्रभाप्योंक सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमाः शितफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से आला है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच क्षेप्ते अन्तरण के लिए तय पाया नया व्यतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसके अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया बना है के

- (क) अंतरण से हुई किया आय की धायस, उक्ध अधिनियम के सभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुधिधा के लिए; और/मा
- (क) श्वी किसी अब या किसी वन या कन्त आस्तियों कर्त, जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 जा 11) या उचत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

ं बराध बया, उनता विधिनियम की धारा 269-म को बनुसरण को, बी, उनता विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, सिम्पीलियित व्यक्तिकों, वर्षात ७ ज श्री हसमुखभायी आयाभायी पटेल, सुमानपुरा, बड़ौदा ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमतो कैलासबहन नटवरलाल पटेल, एम० श्राई० जी० कालोनी कारेलीबाग बड़ीदा

(ग्रन्तरिती)

का वह सूचना कारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के तिए कार्यनाहियां कारता हूं।

जनस सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप :----

- (क) इस त्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जनभि, को भी वनभि बाद में समान्य होती हो, के भीतर पृत्रेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाचः;
- (व) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य स्थानित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्यक्षिकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वो उक्त विधिनियम: के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं क्ही क्षे होना को उस अध्याद में विका यवा हैं।

अनुसूची

मिलकत जो सुमानपुरा, बड़ीदा में स्थित है । सबक्रिक्ट्रार बड़ीदा में 3879 नम्बर पर अगस्त 85 में रिजिस्टर्ड को गयो है ।

> पी० डो० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, श्रहमदाबाद

विनाँक : 31-3-86

मोहर 🖫

प्रारूप आर्द.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4593/II/85-86—श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

बारकर विविधित, 1981 (1961 का 43) कियो देखी देखी देखी देखी प्रशात 'उनत विविधितंत्रक' कहा प्रकार है), की पाछ 269-व के वर्षात त्रांच प्राधिकारी को वह विश्वात कहा का काऊप है कि स्थापर चंपरित, विकास विपाद वाकाउ कुन्य 1,00,000/- का से विधिक हैं

और जिसकी सं० 753, 754, 755, प्लाट सं० 13 है। तथा जो बड़ौदा मे स्थित है (और इससे जपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ला श्रिष्टदारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक स्रगस्त 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाबाव बुक्य से कम को क्रयमान प्रतिकत के सिक् क्यारित की वह है बाँच मुझे यह विकास बर्ग का कारण है कि वथान्योंका संपरित का उपित पाकार मूक्य, उसके क्ष्यकान प्रविकास के, देवे क्ष्यकान प्रविकास का कुछ्य प्रतिक्षण से विका है बाँच क्यारक (जैठएकों) और कंदरिती (अन्त्रिक्षण) के बीज होते क्यारक के किए क्या क्या क्या क्रिक् कस विकासिक्य स्थापन से उपस्य क्यारक कि विवा में पास्त-

- [क] मन्तरण थे हुई रिक्ती शाम भी नावत , स्वस् श्रीभिनियम थे स्पीन कर योगे में अमारक के क्षानियम थे क्षा भारते था स्कन्ने मनये में स्वीतमा से सिम्; मीर/वा
- (व) एती कियो नाय या कियो धन वा बन्य जास्तिको को, चिन्हें भारतीय नाय-कर वीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या समय वीधीनयम, मा भन्नका वीधीनयम, 1957 (1957 का 27) वे प्रजोचनार्थ बन्दिरती हुनारा प्रकट नहीं किया पता पा वा किया पता चाहिए था कियाने में स्थिता के विकास क

कतः श्रंथ, इष्यं विभिन्दिक की भारा 269-व की, बगुकरण अ, को, उक्त विभिन्दिम की भारा 269-व की उपभाग (1) को अधीन निम्निकित व्यक्तियों कर्यात क्र---26---66 GI/86 (1) ोगनी निरंजनबहन नट्टभाई देसाई मकरपुरा रोड, बड़ीदा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हसुमतिबहन प्रदीपचन्द्र काम्प्दार बड़ीटा ।

(श्रन्तरिती)

हो। यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के कर्बन के जिल् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्क सम्पत्ति के वर्षन के इम्मन्य में कोई भी आक्षेप :--

- (त) इस सूचना भी राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिन्द- सक्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस वा सर्वोगे।

स्मर्थे किस्म ्— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्**ध**ी

मिलकत जो बड़ौटा में स्थित है। सक्ष रिजस्ट्रार, बड़ौदा में ग्रगस्त 85 को रिजस्टर्ड की गयी है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, श्रहमदाबाद

दिनांक : 31-3-86

मंहर:

प्रकल् बाह्र', दर्गे, युव्, पृष्क्, अननस्वकातन

भावकार विभिन्तिमा, 1961 (1961 सा 43) की भारा 269-ए (1) के अभीत सुपना

महरू क्रक्र

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्तिक)

भ्रजीन रेंज-।।, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1986 निदेश सं० पी० भ्रार० सं० 4594/।।/85-86---भ्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके वश्चात 'सकत विधिनियम' कहा गया ही, की चाच 269-४ के वधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार वृज्य 1,00,000/- रा. से विधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान सं० 5, मनसुखलाल टावर है तथा जो मुरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37ईई के श्रधीन, विनांक 19-7-1985,

को पृथांक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मृल्य से कम से कम दश्यमान प्रोतफल के शिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में सस्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (भ) बकारच से हुए फिली बाय की शब्द, जनते आधानसम्बद्ध के अधीन कार दोने के बजारक के वासिक्त में कामी कारने वा उत्तने सचने में सुविचा व नेप्प; और/मा
- 'लें प्रेमी किसी बाव वा कियी प्र वी किसी किसी की, जिन्हें भारतीय बाव-कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उपकत बीधनियम, या अन-कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण प, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्लिस्त व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) डा० एम० एम० ध्यास धौर श्रन्य गोपीपुरा, सुरस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री केसरसिंह मृन्सासिंह सरदार गांधींसरन सूरत

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तासील से 30 दिन की संबंधि, को भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी जन्म व्यक्ति ह्वारा नथों हस्ताक्षरी के पान जिक्ति में किए का सकेंत्रे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

दुकान जो डा॰ मनसुखलाल टावर में स्थित है। 37ईई का फार्म पर कार्यालय में पेण किया गया है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिवारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज–॥, श्रह्मदा**बाद**

दिनांक: 19-3-86

प्रारूप बाह् .टी.एन.एस्.-----

अर्थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर वायक (विरक्षिण). श्रजैन रेंज ना, श्रहमदाबाद

ऋहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेण मं० पी० श्रार० सं० 4595/॥/85-86--श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) (जिसे) इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 260 का के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव बोर्ड मंव 11 नोंद मंव 1497, है तथा जो सुरत में स्थित है (ग्रीर इसके उपायद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सुपत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 29-8-85.

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उ**चित गणार मृल्य से कम के ख़्यमार** प्रतिफल के लिए अन्तरिस **की गई और** मुभी यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के सिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निखत में बास्तयिक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (कः) अस्तरण सं हुद्दं किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के वायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), अडे अधीव, निम्नलिधित व्यक्तियों, वर्षातः :— (1) श्री रमेश वीरचन्द शाह छाड़दौड़ सुरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) मे० ग्रार० जयन्तीलाल एण्ड कं० अम्बा लाइन्स, सुरस ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु भूचना जारी करके पृवाँकत संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हिसबब्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्वव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सू जी

मकान जो सुरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सुरत में 6175 नम्बरपर दिनांक 26-8-85 का रजिस्टर्ड विधा गया है।

पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायच श्रायकर श्रायृक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, श्रहमदाबाद

दिनांपः : 31∽3-1986 बोहर : ग्रहमदाबाद

प्रकृष **नार्ड**ं हो पुन्न पुन_{्न} पुन्न _{अस्तरमञ्ज्यस्य}

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॉज-॥, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश मं० पी० श्रार० सं० 4596/॥/85-86--श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं सं 2232, रिंग रोड, सुरा है। तथा जो स्रत में स्थित है (भीर इसके उपाबद्ध अनुसुची में भीर पूर्णक्ष्य से बांगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण भिधिनयम, 1908 (1908, दा 16) के ग्रधीन, दिनांक 29-8-85

मने पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वा कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गवा है।

- (क) अन्यस्य वे सूर्य कियों काम की बावाया, उपके अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्यस्य का बावित्य में कमी करने वा उत्तर्भ वचने में सुविधा के लिए; अप्रैं/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आरिसवर्गी की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्षत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: इ.ब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, विस्ति हित स्पितियों, अर्थात हिल्ल 1) श्री नानालाल कालीदास जरीवाला सलसलपुरा, सुरत ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती श्रृणासाई मोहनलाल शंदरे रोड, सूरत ।

अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोयत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूषता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के कथ्याय 20-क में परिभाषित \mathbf{g}^{*} , बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया \mathbf{g}^{*} ।

अनुसूची

मिलकत जो सुरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सुरत में 6563 नम्बर पर दिनांक 29-8-85 को रजिस्टर्ड की गयी है ।

पी० डी० खण्डेलवाला सक्षम प्राधिकारी संहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोज⊶ा[⊥], ग्रहमदाबाद

दिनांक 31-3-1986 मोहर :

प्रकार भार्ष हुन्। एवं प्रकार प्रकार

बावकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुबना

भारत चरुकार

कार्यालय, सहासक बायकपु आयुक्त (निर्शावाक)

श्चर्णन रेंज-।।, श्रहमदाबाद

श्रहमयाबाद, दिनौंक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० भ्रार० सं० 4597 ॥ 85-86- स्मृतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

नावकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परणात् 'उक्स विधिनियम' कहा नया है'), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित नाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० वार्ड सं० 1, नोंद सं० 1403, 1433, 1417 है। तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाँक 31-8-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

बक्षः अव, उपत अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण कें, में उपत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अभीन, निकासियिक व्यक्तियों, अर्थीन ह----

(1) श्री मदनलाल गयितिगनदास श्रारीवाला गलेमण्डी, सुरत ।

(अन्तरह)

(2) श्रो प्रांता सरन डाकेरभायो नास्टर तिमलीयाबाड, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वाना बारी करकं पृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्षन् के निए कार्य-नाहियां शुरू कारता हाू।

उक्त संपत्ति के लर्जन के संबंध में कांध भी जार्सण्य-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीवर उज्ज्ञ स्थानद सम्मति मों मित्वबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अमोहस्ताक्षरी के शस निष्य में किए वा सकी।

स्पद्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कच्चों और पदों का, जो उपत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा आ उस अध्याद में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो सूरत मे स्थित है। भव रजिस्हार, सूरण में 6570 नम्बर पर जिनाँक 31-8-85 को रजिस्टर्ड की गया है।

> पो० डा० पण्डेलवाल नक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुख्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंजे~॥,स्रहमदाबाद

दिनाँक : 31-3-86

माहर 🖫

प्रमुख आहें. की. एन., एस. ------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्कर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-।।, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च 1986 निदेश मं∘पी० ग्रार०सं० 4598/।।/85-86--ग्रतः मुझे, पी० डी० खरोलवाल'.

नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उन्ना अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माचार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० दुकान सं० जे०-11, बोस्बे मारकीट है। तथा जो उमरवाडा, सूरत में स्थित है (भ्रीर इपसे उपाबद्ध स्रनुसूची में भ्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक \$31-8-85,

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कथ के दश्यभान द्वितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्म्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिदात स अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब पाग स्था प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उस्त अन्तरण किया स्था है :---

- (क) अभारण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वान के शतरक के वायित्व में कभी करने या उसम बचने में स्विध्य के श्रिप् बीद्व/बा
- (क) ऐसी किसी बाप या किसी धन या बन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर अ धनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अ जिन्यम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 1957 का प्राज्ञनार्थ अंतरिती द्यास प्रकट न ही जिया गया था या किया जाना चाहिए धा, छिणने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 200-ग के जन्नश्य की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 260-म की ध्यथारा (1) की अर्थान, निम्नोलिखित स्पंतितयों, वर्षात् क्रिक्त (1) ओमा रानगरन मामनानाया 85, 87, भुलेषवर रीड, वस्बर्ध ।

(ग्रन्तरक)

(2) हनुमान दाल ग्राण्ड सन्य ट्रस्ट सूरत टैक्सटाइल मारकेट सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, सो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य स्थावत इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में ने किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्द्धे और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान सं० 7 जो बोम्बे मारकेट, सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 6594 नम्बर पर दिनाँक 31-६ 85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पो० डी० खेण्डेलयाल पक्षम गाबिजारी पहायत स्नाबक्तर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्भन रेने-॥, श्राप्तसाबद

दिनौक : 31-3-1986

साहर ३

प्रस्थः शाह्यः हीः एतः पुरु ्नवन्नव्यवस्थान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को लधीन मुभना

मारत बरकार

कार्याक्रय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज⊸II, श्रह्मदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 31 मार्च 1986

निदेश सं० टी० म्रार० सं० 4599/II/85-86-- मृतः मृक्के, पी० डी० खण्डेलवाल,

शावकर निर्मानयम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृष्णात् 'उनत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं गोडाउन, बार्ड सं 7, नोंद सं 279/ए/ 6 है। तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इसके उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, अहमाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई का 16) से श्रीकीन, दिनाँक 31-7-85,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मून्य से काम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नहीं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिवाद से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और संतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए स्य पामा अविकल, निम्निजित उद्बदेव से उन्तर जन्तरण मिजित में रास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दारित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; अरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीर प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जब्द अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुत्रिधा के लिए;

अक्त: क्षत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अभार् — (1) ईंग्विट जीनीम १०४ प्रेमीम कंड लाल दरवाजा, सूरत-—3 ।

(भ्रन्तरक्षे)

(2) श्रीः महमदमायी घोषहुमेन भाहेब बान्द्रा, बम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्मत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरः करता हुई।

उनत तम्मति के नर्पन के तंबंध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं हु से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्लारा;
- (ण) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष हो 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिल्ला बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्प्रकास रग: -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जा उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

3 /ईई फार्म वर कार्यालय में जुलाई 85 को पेश किया गया है ।

> पो० डो० खण्डे लवाल गंजम गाधि हारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोध्नण) स्रार्जन रेंज-II, स्रहमदाबाद

दिनाँक : 31-3-1986

मांहर 🖫

प्रकण साई. टी. एन. एस. -----

बाजकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के बधीन स्थन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-॥, श्रहमदावाद श्रहमदावाद, दिनौंक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० प्रार० मं० 4600/II/85-86--ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें एक्सात 'उन्हां अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधी- सक्षम प्राधिकारी को यह तिस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,90,000/- रू. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० वाई सं० 9, नोंछ नं० 1444, है। तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 5-8-85,

को पर्वावत अमिति है उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिकल के लिए अन्तिरित की गर्द है और मूफो यह विश्वास अरने का कारण है कि यथा प्रतिकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उनके क्ष्यमान अधिकल सं, एन्ट्रे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखा उद्देश्य से एका अंतरण जिल्लिन में वास्तिवक रूप में किशत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व मा कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कह: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण हो, मैं, उबत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीत निम्तिनिस्ति व्यक्तिमों। अभीत निम्तिनिस्ति व्यक्तिमों।

(1) श्री चम्पक लाल गुलाबदास वरोगीवाला सुरत ।

(भ्रन्तरक)

(?) श्री राजेश जे० सोंदे

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्क संपत्ति के अर्थन के संबंध में क्षेष्ट भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बर्धीय, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी स्थानत दुवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशः भी लारीच से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

ीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार सूरत में 5762 नम्बर पर 5-8-85 को रिजस्टर्ड की गयी है।

> पी० डी० खण्डेलवाल नक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भर्झन रॅंज-11, स्रहमदाबाद

दिनाँक : 31-3-1986

मोहरः

THE MINE WILL BE STORTHOUGH

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) जे वधीन क्वा

मारव स्ट्रेस्टर

कार्यालयः सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज-II, हेन्डलूम हाऊस, श्राश्चम रोड, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० श्रार० सं० 4601/II/85-86--श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-चं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 7, नोंध सं० 279/ए-16 है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसके उपाबद्ध श्रन्सूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्टीकरण श्रधिनियम, 37ईई का 16 के श्रधीन, दिनोक 31-7-85

को प्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिकत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पादा गया प्रतिकत कम निम्निलिखत उद्देश्य से अक्त अंतरण निष्ठित में वास्तिबक हम से कथित नहीं किया गया है श्र—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की बावत एक्स स्वीय-नियम को अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए क्षेट्र/सा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा से निष्;

(1) ईश्वर कोटन जीनींग एण्डज प्रेसिंग कं० लाल दरवाजा, उना-पानी रोड, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्रायशासरन ग्रहमदभाई घोष बान्द्रा, बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सुभना भारी करके पृत्रोंकत सम्मिति के वर्णन् के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

वनव सम्पार्ट के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप प्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचक। की तामील से 30 विन की अनिथ, को भी तर पूर्वोक्त वाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय हुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हिस- वृद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकर्ण।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुस्पी

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फ़ार्म इस कार्यालय में 31-7-85 को पेण किया गया है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जं नं रेंजं~II, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 31-3-86

इक्ट् नार्ड्डी. **एड् . एड** . चननन्तनन्त्रन

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

मारत वडका

कार्याभव, सहायक आयकर वायुक्त (विट्रीकाण)

श्चर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद श्वहमदाबाद, विनांक 31 मार्च 1986 निवेश सं० पी० ग्रार० सं० 4602/II/85-86-ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 1,00,000/- रंग. से अधिक हैं

भीए जिसकी सं 165, समा, बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इसके उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक अगस्त 1985,

भ्ये पूर्वोक्त संपीरल के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यभान रिक्षिफल के लिए **बन्त**रित गइ की यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है जौर अंतरक (अंतरकाॅ) जौर अंतरिती (अंतरितियाॅ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्दुष्टेश्य से उक्त अंतरण निष्टित में वास्तविक रूप से कथित नहीं फिया गया है :--

- (क) अन्यक्षण वे हुई कियी बाय की वायत, उक्क विधिनयन के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) इंची किसी संस् या किसी धन वा बान वास्तिकों का, विन्हें भारतीय शाव-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा बन-कर अधिनियम, वा बन-कर अधिनियम, वा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ वस्तिरिती धुवारा प्रकट नहीं किया गंधा था वा किया आता वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः। वयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, निज्नोसिक व्यक्तिकें, प्रवृति 3(1) सुमंगलमट्र सोसायटी कुसुम जवेन जितेन्द्रभाई रिंग रोड, बम्बई।

(अन्सरक)

(2) सुमंगलम सोसायटी श्री सी० श्रार० शाह, पादरा रोड, बडौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

अवत संपत्ति के वर्धन के संयंथ में कोई भी बासोए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, को भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 किवित में किए था सक्षि।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, को उन्हों अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस मध्याय में विका पद्या हैं।

अनुसूची

जमीन जो समा, बड़ौदा में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 607 नम्बर पर, ग्रगस्त 85 को रजिस्टर्ड किया गया है। जिसका मूल्य 1,10,000/- रुपए हैं।

> पी० डी० खण्डेलघाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज–॥, म्रहमदाबाद

दिनांक : 31-3-1986

18633

इक्ट बाहुँ हो पुरु दुव ...-----

भायकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

THE TYPE

कार्याचन, सहायक आवक्त आवृक्त (विद्रीक्र्य)

भ्रजीन रेंज-II, भ्रहमवाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी श्रार० सं० 4603/11/85-86--श्रत: मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल.

नायकर मिश्रिक्यन, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इक्कों इसके पश्चाक्ष 'कक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-च के नभीन सक्षत्र प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरिता, चित्रका जिल्ला बालार मूल्य 1,00,000/- हुट, से जिभक है

और जिसकी सं० सं० नं० 14, जगर, ता० नवसारी है तथा जो नवसारी में स्थित है (और इसके उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में नवसारी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 28-8-85

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिया बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के निष्ट अन्तरित को गई है और मृक्षे वह विश्वास करने का कारण है कि विश्वास करने का कारण है कि विश्वास सम्पत्ति का उसित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कल, निम्नलिशित उद्योदिय से उक्त अंतरण लिशित में बास्तविक रूप में अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से इर्ष्ट किसी आम की बाबस, खबत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एती किसी जाय वा किसी भन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अभिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 262-च की अपभारा (1) के जधीत, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थीष्:—

(1) श्री डारीसरन दुर्लभाई परमार उगर, ता॰ नवसारी ।

(ग्रन्तरक)

(2) कोरी कुवाडा ट्रस्ट मगन सिंह एच० पठियारा उगत ता० नवसारी

(जन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए बाहियां शुरू करता हुंगू।

उक्त सम्पत्ति को भर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (त) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित्यव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारता अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्वकाकरण १--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसूची

मित्रकत जो नवतारी में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, नवसारी में 26-8-85 को रिजस्टर्ड की गयी है। जिसका कुल मूस्य 7,30,00/-रुपए है।

पी०डी० खण्डेलवाल सक्ष्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 31-3-86

क्षण सहर्_{त्र} सी_यर्ग_यस्त्र युक्त

हाध्यार पर्धिमिनन, 1981 (1961 का 43) की पाप्त 269-न (1) के नजीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-॥, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० म्रार० सं० 4604/II/85-86--भ्रतः मृष्टी, पी० डी० खण्डेलवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी की वह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 82, मुनसाड है। तथा जो जिं० नवसारी में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29-8-85,

को पूर्वेक्त कम्परित के उचित बाजार मूख से कम के ज्यामान प्रतिफल के थिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल है, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वल्लाह प्रतिस्ति से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित से अभिक है औष एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकत में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ले हुक् किसी आज की, वानक, अवत जीवनिक्य के अधीम कर दोने के जन्तरक के दाजिएम में कसी करने या उससे कमने में सुविधा के जिल्ह; जाए/वा
- (क) इसी जिली आप वा किसी वन ना अन्य वास्तियों को जिल्हें भारतीय जायकर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) वा उनत जिल्हें कि पिनवन, वा धर-कर अधिनवन, वा धर-कर अधिनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किया।
- तः अनं, उन्तं निनितन की भारा 269-न के अनुसरण में, मंं, उन्तं अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन, भिल्लिक कि किन्यमा, सर्थातः

 श्री प्रविण मोहन भुनसाड, ता० नवसारी।

(म्रन्तरक)

(2) श्री वल्लभाभाई नारण पटेल पसर

ता० नवसारी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

चनतः सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हुए। प्रदेश
- (क) इसस्यना के राजपन में प्रकाशन की तारिया से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर संपत्ति में हितवज्य किसी मन्य व्यक्ति ब्वारा अभोइस्ताक्षरी के फरंच सिवियत में किए का सकरेंगे।

स्परःीकरण:—हवर्ने प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, वाँ उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिकाधिक ही, नहीं क्यों होना को वस अध्याय से दिया क्या ही है

अनुसूची

मिलकत जो भुनसाड नवसारी में स्थित है, जिसका कुल मूल्य 799219/- रुपए हैं। सब रजिस्ट्रार नवसारी में 29-8-85 को रजिस्टर्ड की गयी हैं।

पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भूजेन रंज-धा, श्रहमदाकाव

दिनांक : 31**-**3-1986

मोहर

द**र्ज बाहु**ंश औ<u>त्र स्वत्र स्व</u>

शावकर विभागियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-II ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4608/II/85-86---श्रतः मुझे पी० डी० खण्डेलवाल

बावकर मिर्धनियम, 1961 (1961 का 43) (बिल इसमें इसके पश्चात 'नक्त जिथिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधित री की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी सं 14, श्रमीन की जो हा लो पायटी है। तथा जो रटगोम में स्थित है (आर इनके उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दरेगाम में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 20~8-85,

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गपा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वस्तरण से हुई किसी आरं की वावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सिवधा के विष्णु; क्योंक्र/था
- [♥) एसी किसी नाम ना किसी भन ना सन्त नास्तियों का, चिन्ही भारतीय नामकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विभिन्नियम, दाः चन-कार लाधिनियम, 1957 (२०५७ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिमा के सिए;

जतः थव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जवचारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अभीत् र—— (1) श्री नवी। चन्द्रा गारेशमायी श्रमीन वहें गाम ता० दहें गान।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रर्रावदकुमार गोविदमायी श्रमीन दर्दगाम, ता० दहेगोम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तलाक्ष्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति बिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इभ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास ि जिस में किए जा सकेंगे।

स्पर्काकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम , को अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सका हैं।

अनुसूची

मकान जो दर्टगामक में स्थित है जिसका कुल मूल्य 95000/ रुपण है। सब रिजस्ट्रार, वरेगाम में 1374 नम्बर पर दिसांक 20-8-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 31-3-86

मोहर 💈

इस्य बाह्¹्र सीठ हुन् _व हुन् _{वि} ः - - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) में नधीन सूचना

सारव बरकाउ

कार्यात्तय, सहायक आयकर जायुक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मन्नास

मद्रास, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० 4607/II/85-86-- ग्रतः मुझे, पी० ग्री० खण्डेलवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात (उक्त अधिनियम) कहा गया हैं), की बाध 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृक्व 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० 242ज माट ता०/जि० गांधीनगर है तथा जो गांधीनगर में स्थित है (और इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण का में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 29-8-85,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार मून्य से कम के ज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अनापूर्वोक्त सम्मित्त का स्तिष्य वाचार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे ज्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरिक (अंतर्यकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए सब पाना ज्या प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबबा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से सिए; सर्दर/वा
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रकोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाष्य [1] के अधीत, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत ह—

(1) श्री मटिन मायी शंकरमायी पटेल और ध्रन्य नरोडा, ध्रहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) स्रदापी चंदकलाल नागरदास गांधीनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीए भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है.

 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वान की तामीन से 30 दिन की अविध, को भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीत ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलास में किए वा सकांकि

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

मिलकत जो झार जि॰ गांधीनगर में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, गांधीनगर में 1722 नन्त्रर पर दिनांक 29-8-85 को रजिस्टर्ड की गयी है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक : 31-3-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रष्टमञ्जाद, दिनांद, 31 मार्च, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं०/4606/11/8586-- श्राः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'जन्म अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तिल, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00.000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० प्लेट नं० 11/ए, सिलपसा है तथा जो सिल पसा में स्थित है ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, सिलपसा में रिजस्ट्रीकरण अग्रिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 22-8-85

को प्वेंक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर्थ/या
- (ख) एसी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 7 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री एफ० एम० चीहान, दाद्रा, नगर हवेली, (ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स क्ललासक कःटेइनर्स, एस० ग्रात्मानंद, बम्बई 54 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के .लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्कत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्लाट जो सिलवसा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सिलवसा में 145, 147 नं० पर 22.8.85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी०डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थान् :---

सारीख: 31 3 1986

प्रक्य बाह् टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद. दिनांक 31 मार्च, 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4605/11/85 86— ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेनवान शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धार अ69-ल को अधीन सक्षम ग्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रींग जिसकी सं० 21/6, 59, 60 है तथा जो सावद बडोदा में स्थित है (ग्रींग इससे उपाबत जन्मूची में श्रींग पूर्ण हप में बर्णित है है), जिस्ट्री कि शिक्षिणारी के जार्यात्रय, बड़ोदा में गिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठितमा, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख श्रगस्त 85 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्बोध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुद्द किसी आम की बाबत, उक्त अधिरियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के आधिरल मो कमी करने या उससे बचने में सोविषः के सिद्ध क्षिक्ष्य
- (क्ष) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिक को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वार प्रकट नहीं किया गरा था या किया बाना चाहिए था, जिन्नों में सुविधा के लिए;

अतः अतः, एकतः अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) हीरेन कान्तीलाल गांधी, टरती रोड, बड़ोदा। (ग्रन्तरक)
- (2) मीरा सोसाइटी, बड़ोदा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वासीय :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र यो प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वशरा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है. बही अर्थ होगा भी उस अध्याय में विया गया है।

and the

मिलकत सावद बड़ोदा में स्थित है। जिमका कुल मूल्य 1,30,400 रुपए है। जिसका सब जिस्ट्रार, बड़ोड़ा में 4892 नं०पर श्रगस्त, 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खण्डेलवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रहमदाब

तारीख: 31-3-1986

प्ररूप बाइ⁴. ट्रॉ. एन . एस .,-------

जावकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) कर्त भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक जायबार बाब्बद (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज, ग्रहमहाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च, 1986

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 4609/11/85-86- ग्रसः मेम्, पी० डी० खण्डे लवाल,

नावकर निभिन्नन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचाए 'उनक निभिन्नन' नहां गया हैं), की धारा 269-क ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्दिल, जिसका जीवत बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० पलोर तं० 533/1, सेक्टर 21 है तथा जो गांधीनगर, मैं स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रन सुधी में श्रीर पूर्ण-रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यजान शितफात के लिए नृत्यौरत को गई है जोर नृष्ठे वह निक्वास करने का कारण है कि बंगापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्त बसके दश्यमान शितकल से, एमे दश्यमान शितफल का पन्दह प्रतिचत से अभिक है जोर अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वाया गया प्रतिकल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्त में वास्तरिक कप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाव की, बाबत, उन्त विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के बिए; और/भा
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा भन-कर अधिनियम, धा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्री रूप चन्द भाई मधावी खण्डेलवाल, डीसा, जिला-बनासवमाजा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विनेश चन्त्र शान्तीलाल पंड्या सेक्टर नं ०, 21 गोधीनगर ।

ग्रवतरिती)

का यह सूचना चारी करकी पूर्वोक्त सन्तत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत कम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप ८──

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तायीन से 30 दिन की अविधि, जो भी विषय में समाप्त होती हो, के भीश्रर पूर्वीका व्यक्तियों में किसी का कित बुवास;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितन्स्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोइस्ताक्षरी के एत निवित में किए वा संकांगे।

स्पर्काकरणः —-इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वो का, जो उक्त जिलामा, जो जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं क्यें होगा को उस अध्याय में दिया गया है ल

अनुसूची

प्लाट नं० 433/1 जो गांधी नगर म्ह स्थित है। जिसका कुल मृष्य, 80,000 रुपए है। सब रजिस्ट्रार, गांधीनगर में 1292 नं० पर श्रगस्त, 85 मैं रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खण्डलझाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

मोहर:

शक्य बार्व , को , व्य , एक , -----------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 क (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यास्त्र, तहायक शायकर नायुक्त (निर्देशक)

ग्रजैन रैज, ग्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाय, दिनांक 31 मार्चे, 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4601/।।/85-86-- ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल

आयकर निर्धानमा, 1961 (1961 का 43) तियवे कार्ने इसके परवाद 'उन्ह बीविधियम' नहा पना हुँ, की धारा 269-व के ज्योन सकत गांधिकारों को यह विश्वका कार्ने का कारण है कि स्थावर सम्मीका, विश्वका जविष्ठ कार्यार जूरेय 1,00,000/- रह. ते अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जिसन-करमसद, जिला-खेड़ा है तथा जो ग्रानस्द में स्थित है (ग्रीर इससे स्पाबद ग्रनुसूची मैं ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, ग्रानस्द में रिकस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन सारीख 13-8-1985

को न्वोंक्त संस्थित को उचित बाचार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिकाश के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्वोंक्त संपत्ति का उचित धाधार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिकाल से, एके क्यमान प्रतिकाल का पत्त्रह प्रतिकाल से प्रक्रिक है बीर सन्वर्ष (क्यारकों) कीर सन्वरित्य (क्यारितियों) के बीच ऐते सन्वर्ष के विश्व तब क्या पत्रा विश्व क्या का क्या कि क्या से कि कि के कि सामा स्था कि कि क्या से कि कि से कि कि से कि कि कि के क्या से कि कि से कि से कि कि कि से कि कि कि से कि कि कि से कि कि कि से कि कि से कि कि से कि कि कि कि से क

- (क) नंतरण वे दुर्द किसी नाव की वास्त्र, इक्स अभिनियम के नभीन कर दोने के नंतरक के दावित्य में कसी करने या उत्तरों वचने में सुविधा के बिए; बीए/वा
- (व) प्रेडी किसी जाय या किसी थन का अन्य बास्तियों को; जिन्ह भारतीय प्रायक्षर अखिनियम, 192? (1922 कर 11) या उत्तर अखिनियम; वा सन-कर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ जन्तरियों बुंबारा प्रकट महीं किला गया या वा किया जान- चाहिए चा, कियाने में अखिता के लिए।

बर: वस, तक्त विभिनियम की धारा 269-न की वन्तरण की, मी, उक्त विभिनियम की धारा 269-म की उपशास (1) के अधीत ---

(1) कमला सरन चन्द्रभाई मरधाभाई पटेल, धौर श्रन्य

करमचन्द, खड़ा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामजीभाई ग्राशाभाई पटेल, करमचन्द, जिला—खेड़ा

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पर्टित के वर्षन के लिख्न कार्यवाहियां करता हुं।

तनस सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र है-

- (क) इत त्यान के रायपन में प्रकारन की तारीय ते 45 दिन की नवींथ या तत्वंबंधी स्थित्यों पर स्वान की तानीत से 30 दिन की नवींथ, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के खींबार पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी कावित हुनाक;
- (व) इत त्यां के राज्यन में प्रकारन की दारीय ते 45 दिन के भीतर अवत स्थापर कनीय में हिय-बहुध किसी अन्य स्थापत क्यारा, अभोद्याक्षरी के यात सिवित में निष्य वा बनोंगे।

स्वक्रीकरण: -- इसमें प्रवृक्त सन्धों और पदों का, थो अथक अधिनिक्त, के क्थाय 20-क में यथा परिश्राचित ही, वहीं वर्ष होता को उन्त स्थाय के दिना दवा ही।

प्रनुसूची

मिलकत जो करमचन्द्र में स्थित है। रजिस्ट्रार, सब श्रानन्द में जिस 3835 नं पर 13-8-85 को रजिस्टर्ड की गई है। जिसका कुल मुख्य, 2,00,000 रुपए है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ध्रायुक्त (निरी०) धर्जन रेंज, भ्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1986

मोहरः

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 6th March 1986

No. A.38013/5/85-Admn.HI.—The President is pleased to permit Shri S. L. Kumar, a permanent Assistant and officiating Section Officer ad-hoc of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 28th February, 1986 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

No. A.38013/6/85-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri Tara Singh, a permanent Assistant and officiating Section Officer on ad-hoc basis of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of Superannuation with effect from the afternoon of the 28th February, 1986 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests.(A) dated the 24th November, 1973.

The 10th March 1986

No. A.32014/1/86-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Basant Singh (SC) a regular Assistant of CSS Cadre of the U.P.S.C. to officiate as Section Officer on ad-hoc basis w.e.f. 10-3-86 to 29-4-86 or until further orders, whichever is earlier.

The 1st April 1986

No. A.38013/7/85-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri B. C. Gupta, a permanent Assistant and officiating Section Officer on regular basis in the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to retire from the Government service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 31st March, 1986 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

No. A.38013/8/85-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri Jai Narain, a permanent Assistant and officiating Desk Officer on regular basis in the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 31st March, 1986 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests(A)dated the 24th November, 1973.

The 9th April 1986

No. A.32014/1/85-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri, Philip John, a regular Assistant of CSS Cadre of the U.P.S.C. to officiate as Section Officer on ad-hoc basis w.e.f. 6-4-1986 to 30-4-1986 or until further orders, whichever is earlier.

M. P. JAIN
Under Secy. (Per. Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMN. REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 24th April 1986

No. 3/20/86-AD.V.—Shri Ram Saran Sethi, Crime Assistant/CBI is appointed to officiate as Office Superintendent on purely ad-hoc basis and until further orders with effect from the forenoon of 8th April, 1986 in the leave vacancy of Shri Uma Kant, Office Supdtt./Coord. Divn. proceeded on leave.

D. P. BHALLA, Admn. Officer (E) CBI

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUE-I

New Delhi, the 24th April 1986

No. Admn.I.O.O.No. 19.—Shri Sukhdev Singh Negi, an Asstt. Audit Officer of this office has been absorbed permanently in the Central Board of Secondary Education, New

Delhi with effect from forenoon of 3rd of December, 1984, on the terms and conditions contained in this office order No. Admn.I/O.O. No. 3 dated 1-4-1986.

(Sd.) ILLEGIBLE Dy. Dir. of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 23rd April 1986

No. Admn. I/8-132/85-87/16.—The Accountant General (Audit-1), A. P., Hyderabad is pleased to promote the following Assistant Audit Officerse to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the dates noted against them until further orders.

	Name	 	 Date of assumption of charge
1.	Sri M. V. Chellappa		9-4-1986 F.N.
2.	Sri L. Krishnan .		11-4-1986 A.N.

The promotions ordered above are without prejudice to the claims of their seniors, if any and are also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court. They should exercise the option within one month of their date of promotion in terms of Government of India O.M. No. F. 7/1/80-Estt. (Pt. 1) dt. 26-9-1981.

(Sd.) JLLEGIBLE Sr. D.A.G. (Adma.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I WEST BENGAL

Calcutta-1, the 29th January 1986

No. Admn.I/Promotion/A.A.O.-93/178.—The Accountant General (Audit)-I, West Bengal has been pleased to appoint the following Section Officer (Audit) to officiate as Assistant Audit Officers in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 29th January, 1986 in the offices A.G. (Audit)-I and A.G.(Audit)-II West Bengal, Calcutta until further orders.

S/Shri

- 1. Arun Kumar Banerjee-On deputation
- 2. Pranab Kumar Biswas

These promotions are subject to the final outcome of the Writ Petitions now pending before the Hon'ble High Court Calcutta.

The newly promoted Assistant Audit Officers will have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of G.I.M.F., O.M. dated 26-9-81 for either to fix their pay under F.R. 22(a)(1) on the date of promotion and then under F.R. 22C from the date of next increment in the lower post or under F.R. 22 C on the date of promotion straightway.

(Sd.) ILLEGIBLE Sr. Dy. Acett. Genl. (Admn.)

Calcutta-700 001, the 4th February 1986

No. Admn.I/Promotion/AAO-93/1881-1884.—The Accountant Gereral (Audit)-t West Bengal, has been pleased to appoint the following Section Officers (Audit) to officiate as Assistant Audit Officers (Group-B) Gazetted in the scale of pay of Ri. 650-30-710-35-880-F.B.-40-1040/- in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 4th February, 1986, in the offices of Accountant General

(Audit)-I and Accountant General (Audit)-II, West Bengal. Calcutta, until further orders,

Sl. No. and Name

S/Shri

- 1. Ramendra Nuth Halder.
- 2. Purnananda Bhattacharyya.
- 3. Amiya Kumar Datta-I.

These promotions are subject to the final outcome of the Writ Peticions now pending before the Hon'ble High Court, Calcutta.

The newly promoted Assistant Audit Officers will have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of G.I.M.F., O.M., dated 26-9-81 for either to fix their pay under F.R. 22(a) (1) on the date of promotion and then under F.R. 22C from the date of next increment in the lower post or under F.R. 22C on the date of promotion straightway.

The 18th April 1986

Admn.1/Promotion-93/GO/1937.—The No. Accountant No. Admin.1/Promotion-93/GO/1937.—The Accountant General (Audit)-I, West Bengal, has been pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 7th February, 1986 in the offices of Accountant General (Audit)-I and Accountant General (Audit)-II, West Bengal, Calcutta until further orders.

- St. No. and Name
- 1. Shri Kanulal Ghatak.
- 2. Shri Amarendra Nath Chaudhury.

These promotions are subject to the final outcome of the Writ Petitions now pending before the Hon'ble High Court, Calcutta.

The newly promoted Audit Officers will have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of G.I.M.F., O.M., dated 26-9-81 for either to fix their pay under F.R. 22(a) (1) on the date of promotion and then under F.R. 22C from the date of next increment in the lower grade or under F.R. 22C on the date of promotion straight-

No. Admn.I/Promotion-93/AAO/192.--The No. Admn.I/Promotion-93/AAO/192.—The Accountant General (Audit)-I. West Bengal has been pleased to appoint the following section officers (Audit) to officiate as Assistant Audit (Control of Control Audit Officers (Group B Gazetted in the scale of pay Rs. 650-30-710-35-880-EB-40-1040) in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 12th February, 1986 in the offices of A.G. (Audit)-I and A.G. (Audit)-II, West Bengal, Calcutta until further orders.

- Sl. No. and Name
- 1. Shri Biswabinode Goswami,
- Shri Mihir Kanta Naiya.
- 3. Manju Gopal Chakraborty.

These promotions are subject to the final vitcome of the Writ Pet tions now pending before the Hon'bl High Court, Calcutta.

The newly promoted Assistant Audit Officers will have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of G.I.M.F. O.M., dated 26-9-81 for either to ix their pay under F. l. 22(a) (1) on the date of prome ion and then under F. l. 22C from the date of next increment in the lower post or under F.R. 22C on the date of promot on straightway.

> i. K. MISHRA Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDII, CENTRAL, CALCUTTA

Calcutta-700001, the 25th April 1536

No. Admn-I/Gaz/148-49-The Director of Audit, Central, Calcutta, has been pleased to appoint the folloving officiating Section officers to officiate as Assistant Audit Officers (Gr. 'B') in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 from the dates noted against each in the office of the Director of Audit, Central Calcutta until further orders.

S/S	hri	D	Date of assumption of charge			
1.	Paresh Chandra Basak		23-12-1985 (F/N).			
2.	Srikanta Kumar Dawn		19-12-1985 (F/N).			
3,	Pasupati Biswas	,	23-12-1985 (F/N).			
4.	Kartick Chandra Ruidas .	•	19-12-1985 (F/N).			
5,	Manoj Kumar Bandopadhyay		19-12-1985 (F/N).			
6.	Dilip Kumar Banerjee		19-12-1985 (F/N).			
7.	Amitabha Chatterjee		19-12-1985 (F/N).			
8.	Amit Ray I		19-12-1985 (F/N).			

S. K. BAHRI,

Dy. Director of Audit (Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi-110 011, the 14th April 1986

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1614/86-Admn(G)/2418.—The President is pleased to appoint Shri K. Shankaranarayanan IAS (MP: 70) Director in the Ministry of Commerce as Officer on Special Duty in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from the forenoon of 11th February, 1986 until further orders.

R. L. MISRA Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi, the 16th April 1986

No. 6/974/12-Admn(G)/2520.—On attaining the age of superannuation Shri S. Veerraju, Assistant Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 31st March, 1986.

> SHANKAR CHAND Dy. Chief Controller of Imports & Exports
> For Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF TEXTILES OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER Bombay-20, the 17th April 1986

No. 37(2)/A/86/EST-1/1517.—The President of India is pleased to appoint with effect from the forencon of the 14th March, 1986 and until further orders, Shri S. P. Ghosal, as Director (P&D) in the Office of the Textile Commissioner.

No. 37(9) /. 1/86/EST/I/1524.—The President of India is pleased to appoint with effect from the forenoon of 7th March, 1986 and until further orders Shri J. C. Hansdak as Director in the Office of the Textile Commissioner, Bombay on regular basis.

> ARUN KUMAR Textile Commissioner

Bombay-20, the 25th April 1986

No. CER/4/86.—In exercise of powers conferred on me by Clauses 9(4), 11(2) and 12 of the Textiles (Control) Order, 1986, I hereby specify the following Forms, nr mely:—

- 1. 'FORM-'A' for making an application to the Registration Authority for grant of Certificate of powerlooms and which is appended to this Notification.
- 2. 'FORM-'RN' as appended to this Notification making application to the Registration Authority for renewal of the Certificate of powerlooms every five years required under Clause 11(2) of the above Order.
- 3. 'FORM—'RR' as appended to this Notifiation for making report to the Registration Authority as re-required under Clause 12 of the above Onler,

T. RAMACHANDRA RAO Industrial Adviser

(Appendix to Notification No. CER/4/86 dated 25-4-86)

FORM A

FOR OFFICE USE ONLY
APPLICATION NO. ——

APPLICATION FOR REGISTRATION OF POWERLOOMS

Sir, I hereby apply for registration of powerlooms in terms of the Textiles (Control) Order, 1986 as per details given felow: 1.1 Name of Applicant in full : 1.2 Father's Name : 1.3 Full Postal Address : 1.4 Name of the Firm & Name of the partners, if any : 2. Full Postal Address of the location where the Powerlooms* are installed/proposed to be installed. (2010) House No. (2020) Street (2030) Ward Location/Town/Village (2040) Post office with Pin Code (2050) Block/Tehsil/Taluks (2060) 3(A) No. of workers Employed: Existing Proposed for Additional Looms Total (1) (2) (3) (4) 3010 Unskilled 3020 Skilled 3030 Supervisory 3040 Clerical 3(B)No. of Shifts worked/proposed to work (3050) 3(C) (i) Have you applied earlier for Regn. of Powerlooms (s) Yes No (3060) (ii) If yes quote Ref. No. and Date (3070) Types of looms & No. applied for Authorsied Nos./Nos. Nos. Nos. Nos. Nos. (3080) Regn. No. Date No. of Looms (3080)	S	The Director of Industsies/ state Textile Authroity/Union Territory Govt. of			
1.2 Father's Name	Sir,	hereby apply for registration of powerlooms in terms of	of the Textiles (Con	itrol) Order, 1986 as	per details given felow :
1.3 Full Postal Address 1.4 Name of the Firm & Name of the partners, if any 2. Full Postal Address of the location where the Powerlooms* are installed/proposed to be installed. (2010) House No. (2020) Street (2030) Ward Location/ Town/Village (2040) Post office with Pin Code (2050) Block /Tehsil/Taluks (2060) District (2070) State (2080) 3(A) No. of workers Employed: Existing Proposed for Additional Looms Total (1) (2) (3) (4) 3010 Unskilled 3020 Skilled 3020 Skilled 3030 Supervisory 3040 Clerical 3(B)No. of Shifts worked/proposed to work (3030) 3(C) (i) Have you applied earlier for Regn. of Powerlooms (s) Yes No (3060) (ii) If yes quote Ref. No. and Date (3070) Types of looms & No. applied for Authorsied Nos./ Nos. Nos. Nos. Shorts Nos. (3080)	1.1 Nam	ne of Applicant in full	:		
1.4 Name of the Firm & Name of the partners, if any 2. Full Postal Address of the location where the Powerlooms* are installed/proposed to be installed. (2010) House No. (2020) Street (2030) Ward Location/ Town/Village (2040) Post office with Pin Code (2050) Block / Tehsii/Taluks (2060) 3(A) No. of workers Employed: Existing Proposed for Additional Looms Total (1) (2) (3) (4) 3010 Unskilled 3020 Skilled 3030 Supervisory 3040 Clerical 3(B)No. of Shifts worked/proposed to work (3050) 3(C) (i) Have you applied earlier for Regn. of Powerlooms (s) Yes No (ii) If yes quote Ref. No. and Date (3070) Types of looms & No. applied for Adultorised New Entrants Nos. (iii) Whether Regn. Certificate received if yes give Regn. No. Dato No. of Inoms	1.2 Fath	her's Name	:		
2. Full Postal Address of the location where the Powerlooms* are installed/proposed to be installed. (2010) House No. (2020) Street (2030) Ward Location/ Town/Village (2040) Post office with Pin Code (2050) Block /Tehsil/Taluks (2060) 3(A) No. of workers Employed: Existing Proposed for Additional Looms Total (1) (2) (3) (4) 3010 Unskilled 3020 Skilled 3030 Supervisory 3040 Clerical 3(B)No. of Shifts worked/proposed to work (3050) 3(C) (i) Have you applied earlier for Regn. of Powerlooms (s) Yes No (3060) (ii) If yes quote Ref. No. and Date (3070) Types of looms & No. applied for Authorsied Nos. Nos. (iii) Whether Regn. Certificate received if yes give Regn. No. Date No. of Looms (3060)	1.3 Full	Postal Address	:		
(2010) House No. (2020) Street (2030) Ward Location/ Town/Village (2040) Post office with Pin Code (2050) Block /Tehsil/Taluks (2060) District (2070) State (2080) 3(A) No. of workers Employed: Existing Proposed for Additional Looms Total (1) (2) (3) (4) 3010 Unskilled ———————————————————————————————————	1.4 Nan	ne of the Firm & Name of the partners, if any	:		
Post office with Pin Code (2050) Block /Tehsil/Taluks (2060) District (2070) State (2080)	2. Full I	Postal Address of the location where the Powerlooms* are	installed/proposed	to be installed.	
(2060) 3(A) No. of workers Employed: Existing Proposed for Additional Looms Total (1) (2) (3) (4) 3010 Unskilled 3020 Skilled 3020 Skilled 3030 Supervisory 3040 Clerical 3(B)No. of Shifts worked/proposed to work (3050) 3(C) (i) Have you applied earlier for Regn. of Powerlooms (s) Yes No (3060) (ii) If yes quote Ref. No. and Date (3070) Types of looms & No. applied for Authorsied Nos./ Nos. Nos. Nos. (iii) Whether Regn. Certificate received if yes give Regn. No. Date No. of looms (3080)	(2010) H	louse No. (2020) Street	(20:		
Existing Proposed for Additional Looms Total (1) (2) (3) (4) 3010 Unskilled 3020 Skilled 3030 Supervisory 3040 Clerical 3(B)No. of Shifts worked/proposed to work (3050) 3(C) (i) Have you applied earlier for Regn. of Powerlooms (s) Yes No (ii) If yes quote Ref. No. and Date (3070) Types of looms & No. applied for Authorsied Nos./ Nos. Nos. (iii) Whether Regn. Certificate received if yes give Regn. No. Date No. of Looms (3080)	Post offic			District (2070)	State (2080)
(i) (2) (3) (4) 3010 Unskilled 3020 Skilled 3030 Supervisory 3040 Clerical 3(B)No. of Shifts worked/proposed to work (3050) 3(C) (i) Have you applied earlier for Regn. of Powerlooms (s) Yes No (3060) (ii) If yes quote Ref. No. and Date (3070) Types of looms & No. applied for Authorsied Nos./ Nos. Nos. (iii) Whether Regn. Certificate received if yes give Regn. No. Date No. of looms (3080)	3(A) No.	of workers Employed:			
3010 Unskilled 3020 Skilled 3030 Supervisory 3040 Clerical 3(B)No. of Shifts worked/proposed to work (3050) 3(C) (i) Have you applied earlier for Regn. of Powerlooms (s) (ii) If yes quote Ref. No. and Date (3070) Types of looms & No. applied for Authorsied Nos./ Nos. Nos. (iii) Whether Regn. Certificate received if yes give Regn. No. Date No. of Jooms (3080)		Existing	Proposed for	Additional Looms	Total
3020 Skilled 3030 Supervisory 3040 Clerical 3(B)No. of Shifts worked/proposed to work (3050) 3(C) (i) Have you applied earlier for Regn. of Powerlooms (s) (ii) If yes quote Ref. No. and Date (3070) Types of looms & No. applied for Authorsied Nos./ Nos. (iii) Whether Regn. Certificate received if yes give Regn. No. Date No. of looms (3080)		(1) (2)		(3)	(4)
3030 Supervisory 3040 Clerical 3(B)No. of Shifts worked/proposed to work (3050) 3(C) (i) Have you applied earlier for Regn. of Powerlooms (s) (ii) If yes quote Ref. No. and Date (3070) Types of looms & No. applied for Authorsied Nos./ Nos. Nos. (iii) Whether Regn. Certificate received if yes give Regn. No. Date No. of looms (3080)	3010 U	nskilled ———————————————————————————————————	- ,		
3(B)No. of Shifts worked/proposed to work (3050) 3(C) (i) Have you applied earlier for Regn. of Powerlooms (s) (ii) If yes quote Ref. No. and Date (3070) Types of looms & No. applied for Authorsied Nos./ Nos. Nos. (iii) Whether Regn. Certificate received if yes give Regn. No. Date No. of looms (3080)	3020 Sk	dilled			
3(B)No. of Shifts worked/proposed to work (3050) No. of Shifts Hrs/Shift No. of Shifts Hrs/Shi	3030 Su	ipervisory ————————————————————————————————————	······································		
(3050) 3(C) (i) Have you applied earlier for Regn. of Powerlooms (s) (ii) If yes quote Ref. No. and Date (3070) Types of looms & No. applied for Authorsied Nos./ Nos. Nos. (iii) Whether Regn. Certificate received if yes give Regn. No. Date No. of looms (3080)	3040 CI	erical			
(3060) (ii) If yes quote Ref. No. and Date (3070) Types of looms & No. applied for Authorsied Nos./ Unauthorised Nos. Nos. (iii) Whether Regn. Certificate received if yes give Regn. No. Date No. of looms (3080)				No. of Shifts H	rs/Shift
(3070) Types of looms & No. applied for Authorsied Nos./ Unauthorised Nos. Nos. (iii) Whether Regn. Certificate received if yes give Regn. No. Date No. of looms (3080)		(i) Have you applied earlier for Regn. of Powerlooms (s)	Yes	No
Nos./ Nos. Nos. (iii) Whether Regn. Certificate received if yes give Regn. No. Date No. of Jooms (3080)	(5500)	(ii) If yes quote Ref. No. and Date			
(3080)	(3070)	Types of looms & No. applied for			
		(iii) Whether Regn. Certificate received if yes give	Regn. No.	Date	No. of looms
	(3080)		Regn. No.	Date	No. of looms

^{*}Strike out whichever is not applicable.

4(A) FOR EXISTING AUTHORISED POWERLOOMS IF ANY

- *(i) PERMIT NO. AND DATE
 (4010)
 (ii) NO. OF LOOMS (In words and Figures)
 (4020)
- (iii) Electricity Consumer No. (4030)

Inches/	Cms. REED	SPACE	NUME	ER MAKE	YEAR		TYPE			ATTACHN	k applicable IENT
			OF LOOM S	OF LOOMS	OF MAKE	PLAIN	AUTO MATIC	SHUTT- LELESS	бовву	DROP BOX	JAC QUAR
,	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
4040											
4050											
1060											
1070											
080											
1090											
4100											,
	ubmit origina						. (i) The C	Cotton Text	ile (Contro	l) Order 1	948 and
(ii) The	Textile (Proc	duction by	y powerlo	ooms) Conti	rol Order	1956.					
(B) FO	R EXISTIN	IG UNA	UTHOR	SED POWE	ERLOOMS	SOUGH	г то ве а	UTHORIS	ED		
o of Loom	ns,	,			<u>-</u>						
(in wo	ords & figure	s)					Pleas	e tick	Appli	nblo	
Inch	es/Cms. Rec	ed Space	Numbe			TYP		<u> </u>		CHMENT	
			of Looms	of L∑≸Looms ∰	Year of make	Plain	Automa- tic	Shuttle- less	Dobby	Drop Box	JAC- quard
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
4120											
1130 1140 1150 1160 1170 1180	NEW POW	WEDL OO		APOSED TO	DE INSTA						
4130 4140 4150 4160 4170 4180 4190 4(C)* FOE	NEW POV	WERLOO	MS PRO	POSED TO	BE INSTA	ALLED	·				
4210) No.	- 		oms pro	PPOSED TO	BE INSTA	ALLED	·				
4130 4140 4150 4160 4170 4180 4190 4(C)* FOI	of Looms		MS PRO	POSED TO	BE INSTA	ALLED					
4130 4140 4150 4160 4170 4180 4190 4(C)* FOI	of Looms		MS PRO	POSED TO	BE INSTA	•• •• •• ••			Pleasc	tick applic	cable NT
4130 4140 4150 4160 4170 4180 4190 4210) No.	of Looms (In words &	Figures)NUM	BER M	AKE 1 YEA	TYPE R PLA	.,	TO- SI	HUTTLE-	Pleasc A. DOBBY	tick applic ITACHME DROP BOX	pable NT JAC QUARD
#130 #140 #150 #160 #170 #180 #190 #210) No.	of Looms (In words &	Figures) NUM OF LOO	BER M	AKE 1 YEA LOF GMS MAI	TYPE R PLA	IN AU	ro- Si ric Le	100	l AT	DROP	NT ———— JAC
H130 H140 H150 H160 H170 H180 H190 H(C)* FOI H210) No.	of Looms (In words & SPACE	Figures) NUM OF LOO	BER M OF MS LO	AKE 1 YEA LOF GMS MAI	TYPI R PLA KE	IN AU	TIC LE		DOBBY	DROP BOX	NT JAC QUARE
REED Inches/Co	of Looms (In words & SPACE	Figures) NUM OF LOO	BER M OF MS LO	AKE 1 YEA LOF GMS MAI	TYPI R PLA KE	IN AU	TIC LE		DOBBY	DROP BOX	NT JAC QUARE
H130 H140 H150 H160 H170 H180 H190 H(C)* FOH 4210) No. 	of Looms (In words & SPACE	Figures) NUM OF LOO	BER M OF MS LO	AKE 1 YEA LOF GMS MAI	TYPI R PLA KE	IN AU	TIC LE		DOBBY	DROP BOX	NT JAC QUARE
H130 H140 H150 H160 H170 H180 H190 H(C)* FOI 4210) No.	of Looms (In words & SPACE	Figures) NUM OF LOO	BER M OF MS LO	AKE 1 YEA LOF GMS MAI	TYPI R PLA KE	IN AU	TIC LE		DOBBY	DROP BOX	NT JAC QUARE

(2) 11123 61	FABRICS MANU					Please tick	whicheve	r is applicable
100 % COTTON	SYNTHETIC	ARTSILK FILAMENT	COTTON SYNTHETI BLENDED	IC- VIS	TTON SCOSE ENDED	COTTO SYNTH VISCOSI	ETIC	ANY OTHER BLEND OTHER THAN THAN 1 to 6
(1)	(2)	(3)	(4))	(5)	((6)	(7)
5010			<u></u>					
NOTE: UNDE	ER 4(A), 4(B), AND SAME AFTER FIL	4(C) IF SPACE LING IN THE I	IS NOT SUF	FICIENT 1 ON.	PLEASE AT	TACH EX	TRA SHE	ETS AND SIG
*Strike out	whichever is not a	pplicable.						
the rate of Two hundre loom by Ba	Registration Feee Rs. 250/- (Ruped and Fifty only) ank Demand Draft Registration Author	per ln	u	D.D. Ame (6020) N Bank ar 7. I solem are correct indertake to	ame of issued Branch and Branch to the best	uing that the p t of my l the rules a	knowledge	furnished abov and belief, tions issued b
cant of	is payable by ap	ons	r			(SIGNA		ırs faithfully, F APPLICANT
	(API APPLICATION 1	PENIX TO NOTI	PICATION NO	TRATION (FOR FOR OF APPLICA	M RN FICE USE TION NO		
To, Director of State Textile Governmen	(API APPLICATION I Industries/ e Authority	PENIX TO NOTI	FICATION NO OF REGIST	D. CER/86d	FOR FOR OF APPLICA	M RN FICE USE TION NO		
To, Director of State Textile Governmen Sir, I hereby ap	(API APPLICATION I Industries/ e Authority	PENIX TO NOTH	P FICATION NO OF REGIST POWERLOG	D. CER/86d	FOR FOR OF APPLICA OF CERTI	M RN FICE USE TION NO. IFICATE O	PF	б as per details
To, Director of State Textile Governmen Sir, I hereby ap	(API APPLICATION 1 Industries/ e Authority at of	PENIX TO NOTH	P FICATION NO OF REGIST POWERLOG	D. CER/86d	FOR FOR OF APPLICA OF CERTI	M RN FICE USE TION NO. IFICATE O	PF	δ as per details
To, Director of State Textile Governmen Sir, I hereby artiven below:	(API APPLICATION I Industries/ e Authority at of oply for renewal of re-	PENIX TO NOTH	PFICATION NO OF REGIST POWERLOG	D. CER/86d	FOR FOR OF APPLICA OF CERTI	M RN FICE USE TION NO. IFICATE O	PF	6 as per details
Director of State Textile Governmen Sir, I hereby agiven below: 1.1 Name of App	(API APPLICATION I Industries/ e Authority at of oply for renewal of re- olicant in full	PENIX TO NOTH	PFICATION NO OF REGIST POWERLOG	D. CER/86d	FOR FOR OF APPLICA OF CERTI	M RN FICE USE TION NO. IFICATE O	PF	6 as per details
Director of State Textile Governmen Sir. I hereby ar given below: 1.1 Name of App 1.2 Father's Nam 1.3 Full Postal A	(API APPLICATION I Industries/ e Authority at of oply for renewal of re- olicant in full	PENIX TO NOTE	PFICATION NO OF REGIST POWERLOG	D. CER/86d	FOR FOR OF APPLICA OF CERTI	M RN FICE USE TION NO. IFICATE O	PF	6 as per details
To, Director of State Textile Governmen Sir, I hereby ar given below: 1.1 Name of App 1.2 Father's Nam 1.3 Full Postal A 1.4 Name of the l	APPLICATION I	PENIX TO NOTE	PFICATION NO OF REGIST POWERLOO te of powerloom :	D. CER/86d	FOR FOR OF APPLICA OF CERTI	M RN FICE USE TION NO. IFICATE O	PF	δ as per details
To, Director of State Textile Governmen Sir, I hereby appired below: 1.1 Name of App 1.2 Father's Nam 1.3 Full Postal A 1.4 Name of the l 2. Full Postal Add	APPLICATION Industries/ e Authority at of oply for renewal of resolicant in full and ddress Firm & Name of the ress of the location w	PENIX TO NOTE	PFICATION NO OF REGIST POWERLOO te of powerloom :	D. CER/86d	FOR FOR OF APPLICA OF CERT	M RN FICE USE TION NO. IFICATE O	PF	6 as per details
To, Director of State Textile Governmen Sir, I hereby ar given below: 1.1 Name of App 1.2 Father's Nam 1.3 Full Postal A 1.4 Name of the l 2. Full Postal Add installed	APPLICATION Industries/ e Authority at of oply for renewal of resolicant in full and ddress Firm & Name of the ress of the location w	PENIX TO NOTE	PFICATION NO OF REGIST POWERLOO te of powerloom : : : : oms are :	D. CER/86d	FOR OF APPLICA OF CERT	M RN FICE USE TION NO. IFICATE O	Order 198	6 as per details

(SIGNATURE OF APPLICANT)

Date -	 	 	-
Place	 	 	

29---66GI/86

(Appendix to notification No. CER/4/86 dated 25-4-86)

FO	R	м	44	R	R	••

10,	The State Director Union Territory	of Industries, Administrators		ile Authori	ties/					
	Government of									
	***************************************			• • • •						
Sir,										
detail	I hereby report tha Is given below:—	t I have ins	talled the	powerloon	ns against	t the Rogist	ration Certific	at e grant	ed to me	as por the
1.1	Name of the applicant	in full			;					
1.2	Father's name				;					
1.3	Full Postal address				:					
1.4	Name of the firm and t	he name of th	ne partners,	if any	:					
2.	Full postal address of have been installed	the location w	vhere the po	owerlooms	: House Street Ward Locatio (Town/	:				
3.	Electricity Consumer N	J o.								
4.	Registration No No. of powerlooms				. Date					
5.	Details of the powerl	ooms installe	d :							
	REED SPACE	Number	Make of	Year of		TYPE		AT"	- —- ГАСНМ	 ENT
	Inches/Cms	of looms	looms	make	Plain	Auto matic	Shuttle less	Dobby	Drop Box	Jac quard
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
6.	I solemnly affirm the (i) The Registration (ii) I have fixed a ple powerlooms instance.	No. has been ate on the o	outside of	the pernis	es where	, ,	ms are instal	licd, indi	_	he number of purs faithfully,
Place	:							(Signat	ure of t	the Applicant)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 9th April 1986

No. A-32013(5)/85-Admn.III.—The President is pleased to appoint with effect from 17-2-1986 and until further orders Shri D. Jayaramajah, as Deputy Director (Weaving) in the Weavers Service Centre, Vijayawada.

INDIRA MANSINGH Jt. Development Commissioner of Handlooms

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SFCTION-6)

New Delhi-110 001, the 21st April 1986

A-17011/310/86/A.6.—The Director General Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri Subrata Paul Choudhury, Examiner of Stores (Engineering) in the office of Director of Inspection, Calcutta, to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same office from the forenoon of 10th March, 1986 and until further orders.

> R. P. SHAHI Dy. Director (Admn.)
>
> for Director General of Supplies and Disposals

TABLE CONTRACTOR THE THE PROPERTY OF THE STATE OF THE STA

MINISTRY OF STFEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 21st April 1986

No 2310B/A-19012(2-PG) /85/19B.—Shri Parvinder Singh Gill is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Assistant (Beophysicist in the GSI in the minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 26-2-1986, until further orders.

The 23rd April 1986

No. 2400B/A-32013(3-D.Chem)/85-19B.—The President is pleased to appoint Dr. K. N. Mathur, Chemist (Senior) of the Geological Survey of India on promotion as Director (Geo-Chemistry) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-2000/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31-3-86, until further orders. further orders.

The 24th April 1986

 $2441B/\Lambda - 32013(4-Driller)/83-19B$ -—The following officers of the Geological Survey of India are appointed on promotion to the post of Driller in the G.S.I. by the Director General, G.S.I. on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the date mentioned against each until further orders.

Sl. No. and Date of joining

Shri H. R. Bhardwei STA (Drilling)—30-1-86 (FN) Shri N. S Sodha, STA (Drilling)—30-1-86 (FN).

Nα 7459B /Λ-32013(4-Driller) /83-19B.—The officers of the Geological Survey of India are appointed on promotion to the post of Driller in the G.S.L. by the Director General G.S.I. on pay according to rules in the scale of Rs 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in an officiating caracity with effect from the date mentioned against each until further orders.

Sl. No. and Date of Johning

1. Shri Santosh Roy, STA (Drilling)--31-1-86 (AN). 2 Shri I. I. Verma STA (Drilling) 24-2-86 (FN).

No. 2473B/A-19012(3-AVR)/85-19B.—Shri A. V. Reddy, STA (Chem.), Geological Survey of India is appointed by the D.G., GSI, to the post of Asstt. Chemist in the same Department, on pay according to rules in the scale of pay of of Rs. 650-30-740-35-810-FB-880-40-1000-FB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the foremon of the 21-2-1986, until further orders.

No. 2485B/A-19012(3 GCS)85-19B.—Shri Gobin Chandra Saikia, STA (Chem.), Geological Survey of India is appointed by the D.G., GSI, to the post of Asstt. Chemist in the same Deptt., on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary cannot with affect from the fragment. temporary cepacity with effect from the forenoon of the 21-2-1986, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 23rd April 1986

No. A-19011(87)/84-Estt A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. S. Das, Deputy Controller of Mines, Indian Bureau of Mines heen promoted to the nost of Regional Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14th February, 1986, until further orders ther orders.

No. A-19011(392)/86-Fstt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri R. S. Nogia, Administrative Officer, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiale in the post of Sr. Administrative Officer in the Indian Bureau of Mines, Aimer w.e.f. the forenoon of 20th March, 1986.

P. P. WADHI Administrative Officer. for Controller General. Indian Bureau of Mines

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 23rd April 1986

No. A-31014/2/84-Est.I.-The competent authority hereby approints the undermentioned officials in the Films Division in the substantive capacity in the post of Assistant Administrative Officer with effect from the dates shown against each :--

Sl. No., Name of the official and Date

- 1. Shri V. R. Peswani--1-8-1981.
- 2. Shri D N. Pande—12-8-1981.

N. N. SHARMA Administrative Officer for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th April 1986

No. A-38013/4/85-Admn-I.—On attaining the age of superannuation Shri Niranjan Dass, Section Officer retired from Government Service on 31-3/1986 (AN).

The 25th April 1986

No. A-12025/4/84-Admn-I.-The President is pleased to anpoint Shri I. C. Iaisaini to the post of Assistant Director General (PFA) in the Directorate General of Health Services New Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of 17th March, 1986 and until further orders.

P. K. GHAI Dy. Director (Administration) (C&B)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 3rd April 1986

No. PA/76(1)/85-R-III/692--Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the following officials to officiate as Assistant Accounts Officers in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in this Research Centre with effect from the dates mentioned against each until further orders:—

Sl. No.	Namo	Pmt./Temp. post held in the office.	Date of apptt. as Asstt, Accounts Officer.
	ım, Bhamidipathy salakshi	Pmt. UDC & officiating Asstt. Accountant in BARC.	25-3-1986 (AN)
	at. Rappal Variyathu ochumadhavi	Pmt, UDC & officiating Asstt. Accountant in BARC.	27-3-1986 (FN)
	ri Vadukkunchery layudhan Mohanan	Pmt, UDC in NPB and officiating Asstt, Accountant in C&S Group.	25-3-1986 (AN)

N. L. VENKITESWARAN Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

reconstruction and an address without the same and the same

Bombay-400 001, the 17th April 1986

No. DPS. 2. 1(11)/83-Adm. 2209.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. Ramesh Chander, a permanent Store-keeper to officiate as an Assit. Stores Officer in a temporary capacity on a regular basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 19-2-1986 (FN) until further orders in the same Directorate.

No. DPS/2/1(11)/83-Adm./2219.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. C. Sharma, a permanent Storekeeper and officiating Chief Storekeeper to officiate as an Asstt. Stores Officer on a regular basis in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 25-3-[986 (AN) until further orders in the same Directorate.

No. DPS/2/1(11)/83-Adm./2229.—The Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri C. Ponniah, a permanent Ir. Storekeeper and officiating Storekeeper to officiate as an Asstt. Stores Officer on a regular basis in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 21-2-1986 (FN) until further orders in the same Directorate.

B. G. KULKARNI Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 23rd April 1986

No. NFC/PAR/0703/698.—Deputy Chief Executive (A), NFC appoints Shri J. Suryanarayana Rao, Assistant Accounts Officer to officiate as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis w.c.f. 1-4-86 to 20-5-86 or until further orders, whichever is earlier.

No. NFC/PAR/0703/699.—Deputy Chief Executive (A), NFC appoints Shi N. Bharathen, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad-hoc basis w.e.f. 1-4-1986 to 20-5-1986 or until further orders, whichever is earlier.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Administration

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 26th April 1986

No. AMD-8/1/86-Rectt/6347.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby Shri M. S. Viswanatham, a permanent Assistant Officer, Atomic Minerals Division to officiate as Security Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from 5-4-86 to 30-5-86 vice Shri S. K. Saraf, Security Officer proceeded on leave.

S. PADMANABHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE `ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 17th April 1986

No. 020/1(15.1) 86-Est.I.—Director, ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from the service of Shri A. C. Halemani from the post of Scientist/Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space with effect from the afternoon of April 15,

H. S. RAMADAS Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st March 1986

No. $\Lambda.12025/2/84$ -EW.—The President is pleased to appoint Shri R. A. Thakur to the post of Senior Electrical & Mechanical Officer in the Civil Aviation Department, in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600, in a officiating capacity with effect from 27th February, 1986 (F.N.) and until further orders.

Shri Thakur is posted to the Electrical and Mechanical Workshop, Safdarjang Airport, New Delhi.

VED PRAKASH Deputy Director (Admn.)

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 31st March 1986

No. 1/564/86-EST—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints the following Supervisors as Dy. Traffic Managers, in an officiating capacity, with effect from the date and at the Branch shown against each, until further orders:—

Name						Present Branch of posting	Branch of posting upon appointment as Dy. T. M.	Date on which apptt. as Dy. T. M.
2			-	- 		3	4	5
. Bhaskaran						Bombay Branch	New Delhi Branch	13-1-1986
Gopalan						Madras Branch	Madras Branch	19-12-1985
. Rama mbhana Ra	0					Madras Branch	Madras Branch	4-1-1986
K, Chaterjee						Calcutta Branch	Calcutta Branch	4-1-1986
	. Bhaskaran Gopalan	2 . Bhaskaran . Gopalan . . Ramamohana Rao	2 . Bhaskaran Gopalan . Ramamohana Rao .	2 . Bhaskaran Gopalan Ramamohana Rao	2 Bhaskaran Gopalan Ramamohana Rao	2 Bhaskaran Gopalan Ramamohana Rao	Of posting 2 3 . Bhaskaran Bombay Branch Gopalan Madras Branch . Ramamphana Rao Madras Branch	of posting appointment as Dy. T. M. 2 3 4 Bhaskaran Bombay Branch New Delhi Branch Gopalan Madras Branch Madras Branch Ramamohana Rao Madras Branch Madras Branch

R. K. THAKKER Dy. Dir. (Admn.) fo Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE

Kanpur, the 21st April 1986

No. 1/86—Consequent upon their promotion to the grade of Superintendent Group 'B' in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-, the following Inspectors (Senior grade), Central Excise assumed/took over the charge

of Superintendent of Central Excise, Group 'B' on the dates and places mentioned against each:--

Sl. No.	Name of the office	er	Place of posting	Date of assumption of charge on promotion
	Shri	_		
1, P.	B. Suri		Kanpur-II Divn.	30-9-85
2. Pa	ratul Chand Roy		Kanpur-II Divn.	20-12-85

No. 2/86—The following Group 'B' officers of this Collectorate retired from Government service on attaining the age cisuperannuation with effect from the dates mentioned against each:—

Sl. Name of the office No.	·							Date of retirement
1. Shri R. N. Mishra	•					Supdt. Gr. 'B'	Kanpur-I Divn.	31-10-1985
2. Shri J. P. S. Maurya						Do.	Farrukhabad Divn.	30-11-1985
3. Shrì P. C. Saxena .						Do.	Hdqrs. Office, Kanpur	31-1-1986

No. 3/86—The following Group 'B' officers in the grade of Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer/Examiner of Accounts, Central Excise Collectorate, Kanpur retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the dates mentioned against each:—

Sl. Name of the office No.		er			Date of retirement		
1.	Shri Iftkhar Ahmad				31-12-1985		
2.	U. R. Sen				31-12-1985		

No. 4/86—Consequent upon their promotion to the grade of Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer Examiner of Accounts, Gr. 'B' in the scale of pay of Rs. 650-30-

740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-, the following Office Superintendents of Central Excise assumed/took over the charge of Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer/Examiner of Accounts of Central Excise, Gr. 'B' on the dates and places mentioned against each;—

SI. No.	Name of the officer	Place of posting	Date of assumption of charge on promotion	
1	2	3	4	
1. 8	ihri S. M. L. Srivastava, A	O Farrukhabad Divn.	10-1-85	

1 2	3	4
2. S. D. Bhanu, AO	. Aligarh Divn.	9-12-85
 K. N. Sinha, AO M. S. Siddiqui 	. Sitapur Divn. . Agra Divn,	31-1-86 8-4-86

G. S. MAING Collector

Central Excise, Kanpur

Vadodara, the 21st April 1986

No. 11/86.—Shri N. V. Jotwani, Assistant Collector, Central Excise and Customs (Gr. 'A'), (Tech. Br.), Hdqrs. Office, Vadodara on attaining the age of 58 years on 7-4-86, shall retire on superanauation in the afternoon of 30-4-1986.

No. 12/86.—Shri T. B. Upadhyay, Superintendent of Central Excise & Customs (Gr. 'B') (Training School), Hdgrs. Office, Vadodara on attaining the age of 58 years on 1-5-86, shall retire on superannuation in the afternoon of 30-4-86.

A. M. SINHA Collector Central Excise & Customs Vadodara

Vadodara, the 23rd April 1986

No. 13/86—The Collector, Central Excise & Customs, Vadodara is pleased to appoint/promote the following officers of the grade of Inspector (OG) Central Excise and Customs to officiate in the grade of Superintendent, Group 'B' of Central Excise & Customs in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates indicated against their names:

Sl. No.	Name		-		Date of appointment/promotion in Gr. 'B'.
1	2	-			3 —
	S/Shri				
1.	Narsinghani K.K.				5-8-85 F.N.
2.	Mulchandani U.G.				9-8-85 F.N.
3.	Naik D.M				8-8-85 F.N.
4.	Mansata B.M.				12-8-85 F.N.
5.	Rawal B.H				2-8-85 A.N.
6.	Desai C.R				5-8-85 A.N.
7.	Bhatt H.A				2-8-85 A.N.
8.	Nair P. N.				25-7-85 A.N.
9.	Shah M.M				23-8-85 F.N.
10.	Refai S.N.H				31-7-85 A.N.
11.	Shaikh A.G				2-8-85 A.N.
12.	Acharya B. J				2-8-85 A.N.
13.	Bhatt Himatlal A.				5-8-85 A.N.
14.	Dungra P. V				12-8-85 F.N.
15.	Deshmukh R. J.				12-8-85 F.N.
16.	Vaidya G.C.				22-8-85 F.N.
17.	Joshi G. V.				1-1-86 F.N.
18.	Joshi N. G.				31-10-85 A.N.
19.	Garge C. B.				4-12-84 F.N.
20.	Pathan K. N.				30-10-85 F.N.
21.	Shah H. P				5-12-85 F,N.
22.	Bhatt S. N			٠	28-11-85 F.N.
23.	Shah M. A.				5-12-85 F.N.
24.	Patel P. B.				28-11-85 F.N
25.	Gohel M. N				9-12-85 F.N.
26.	Patel M. J.	_ :_			7-4-86 F.N.

M. A. BHEMAIAII
Deputy Collector (P & E),
Central Excise & Customs
Vadod ara

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 17th April 1986

No. 5,86.—On his retirement on superannuation, Shri A. R. Sarbajna relinquished charge of the post of Inspecting Officer Gr, 'B' in the East Regional Unit of the Directorate General of Inspection, Customs & Central Excise, Calcutta w.e.f, 31-3-86 (AN).

No. 6/86.—Shri Ved Prakash Makol, lately posted as Addl. Assistant Director in the Directorate of Organisation and Management Services, New Delhi on his reversion to this Directorate General of Inspection (C.& C.F.) vide Directorate of Organisation & Management Services, (C.& C.E.) Relief Order No. 532/1/82-O&MS dated 31-3-86 assumed charge of the post of Asstt. Chief Accounts Officer w.e.f. 1-4-86 (FN).

B. K. AGARWAL Director General of Inspection

CENTRAL FLECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110 066, the 11th April 1986

No. 4/86.F. No. 22/2/85-Adm.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Kirpal Singh, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27th February, 1986, until further orders.

R. SESHADRI Under Secy. for Chairman

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 1st April 1986

No. 30/4/82-ECI.—The President is pleased to confirm Shri Sita Rom Pandey in the grade of Assistant Executive Engineer (Civil) in Central Engineering Service Group 'A' in the Central Public Works Department with effect from 1-3-1975.

K. C. DEHURY Dy. Director of Admn.

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 8th May 1986

No. A-19012/5/86-Adm.B.—President of India is pleased to appoint Shri H. K. Saxona, Superintendent (Legal) in the Department of Legal Affairs Ministry of Law and Justice, Government of India, New Delhi, to the post of Assistant Director of Estates (Litigation) in the Directorate of Estates with effect from the forenoon of 29th April, 1986 vice Shri S. B. Sharan, Assistant Director of Estates (Litigation) transferred.

LACHHMAN DASS Dy. Director of Estates (E)

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Masona Pvt. Ltd.

Bombay-2, the 16th April 1986

No. 693/4039/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Masona Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Eagle Films & Finance Private Limited

Bombay-400 002, the 16th April 1986

No. 719/13795/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Eagle Films & Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/x. Ohms & Farads Corporation Private Limited

Bombay-400002, the 17th April 1986

No. 724/12215/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Ohms & Farads Corporation Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sobner Pvt. Ltd.

Bombay-2, the 17th April 1986

No. 658/16941/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sobner Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. A. H. F. Hosiery and Readymakes Pvt. Ltd.

Bombay-2, the 17th April 1986

No. 663/19428/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. A. H. F. Hosiery & Readymakes Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. RADHAKRISHNAN Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

FORM I.T.N.S.——

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 196-BAPUJI NAGAR BHUBANESWAR-751009

Bhubaneswar-751009, the 8th April 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CTC/86-87.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

No. 4056 situated at Bisihabar (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Cuttack on 31-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the filteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Kami Bewa W. o Late Jayee Barik Smt. Kuntala Ku. Dei W/o Pandhu Pradhan, At Shankarpur Tala Sahi, Madhupatna, Cuttack.

(Transferor)

(2) Shri Gyanendranath Das S/o Sri Baishnaba Charan Das At Shamanta Sahi, Ps-Purighat, Dist. Cuttack (Orissa).

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dist. Cuttack, P.S/Cuttack town No. 214, Mouza-Bahara Bishi Nabar Khata No. 806, Hal Khata No. 62, Khasada No. 3261 Area Ac 0.087 out of Ac 0.166 & Khasada No. 3256 Area AC 0.63 out of Ac 0.448, Total area is Ac0.150

R. C. SETHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 196, Bapuji Nagar, Bhubaneswar

Date: 8-4-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri B. Sadashiva Rai Devi Kripa, Vas Lane, Balwatta, Mangalore.

(Transferor)

(2) Shri Stephen Robert D'Souza, repd by Mr. John B. Lobo, Lobo Vihar, Bejai, Mangalore.
2. Hiran Lobo Kavitha apartments Bendus. Mangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1986

C.R. No. 62/48321/85-86/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAÍ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. RS. 228-1 (Apt. No. T3), situated at
No. 87A, Kadri Village, Mangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto... has been transferred under the Registration Act 1908.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 26-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fah market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 772/85-86 dated 26-8-85) Apartment No. T3, III floor Kavitha Apartments in 87A, Kadri Village, Mangalore, R.S. No. 228-1, TS No. 312-1, North Western Portion.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-4-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Popular Builders, Md. Kant Road, Mangalore,

(Transferor)

(2) Alexander Willian Groveas, Rose Willa, Battagudde, Kadri Kambla Road, Mangalore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1986

C.R. No. 62/48370/85-86/ACQ/B,—Whereas, 1, R. BHARDWAJ.

R. BHARDWAJ.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. RS 361/1 (apartment No. 3), situated at
Attavar Village, Mangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 19-8-1985

for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability off the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 844/85-86 dated 19-8-1985) 1/16th right in RS No. 361/1, TS No. 236/1, Attavar Village, Mangalore, with apartment No. 8.

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Scal:

Date: 7-4-1986

ing persons, namely:—30—66GI/86

FORM ITNS----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri B. Sadashiva Rai Devi Kripa, Vas Lane, Balwatta, Mangalore.

(Transferor)

(2) Shri Henry Antony Pinto, D. No. 17-15-1162, S.L. Mathias Road, Falvir, Mangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1986

C.R. No. 62/48319/85-86/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

No. RS 228-1 (Apartment No. FR4) situated at No. 87A. Kadri Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule apprexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 23-8-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the tiffeen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- other person interested in the said (b) by any immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 766/85-86 dated 23-8-1986) Apartment No. FR 4, IV floor, of Kavitha Apartments, situated in No. 87A, Kadu Village, M'lore

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore.

Date: 7-4-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1986

C.R. No. 62/48540/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 11 & 11A situated at Gurukar Devana Street

Kille Mohalla, Mysore (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Mysore on September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I, hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Shri H. S. Shankara Rao, & his minor Children, 67/16, Gurukar Devauna Street, Kille Mohalla, Mysore.

(2) Shri H. A. Venkatachalapathy Setty. K. R. Nagar Road, Hunsur Town, Mysore Dist.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are degned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2656/85-86 dated Sep. 85) Property No. 11 & 11A, Gurukar Devauna Street. Kille Mohalla, Mysore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 7-4-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE "NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Parijnan Co-op. Housing Society Ltd., Mangalore Secretary : Sri Ashok Moodabidri

(Transferor)

(2) Shri K. Shashidhar Rao, A2, "Parijnan Co-op. Housing Society Ltd. G.H.S. Gross Road, Mangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1986

C.R. No. 62/48332/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. RS No. 519/1 A1, situated at Casba Bazaar Village,

Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 30-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 811/85-86 dated 30-8-1985) Property RS. No. 519/1A1, Casba Banzaar Village, Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-4-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT, OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1986

C.R. No. 62/48325/85-86/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. TS 236-1, situated at Attavar Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 26-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the parties has not been truly stated in the said last of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of th of the transferor to pay tax pect of any income arising from the tra

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). (1) M/s. Popular Builders, Old Kent Road, Mangalore-1.

(Transferor)

(2) Lawrence Madtha. Apartment No. C-4, II floor, Parvathi Anautha Apartment Complex old Kent Road, Mangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 476/85-86 dated 26-8-1985) Apartment No. C-4 in II floor, RS. No. 361/1 TS No. 236/1, in Attavar Village, Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-4-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1986

C.R. No., 62/48253/85-86/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 7/10A-9 situated at Kumara Krupa Road,

High Grounds Bangalore-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Ollice of the Registering Officer at Gandhinagar on 12-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as eforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri H. S. Subba Setty, 12/3, Cambridge Road, Ulsoor, Udawi layout, Bangalore-8.

(Transferor)

(2) 1. Shri Anil R. Jain Shri Amit R. Jain, Minors repd by Mr. M. Rikabchand, Panchsheel Building, III Cross, Gandhinagar, Bangalore-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1442/85-86 dated 12-8-85) Property No. 7/10A-9, Kumar Krupa Road, High Grounds Bangalore-1.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bangalore

Date: 7-4-1986

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Old Kent Road, Mangalore-1.

(1) M/s. Popular Builders,

(Transferor)

(2) Shri Bola Gopalaktishna Kamath, 12/331, Jawahar Nagar, Goregaon (West), Bombay-62,

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1986

C.R. No. 62/48367/85-86/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWΛÍ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing RS No. 361/1 (Apt. No. C2) situated at Attawar Village, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 30-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pushoses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 845/85-86 dated 30-8-1985) Apartment No. C2, It floor, in RS No. 361/1, Attawar Village, Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 7-4-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1986

C.R. No. 62/48360/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11, situated at Cunning Lane Crescent, Bangalore

11, situated at Cunning Lane Crescent, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 22-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Edward Fenton Moir, 125, Head Road, Brimha Devou, England presently at Bangalore.

(2) Shri M. L. Ranjit & another repd. by S. A. Khayum, 22, Panchsheel 64, Pali Hills, Bombay-50.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1890/85-86 dated 22-8-85)
Portion of premises No. 4, Cunninglane Crescent, B'lore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preserty by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely :--

Date: 7-4-1986

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1986

C.R. No. 62|48209|85-86|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 67, situated at A. Kadir Village, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Bargistration Office at

of 1908), in the Office of the Registering Office at Mangalore on 14-8-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be distloyed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 31--66GI/86

(1) Shri B. Sadashiva Ral, Devi Kripa, Vas Lane, Babuatta, Mangalore.

(2) Shrimathi Agues D' Souza, repd. by Mr. P. M. Castelino, Bikarnakatta, Kulshekar, Mangalore.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 735/85-86 dated 14-8-85)

Apartment No. FRI, IV floor of the Kavitha Apartments. in No. 87, A. Kadri village, Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-4-1986

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1986

C.R. No. 62/48202/85-86|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 87A, situated at Kadir Village, Mangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

Mangulore on 12-8-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: sted for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri B. Sadashiva Rai, Devi Kripa, Vas Lane, Babuatta, Mangalore.

(2) Cyril Patrao. C/o Mrs. Lilly Lobo. Vas Lane.

High Lands, Mangalore.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the atoresate persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property. within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 721/85-86 dated 12-8-85) Property No. 87A, Kadir village, Mangalore.

TS No. 312-1, RS. No. 228-1, Apartment No. F3, I floor, Kavitha Apartment having the plinth area of 953 sq. ft.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-4-1986

Seal ;

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1986

C.R. No. 62|48318|85-86|ACQ|B,-Whereas, I, R. BHARDWAJ.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatur referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. TS. 312-1 (Apt. No. 52),
situated at Kadri Village, Mangalore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Mangalore on 23-8-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of :-

- (8) facilitating the reduction or everice of the M of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; يها القة
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri B. Sadashiya Rai, Devi Kripa, Vas Lane, Balmatta, Mangalore.

(Transferor)

(2) Shrimathi Mabel Mendonca, W/o Vincent Mendonia, Mananpady, Village, Mulki.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 760/85-86 dated 23-8-85)

Appartment No. 52, II floor of the Kavutha Apartments, in Kadri Village, Mangalore.

> R. BHARDWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangaiere

Date: 7-4-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Popular Builders, Old Kent Road. Mangalore-1,

(Transferor)

(2) Shri Jayananda Bangera, Parvathi Anantha Apartment Complex, Old Kent Road, Mangalore-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1986

C.R. No. 62/48203/85-86|ACQ|8.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore,

Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. RS. No. 361|1 (Apt. No. B1), situated at Attavar Village, Mangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mangalore on 13.8-85.

Mangalore on 13-8-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment or any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n he sad immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 722/85-86 dated 13-8-85)

Apartment No. B-1, 1/16th Share in RS No. 361/1, in Attavar Village, Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore

Morr, therefore, in pursuance of Section 26 °C of the said Act, I hereby inlights proceedings for the accusaition of the aforesaid property by the learns of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-4-1986

Scal:

PART III-SEC. 11

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Popular Builders. Old Kent Road, Mangalore-3.

(Transferor)

(2) Shri Alexander William, Goveas, Rose Villa, Battagudde, Kadri Kambla Road, Mangalore-4.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1986

C.R. No. 62|48369|85-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. RS. 361|1, TS. No. 236|1, situated at Attawar Village, Mangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 19-8-85,

for an apparent consideration which is less than the thir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquireters of the agin property may be made a writing to the undersigned :-

- (a) by any or the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expired later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: कार्य / वर

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 843/85-86 dated 19-8-85) Property No RS. 361/1, TS. No. 236/1, Attawar Village, Mangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moregy or other assets which have not been or which poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

R. BH. RDWAJ Competent Authority Insteeding Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-4-1986

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri T. N. Narendra Reddy, No. 1/11, Ulsoor Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s Jet Air P. Ltd., Unity Buildings, No. 12, M-Block, J.C Road, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1986

C.R. No. 62[48191]85-86[ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

No. 4, situated at Binnamanyala II Stage, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 14-8-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested i nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomet ix Act, 1922 (11 of 1922) or the esaid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1487[85-86 dated 14-8-85)

Fremises No. 4, Binnamangala H Stage, Indiranagat, Bangalo.e.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 26t C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acq tisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :-

Late: 7-4-1986

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1986

C.R. No. 62|48176|85-86|ACQ|B.--Whereas, 1, R. BHARDWAJ.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1084, situated at HAL II stage Indiranagar, Bangalore.

transfer with the object of :---

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Shivajinagar vide Document No. 1380/85-86

dated 5-8-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. O. M. Mathews, 1084 HAL II Stage Extn. Indiranagar, Bangalore,

(Transferor)

(2) Mr. Karamjit Singh Gill 1084, HAL II Stage Extn. Indiranagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1380/85-86 dated 5-8-85)
Property No. 1084 HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-4-1986

OF MICH

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4125 Acq 23/I/85-86.—Whereas, J. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Plot No. 833 BH Mahila,

College. Krishsagar—Bhavnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at

Bhavnagar on 8-8-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of frection 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shantilal Mohanlal Parikh, 'Prasad'—Khandubhai Desai Marg, Ville Parle (West) Bombay-56.

(Transferor)

(2) M/s Nandanvan Co.o. Hsg. Socy. Main Organizer, Shri Vasharambhai Mohanbhai Patel, Plot No. 855 BH Mahila College, Diamond Chowk, Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 833 B/H Mahila College Krishnagar, Bhavnagar R. No. 2389 Dt. 8-8-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 18-3-1986

FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4126 Acq 23/1/85-86,---Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kochrab TPS 3 FP 634 FP/2 Vrandavan Aptt. Gulbai Tekra Flat No. 3 GR & F.F. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Ahmedabad on 3-8-1985.

Ahmedabad on 3-8-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or.
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--32--66GI/86

(1) Vishunbhai Narandas Soni Vrandavan Aptts. Gulbai Tekra-Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Vinodkumar Ishvarlal Soni 3-Vrandavan Aptt. Opp. Venudhar Socy Gulbai Tekra, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kochrab TPS 3 FP 634 SP 12 Vrandavan Aptt. Flat No. 3 G.F. & F.F. Gulbai Tekra.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedahad

Date: 18-3-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4127 Acq. 23[1]85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing

Rs 1.00,000/- and bearing Bldg, and Land S. No. 22 TPS 6 FP 268 to 278 Gujarat Brahami/shtriya Co--op. Hsg. Socy. Ltd. Plot No. 9,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Ahmedabad on 29-8-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Incultating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Natwarlal Chandulal Desai
 Atit Flats, Nr. Chandranagar Bus Stop, Narayan Nagar, Paldi, Ahmedabud.

(Transferor)

(2) Shri Dharamsibhai Pragjibhai Modesia, 19—Patel Socy. Nr. Panchvati Petrol Pump, F.B.—Ahmedabad-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old Bldg, with land S. No. 22 TPS 6 FP 268 to 278 Guj. Brahamkshatriya Co.op. Hsg. Socy. Ltd.

Plot No. 9. R. No. 9246 Dt. 29-8-85.

P. D. KHANDELWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 18-3-1986

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1911)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Pravinbhai Natwarlal, Ramnagar, Sabarmati—Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Nund Prayag Aptt. Association, Pramotor-Narsibhai Keshavbhai, Par Darshak Socy. Sattelite Road, Ahmedabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4128 Acq. 23[I]85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Shekhpar-Khanpur TPS 3 FP 218 SP 3A,

Land adm. 403 sq. yds. plinth 134.80 sq. mirs: (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Ahmedabad on 28-8-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gametia.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sehkhpur Khanpur TPS. 3 FP 218 SP 3A Land adm. 403 sq. yds. plinth 134.80 sq. mtrs. R. No. 9180 Dt. 28-8-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 18-3-1986

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4129 Acq. 23|I|85-86.--Whereas, I,

Ref. No. P.R. No. 4129 Acq. 23|1|85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Kalupur Wd. No. 3 Sheet No. 40 C.S. No. 3605-B
Land adm. 1000.42.85 sq. mtrs—120 sq. yds.—1080 sq. ft. with construction unto plinth

with construction upto plinth,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Ahmedabad on 9-8-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be transfer as agreed to be transfer as agreed to be transfer as the solid part of the solid part between the parties has not been truly stated in the said continument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following cersons, namely :---

(1) Smt. Bhagvantiben Lachhamandas Gokalani, 11, Tilaknagar Socy, Nr. Wadaj Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Jumson Corporation, Registered Firm, Relief Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given w that Chapter.

THE SCHEDULE

Kalupur ward No. 3 sheet No. 40 C.S. No. 3605-B Land adm. 100.42.85 sq mtrs.-120 sq. yds.-1080 sq. fts. with construction upto plinth.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 20-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ratishbhai Baldevprasad Shukla 2, Anand Appartments, Vikas Gruha Road, opp. Trikamlal Chali, Paldi, Ahmedabad, (Transferor)

 The Manager, The Sarangpur Co.op. Bank Ltd, Besides Talia's Pole, Sarangpur. Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABED-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th March 1986

Ref. No. P.R. 4130Acg 23/1/85-86.-Whereas, I, P. D. KHANDI LWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Two storeyed old Bldg. nr. Pritamnagar First Dhal TPS. 3 F.P. No. 826 E.B. Ahemedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the registering officer

at Ahemedabad on 20-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed old Bldg. near Pritamnagar First Dhal TPS. 3 FP No. 826 E.B. A'bad.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road, Ahmedabed-380 009

Dated: 20-3-1986

FORM ITNS ----

*O'IICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND I-LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABED-380 009

Ahmedabed-380 009, the 20th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4131 Acq 23/I/85-86,—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL. Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Open land adm. 990 sq. mtrs=1188 sq. yds. in Acher seem S. No. 35/2/A Hissa No. 2A TPS. 23 FP No. 740 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at

Ahmedabad in August, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and (0)
- (b) facilitating the concealment of any mooms or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weslth-ta' Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Navnitlal Amulakhray, 21, Subashnagar, Shahibag-Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Bipinchandra Kanaiyalal Laheri, Director, Ferry Land Construction & Investment Pvt. Ltd., Man Bhuvan, Opp. Gurukurpa Guest House, Sheth Mangladas Guest House, Sheth Mangldas Road, E.B.-A'bad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Open Land adm. 990 s. mtrs.:=1188 sq. yds. in Acher seem S. No. 35/2/A Hissa No. 2A TPS. 23F.P. No. 740 R. No. 3720 Dt: Aug. 1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabed-380 009

Date: 20-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

1

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Deviptasad Mahadevprasad, New Gujar at Cotton Mill Compound Naroda Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Dr. Kishor Shivbhagwan Agrawal on behalf of Gujarat Medical Centre, 63, Law Garden Appartment, Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABED-380 009

Ahmedabed-380 009, the 21th March 1986

Ref. No. P.R. 4132.Acq.23/85-86,--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land in Budakdev sim S. Nos. 18/2, 18/4 and 18/5 adm.

94 Gunthas=11374 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the registering officer at Ahmedabad on 6-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in nursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

Land in Bodakdev sim S. Nos. 18/2, 18p4 and 18/5 adm. adm. 94 Gunthas=11374 so. yds.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road, Ahmedabed-380 009

Date: 21-3-1986

PORM FINS....

 Shri Ramehand Lachhamandes Gokalani, 11, Tilaknagar Socy., Nr. Wadaj, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s Jumson Corporation, Registered Firm, Relief Road, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOCR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4133/Acq.23/1/85-86.—Whereas. I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kalupur Ward No. 3 Sheet No. 40 C.S. No. 3605-K Land adm. 458.57.09 sq. mtrs.=550 sq. yds.=4950 sq. ft. with construction upto plinth

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabuity of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 cli or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Kalupur Ward No. 3 Sheet No. 40 C.S. No. 4605-K Land adm. 458.57.09 sq. mtrs. 4950 sq. ft. with construction upto plinth.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 21-3-1986

PORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4134/Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kalupur Ward 3 Sheet No. 40 C.S. 3605-K Land adm.

105.55.53 sq. mtrs.=126 sq. yds.=1134 sq. fts with construc-

tion upto plinth

33-66GI/86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- the fabilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tue Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Lilaben Mohanbhai Patel, A-6, Urmi Appartment, Nr. Parimal Rly, Crossing, Paladi, Ahmedahad,

(Transferor)

(2) M/s Jumson Corporation, Registered Firm, Relief Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preservy within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kalupur Ward 3 Sheet No. 40 C.S. No. 3605-K Land adm. 105.55.53 sq. mtrs.—126 sq. yds.—1134 sq. fts. with construction upto plinth.

> P. D. KHANDEI WAL Competent Authori y Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 21-3-1986

Scal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4135 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Paldi TPS. 21 FP No. 521, 547, 548, 549 and 550 SP No. 3 Bidg. on the Land 1036.8 sq. yds.—864 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 28-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ramanlal Dholidas Shah, 3, Navyug Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

(1) Shri Shyamsunder Hemraj Tikwani, Rangwala Flats, Dhulia Coat, Nr. Gujarat College, E.B. Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 8—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Paldi-TPS, 21 F.P. 521, 547, 548, 549 and 550 SP No. 3 Bldg, on the land 864sq.mtrs.=1036.8 sq. yds. R. No. 9149/ 50 dated 28-8-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;--

Date: 21-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabed-380 009, the 19th March 1986

Ket. No. P.R. No. 4136/Acq.23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDFLWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable

as the Said Act.) have reason to believe that the initiovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Rakhial TPS., 10 FP No. 10-B Plot No. 4-A land adm. 290 sq. yds. and Bldg. ith furniture
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the officer of the rapistaring officer. 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 13-8-1985

apparen? consideration for an which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Navinchandra Keshavlal, Partner of-Navyug Soap Factory, Padamgiri State, Ground Floor No. 2, Meerambica School Road, Naranpura, Ahmedabad-13

(Transferor)

(2) Saurashtra Rachanatmak Samittee, 4-A-Archana Industrial Estate, Opp: Rakhilul Post Office. Rakhial, Ahmedabad-380 023.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wriing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the whichever period expires later; the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Bldg, at 4-A Archana Industrial Estate Nr. Rakhial TPS, 10 FP 10-B R. No. 8398 dated 13-8-1985,

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-T, Ahmedabad

Date: 19-3-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4137/Acq.23/1/85-86,—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

while property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7 Second Floor in Uday Aptt. Association, Paldi S. No. 154+213 TPS. 6 FP 482 SP 27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the filter of the registration of the property of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Rameshbhai Shakarchand Shah, L.R. of Minor Vatsal Rameshbhai Shah and Utpal Rameshbhai Shah, Sumangal Aptt, 3rd Floor, Opp. . WIAA, Hanging Garden, Bombay.
- (2) Shri Jagdishbhai Jaysukhlal. Nr. Dena Bank, Bodbandar Road, Borivalli, Bombay

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Elat No. 7 Second Floor in Uday Aptt, Owners Asson. Paldi, R. No. 4934 reed. in August, 1985 from Registrar.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the followpersons, namely :-

Date: 24-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4138/Acq.23/1/85-86,--Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Chaadavada TPS 3 F.P. 683 SP 12.A Land adm. 670 sq. yds.

and old Bldg.

and old Blag.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 20-8-1985

or Ahmedabad on 20-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be a successive the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sarojiniben Wd/of Trikamlal Narandas Patel, The Krushna Co.-op, Hsg. Socy. Ltd., Law Garden, E.B. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sakarben, Wd/of Shankarlal Dawalbhai Patel, 32, Sabeena Aptt., Opp; M. J. Library, E.B. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Chhadawad TPS, 3 683 paiki SP No. 12 A Land adm. 670 sq. yds. and old Bldg.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 24-3-1986

Seal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Hakimchand K. Patel, H.P. House, Opp: Town Hall, Ahmedabad.

(Transferor)

 Shri Ishwarbhai Jethabhai Turstee of Maharshi Agriculture Research University, 41-Shyambal BH Yogshrama & Manek Bag Socy., Ahmedabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1986

Rcf. No. P.R. No. 4139/Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Kochrab seem TPS. 20 FP 311 SP-3 Land and Bldg. adm.

Kochrab seem TPS, 20 FP 311 SP-3 Land and Bldg, adm 360 sq. yds, & 439 sq. yds, rsply, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily stated in the said impresses of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (λ1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kockrab Sim TPS, 20 FP 311 SP 3 Land & Bldg. adm, 360 sq. yds. & 439 sy. yds. rsply, R. No. 8251 dated 9-8-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shii Bhulabhai Vithaldas Patel, 5-Rachana Socy., S. M. Road, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Shri Balubhai Tribhovandas, Maneklal Park Socy., Naranpura, Opp. Post Office, Ahmedabad-13.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4140/Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Wadaj Sim TPS. 29 FP 204 Plot No. 9 1/2 Bldg. in Manek-lal Park Sory, Narangura, Ahmedabad

lal Park Sozy. Naranpura. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ahmedabad on 1-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/2 Bldg, in Mancklal Park Socy., Naranpura Plot No. 9 TPS 29 R. No. 7855 dated 1-8-1985.

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 24-3-1986

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sushilakumariba Natwarsinhii Parmar, Near Mahila College, Surendranagar.

(Transferor)

(2) Smt. Pritiben Raghuvirsinh Jadeja & Ors., Near Mahila College, Surendranagar.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDI.OOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4141/Acq.23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Authority ander Section 269B of the Authority and the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H P at Wadhwan C.S. No. 349 Land adm. 500 sq. mtr. plus Bldg. 93.6 sq. mtr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Wadhwan on 23-8-1985

at Wadhwan on 23-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ead/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the concern to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explices later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at Wadhwan C.S. 349 Land adm. 500 sq. mtr. plus Bldg. Adm. 93.67 sq. mtr. R. No. 2965 dated 23-8-1985.

> P. D. KHANDEI WAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date : 27-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4142 Acq.-23/1/85-86.— Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. P. at Veraval—Land 401.89 sq. mtr. + Bldg. in 6 Blocks etc.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Veraval on 23-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in rescet of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34—66GI/86

 Smt. Kantaben Amrutlal, Smt. Rajanben Jagnath, R/o Lodhia Bldg., Satta Bazar, Veraval.

(Transferor)

(2) Narag Keshar Karodiya (Parmar) & Ors., At Village Nava Para—Tal. Veraval, Distt : Junagadh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. P. at Veraval—Block—Land area 401-89-98 sq. mtr. R. No. 2068 Dt : 26-8-85.

P. D. KHANDELWAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 27-3-1986

Scal ;

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4143 Acq.-23/I/85-86.— Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. P. at Gundawad, Landadm, 680 sq. yd. + Bldg. 215 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 20-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Motilal Virji Pandya, R/o 32, Karanpara, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Devjibhai Khimjibhai Parsana, R/o 'Kalyan', Gundawadi Main Road, Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. P. at Rajkot Gundawadi Land adm. 680 sq. yd. + 2008. 215 sq. yd. R. No. 5326 Dt : 20-8-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4144 Acq.-23/1/85-86.—
Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 402 on 4th Floor of the Bldg., Crescent. F situated
at Race Course Road, Rajkot Adm. 1450 sq. ft.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer
at 37EE filed on 19-8-1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly mated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 tool/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 J. S. Corporation, 48—Indra Narayan Road, Shanta Cruz, West—Bombay-54.

(Transferor)

(2) Smt. Chandrikaben Rasiklal Shah, C/o Mr. Rasiklal Chunilal Shah, R/o Angel Appartment, 22/23, New Jagnath Plot—3rd Floor, Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understance :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402 on the 4th Floor, of the Bldg. Crscent F situated at Ward No. 15, C. T. S. No. 1010, Race Course. Rajkot (Gujarat State) Adm, sq. ft. 1450 Form No. 37EE filed on 19-8-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, manuely:—

Date: 19-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4145 Acq.-23/I/85-86.— Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Suid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501 on 5th Floor of the Bldg. Crescent.F situated at Race Course Road, Rajkot Adm. 1125 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE filed on 12-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) J. S. Corporation, 48, Indra Narayan Road, Shanta Cruz, West, Bombay-54.

(Transferor)

(2) Shri Pravin Jerambhai Ashara & Smt. Varsha Pravin Ashara, R/o B-508, Jan Kalyan Aptt., Nr. Astron Cinema, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501 on the 5th Floor of the building Crescent.F situated at Ward No. 15, C.T.S. No. 1010, Race Course, Rajkot (Gujarat State) adm. sq. ft. 1125 Form No. 37EE filed on 12-8-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acruisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-3-1986

FORM I.T.N.S.-

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4146 Acq.-23/I/85-86.— Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Plat No. 401 on 4th Floor of the Bldg. Crescent-F situated at Race Course Road, Rajkot Adm. 1125 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE filed on 12-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mili Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. J. S. Corporation, 48—Indra Narayan Road, Shanta Cruz, West, Bombay-54.

(Transferor)

(2) Smt. Jashwanti Bhogilal Ghia, Mr. Bhogilal Valabhdas Ghia, C/o Bhigilal V. Ghia, R/o o, Neel Kanth Darshan, R. B. Marg, Ghatkopar East, Bombay-77 Bombay-77.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a seriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4t on the 4th Floor of the Bldg. Crescent-F situated at We d No. 15, C.T.S. No. 1010, Race Course, Rajkot (Gujar t State)—Adm. Sq. ft. 1125 form No. 37EE filed on 12-8-8 f.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of II one-tax Acquisition Range-I, Al medahad

Date : 20-3-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) J. S. Corporation, 48—Indra Narayan Road, Shanta Cruz, West, Bombay-54.

(1) Shri Rajnikant N. Mithani &

Rajkot.

Smt. Pratibha Rajnikant Mithani, C/o Narcadra P. Mehta, & Jivraj Plot-Shailesh Sadan,

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th March 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Ref. No. P. R. No. 4147 Acq.-23/1/85-86,-

Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 90 on 9th Ploor of the Bldg. Crescent B situated at Race Course Road, Rajkot Adm. 1125 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1008) in the Miller of the registration and lines. 1908) in the office of the registering officer

at 37EE on 1-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) Escilitating the reduction or evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the mid. Act, in respect of any income arising from the transfer; س/لمد

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-inx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 901 on the 9th Floor of the Bldg., Crescent-F situated at Ward No. 15, C.T.S. No. 1010, Race Course, Rajkot, Gujarat State—Adm. Sq. ft. 1125 form No. 37EE filed on 1-8-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the standard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 19-3-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) L. S. Corporation, 48- Indra Narayan Road, Shanta Cruz, West, Bombay-54.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pravin Jerambhai Aghara, Smt. Varsha Pravin Aghara, R/o A-2, Jankalyan Aptt. Sardarnagar Road, Raikot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4148 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

whereas, i. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Auhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501 on 5th Floor of the Bldg, Crescent.F situated at Race Course Road, Rajkot Adm. 1125 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE filed on 13-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in no arising from the transfer: and for

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or office assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Flat No. 501 on the 5th Floor of the bldg. Crescent.F situated at Ward No. 15, C.T.S. No. 1010, Race Course, Rajkot (Gujarat State)—Adm. Sq. ft, 1125 form No. 37EE filed on 13-8-85.

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-3-1986

والمبادل أأحط أأتحف فوالعمل والمجاوات والمعتدي المستنبي والمعتقي والمتدي المنطوع والمتابع المتابع FORM ITNS---

(1) Shri Jamnadas Nanjibhai, R/o Gopal Nagar-Sheri No. 5, Rajkot.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Rajendrakumar Amrutlal Bhojani, Shri Dilipkumar A. Bhojani, R/o Bhakti Nagar Socy., Sheri No. 6, Raikot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4149 Acq.-23/I/85-86.— Whereas, I. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
H. P. at Rajkot Bhakti Nagar Socy., Sheri No. 6, Land 280 sq. yd. + Bldg. 100 sq. yd.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 23-8-1985

at RBJKO on 23-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. P. at Rajkot Bhakti Nagar Socy., Sheri No. 6, Land 280 sq. yd. + Bldg. R. No. 4357 Dt : 23-8-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 24-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4150 Acq.-23/I/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

H. P. at Rajkot Land 880 sq. yd. + Bldg. S. No. 433/1, Plot No. 79

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 28-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ratilal Dahyabhai Patel (Hingarajja), R/o Parmar House, Swami Vivekanand Road, Ram Krishna Nagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) M/s. Deep Builders, 32—Jan Kalyan Socy. No. 1, Marg No. 1—Rajkot. Praful Nagindas Hirachand Modi, Deepakkumar Vinaykumar.

(Transferee)

(3) Transferors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. P. at Rajkot S. No. 433/1 paiki S. No. 79, Plot of land Adm. \$80-11 sq. mtr. + Bldg. R. No. 5607 Dt : 20-8-85.

P. D. KHANDELWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—66G1/86

Date: 20-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4151 Acq.-23/I/85-86.— Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H. P. at Rajkot Hajoor Palace Road, Parekh Bhuvan Adm.
192.3 sq. yd. Wd. No. 5—Shed No. 164
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 21-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Rasiklal Mohanlal Parekh & Ors. R/o Parekh Sheri-Hajoor Palace Road, Rajkot

(Transferor)

(2) Shri Manilal Pranjivan Parekh & Ors. R/o Parekh Bhavan-Hajoor Palace Road, Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

AHP at Rajkot-Hajoor Palace Road, Parekh Bhavan-Land adm. 192.3 sq. yd. + Bldg. Wd. No. 5, Sheet No. 164, S. No. 1954-55 R. No. 4323 Dt : 21-8-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 24-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4152 Acq.-23/I/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H. P. at Rajkot Saraswati Co.op. Hsg. Socy., Sp. No. 3, Adm.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that th) consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferce for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. Sarojiniben Rasiklal Doshi by P. A. H., Shri Ramesh Saubhagyachand Doshi, Shrce Kunj Saraswati Socy., Nr. Nirmala Convent School, Kalawada Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlaben Liladhar Bataviya & Shri Gokalbhai Devraj, Shree Kunj Saraswati Socy. Nr. Nirmala Convent School, Kalawad Road, Rajkot. Raikot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Axt, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Saraswati Socy, Plot No. 3, S. No. 458, Kalawad Road, Rajkot, land Adm. 388 sq. mtr., 464 sq. yd. + Bldg. 50 sq. mtr. = 60 sq. yd., R. No. 2372 Dt : 8/85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 18-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Baldevbhai Nathabhai Patel, R/o Harivallabh Socy., Naroda, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Vinabhai Patel, R/o Harivallabh Socy., Naroda, Ahmedabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4153 Acq.-23/I/85-86.— Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bunglow No. 10 in Harivallabh Socy., Naroda, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedulo annexed hercto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Aamedabad on 28-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 10 in Harivallabh Socy., Naroda, R. No. 9176 Dt: 28-8-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-3-1986

Seni

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1941)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th March 1986

kef. No. P.R. No. 4154/Acq.23/I/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Tenament in Parmartama Co.op Hsg. Socy. Ltd. Tenament No. 12-B, Naranpura, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 20-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to my tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

(1) Shri Dahyalal Mohanlal Patel 125, Akhanand Socy., Vibhag 1. Nr. Madhuvan Socy. Ghatlodiya, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shantilal Keshavlal Patel 12-B, Parmatma Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Naranpura. Ahmedabad.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tenament No. 12-B, Parmatma Co.op. Hsg. Socy. Ltd. TPS. 19 FP 108-4 Wadaj Sim R. No. 8725/1 Dt. 20-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby niitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid procerty by the issue of this notice sub-section (1) of section 69D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:-

Date: 27-3-1986

Scal:

FORM IINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 27th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4155/Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 4, Second Floor, adm. 165 sq. fts. and right to use terrace adm. 360 sq. fts. in Narayan Chambers, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri M. M. Zaver Managing Director, Unique Crector (Gujarat) P. Ltd., 2nd Floor, Hasubhai Chambers, Nr. Town Hall, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kantaben Ramanlal Shah Office No. 4, Second Floor, Narayan Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetten.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 4 on Second Floor in Narayan Chambers) Ahmedabad R. No. 7370 Dt. August, 1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 27-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4156/Acq.23/I/85-86.-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the Said Act) have least to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Pushpak Aptt, Parav Flat No. 4-5-D and 4-5-C (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 14-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

 I. Indrajitsing Niranjansing Tagore Flat, Paldi, Ahmedabad.
 Manjitkaur Niranjansing M-5-56-442, Shastrinagar,

Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Gürumitsing Amriksing Gurucharankaur Amriksing 4-5-D & 4-5-C, Pushpak Aptt, Parav Flat, Nr. Umiya Vijay Socy. S. M. Road, 2 Ahmedabad-15.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Pushpak Aptt, Parav Flats No. 4-5-D and 4-5-C, S. M. Road, A'bad R. Nos, 8496 Dt. 14-8-85 8492 Dt. 14-8-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
ing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following risons, namely:—

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4157/Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometext Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 253 at Vadodara, Tal Dascroi, Dist. A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 28th August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the serties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, 1100/00
- (b) facilitating the concealment of any income or any smoneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons namely :-

(1) 1. Ranchhodbhai Manibhai Patel

2, Harbhai Manibhai Patel 3. Narsinhbhai Ottambhai Patel, Naranpura 4. Parshotlamdas Ottambhai Patel, Disa

5. Kantibhai Ottambhai Patel, Hirapur, (Transferor)

 1. Jayantilal Bhogilal Shah HUF
 2. Shaileshkumar Jayantilal Shah At and Post Vadodara, Tal. Dascroi, Dist. Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein are dened in Chapter XXA of the sai Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 Acre, 10 Gunthas at S. No. 238 & 239, Block No. 2 at Vadodara, Tal. Dascroi, Dist. A'bad R. No. 9152 & 91 Dt. 28-8-1985.

> P. D. KHANDELW Competent Autho Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Ran Ahmeda

Date: 31-3-1986

7771-476

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4158/Acq. 23/85-86,--Whereas, I,

Ref. No. F. R. No. 41367 Acq. 23783-80,—Twitches, 1, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
D-Sub-D Ahmedabad Plot No. 8, TPS 1, FP No. 148, T.
City, M. Vastrapur, S. No. 113, 122, 123, 124, 126, 128
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 14-8-1985

A bad on 14-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1.1 of 1922) or the said American Marie 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :---36-66GI/86

(1) Kum. Maltiben D/o Kantaprasad Gupta 7 M, Flower, Karmekal Road, Bomhay.

(Transferor)

(2) Shri Gunvantbhai C. Gopani Paniyad Tal. Botad, Dist. Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-Sub-D, Ahmedabad City, Vastrapur S. No. 113, 122, 123, 124, 126, 128 Plot No. 8, TPS No. 1F Plot No. 148 839 sq. mtr. R. No. 8443 Dt. 14-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 31-3-1986 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4159/Acf.23/I/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Paldi E.B. T.P.S. 6, F.P. 165, SP 1, Flat No. 3, adm 100 sq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 17-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Rameshchandra Himatlal Sheth Shrimati Ushaben Rameshchandra Sheth Asopalav, Flat No. 3 Ellis Bridge. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shrimati Kantaben Rameshchandra Shukla A-3, Ajay Flats, Ahmcdabad-6,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Padli E.B., TPS 6,FP 165, SP 1, Flat No. 3, adm 100 sq. yds. R. No. 3534 Dt. 17-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4160 Acq.23/I/85-86.— Whereas 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 756.A, Bldg. and Plot in Diamend Chowk

Bhavnagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Bhavnagar on 13-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Maheshchandra Maganlal President. Shri Anand Co-op, Hsg. Socy. Regd. Office, State Bank of Saurashtra Darbargadh, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Suraj Narendrakumar Shah Patel Park, Aerodrome Road, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. and Plot in Diamond Chowk Plot No. 756. A Bhavnagar R. No. 2242 Dt. 13-8-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rance-I, Ahmedubad

Date: 31-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Kumudchandra Kanaiyalal Parikh Manor Mill Compound Nadiad (Guj).

(Transferor)

(2) M/s. Maruti Land Development Corporation 12-13 Shivshakti Commercial Complex, Bhavnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4161 Acq.23/I/85-86.—
Whereas I. P. D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
C. S. Ward No. 1 Uparkot Manorbhuvan Plot & Bldg. in
Bhavnagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Bhavnagar on 2-8-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

C. S. Ward No. 7 Uparkot Manorbbuvan plot and bldg. in Bhavnagar R. No. 2379 Dt. 2-8-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Abmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1986

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dr. Harish Shrivastav Officers Staff Quarters, Atiru, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Jitendra Shantilal Shah A-57, Gaganvihar Flats Khanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD

AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4162 Acq.23/I/85-86.— Whereas J. P. D. KHANDELWAL, Whereas 1, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Naviangpura village sim IP No. 171 - 176 Amita Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Flat No. A 6 Adm, 120 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Registration Act. 1908, (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

A'bad on 2-8-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the aald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Navrangpura village sim FP No. 171 + 176 Amita Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Flat No. A6 adm. 120 sq. vds.

Reg. No. 7888 Dt. 2-8-85,

P. D. KHANDELWAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 51-5-1967

18708

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4163 Acq.23/I/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Incomo-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. Nos. 237 & 238 nr. Brekelite plot No. 14 Bhavnagar

S. Nos. 237 & 238 nr. Brekelite plot No. 14 Bhavnagar plot adm. 1179.72 sq. mt. s. and built up area 199 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 19-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shr'i Arvind Damodardas partner of Hans Metal Industries, Shihor Dist: Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shri Apoorva Sudarshan Mejethia Ghogha Road, Nr. Kansara's Nala Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. Nos. 237 & 238 nr. Brekelite Plot No. 14 Shed adm 199 sq. mtrs. and plot adm. 1179.72 sq. mtrs. in Bhavnagar R. No. 947 Dt. 19-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Kamlaben Trambaklal Maheta 16, Devang Park, Ahmedabad-15.

(Transferor)

 Laxmidas Brijlal Rungata HUF 41, Jayshefuli Park, Sattelite Road, Ahmedabad-15.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4164 Acq.23/I/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDFLWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Jayshefali Row House No. 40 Satellite Road, Ahmedabad-15

Jayshefali Row House No. 40 Satellite Road, Ahmedabad-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ahmedabad on 17-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any isseems arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jayashefali Row House No. 40, Sattelite Road, Ahmeda-15.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4165 Acq.23/f]85-86.—
Whereas I, P. D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Hathijan Sim S. No. 356/3 Land & m. 16335 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at A'bad on 31-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respec of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bhikhabhai Jakshibhai Hathijan Tal. Daskroi, Dist. A'bad.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Jayantilal Chairman of Shri Sanjay Gandhinagar Co-ep. Hsg. Socy. Ltd., Hathijan Dist. Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metice of the propertive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hathijan Sim S. No. 356/3 Land adm. 16335 sq. yds, R. No. 2052 Dt. Aug 1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Abmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D o fthe said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-3-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4166 Acq.23/I/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hatijian Sim S. No. 319 Land adm. 16940 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 1-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid procerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
37—66GI/86

(1) Shri Arjanbhai Karsanbhai Hatjijan Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Patel Jayantilal Natwarlal
Promoter of
Hathijan Ramrkushna Co-op. Hsg. Socy. Ltd.,
Hatjijan Tal. Daskroi
Dist. Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hatjijan Sim S. No. 319 Land adm, 16940 sq. yds, R. No. 7845 Dt. 1-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4167 Acq.23/I/85-86.— Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Open Iand in Hathijan Sim S. No. 356/4 adm. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 21-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Arjan Nagji
 Hathjijan, Tel. Daskroi
 Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Babusing Manorsing Panjabi Chairman, Hathijan Shrijinagar Co-op, Hsg. Socy. I.td., Hathijan, Tal. Daskroi Dist. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hathijan Sim S. No. 356/4 Land adm. 7079 sq. yds, R. No. 2953 Dt. 21-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1986

Scal :

: == ======

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4168 Acq.23/1/85-86.—
Whereas I, P. D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Hatijian Sim S. No. 356/4 Land adm. 23171 sq. yds.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
A,bad in August 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be dislessed by the transferee fothe purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Arjanbhai Nagjibhai Hatjijan, Tal. Duskroi, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Karsajji Vakaji, Chairman of Hathijan Shrinathji Nagar Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Hatjijan, Dist. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcaton of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hathijan Sim S. No. 356/4 Land adm, 23171 sq. yds.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-te-Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date : 31-3-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4169 Acq. 23/I/85-86.— Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, 2nd Floor Ami Zara Aptt. Adm. 107 sq. yd. S'nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Wadhwan on August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Paras Enterprises
 Partner: Sumatichandra K. Sanghvi,
 Block No. 48, Swastic Socy.
 Surendranagar.

(Transferor)

(2) Nareshkumar Ramniklal Vora, Flat No. 12, 2nd Floor, Ami Zara Aptt. Old Rly. Junction, Surendranagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of the notice in the Official whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the retice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd Floor Adm. 107 sq. yd. Ami Zara Aptt. Surendra Nagar. R. No. 3998 dt. 28-8-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4170 Acq. 23/I/85-86.— Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 G.F. Ami Zara Aptt. Surendranagar, Adm. 107 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wadhwan on 31-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer; and/or of the transferor to pay tax under the said Act, in
- (b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Paras Enterprises Partner: Sumatichandra K. Sanghvi, Block No. 48, Swastik Socy. Surendranagar.

(Transferce)

(2) Shardaben Kantilal Vasani Flat No. 2 G.P. Ami Zara Aptt. Surendranagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G.F. Ami Zara Aptt. Adm. 107 sq, yd. Surendranagar R. No. 3048 Dt. 31-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date : 31-3-1986 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4171 Acq. 23/I/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1 G.F. Adm. 107 sq. yd. Ami Zara Aptt.

Surendranagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhwan on 31-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Paras Enterprises Partner: Sumatichandra K. Sanghvi, Block No. 48, Swastik Socy. Surendranagar.

(Transferor)

(2) Chetanaben Parimal Shah, Flat No. 1 G.F. Ami Zara Apit, Old Rly. Jn. Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 G.F. Adm. 107 sq. yd. Ami Azara Aptt. Surendranagar.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4172 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat at Nil Gagan Co.op. H. Socy. Talav Darvaja Junagadh, Flat No. B-8 2nd Floor (and more fully described in the Schedule appeared better)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Junagadh on August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; undier
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which count to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Muktaben Vallabhdas Panthani C/o Vallabhdas & Coy. Dana Pith, Junagadh.

(Transferor)

(2) Jayendrakumar Bachubhai Gorakh, Flat No. B-8, 2nd Floor, Nil Gagan Flats, Talav Darwaja, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of tisis notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-8, 2nd Floor, Nil Gagan Flats Talav Darwaja Adm. 132 sq. mtr.

R. No. 1763 dt, 4-8-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4173 Acq. 23/I/85-86,— Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (thereinafter referred to as the saidd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat at Surendranagar Adm. 107 sq. yd. Ami Zara Apit. G.F. No. 1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the Office of the Registering Officer at Wadhwan on 28-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Acc. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax At, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Paras Enterprises
 Partner: Sumatichandra, K. Sanghvi & Ors.
 Block No. 48, Swastik Socy.
 Surendranagar.

(Transferor)

(2) Trambaklal Kanjibhai Parikh, Flat No. 1 G.F. Ami Zara Aptt. Old Rly. Junction, Surendranagar.

(Transferoe)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 G.F. Adm. 107 sq. yd. Ami Zara Aptt. Surendranagar, R. No. 2997 dt. 28-8-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4174 Acq. 23/I/85-86,—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act') have reason to believe that the immovable as the said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat at Nil Gagan Co-op, Hsg. Socy. Talay Darwaja, Junagadh, 8th Floor, B-30 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at of 1908) in the Office of the Registering Officer at Junagadh on 2-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--38-66GI/86

(1) Popatlal Govindbhai Patel. C/o Krushna Oil Mills, Outside Majewadi Darwaja, Junagadh.

(Transferor)

(2) Harshkant Harandrai Vaidya, Flat No. B. 30, 8th Floor, Nil Gagan Flats, Talav Darwaja, Junagadh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B. 30, 8th Floor, Nil Gtgan Flats, Talav Darwaja. Adm. 116 sq. mtr. R. No. 587, dt. 2-8-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

FORM ITNS----

(1) Yusufali Daudbhai Vohra at Dam Nagar, Dist. Amreli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Jyotiben Jayantilal & Ors. Plot No. 914, Block No. 2, Muni Dairy, Bhavnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4175 Acq. 23/I/85-86,—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinuster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the insmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property at Dam Nagar, Vando-Delo, Land adm. 1333 sq. mtr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lathi on 29-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ouner person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Dam Nagar Dist, Amreli Vando. Land. Adm. 133-6 sq. mtr. R. No. 85, dt. 19-8-85,

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 31-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Kiritkumar Kantilal Desai 53-316-Vijayanagar, Naranpura, Ahmedabad-13.

(Transferor)

(2) Dhiren Bhikhubhai Patel, 35-207 Vijaynagar, Naranpura, Ahmedabad-13,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986.

Ref. No. P. R. No. 4176 Acq. 23/I/85-86.→ Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Guj-Hos. Board Vijaynagar Migh Block No. 53, Flat No. 316 Wadaj S. No. 307 adm. 79.27—95 sq. yds. Flat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand fast

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby injitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Guj. Hsg. Board, Vijayanagar MIGH Block No. 53, Flat No. 316, Wadaj S. No. 307 adm. 79.27—95 sq. yds. Flat Regd. No. 8968 dt. 23-8-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-l, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

Seal;

Objections, if any, to the acquisition o fthe said property may be made in writing to the undersigned: ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4177 Acq. 23/I/85-86.— Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable represents having a fair market value averaging.

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Dariapur Wd. No. 1, S. No. 3812 adm. 77 sq. yds. and S. No. 3823 adm. 55 sq. yds. old bldg. totalling built up area 132 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 14-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Ismailbhai Sadikbhai Opp. Kalupur Topiwalanipole, Kumbharna Dehla, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Najamabibi Sajjansahen and one other Near Kalupur Tower, Behind Meat Market, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dariapur Wd. No. 1 S. No. 3812 adm. 77 sq. yds. and S. No. 3823 adm. 55 sq. yds. old building totalling built up area 132 sq. yds. Regd. No. 8446 dt. 14-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4178 Acq.23/1/85-86.-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Rajpir Hirpur sim S. No. 206 FP No. 65-A, Tenament No. 8-A adm. 61.53 sq. mtrs. 77.83 sq. yds G.F. & 70 sq. mtrs. = 84 sq. yds. F.F. on the land adm. 215 sq. yds. TPS 4 & 24 as per sale deed P.S. filed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 19-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tak under the said Ast in respect of any income arising from the tracel end/or
- (b) (acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mansukhlal Nagardas Chapatwala Shree Mangalam Navalakhi Street, Gopalpura, Opp. Post Office,

(Transferor)

(2) Baldevdas Ishwardas Thakkar 11, Jectan Flat, Rambaug, Maninagar, Ahmedabad-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Raipur Hirpur sim S. No. 206 FP No. 65-A Tenament No. 8-A adm. 61.53 sq. mtrs. ==73.83 sq. yds GF & 70 sq. mtrs. ==84 sq. yds. FF on the land 215 sq. yds TPS 4 & 24 as per sale deed PS filed Regd. No. 8665 Dt. 19-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. PR No. 4179 Acq.23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vejalpur sim, S. No. 296 Flat No. 6-Sc adm. 82 sq. yds second Floor in Pushpak Aptt, Parav Co.op. Hsg. Socy. Nr. Umiavijay Socy. S.M. Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 5-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :-

- (A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, if respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) V. V. Baradrayan Ratnagiri Apartment Second Floor-Nr. Mirambica High School, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Jayantibhai Hirabhai Patel Arvindaben Jayantibhai Patel
 Dipavali Socy. Narayannagar Road, Paldi, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vejalpur sim S. No. 296 Flat No. 6-SC adm. 82 sq. yds. Second Floor in Pushpak Apartment Parav Co-op, Hsg Socy. Nr. Umiya Vijay Socy. S. M. Road, Ahmedabad R. No. 8008, Dt. 5-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-3-1986

FORM I'MS-

 Pankajkumar Durlabhji Natwani Bhakti Nagar Socy, Marg No. 2, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. PR No. 4180 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

H.P. at Rajkot adm. 24 sq. yds 216 sq ft. at tapu par (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 23-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the eald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Ram Builders Partner: Pravinchandra C. Vasani & Ors. Nr. Petrol Pump, Kuvadva Road, Raikot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Zaver Tapu Rajkot Adm. 20 sq. mtr.<u>=</u>216 sq. ft. R. No. 3704 Dt. 23-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1986

(1) Manharlal Harjiyan Gandhi L.H. late Harjiyandas Dhebar Road, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Udaysinh Manubhai Jadeja Kayaji Para 2 Morbi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4181 Acq.23/1/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land 448 sq. mtr. Plot No. 218 Pruthvi Raj Para, Gondal (and grape fully described in the Schedul.)

Land 448 sq. mtr. Plot No. 218 Pruthvi Raj Para, Gondal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gondal on 28-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 448 sq. mtr. Plot No. 218 Pruthvi Raj Para, Morvi R. No. 1140 Dt. 28-8-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT OFFICE OF THE INSPECTENCY ASSOCIATION COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. PR. No. 4182 Acq.23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

r. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land adm. 384 sq. mtr. at Gondal Pruthvi Raj Para Plot No. 217 (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Morbi on 28-8-1985

Morbi on 28-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Manharlal Harjivan Gandhi LH of Late Harjivandas Dhebar Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Lakhadhirji Manubhai Jadeja Village Vaghaviya Tal. Maliva, Saurashtra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 384 sq. mtr. at Pruthvi Raj Para—Plot No. 217, Morbi R. No. 1169 Dt. 28-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely 39-66GI/86

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dhanvantlal Chandulal Gandhi 11-A Divakar Socy. Nr. Muslim Socy. Narayan Nagar Road, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Hasmukhbhai Chimanlal Shah & Sarlaben. H. Shah A-4 Nikita Apartment, Fateh Nagar Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. PR. No. 4183 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. HP at Paldi B. No. 11-A Diwakar Co-op. Hsg. Socy.

Adm 100 sq. yd. Ahmedabad

and|or

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE on 23-7-1985

of E on 23-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. No. 11-A Divakar Socy, Land adm. 300 sq. yds. Bldg. 100 sq yds. R. No. 37EE filed 23-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 31-3-1986

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Chhaganbhai Dayaljibhai Mistry Panchshil Socv. Behind Malaviya College, Gondal Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Dhanji Punjabhai Sabhaya Uchhrang Nagar Socy. B. No. 1 Master Socy. Rajkot.

(Transforce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. PR No. 4184 Acq.23/1/85-86 --- Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Admortry under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

HP at Rajkot Uchhrangnagar Co-op. H. Socy.

Land 301 sq. yd. __ Bldg. (and more fully described in ithe Schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 28-8-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the arcressic persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

H.P. at Rejkot Land Adm. 301 sq. yd. + Bldg. Adm. 1600 sq. ft. Uchhrang Nagar Co.op, H. Socy. B. No. 753 R No. 5641 Dt. 28-8-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing

persons, namely :-

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4185 Acq.23/I/85-86.-Whereas, I. P. D. KHANDELWAL, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. TPS 25 FP 418 SP 2 Land adm. 1175.76 sq. yds. and bld. about 400 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 29-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Madhusudan Bhimbhai Maheta Chahawala Socv. Maninagar, Ahmedabad-8.

(Transferor)

(2) Prem. Apartment Owners Asson. 21, Pankaj Socy. Sarkhej Road, Ahmedabad-7.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

TPS 25 FP 418 SP 2 land adm. 1175,76 sq. yds. and bldg. about 400 sq. yds. Reg. No. 9205 Dt. 29-8-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 31-3-1986

FORM TIME

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Saurashtra Pativanat Factory Prop. Kalidas Narandas Bagda Shreyas Socy. Vasana, Beraj Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Messers Anantrai & Company Anontrai D. Patel 6, Sharda Flats, Bhudarpura Ambavadi, Ahmedabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4186 Acq.23/1/85-86.—Whereas, I, D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vasana TPS 22 F.P. 391 land adm. 586 sq. mtrs.

703 sq. yds. including Factory Building (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market va'ue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) incilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vasana TPS 22 FP 391 land adm. 586 sq. mtrs.=703 sq. yds. including Factory Bldg.

No. 6619 Dt. Aug. 1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-3-1986

PORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sitzben Madhavlal Shantaben Madhavlal Bhanumatiben Madhavlal resident at Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Anilkumar Kalyanbhai Waghela, Sachchidanand Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Asarwa, Ahmedabd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. PR No. 4187 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Open land adm. 7337.88 sq. mtrs. in S. No. 275 Asarwa sim.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 13-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said propery may be made in wriing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, respect of any income arising from the transfer, andjor

Open Land adm. 7337.88 sq. mtrs. in S. No. 275 Asarwa sim. Reg. No. 8424 Dt. 13-8-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the wild Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquaition of the aforesaid property by the issue of the notice under unisection (1) of Section 269D of the said Act, following persons, namely :---

Date: 31-3-1986

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Nareshchandra Fakirchand Shah & 3 Ors. Mandvi's Pole, Surdas Sheth's Pole, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Mukeshkumar Lalbhai Soni Shethni Pole, Ratan Pole, Ahmedahad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. PR No. 4188 Acq.23/I/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Bldg. on GF adm. 212 sq. yds. on the land on divided adm. 1/3rd of 212 sq. yds. =70.66 sq. yds. in Jamalpur Wd. CS No. 3025 surdas Sheth Pale, Mandvis Pole, Armedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aust in respect of any income arising from the transfer-

b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property away be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg, on GF adm. 212 sq. yds. on the land undivided adm. 1/3rd of 212 sq. yds. = 70.66 sq. yds. in Jamalpur wd. C.S. No. 3025 Surdas Sheth Pole, Mandvi's Pole, Ahmedabad Regd. No. 7311 Dt. Aug. 1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. PR. No. 4189 Acq.23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

TPS 28 Bldg. in Jay Jalaram Co.op. Hsg. Socy. Ltd. FP No. No. 444/2, 444/3/B/6[82]2 Land adm. 300 sq. yds—251 sq. mtrs. and Bldg. 97 sq. mtrs.—116.4 sq. yds (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the registrating officer at Ahmedabad on August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Shri Rameshchandra Kantilal Mistri 6/B Jay Jalaram Socy. Nava Vadaj, Ahmedabad-13.

(Transferor)

(2) Shrimati Devsotiben une Dakshaben Kishorbhai Tripathi 3029, Vachali Pole Vanmali Vankani Pole. Shahpur, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferenic persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expi os later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

TPS 28 Bldg. in Jay Jalaram Co.op. Hsg. Socy. Ltd. FP No. 444/2, 444/3/B/6|82|2 Land adm. 300 sq. yds--251 sq. mtrs. and Bldg. 97 sq. mtrs. 116.4 sq. yds. Regd No. 8878 Dt. August, 1985.

P. D. KHANDELWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedabad

Date: 31-3-1986

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Smt, Mrudulaben Sureshkumar Shah Vrandovan Colony, Nr. Vikas Gruha-Paladi Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Mohanlal Radheshyam Agrawal Kamalkumar Radheshyam Agrawal Madhumalti Apartments, Bhairavnath Road-Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4190 Acq.23/J/85-86.—Whereas, J, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Raipur Hirpur TPS. 24 F.P. No. 29

Raipur Hirpur TPS. 24 F.P. No. 29
Shop in Mahavir Coth Market Owners Asson,
Shop No. 116 F.F. 326.25 sq. fts.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad in August 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rajpur Hirpur TPS, 24 FP No. 29 Shop in Mahavir Cloth Market Owners Assn. Shop No. 116 FF adm. 326.25 sq fts. Regd. No. 16939 Dated -8-85.

> P. D. KHANDELWAI. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
> Acquisition Runge-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-3-1986

Scal:

40-66 GI/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4191 Acq.23/I/85-86,--Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 111 paiki 110+112 paiki Block No. 173, Agri. land adm. 3A6 Gunthos=15246 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-8-1985.

for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (1) Rameshbhai Gandalal Prajapati Kantibhai Gandolal Prajapati 16-Virarjun Socy, Navavadaj Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Chanduji Chaturji Babaji Chanduji Thakkor Mathurji Mohanji Udaji Mathurji Thakkor Shankarji Mathurji Thakkor Village Silaj Tal, Daskrot, Dist. Ahmedabad,

(Transferee)

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. No. 111 paiki 110 + 112 paiki Block No. 173 Agri. land adm. 3A6 G = 15246 sq. vds. Regd No. 7156 Dt. 16-8-1985,

> P. D, KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per-

nons, namely:-

Date: 31-3-1986

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4192 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing G.F. Shop No. 9 in Mahavir Cloth Market Owners

G.F. Shop No. 9 in Mahavir Cloth Market Owners Assn. Rajpur Hirpur Sim TPS 24 F.P. No. 29 Shop adm, 281.25 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the yibaileil
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (T) Shri Rajnikant Harilal Ashara Shri Dineshkumar Harilal Ashara Shri Jagdishkumar Harilal Ashara 212, New Cloth Market—Rajpur—Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Gautam Motor Trading Coy. Partner Ajayrai Kishanchand Maheta A.52 Chinaibaug Flats, E.B.—Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G.F. Shop No. 9 in Mahavir Cloth Market Owners Assn. Rajpur Hirpur sim TPS 24 F.P. No. 29 Shop adm. 281.25 sq. ft.

Regd. No. 18249 Dated August 1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4193 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop adm. 120 sq. fts. and share in open land adm. 24.58 sq. yds. in Ajanta Commercial Centre—Shop No. 99

TPS 3 FP No. 100. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-8-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaide exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Gurendrabhai Chandulal Shah Partner of Amoferror R.F. 29,174—Vijaynagar Flat

Naranpura—Ahmedabad.

2. Rameshchandra Mahindharlal Pandya
12, Virvijay Socy. Naranpura—
Ahmedabad.

(Transferor)

2. Rameshchandra Mahindharlal Pandya F-4 Sector 6, Nirnaynagar—Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Generate or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop adm. 120 sq. fts. and share in open land adm. 24.58 sq. yds. in Ajanta Commercial Centre Shop No. 99 TPS 3 FP 100.

R. No. 6747 Dated 15-8-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4194 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vejalpur Sim S. No. 1020 agri. land adm. 1/5th undivided

share of 2 Acres 9 Gunthas 10769 sq. yds. 1/5th =

2153.8 sq. yds,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 17-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under Subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :--

(1) Revaben widow of Khodabhai Jesangbhai Residence at Jodhpur Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Ramanlal Mansukhlal Parikh, 2. Priyakantbhai Ramanlal Parikh 3. Jitendrakumar Ramanlal Parikh Residence at :-'Ashirvad' Bunglow No. 16 Inkalat Socy. Gulbai Tekra E.B. Ahmedabad-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

Vejalpur sim S. No. 1020 agri, land adm. 1/5th undivided share of 2 Acres 9 Gunthas 10769 sq. yds. 1/5th = 2153.8sq. yds. Regd. No. 8532 Dated 17-8-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

Soal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4195 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Vejalpur sim S. No. 1020 agri. land adm. 1/5th undivided share of 2 acres 9 gunthas—10769 sq. yds.

x 1/5th = 2153.8 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-8-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 2....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

(1) Jivanbhai Khodabhal Lilaben Jivanbhai Pramokhbhai Jivanbhai Mukeshbhai Jivanbhai, Residence at Jodhpur Village, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Rumanial Mansukhial Parikh Priyakantbhai Ramanlal Parikh Jitendrakumar Ramanlal Parikh Residence at 'Ashirvad' Bunglow No. 16 Inkatlab Socy. Gulbai Tekra E.N. Ahmedabad-6,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vejalpur sim S. No. 1020 agri, land adm. 1/5th undivided share of 2 acres 9 gunthas 10769 sq. yds. x 1/5th x 2153.8 sq. vds.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4196 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing No. Vejapur sim S. No. 1020 agri, fund adm. 1/5th undivided share of 2 acres 9 gunthas 10760 sq. yds. x 1/5th=2153.8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-8-1985,

Anneadada on 17-8-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the anid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shakarabhai Khodabhai Kailashben Shakarabhai Minor Vikiam Shakarabhai Suresh, Residence at Jodhpur Village. Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Ramanial Mansukhlal Parikh Priyakantbhai Ramanlal Parikh
 Jitendrakumar Ramanlal Parikh Residence at: 'Ashirvad' Bunglow No. 16 Inkalab Socy. Gulbai Tekra, E.B. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vejalur sim S. No. 1020 agri, land adm. 1/5th undivided share of 2 acres 9 gunthas 10769 sq. yds. x 1/5th = 2153.8

Regd. No. 8530 Dated 17-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 31-3-1986

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4197 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vejalpur sim S. No. 1020 agri. land adm. 1/5th undivided share of 2 acres 9 gunthas 10769 sq. yds. x 1/5th = 2153.8 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abmedaltad on 17.8.1085 Ahmedabad on 17-8-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the last market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer we agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-lection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

- (1) Baldevbhai Khodabhai Patel Kapilaben wife of Baldevbhai Khodabhai PateL Residence at Jodhpur village Dist, Ahmedabad, (Transferor)
- (2) Ramankal Mansukhlal Parikh Priyakantbhai Ramanlal Parikh Jitendrakumar Ramanlal Parikh Residence at :-'Ashirvad' Bunglow No. 16 Inkalab Socy. Gulbai Tekra, E.B.—Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the raid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vejalpur sim S. No. 1020 agri, land adm. 1/5th undivided share of 2 acres 9 gunthas 10769 sq. yds. x 1/5th \pm 2153.8 sq. yds.

Regd. No. 8533 Dated 17-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4198 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Vejalpur Sim S. No. 1020 agri. land adm. 1/5th undivided share of 2 acres 9 gunthus—10769 sq. yds. x 2153.8 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-8-1985, for an apparent consideration which is less than the fair

Ahmedabad on 17-8-1985, tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorporatax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, for the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

41-66 GI/86

(1) Natwarbhai Khodabhai Shantaben Natwarbhai Bharatbhai Natwarbhai Rajesh Natwarbhai Residence at Jodhpur village Dist. Ahmedabad.

(Transferee)

(2) Ramanlal Mansukhlal Parikh Priyakantbhai Ramanlal Parikh Jitendrakumar Ramanlal Parikh Residence at 'Ashirvad' Bunglow No. 16 Inkalab Socy. Gulbai Tekra E.B. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Vejalpur sim S. No. 1020 agri. land adm. 1/5th undivided share of 2 acres 9 gunthas 10769 sq. yds. x 1/5th = 2153.8 sq. yds.

Regd. No. 8529 Dated 17-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Runge-I, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

FORM LINS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4199 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land in Bodakdev sim S. No. 133 S.P. 15 adm. sq. yd.

10464 Akar 113.42,

presumed to be agricultural (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 5-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under gabacetion (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) Shri Jitendra Bhogilal Vyas Gokulnagar—Usmanpura— Ahmedabad.

(Transferor)

 Jayshreeben Ajitbhai Maheta 'Amijyot' Parimal Socy,—Ambawadi Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Bodakdev sim S. No. 133 SP 15 adm, sq. yd. 10464—Akar 113.42 presumed to be agricultural R. No. 8000 Dt. 5-8-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-I, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTTION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4200 Acq. 23/I, 85-86.--Whereas, 1 P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 133, 134, 135, 137, 141, 142, 143, 144, 146, 181 and part thereof in Bodakdev plot Nos. 16, 16A, 16B adm. 10318 Ashokwatika,

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-1-1985,

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Deepakbhai Lalbhai Opp. Jivanmani Opera Socy. Nr. Vikasgruha Ahmedabad-7,

(Transferor)

(2) Shri Sudhirbhai E. Nanavati Karta Sudhirbhai E. Nanayati HUF Sudhirkunj Shri Chimanlal Girdhardas Morg, Ellisbridge—Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 133, 134, 135, 137, 141, 142, 143, 144, 146, 181, and part thereof in Bodakdev plots Nos. 16, 16A, 16-B adm. 10318 Ashokwatika.

Reg. No. 1511 Dated 29-1-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

Scal 1

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4201 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. TPS 3 FP 292/4 SP 44 land adm, 690.45 sq. mtrs. = 828 sq. yds. and bldg. adm. 194.53 sq. mtrs. = 233 sq. yds, in Shrimati Co-op. Hsg. Socy. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Ahmedabad on 21-8-1985 for an apparent consideration which is less than the

Anneciable on 21-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Harshadbhai Ratilal Shah, E-4, Jaldarshan Socy. Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Purshottamdas Jeshingbhoi Patel
 2. Pankaj Purshottamdas Patel
 Landhagaj Dist, Taluka Mehsana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

TPS 3 FP 292/4 SP 44 land adm. 690.45 sq. mtrs=828 sq. yds. and bldg. adm. 194.53 sq. mtrs. = 233 sq. yds. in Shrimati Co.op, Hsg. Socy. Regd. No. 8313 Dated 21-8-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4202/Acq.23/1/85-86.—Whereas, I, P D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.
Okaf sim S. No. 355, Agricultural land adm. 2, Acres 7, Gunthas = 10527 sq. yds.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar A'bad on 19.8-1985 A'bad on 19-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afere-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Harshadray Revashankar Jani 22. Bhagyalakshmi Socy Navawadaj, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal Mohanlal Abhigam Socy Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Okaf Sim S. No. 335, Agri. land adm. 2 Acres 7, Gunthas=10527 sq. yd. Regd. No. 8646 Dt. 19-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dato: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICES OF THE INSPECTING ASSITANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4203/Acq/23/I/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

TPS 28 Wadaj sim FP No. 60, Ten. No. 12, Dreamland Park Socy built up area 110 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 21-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kokilaben Kirtikumar Shah Dreamland Socy., Naranpura, Ahmedabad-12.

(Transferor)

(2) Shri Bhailabhai Ambalal Shah D-I, Kedar Aptts., Behind H. L. Commerce College, Navrangpura, A'bad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

TPS 28 Wadaj Sim F.P. No. 60, Teb. No. 12, Dreamland Park Socy. built up area 110 sq. yds. Regd. No. 8784 Dt. 21-8-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4204/Acq.23/I/85-86.--Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Paldi TPS 3, F.P. 911 and 912, SP 18 Bldg. adm. 105 sq. yds. on the land 323 sq. yds.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Cofficer by

of 1908) in the Office of the Registering Officer of

A'bad in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Dhirajlal Maganlal Maheta 1-3 Jay Mahavir Socy. R. B. Maheta Road. Ghatkopar, East Bombay-77.

(Transferor)

(2) Shri Maulik Rajnikant Shah 96-B, Harif Co.op, Hsg. Socy. Ltd., Bldg. No. 1.
Block No. 6,
S. V. Road,
Vile Parle, Bombay-56.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Paldi TPS 3, FP 911 & 912 SP 18 Bldg. adm, 105 yds, on the land 323 sq. yds. Regd, No. 8007 Dt. 5-8-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 31-3-1986

Seul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4205/Acq.23/I/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing No.
Rajpur Hirpur Seem TPS 4 (Maninagar) FP No. 141, 147
SP No. 43 & 44, Mehta Aptt., Flat No. 5, SF adm. 85 sq.
mtrs. 102 sq., yds. 918 sq. fts.
at Kavilampara on 18-10-1985

Tand more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at A'bad on 28-8-1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of perer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Geetaben Mahesh Kumar Thakkar Flat No. 303, Ravjibhai Tower, Maninagar. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Dr. Abhaykumar Kantilal Shah A-1, Soniya Aptt. Socy. Prabhudas Thakkar College Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rajpur Hirpur Seem TPS 4 (Maninagar) FP No. 141, 147 SP No. 43 & 44, Mehta Aptt., Flat No. 5, SF adm. 85 sq. mtrs.=102 sq. yds.=918 sq. fts. No. 9172 Dt 28-8-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4206/Acg.23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

TPS 6 Paldi FP 540 to 543, SP No. 4, Tenament No. 1, adm. 320 sq. yds. land & Bldg. about 140 sq. yds, in Trimurti Bank of India Co.op Hsg. Socy. Ltd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad in August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferonts.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42—66 GI/86

 Kum. Chandra Bhuvabhai Shah 23, Prakrutikunj Socy. Shreyas Tekra, Ambavadi, A'bad.

(Transferor)

 Shri Rohit Shivprasad Mankad Sanfiya Manzil, Halar, Dist, Valsad,

*ransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein _____ are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

TPS 6, Paldi FP 540 to 543 SP No. 4, Tenament No. 1 adm. 320 sq. yda. tand and Bldg. about 140 sq. yds. tan Trimurt! Bank of India Co-op. Hag. Socy. Ltd. R. No. 4378 Dt. 19-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4207/Acq.23/I/85-86.--Whereas I, P. D. KHANDELWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Encome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

office No. 7 adm. 282 sq. fts. on 4th Floor in Sahyog Com. Centre. Shahpur Wd. 2, Sheet No. 57-58 C.S. No. 3259, Opp. Din Bai Tower, Laldarwaja (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), have been transferred under the Registration Act. 1908 (16)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 13-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfect and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1.Kumari Jigisha Vinodbhai Shah Dharni Pole, Astodia, Ahmedabad.

2. Rajesh Bhikhubhai,

(Transferor)

(2) 1. Shri Dhirenbhai B. Shah Sattelite. Ahmedabad.

2. Miss Chandraben Bhurabhai Shah Trimutti Bank of India Socy., Sanjiyni Road, Paladi, A bad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 7 adm. 282 sq. fts. in 4th floor in Sahyog Com. Centre, Shahpur Wd. 2, Sheet No. 57-58, C.S. No. 3259, Opp. Dinbai Tower, Laldarwaja, Reg. No. 6538 Dt. 13-8-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4208/Acq/23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Open plot in Memanagar sim S. No. 65, 66, 67, 69 Yuganda Co-op. Hsg. Socy. Plot No. 31 adm. 335 sq. mtrs. = 402

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 23-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Shri Dadubhai Revandas Patel 33, Yuganda Park Socy. Maninagar, Ahmedabad-8.

(Transferor)

(1) 1. Shri Rajpritam Adwani Madhuben L. Adawani M. 5. 40, 315. Shastrinagar, Naranpura, Ahmedabad-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open rlot in Memnagar sim S. No. 65, 66, 67, 69 Yuganda Co.op. Hsg. Socy. Plot No. 31 adm. 335 sq. mtrs.=402 sq. yds. Regd. No. 8931 Dt. 23-8-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-I Ahmedahad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4209/Acq/23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rev. 100 (900), and hearing No.

as the said Act; have leason to deleve that the litthovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Acher Sim TPS. FP No. 36, Tenument in Shitalkunj Co-op. Hsg. Socy. Ten. No. 7 adm. 75 sq. yds. and alnd about 200

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer A'bad on 19-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the cald instrument of transfer with the edicat of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said it, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following, perrons namely:—

 Shri Harsadraj Purshottamdas Jain Sitalkunj Socy., Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Nemal Aslaji Jain Shyamal Apartments, Jawahar Chowk. Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acher Sim TPS 23, FP No. 36, Tenament in Shitalkunj Co.op. Hsg. Socy., Ten. No. 7 adm. 75 sq. yds. and land about 200 sq. yds. Regd. No. 8614 Dt. 19-8-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4210/Acq/23/I/85-86.--Whereas, I. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding

RS. 1,00,000/- and bearing No.

Kalupur Wd. 3, S. Nos. 2305, 2306, 2307, 2309,2239, 2316, 2317, 2313, 2302, 2301, 2310, 2299, Const. adm 420 sq. yds. out of 694.66, 2/3 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on August 1985. A'bad on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, isi respect of any insume origing from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conscalment of any income we any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the mid Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Naw, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et. I hereby initiate proceedings for the conviction of the foresaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :--

(1) Smt. Vidyaben urfe Shardaben W/o Jayantibhai Ghalabhai Shah Ghee Kanta ni Vadi, Ahmedabad

Transferor(s)

18755

(2) Shri Dinesh Sundarji Shah Chief Promotor of Hira Panna Shops & Office Owners Asson., Ghee Kanta Road, Ahmedabad,

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undecigned:—

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kalupur Wd. 3, S. Nos. 2305, 2306, 2307, 2309, 2239, 2316, 2317, 2313, 2302, 2301, 2310, 2299 const. adm. 420 sq. yds. out of 694.66 2/3 sq. yds, Regd. No. 7615, 7619, 7627 Dt. 9-8 1985,

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 31-3-1986

FORM IT:\S---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4211/Acq/23/I/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat in Wadaj TPS. No. 29, FP No. 108, SP No. 2, Nilam Hat, Flat No. 6 S.F. adm. 84.11 sq. mtrs=101 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 9-8-1985

for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Smt. Lilavatiben Popatlal Shah A-1, Arbuda Aptt., Nr. Jain Derasar, Menekbaug, Ahemedabad,

(Transferor)

(2) Shri Shashikant Shantilal Sanghvi 19, Kamlesh Co-op, Hsg. Socy. Ltd., Kakaria Road, Maninagar, A'bad-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat in Wadaj TPS, No. 29, FP No. 198, SP No. 2, Nilam Flat, Flat No. 6, S.F. adm. 84,11 sq. mtrs.=101 sq. yds, No. 8289 Dt. 9-8-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1986

FORM ITN9

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4212/Acq/23/I/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the said Act) have reason to believe that the inhibitation property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Bldg. in Isanpur S. No. 449 1/2 of 726 sq. yds. = 363 sq. yds. land & 1/2 of 372 sq. yds. = 186 sq. yds. Bldg. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1000) in the office of the Registration Officer.

1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 12-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the vartice bas not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narangiben Subodhchand Shah Rangyasa Socy., New Sharda Mandir Road, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sudhirkumar Rasiklal Shah Sanjaykumar Rasiklal Shah 12, Jannagar, Paldi, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. in Isanpur S. No. 449 1/2 of 726 sq. yds. == 363 sq. yds. land 1/2 of 372 sq. yds. == 186 sq. yds. Bldg. Regd. No. 8371/3 Dt. 12-8-1985,

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 31-3-1986

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Bhartiben Vishnuprasad Acharya Jagutunathji Mandir in Chali, Outside Jamalpur Darwaja, Ahmedabad.

(2) Shri Patel Chimanlal M. Bhopal Tal. Daskroi, Dist. A'bad. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4213/Acq/23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vejalpur sim S. No. 253, Tenament No. 8-B in Vasana

Vejalpur sim S. No. 253, Tenament No. 8-B in Vasana Rajab Co.op, Hsg. Socy, adm. land 328 sq. yds. Bldg. area 100 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at A'bad on 13-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vejalpur sim S. No. 253. Tenament Nc. 8-B in Vasant Rayab Co.op, Hsg. Socy. adm. laná 328 sq. yds. bldg. arca 100 sq. yds. Regn. No. 2426 Dt. 13-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1986

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
"2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4214 Acq.23, I/85-86.—Whereas, I, D. KHANDELWAL,

D. KHANDELWAL, sing that Competent Authority under Section 269AB of the scome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the smovable property, having a fair market value exceeding 1, 1,00,000/- and bearing No. aipur Hirpur TPS Maninagar 4 F.P. 46 SP 10 land adm.

18 sq. mtrs. =165.6 sq. mtrs and more fully described in the Schedule annexed hereto) is been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at hmedabad on 22-8-1985

arket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as afored exceeds the apparent consideration therefor by more an fifteen per cent of such apparent consideration and that e consideration for such transfer as agreed to between e parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Jayantibhai Someshwar Thakkar Karnavati Society, Bhairavaath Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Chhaganbhai Shanjibhai Patel, Karnavati Society, Bhairavnath Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Raipur Hirpur, TPS Maninagar 4 FP 46 SP 10 land adm. 138 sq. mtrs. = 165.6 sq. mtrs. Regn. No. 8809/4 dated 22-8-1985.

> P. D. KHANDFLWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

Scal:

43--66 GI/86

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4215 Acq.23/I/85-86.-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Constructed property at Isamut S. No. 181 Black No. 15

Constructed property at Isanpur S. No. 181 Block No. 15 Adm. 197 sq. yards (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 26-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor-arid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay max under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Pushpanath Trust, Trustee: Dilipbhai Madhaylal Pandit, 13, Maha Laxmi Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Manan Trust, Trustee: Kanubhai Mafatbhai Patel, 11-Shanti Niketan Society, Narangura. Ahmedabad-13,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Constructed property Adm. 197 sq. yards at Village: Isanpur S. No. 181 Block No. 15 Gram Panchayat No. 1870-27 Adm, 197 sq. yards R. No. 8838 26-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the said et. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followitig thereons namely :--

Date: 31-3-1986

FURM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4216 Acq.23/I/85-86,---Whereas, I, P. D. KHANDI:LWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

PART III—SEC. 11

able property, having a not market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-2 Jan Shanti Flats—
TPS. 3 FP 824 Adm, 125 sq. yards (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Positesian Office of the Office of the Positesian Office of the Office of the O 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Surekhaben Prashantbhai Shah Sopan—Darshan Society Navrangpura, Ahmedabad.
- (2) Savitaben Parshottamdas Patel Flat No. 2-B Jan Shanti Flats, Pritam Nagar Dhal, E.B., Ahmedabad.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-2 Adm. 125 sq. yards Jan Shanti Flats TPS 3 F.P. No. 824 R. No. 8860 dated 22-8-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Date: 31-3-1986

PORM ITNS

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4217/I/85-86,--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

Agricultural land adm. 13 Acres 37 Gunthas—67397 sq. yds.

S. No. 175 (1) 177 and 178 in Siher 35 years old Farm

S. No. 175/1, 177 and 178 in Sihar 35 years old Farm House on G.F.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 14-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partics has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the hene of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Madhavji Dhanabhai Patel, Sihor Batar Wadi-Mangal Society Block No. 8, Amureli.

(Transferor)

(2) 1. Mulrajsinh Julubja,

Residence Navi Marad, 2. Nathubha Jilubha Jadeja Residence Navi Marad,

3. Damjibhai M. Patel, Manar.

4. Prabhudas Muljibhai Patel, Manar,

5. Jerambhai Ukabhai Patel,

Manar, No. 1 & 2—Residence at Nani Marod, Tal. Dhoraji Dist. Rajkot

No. 3 & 4 residing at Manar, Tal Jalaja Dist. Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land adm. 13 Acres 37 Gunthas—67397 sq. yards S. No. 175/1, 177 and 178 in Sihor 35 years old Farm House on G.F. No. 938 dated 14-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4218 Acq.23/1/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. FP No. 493 Part TPS 3 E.B. Opp. Gandhigam Railway Station Ahmedabad leasehold land adm. 914 sq. yards. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Sunandaben
 W/o. Surendrabhai Chimanlal Shah,
 'Darshan'—Opp. E.B.,
 Ahmedabad.

(Transferor)

 Shri Kirtikumar Fakirchand Maheta President of Maheta Chambers, Association, 8-Girdhar Society Vadaj, Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F.P. No. 493 part TPS 3 E.P. Opp. Gandhigram Railway Station Ahmedabad leasehold land adm. 914 sq. yards. No. 7950-51 dated 7-8-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Secton 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. . . . Act, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RC A AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R No. 4219 Acq.23/1/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act; have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearng
Land + Plinth at TPS. 29 FP No. 96 land 368 sq. yds.
--Plinth 145 sq. yards
tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Ahmedabad in August 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-suid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitlon of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :-

(2) Sanjiv Ushakant Shukla & Ors. I-A Saurabh Society, Ankur Road. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Ushaben Ushakant Shukla, 1-A Saurabh Govt, Servant Society, Ankur Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and + Plinth at TPS, 29 F.P. No. 96. The Saurabh Maha Gujarat Co-operative Society Ltd. Land 368 sq. yards Plinth 145 sq. yards. R. No. 4436 dated 8-1985

P. D. KHANDELWAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ,ROAD AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4220/1/85-86,-Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H.P. at Ahmedabad T.P.S. 14 adm. 44 sq. yards G.F.-,-F.F.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---23-56 GI/86

(1) Premlata Madanial Agrawal, C6-Prem Flats-Shahibag, Ahmedabad.

(2) Govindlal Gordhandas Kabda, Patel Society, Shahibag, Ahmedabad.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

H.P. Sahibag-Ahmedabad Adm. 44.25 sq. yards G.F.--F.F. - 2nd F.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dhirubhai Pratapsang Chauhan, Man Kameshwar Mahadev at Village Navepara Tal, Sanand.

(Transferor)

Amarsang Parbatsang, Mahendrasingh Prabhatsang at Village Changodar, Tal. Sanand.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4221 Acq.23/1/85-86.-Whereas, I,

Ref. No. P.R. No. 4221 Acq.23/1/85-80.—whereas, 1, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Navapur Block No. 146 ad. 3 1g=14641 sq. yards (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonand on 21-8-85

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more אמת fifteen per cent of such apparent consideration and that the explainment of transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of true notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; (a) by any of the aforesaid persons within a whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which caght to be disclosed by the transferoe for the surposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195) (27 of 1957);

THE SCHEDULE

I and ad. 3a 1g at Village Navapara Tal, Sanand Block No. 146 R. No. 1066 dated 21-8-1985

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Harshadaben Bhupatrai Mehta by P.A. Holder Jashwantrai Jagmohan Mehra Sharaf Bazar—Mahuva, Dist. Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Jitendrakumar Mohanlal Soni, Sharaf Bazar, Mahuva, Dist. Bhavnagar.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person intersted in the said immov-

publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

that Chapter.

able property within 45 days from the date of the

shall have the same meaning as given in

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R No. 4222 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H.P. at Mahuva—Sarvodaya Society
Plot No. 95—142 sq. meter
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mahuwa on 12-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

44---66 GI/86

H.P. at Mahuva—Sarvodaya Society Plot No. 95 adm. 142-42 sq. mtrs. + Land 445 sq. yards R. No. 201 dated 12-8-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. 4223 Acq.23/I/85-86.—Whereas, 1,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No
H. P. Bhavnagar Vijay Raj Nagar
Sukh Sagar Plot No. 70 Adm. 188 sq. yards + Building Sanand No. 5684

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 3-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **andler**
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesain property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:

(2) Dilip Dhirajlal & Ors. L.R. of Late Dhirajlal Bapulal Vijay Raj Nagar Plot No. 70A Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Vishrambhai J. Patel, Kamla V. Patel, C-207 Kamlesh Park, L.B.S. Road—Narayan Nagar Ghatkopar (W), Bombay-56.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period a 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days n the service of netice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other rerson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at Bhavnagar Vijya Raj Nagar Sukh Sagar-Plot No. 70A Land 188 sq. mtrs. & Bldg 100 sq. ft. (North side) R. No. 2384 dated 3-8-1985

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4224 Acq.23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office at TPS 3 F.P. No. 154 Adm. Ami bela Adm. 633
sq. ft. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 14-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the congealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Amrita Corporation, Rajesh Shantilal Parikh, North View Colony, Near St. Zaveris College, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Jyotiben Varvabhai Chaudhry & Ors, 12, Shreyas Colony, Opp. Stadium—Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office adm. 633 sq. ft. 2nd floor Ami Bela-TPS 3 F.P. No. 154 R. No. 7213—14-8-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 31-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4225 Acq.23/I/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office 2nd Floor TPS 3 F.P. No. 154 Adm. 313 sq. ft.

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 14-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties is not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Amita Corporation Rajesh Shantilal Parikh, North View Colony, Near Zaveiel's College, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Veljibhai Jivabhai Chaudhry, Village: Charda Tal. Vijapur, Dist. Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, dehover period ampires later;
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exphanation :- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office on 2nd Floor-TPS 3 F.P. No. 154 Amibela 313 sq. ft. Ahmedabad R. No. 7218 dated 14-8-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANL GOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4/26 Acq. 23/1/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. in Manekwadi, Bhavnagar, C. S. Wd. No. 5 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 5-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransier with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Triveniben Nrusinhprasad Vaidya, Plot No. 571-A, Manckwadi, Bhavnagar.

(Transferor)

(1) Smt. Gulabben Narandas Mistry, 12, Nutan Bhartiya Socy., Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 571-B, C.S. Wd. No. 5, Bldg. in Manekwadi, Bhavnagar.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedahad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedahad-380009, the 14th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4528 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No. 23, Ground Floor, Avanti Chambers, situated at R. C. Road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.), Baroda for an appearant consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Avanti Enterprises, Avanti Chambers, Behind Express Hotel, R. C. Dutt Road, Vadodara.

(Transferor)

 Shri Nirmal Jethanand Hiranandani & Ors. Sakhi Kutia, R.V. Desai Road, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is filed on 3-6-85 for A.C. Rs. 5,11,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 14-2-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1)M/s. Oghayi Mulji Dreswala, 85, 87, Bhuleshwar Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Ganesh Silk Mitls, Partner Mahendra Chhogumal Chaudhary, J-9, Bombay Market, Umarwada,

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahm-dabad-380009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4529 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Shop at Bombay Market, Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in Aug. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sax: Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The document was regd, at S.R. Surat vide No. 671-Aug. 1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accurate property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-3-1986.

(1) Reshamwala Pvt. Ltd., Director, Govdhanbhai Dahyabhai Reshamwala 7/2369, Rampura, Main Road,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sohanlal Devi Lalji, H-24, Bombay Market, Umarwada, Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Abmedabad-380009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4530 Acq. 23/II/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and

bearing

No. Shop No. H 24 at Bombay Market, Umarwada, Surat and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in Aug. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The document was regd, at S.R. Surat vide No. 2591 Aug. 1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan Acquisition Range-Ahmedabac

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 17-3-1986.

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ramiben Laxmidas Darhu, 70, Swadeshi Nil Road, Chuna Bhatti, Kurla, Bombay.

(Transferor)

(2) Bhalchandra Manubhai Desai, 25B, Amrakunj Socy., God Dod Road, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4531 Acq. 23/11/85-86.--Whereas, I. P. D. KHANDELWAL

P. D. KHANDELWAL being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Bunglow No. 25B at Amarkunj Socy. Bhatar S. No. 78/A/1 Paiki, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in Aug. 1985

Surat in Aug. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sai exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating to reduction or evasion of the of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer i and for

(b) facilitating the concealment of any medium or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wizhth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--45-66 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 868, Aug. 1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 17-3-1986.

Scal .

FORM ITNS----

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-(I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIIPAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4532 Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. A-505, India Textiles Market, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 47-1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an arparent consideration which is tess than the normarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration has not been truly extract in the call instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1975 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in title proceedings for the acquisition of the societal property by the induce of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Sanjeev Premises Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Near Kinnery Cinema (Proposed), Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Rajaram Prohladram Lahoti, Amarwilla Aptt. Opp. St. Xaviers School, Ghoddod Road,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in July, 1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 17-3-1986.

Some :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIIRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-389009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4533 Acq. 23/11/85-86.-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-706, India Textile Market, Ring Road, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of hte transferor to pay tax under the said Act, in resped of any income arising from the transfer end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sanjeev Premises Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Ring Road, Smat.

(Transferor)

(2) Banatani Bumalkumar Bansal and Ashokkumar Rajkumar Bansal, 6, New Pushpkunj Socy., Sumul Diary Road,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in July, 85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 17-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4534 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-201, India Textiles Market, Ring Road, Surat (and more fully chagging the Registration Act. 1908, (16

No. J-201, India Textiles Market, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37EE is submitted on 16-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

form No. 3/EE is submitted on 16-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

 Sanjeev Premises Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Rajkumar Agrawal, Malad Aptt. Co-op. Hsg. Socy., 37, Anand Read, Malad, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was filed in Form No. 37EE in the office of the undersigned in July, 85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4535 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-308, India Textiles, Ring Road, Surat

A-308, India Textiles, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the egistering officer at Form No. 37FL is submitted on 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sanjcev Premises Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Ring Road,

(Transferor)

(2) Mithileshkumar Maru, 204, Rohit Market, Ring Road, Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in July, 85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 17-3-1986.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sanjeev Premises Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Vedprakash Bahety, B-121, Gajjar Chambers, Ring Road, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4536 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I., P. D. KHANDELWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the smmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-514, 5th floor, India Textiles Market, Ring Road,

Surat

Form No. 37EE is submitted at undersigned on 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the prolication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; uni/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

m No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in July, 85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 17-3-1986,

FORM ITNS----

(1) M/s. Sanjeev Premises Coop. Hsg. Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4537 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, J. P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No.

A.205—India Textile Market—Ring Road, Sura and

A.205—India Textile Market—Ring Road, Surat and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 2-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(3) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s Sajan Kumar Agrawal, 208---Jamnalal B, Street, Cajcutta-760 007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in July, 1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the mid Act, to the following persons, namely:—

Dt.: 17-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4538 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

R.S. No. 801 TPS. 7 FP No. 8 C.T.S. No. 3049—Fatchpura

Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SR Baroda on 18-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or eversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Kantibhai Ramanlal Soni Saikrupa Socy. Harni Road-Baroda.

(Transferer)

(2) Shriji Optt., President-Jaysukhbhai Muljibhai Baranpura-Nukta Vakilno Khancho Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda on Aug, 85 for A.C. Rs. 2,80,468/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 17-3-86

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Punit Chowk, Padara.

(Transferor)

(2) Shri Saraswati Kelvani Mandal President—Gandabhai Shivabhai, Nizampura—Baroda.

(1) Kishorlal Girdharlal Thakkar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4539 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 113 of Sama Baroda TP. 12 FP No. 205 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 5-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property to aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the commideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfera for the purposes of the Indian (ncome-tax Act, 22 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda during Aug. 85 for A.C. Rs, 2,26,186.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unedr sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—
46—66 GI/86

Date: 17-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shantilal Bhogilal Shah, Behind Bombay Shopping Centre, Race Course, Baroda,

(Transferor)

(2) Shree Devshi Parbarai Hirani J. P. Road-Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, IIANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4540 Acq. 23/II/85-86.-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land S. No. 258 Plot No. 20 of Akota—Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1903) in the office of the registering officer at Baroda on 8/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability and;or

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 8/85 for A.C. Rs. 3,51,000/-.

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 17-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OL INCOME-TAX

ACQUISTTON RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4541 Acq. 23/II/85-86,—Whereas, J. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 139/1 T.P. II F.P. No. 362 Tanna Aptt. Subhan-

pura-Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Baroda on 23-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Rameshchandra Harprasad Sharma & Ors. Tana Aptt. Race Course, Baroda.

(Transferor)

(2) Creant Petrochem Pvt. Ltd. Tanna Aptt. Race Course, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid rersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given us that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda on 23-8-85 for A.C. Rs. 2,50,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 17-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Chimanbhai Ishverbhai Patel,
 Indira Nagar—Nandanvan Socy,
 Alkapuri—Baroda.

(Transferor)

(2) M/s Sanjay Corporation, Shiram Chambers, Opp: Circuit House, Alkapuri, Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4542 Acq 23/II/85-86,—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 503/1/51 of Baroda Kusaba 6—Sampatrao Colony (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 15-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acqueition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guestes.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 15-7-85 for A.C. Rs. 9,00,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, J hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dt.: 17-3-86 Seal:

(1) Ambalal Umedbhai Patel, 5—Indiranagar—Nandanyan Socy, Alkapuri—Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Acharya Agencies, Shri Ram Chambers, Opp: Circuit House, Alkapuri, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4543 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a few reason to believe the immovable property having a few reason to believe the immovable property having a few reasons to be the reason to be the reas

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Baroda Kasana R.S. No. 503/1/47 Plot No. 3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 15-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcasaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of ruch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 15-7-1985 for A.C. Rs. 11,00,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dt . 17-3-86 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4544 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S. No. 58 T.P. 12 F.P. 149, 132, 133, 134 Bank of India Socy. Nixampura—Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 8/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Ramiben Chhotubhai Patel,
 Bank of India Staff Socy.
 Nixampura, Baroda.

(Transferor)

S. Krishnanan,
 Bank of India Staff Socy.
 Nixampura—Baroda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sale deed was regd. by S.R. Baroda 8/85 for A.C. Rs. 2,55,000/-. Ahmedabad

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II,
Abnuellabad

Dt. 17-3-86 **Seal**:

(1) Marotirao Ramarao Thorat Brahamanpra Bhatwada, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M/s. Eshpi Construction Coy, 308—Giriraj S. V. Road, Borivli—West Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

- ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 17th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4545 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Tika No. A/1/2 S. No. 47B 70/1/B Bhatwala—Baroda

Tika No. A/1/2 S. No. 47B 70/1/B Bhatwala—Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Baroda on 8/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda during Aug, 1985 for A.C. Rs. 5,73,277.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomestar
Acquisition Range-I/II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act to the following persons, namely:—

Dt . 17-3-86 Seal:

(1) Bechardas Jamnadas S/2004 Haripura Bhayani Vad—Surat,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Madhusudan Mohanlal Mehta P.2 Man Mandir Aptt. Nanpura-Timaliavad-Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 18th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4546 Acq 23/II/85-86.-Whereas, I,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable

reproperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. P-2 Nanpura Timaliavad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on Aug. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

THE SCHEDULE

The document was regd, at S.R. Surat vide No. 934/Aug 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II **Ahmedabad**

Now, therefore, in pursuance if section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons, namely :--

Dt.: 18-3-86

(1) M/s Chharanlal Maganlal Rampura Main Road—Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mithalal S. Mehta, H 22 Bombay Market-Umarwada—Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 18th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4547 Acq. 23/II/85-86.-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. H-22 Bombay Market—Umarwada—Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the efficient of the resistant efficient the schedule annexed hereto).

1908) in the office of the registering officer at Surat on Aug. 85

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underskyped :---

- ta) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 2592 Aug. 1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by at issue of this notice under subsection (1) of Section 200D of the said Act, to the following persons namely;-

Dt.: 18-3-86

Seal;

47---66 GI/86

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Pavinbanu J. Shethana Kelani Vakhar— Surat.

(Transferor)

(2) Dushyantbhai Gajeshbhai Patel Sidh Matani Sheri, Vadi Falia—Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMS-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 18th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4548 Acg 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ward No. 12--Nondh No. 570—Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 19-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising free, the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 6090/ 19-8-85. Ahmedabad

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dt.: 18-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Guru Barchan G.
 Shakti Nagar, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

J. B. Associates.
 54-A. Adarsh Socy.
 Athwa Lines,
 Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 18th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4549/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
Ward Khatodara—S. No. 3 T. P. 6, F. P. No. 2, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Surat on 14-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The document was regd. at S. R. Surat vide No. 5974 Dt. 14-8-85.

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Kauhar Taibbhai Motiwala & Ors. Navapura Muchhala Pale Surat.

(Transferor)

 H. H. Dr. Saiyadna Mohmed Burhajuddin Saheb & Ors.
 Zampa Bazar,
 Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 18th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4550/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ward No. 3 Nondh No. 819 and& 746-C, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 16-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

> dy or or

The document was regd. at S. R. Surat vide No. 5992 Dt. 16-8-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the diagram property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-3-1986

PART III-SEC. 1]

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 18th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4551/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,0007- and bearing Bunglow No. 2 Sangana Socy. Rander Road, Surat and mere fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Sushilaben V. Desai, Gandhi Chowk, Pani ni Bhit, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Jagatsinh Pratapsinh Chauhan 19 Sangam Socy. Rander Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The document was regd, at S. R. Surat vide No. 5930 Aug. 1985.

P. D. KHANDE! WAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-3-1986

FORM I.T.N.S .-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 2ND, FLOOR, ILANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 18th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4552/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R. S. No. 67, 68, 69, 70/1, 71-72, 105 & 106 of Village Nurpura Tal. Halol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE on 12-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Veena Estate Pvt. Ltd., 304 Veena Chambers, 21, Dalal Street, Fort—Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. N. II. Bhatt, 632, Dwarkesh Gully, M. J. Market, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37EE is filed on 12-8-85 for A. C. Rs. 6,00,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely : --

Date: 18-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) J. M. C. Meghani Builders 223, 22 Zaveri Bazar, Bombay-400 0025.

(Transferor)

(2) Lallu R. Gilder & Ors. Pankaj Mension—Ulth Floor, Flat 63, Opp: Paodar Hospital Dr. Annie Besant Road, Bombay-400 018.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 19th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4553/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 516 in Diamond House. Station Road, Surat Form No. 37EE is submitted

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

undersigned on 9-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Form No. 37EF is submitted in the effice of the undersigned in July, 1985.

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Date: 19-3-1986

FORM ITNS----

(1) Mohanlal Narandas Gehani Rughnathpura Station Road,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gandabhai Umedbhai Patel 18/326—Shastri Nagar Khatodara, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II, 2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 19th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4555/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Majura Janata Nagar Renaments

S. No. 1067 at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 9-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The document was regd. at S. R. Surat vide No. 5869/Dt. 9-8-85.

> P. D. KHANDFLWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the secion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :---

Date: 19-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 19th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4554/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at Sultanabad R. S. No. 483 486/A, 486/2, 488/1+2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1008 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 12-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the maid Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

48-66 GI/86

- (1) Mancgbai Dadi Sheth 802 Rushiraj Aptt. Diwali Bag, Athwa Lines, Surat.
- (2) Chhotubhai Reshavbhai Pithawala at 'Vandana' Bhimpor, Surat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat Vide No. 5920/ Dt. 12-8-85.

> P. D. KHANDELWAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 19-3-1986

Scal:

FORM LT N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

> > Ahmedabad, the 19th March 1986

Ref. No. P. R. No. 4556/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ward No. 7 Rampura Main Road Nondh No. 3724 & 3725

Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 190% (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 6-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income urising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Ga. Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Marhum Maganlal Jamnadas Modi Ramanlal Thakardas Jariwala Lal Darwaji—Moti Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) Thakorbhai Laljibhai Satimatani Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat Vide No. 5790/6-8-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Notion 2690 of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the afor-said property by the insue of this notice under sub-tection (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 19-3-1986

Scal ·

(1) Kishankumar Vasumal Athwa Mohllo, Nanpura, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sushilaben Sohanlal F. 28, Bombay Market, Umarwada, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 19th March 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. P. R. No. 4557/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. P. R. No. 4557/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Shop No. F. 25 at Bombay Market, Surat, Umarwada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 1908) in the office of the registering officer at Surat on 9-8-85

for an apparent consideration, which is less than the tan market value of the aforesaid property and I have reason ac believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat vide No. 5867 Dt. 9-8-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-3-1986

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4558/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. D. 38 Bombay Market, Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer at

1908) in the office of the registering officer at Surat on 20-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Natwarlal Sakarlal Parikh "Ramodiya Mension"
Flat No. 3, Century Marg, Dr. Anny Besant Road, Varali, Bombay-5.

(Transferor)

(2) Mulchand Ranchoodbhai Patel 6/2485 Mahidhar pura Limbusheri, Surat.

(Transferes)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat Vide No. 6099/ 20-8-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4559/Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Bldg, at Ward No. 2 Nondh No. 4333 & 4334 Sagrampura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 20-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the scoperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the Sad Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trensferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Chaitanya Vaikuthrai Shastri Adarsh Socy. Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Kamlaben Mangilal Vaidya Main Road, Sagarampura, Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat vide No. 6102/ 20-8-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-!! Ahmedabad

Date : 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4560/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. E. 10 at Bombay Market, Umarwada, Surat

Shop No. E. 10 at Bombay Market, Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 22-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ghanshyam Vensimal Tulsiyan C/o Surat Silk Stores, Sadadiwala Market, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Rajkumari Prakash Jai Hind Sindhi Shop E. No 10, Bombay Market, Umarwada, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat vide No. 6158/Dt. 22-8-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABED

Ahmedabed the 31 March 1986

Ref. No. P. R. No. Acp $23/\Pi/85$ -86.—Whereas, I, P.D. KHANDEWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 14 Bombay Market—Umarwada—Surat (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Surat on 9-8-1985

at Surat on 9-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the mail Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. Trikamji & Coy. 93-94 Mangaldas Market, Bombay-2,

(Transferor)

(2) Faras Rubi Jagdish 854 Chambers Sufi Bag Station Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereto as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No.5894/9-8-1985.

P. D. KHANDFLWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahemedabad

on 21-8-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Lalitaben W/o Sakarlal Dularbhram & Ors. Charvar Sheri Khartar Sheri Limdi Chowk, Surat. (Transfero

(2) Vikash Co. op. Hsg. C/o Gordhanbhai Harjibhai, Mistry Trimurti Aptt. Ambaji Road-Surat. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABED

Ahmedabad, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4562/Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P.D. KHANDEWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. at Athwa-Umara Ward R.S. No. 79 paiki T.P.S. 5 F.P. 288A-Surat.

(and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No.1155/21-8-1985.

P.D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-II, Ahemedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABED

Ahmedabed the 31 March 1986

Ref. No. P. R. No. 4563 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P.D. KHANDEWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A.5 Ward No. 1 Nondh No.528/1/K Dalichand

Co. op. Hsg. Socy. Opp. Athwagate-Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 2-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bfly the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Pritamdas Nihalchand Arora Fojikas Rabbar Udhana Dist: Surat.

(Transferor)

(2) Ashokkumar Mulchand Shah A/5 Dalichand Nagar Co. op. Hsg. Socy. Ltd. Opp: Athwagate-Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of th caforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same mean ng as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at Surat S.R. Surat vide No.5702 Dt: 2-8-1985.

> P.D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-II, Ahemedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-49--66 GI/86

Date 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABED

Ahmedabed the 31 March 1986

Ref. No. P.R. No. 4564 Acq $23/\Pi/85-86$.—Whereas, I,

P.D. KHANDEWAL, being the Competen Atuthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Plott No. 97 Shubhash Nagar Co. op. Hsg. Socy. God dod Road-Athwa Lines-Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Surat on 1-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

(1) Smt. Madhukanta Nagindas & Ors. Rander Road Surat.

(Transferor) (2) Asandas Parshottamdas Panjabi Darshana Market-Ringroad-Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice In the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 5693 Dt:

P.D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahemedabad

Date 31-3-1986

FORM ITNS----

(1) Hasmukhlal Ambalal Pandya Nanavat Ramjini Pole,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhartiben Dinesh Chandra Shah & Ors. 11/596 Talavalini Pole-not-nansavat Surat. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABED

Ahmedahed the 31 March 1986

Ref. No. P. R. No. 4564 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. P. R. No. 4564 Acq 23/1/85-86.—Whereas, I, P.D. KHANDEWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Building at Surat Nanavat Ramjini Pole Ward No.11/

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 7-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No.5800/ 7-8-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P.D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahemedabad

ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Charandas Jesaram Khurana Navsarjan Aptt. Bldg. No. 2 Sagrampura-Surat

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Devibai Chandralal Karia Navsarjan Aptt. Bldg. No. 2 3rd Floor flat No. 12-Sagarampura-Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABED

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4566 Acq 23/1/85-86.-Whoreas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12-at Nasarjan Aptt.2 Nondh No. 1339 paiki

Wd. No.2 Sagrampura-Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Surat on 6-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 5792 Dt: 6-8-1985

> P.D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahemedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Jasuben Manharlal 45-Saifi Socy. Lambe Hanuman Road, Surat. (Transferor)

(2) Sitaram Narayan & Ors. Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABED

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4567 Acp 23/II/85-86.—Whereas, I, P.D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property at Bhestan 123-A Block No. A-8 & 9 Block No.

B 8 & 9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 23-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evaples of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-iax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 290/ 23-8-1985.

> P.D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahemedahad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) H.T. Poonawala & Ors. 2-Phayre Road, Punc-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohmedbhai Abdeally Taher Manzil Mazgaon

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABED

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4568 Acp 23/II/85-86.—Whereas, I. P.D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agri land known as Taher bag S. No. 5 & 6 Sevalias Road, Balasinor Dist: Kheda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

of the transferor to pay tax under the said Act, in and /er

respect of any income arising from the transfer,

(v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the under signed in July, 1985.

> P.D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Ahemedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM ITNS ---

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMES TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABED

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4569 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P.D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propagity having a fair and the line of the said Act.

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,060/- and bearing
No. Ward No. 8 Nondh No. 1880-Surat
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 2-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscome arising form the transfer: und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or a moneys or other assets which have not been or which confin to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woodth-tax Act 1937 (27 of 1937);

(1) Bhanumati Alias Minaxi Nandkumar Munim and Ors. Laxmi Nivas Khar, West-Bombay.

(Transferor)

(2) Urmilaben Ashwinkumar Sariya 'Abhishek' Gopipura-Ramjini Pole-Surat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 5703 Dt: 2-8-1985.

> P.D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant | Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahemedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby instinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABED

Ahmedabed the 31 March 1986

Ref. No. P. R. No. 4570 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 583.2, 583.4, 1 of sim of Chandkheda where Nigam Nagar is located

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 19-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Jayantilal Somabhai Darji & Ors-P.A. Holder-Shri Chianbhai Prahalladbhai Patel 2-Tribhuvan Park Socy. Jawahar Chowk, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shriji Prakashnagar Co. op. Hsg. Socy. Regd. No. G-2938 Dt: 6-5-1980 Chandkheda, Gandhinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Gandhinagar on 19-8-1985 for Λ .C. Rs. 98,736/-.

P.D. KHANDELWAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahemedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABED

Ahmedabed the 31 March 1986

Ref. No. P. R. No. 4571 Acp 23/II/85-86.—Whereas, I. P.D. KHANDEWAL,

P.D. KHANDEWAL, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horelaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. R.S. No. 583.3, 583.6, 583.8, of the sim of Chandkheda where Nigam Nagar is located (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Gandhinagar on 19-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

at Gandhinagar on 19-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

50--66 GI/86

(1) Shri Bachubhai Ambalal Darji HUF and others P.A. Holder Chimanbhai Prahlladbhai Patel 2 Tribhovan Park Socy, Jawahar Chowk, Sabarmati-Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shriji Prakashnagar Co. op. Hsg. Socy. Regd. No. Gh-2938 Dt: 6-5-1980 Chandkheda-Gandhinagar.

(Transferee)

(3) Purchasers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Gandhinagar on 19-8-1985 for A.C. Rs. 1,27,776/-.

> P.D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahemedabad

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABED

Ahmedabed the 31 March 1986

Ref. No. P. R. No. 4572 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P.D. KHANDEWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 627.4 of sim of Chandkheda-Gandhinagar where

Nigam Nagar is located

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar on 19-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Natwarlal Mohanlal Darji HUF and others P.A. Holder Chimanbhai Prahalladbhai Patel 2-Tribhuvan Park Socy, Jawahar Chowk, Sabarmati-Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shriji Prakasnagar Co. op. IIsg. Socy. Regd. No. Gh-2238 Dt: 6-5-1980 Chandkheda-Gandhinagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasetts.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Gandhinagar on 19-8-1985 for A.C. Rs. 82,764/-.

> P.D. KHANDELWAL Competent Auhority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahemedabad

Date 31-3-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4573 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P.D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

S. No. 583-1, 583-4, 2 of Chandkheda where in Nigam Nagar is located

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar on 19-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said metrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Popatlal Mafatlal Darji HUF & Ors. P.A. Holder—Chimanbhai P. Patel, 2. Tribhuvna Park Socy. Jawahar Chowk, Sabarmati—Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Shviji Prakashnagar Coop, Hsg. Socy. Regd. No. GH 2938—Dt: 6-5-80 Chandkheda Gandhinagar.

(Transferce)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Gandhinagar on 19-8-85 for A.C. Rs. 1,35,036/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atores al property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dt: 31-3-1986

FORM I.T.N.S.—-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMISS OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4574 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P.D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immorpable property, having a fair market value emession Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Block No. 5-6th Floor Vadala Kutir Bldg. R. C. Road-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE on 16-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other arress which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Kinnari Bhogilal Gandhi 27/11, Swastik Socy. Juhu Vile Parle (W) Bombay.

Transferor(s)

(2) Jain Goradia Trust through its Trustees (i) Shri Mohan K. Jain & Ors, Basement No. 16, Wadala Udyog Bhavan, Basement No. 10, waugua Ougos —
Nigum Cross Road, Wadala Bombay,
Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property gray be made in writing to the understaned :-

- (a) by may of the afercial persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever paried expires later:
- (b) he may other passes interested in the said immer-able preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act have the same meaning as given in its that Chapter

THE SCHEDULE

The form No. 37EE is filed on 16-8-85 for A.C. Rs. 4,01,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/Π, Ahmedabad

Dt: 31-3-1986 Scal:

FORM I.T.N.S.—

(1) Babubhai Jamnadas Jinwala 30, Gautam Nagar, Race Course, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Taraguri Amratlal Phphariya Amar Bldg. Nr. Darbargadh, Junagadh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4575 Acq 23/II/85-86.-Whereas, I,

P.D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the infinovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 975-4 Sit No. 99 C.T. No. 3227 Wadi Baroda (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on 8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on for A.C. Rs. 3,00,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dt: 31-3-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Parshottambhai Narshibhai Opp: Hakim Sahebna Wada Nagarwada, Baroda.

Transferor(s)

(2) Rajeshbhai Sureshbhai Desai Surya Darshan Socy. Kareli Bag, Baroda.

Transferee)s3

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4576 Acq 23/II/85-86.—Whereas, 1, P.D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 14/2 TP No. 9 F.P. No. 371, 372 of Savad Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 8/85

for an apparent consideration which is less than the fair worket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeund exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument f transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda on 8/85 for A.C. Rs. 1,60,000/-. Ahmedabad

> P. D. KHANDELWAL Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I/II,
> Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dt: 31-3-1986 Scal:

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-1/11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4577 Acq. 23/II/85-86—Whereas, I, P.D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece of land plot No. 8 R.S. No. 300 of Savad-Baroda
(and more fully described in the schedule ennexed hereto).
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at
Baroda on Aug. 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tennsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concea/ment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be unclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957); (1) Ashokbhai Popatlal Shah71, Udyognagar Socy.Panigate—Baroda.

Transferor(s)

(2) Kayatri Corporation by Partner Shri Anilkumar Jayantilal Gajjar Khatri Pole, Bhutdi Zampa—Baroda.

Transferee) s3

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 26-8-85 for A.C. Rs. 1,04,200/-. Ahmedabad

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons. namely:—

Dt: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMB-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4578 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House bearing Tika No. 514 S. No. 69 Panjarwad Navsari (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

1908) in the office of the registering officer at Navsari on 20-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or eventon of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the treasfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which explit to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)s

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fallowing persons, namely :-

(1) Barjorji Hormarsaji P.A. Holder Minu Hormasaji Surti Pochi Mohollo-Navsari.

(Transferor)

(2) Chimanbhai Haribhai Dhimar Nirman Nagar Socy. Ist Floor Kaliyawadi—Navsari

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUZE

A sale deed was regd. by S.R. Navsari on 20-8-85 for A.C. Rs. 2,00,000/-.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Dated: 31-3-1986

(Transferor)

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Dist : Baroda. (2) Amardeep Aptt.
President Dharamsinhbhai Narsinhbhai
Prajapati—19/20—Jawahar Socy.

(1) Jagdishchandra Ochhavlal Shah

Chhotaudapur

Opp: Abhilasha Socy. Sama Road, Baroda. Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4579 Acq $22/\Pi/85$ -86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece of land bearing S. No. 102 of Sama Baroda where in

Amardeep Aptt. is located

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Baroda on 8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcasid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Inc __ims and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the ransfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to Le disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda on 8/85 for A.C. Rs. 74,469/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Autority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-51-66 GI/86

Dt.: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4580 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land bearing S. No. 92/1 plot No. 167 of Akota Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Baroda in Aug 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sarojben Shakarabhai Patel Ram Kutir---Manav Mandir Socy, Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Chetna Prafulbhai Saraiya & Prafulbhai M. Saraiya Vishwas Colony, Impala Flats, Alkapuri—Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The sale deed was regd. by S.R. Baroda on 8-85 for A.C. Rs. 1,90,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Dated: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4581 Acq 23/II/85-86,—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

ueing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 215/2 of Sughad Distt: Gandhinagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Gandhinagar on 23-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

 The Anil Starch Products Ltd. and Irs. Anil Road—Ahmedabad-380 025,

(Transferor)

(2) Vadilal Fulchand Sughad Tal. Gandhinagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used betein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Gandhinagar on 23-8-85 for A.C. Rs. 78,915/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Dated: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4582 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at village Jitali S. No. 42/23 paiki Tal. Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Land at village Jitali S. No. 42/23 paiki Tal. Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ankleshwar on 23-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

(1) Arvindkumar Rameshchandra Rajeshkumar Rameshchandra At Post Motali Tal, Ankelshwar.

(Transferor)

(2) Narmada Land Development Pvt. Ltd. Pritam Nagar Socy. Bunglow No. 3 Bharuch.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property new be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are definde in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Ankleshwar Vide No. 2157 Dt: 23-8-85.
Ahmedabad

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely

Dt.: 31-3-1986

FORM ITNS----

__ ---------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4583/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Bldg. at Surat Ward No. 12 Nondh No. 1780—Surat

Bldg. at Surat Ward No. 12 Nondh No. 1780—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 19-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration sald that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) fac ating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Jashwantlal Kuberdas Mistry Jethalal Kuberdas Mistry Dariya Mahal Surat.

(Transferor)

 Smt. Sushilaben Kantilal Bharatkumar Kantilal Machhali Pith, Luchar Pole, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat vide No. 6091 & 6092 Dt. 19-8-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1986

(1) Kantaben. M. Patel Koyali Tal. Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ashwin Krishnakant Shah Navnit Aptt. Gulbai Tekro Ahmedabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

> > Ahmedabad, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4588/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

RS. 1,00,000 and bearing No. 82/B Ganga Jamana Socy. R. S. No. 83, 86, 87, 90 F. P. No. 49, 502, 593, 534 of Subhanpura, Baroda (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Baroda on August 85 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bffly the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used he cin as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda on 8-85 for A. C. Rs. 65,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 31-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

> > Ahmedabad, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4589/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

467 Sardar Sahakari Udyognagar R. S. No. 200, 179 of Baool Baroda

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 22-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ratilal Shankarlal Shah Rajmahal Road, Mahavir Colony, Baroda.

(Transferce)

(2) Shramic Wire Winding Works P. Ltd. 46 D Sardar Sahakari Udyognagar Ajwa Road, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lmmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda on 22-8-85 for A. C. Rs. 1,65,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 31-3-1986

FORM ITNS .---

(1) Shri Pritamsing Laxmansingh Badwal Mehsana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

> > Ahmedabad, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4590/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land and Build. on National Highway bearing S. No. 1985 of Mehsana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mehsana on August 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Samarpan Corporation Partner Shah Direshchandra Mafatlal 13 Ambica Nagar Socy. Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Mehsana on August 85 for A. C. Rs. 1,60,650/-.

P. D. KHANDELWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 31-3-1986

(1) Punjabhai Jivabhai Patel Bhadaran Tal, Borsad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Botadi Tal. Bhiloda Dist. S. K.

(2) Somabhai Purshottamdas Patel

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later:

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4587/Acq. 23/II/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. bearing S. No. 379/2 nr. S. T. Stand, Opp: Khadayata Boarding—Modasa, Dist: S. K. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908). 1908) in the office of the registering officer at Modasa on 22-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the east Act, in poot of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this net be the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Modasa on 22-8-85 for A. C. Rs. 80,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 31-3-1986

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

52-66 GI/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4586/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land & Bid. at Village Pansora Tal. Anand. S. No. 1408/1, 1408/2, 1399/1, 1408/3 and 1409 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Anand on 9-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Hindustan Conductor Pvt. Ltd. Maker Chambers No. 3 First Floor Jamnalal Bajaj Marg, Nariman Point, Bombay-21.

(Transferor)

(2) Apar Pvt. Ltd. D-Cabine, Chhani Road, Barod'

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd, at S. R. Anand vide No. 1507 f. 9-8-85.

> P. D. KHANDENWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Dated: 31-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dolatrai Ranchhodji Naik Citizen Park Athwa Lines, Nr. Adarsh Socy. Surat.

(Transferor)

(2) Pravinbhai Devjibhai Chahwala 7/704 Kotada Street. Nr. Gajipura, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4585/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter immovable to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat at Liberty Aptt. Athwa Lines, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer at

1908) in the office of the registering officer at

Surat on 20-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd at S. R. Surat vide No. 5008/ 20-8-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 31-3-1986

FORM! ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE NEPECTING ASSISTANT COMME

AĆQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4584/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 3B at Athwa Lines, Nondh No. 2362, Surat
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Surat on 22-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market-value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the end Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) incilitating the concealment of any income es any nioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for ties purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, er the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Maniben Lallubhai Desai At village. Vesma Tal. Navsari Dist: Valsad.

(Transferor)

(2) Nitin Rameshbhai B-3 Mamata Aptt Goddod Rd. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat vide No. 6157 Dt. 22-8-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, 2015 14 COMMISSIONERS AND ASSOCIATION OF THE ASSOCIATION OF THE ASSOCIATION OF THE ASSOCIATION OF THE ASSOCIA ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4591/Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I.

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 cf 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C. I. Tilaknagar Harni Road, Baroda
S. No. 22-I TPS No. 9 F. P. No. 339, 329 of Saved—Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1909) in the office of the resistering officer at 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 5-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shankuntalaben Arvindbhai Patel C-l, Tilak Nagar Socy. Harni Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Kamal Varandmal Galani C.I. Tilak Nagar Socy. Harni Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S. R. Baroda on 5-8-85 for A. C. Rs. 1,80,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Dated: 31-E-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Hasmukhbhai Dahyabhai Patel P. A. Holder D. S. Patel
 Shiv Roop, Subhanpura Road, Baroda.

(Transferor)

 Smt. Kailashben Natwarlal Patel 10/28 M. I. G. Colony, Karelibag, Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDI.OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4592/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing
S. R. No. 114 C. S. No. 1344 of Subhanpura, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Baroda on August 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda on August 85 for Λ . C. Rs. 5,00,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Niranjanben Natubhai Desai
 Shantivan Colony,
 Makurpura Road,
 Baroda,

(Transferor)

 Smt. Hasumatiben Pravinchandra Kamdar Gotri Road, Rajesh Aptt., Baroda.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad- 380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4593/Acq/23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R.S. No. 753, 754, 755, T.P.S. No. 2, F.P. No. 16, 18, Plot No. 13 of Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of Registering Officer at

Baroda on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; insider.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A saledeed was regd. by S.R. Baroda during August. 1985 for A.C. Rs. 2,85,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Auhority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4594/Acq/23/II/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incime-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 5 Dr. Mansukhlal Tower, Athwa Lines, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Form No. 377 is submitted undersigned on 19-7-1985
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ur;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. M. M. Vyas & Dr. Smt. R. M. Vyas Gopipura Daru Falia, Surat,

(Transferor)

(2) Shri Kesarsingh Munsasingh Sardar C/o M/s. Kwality Restaurant, Gandhi Baug, Surat,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in July ,1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Plange-II
Ahmedabad

Date: 19-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad- 380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4595/Acq/23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bldg. at Ward No. 17, Nondh No. 1497, Mugalisara, Surat

Bldg. at Ward No. 17, Nondh No. 1497, Mugalisara, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 908) in the office of the registering officer at Surat on 29-8-1985

Surat on 29-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under spb-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fc sing persons, name.

53-66 GI/86

 Shri Ramesh Virchand Shah Surat, Behind Ashwin Mehta Park God Dod Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s, R. Jayantilal & Coy. Partner: Jayantilal Mafatlal Shah Dipmangal Socy., Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd, at Surat vide No. 6175 Dt. 22-8-1985

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 31-3-1986

FORM ITNS----

(1) Shri Nanalal Kalidas Jariwala Sidhl Sheri, Salabatoura, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashabai Mohanlal Ramnagar, Ganesh Nivas, Rander Road, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF IMPIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> Ahmedabad- 380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4596/Acq/23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

P. D. KHANDELWAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. S, 2232 at Surat Textile Market, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of Regstering Office Surat on 29-8-1985 for an appearent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traffy stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sand Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat 6563/29-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 31-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad- 380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4597/Acq/23/II/85-86,-Whereas, I,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bldg. at Surat Ward No. 1, Navapura, Nondh 1403, 1433, 1417, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 31-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenith-tag Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lastic of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Madanlal Jekisandas Ariwala Galemandi Kadiyasheri,

(Transferor)

(2) Shri Shantaben Thakorbhai Master Swati Co.op. Hsg. Socy. Ltd., Block No. 12, Nanpura, Timaliavad. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the hald property may be made in writing to the uniformigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R Su.rat vide No. 6570 Dt. 31-8-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 31-3-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ratanben Shamalji Thakkar 85, 87, Bhuleshwar Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Hanumandas Grand Sons Trust Z-1162, Surat Textile Market,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IT 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad- 380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4598/Acq/23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. J-11 at Bombay Market, Umarwada Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 31-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as afor said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

> The document was regd at S.R. Surat vide No. 6594 Dt. 31-8-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

P. D. KHANDELWAL Competent Auhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT OFFICE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad- 380 009, the 31st March 1986

Ref .No. P.R. No. 4599/Acq/23/III85-86.—Whereas, I. Surat

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Godown Wd. No. 7 Nondh No. 279/A/6 Unapani Road, Curet

Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of Registering Office on Form No. 37EE is submitted 31-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Ishwar Cotton Ginning & Pressing Co. Ltd. Lal Darwaja, Surat.

(Transferce)

(2) Mohmedhussein Ghoshhussein Saheb Mount Meri Road, Shahi Sagar, Bandra, Bombay-400 050

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herebs as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

The forms No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in July, 1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-JI Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad- 380 009, the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4600/Acq/23/II/85-86.—Wherens, I, P. D. KHANDELWAL

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. at Sura Ward No. 9, Nondh No. 144, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 5-8-1985

Surat on 5-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:-

(1) Shri Champaklal G. Veragiwala Surat.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh J. Sinde Khapatla Chakala, 9/1444, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 5762 Dt. 5-8-1985,

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 31-3-1986

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4601 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Ward No. 7 Nondh No. 279/A/6 Surat
Form No. 37EE is submitted (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on undersigned on 34-7-1985, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- facilitating the concealment of any meconic or moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for which ought to be disclosed by the transfered for which leads to be ladden income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and let I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Ishwar Cotton Ginning and Pressing Cov. Ltd. Lal Darwaja-Una Pani Road, Surat.

(Transferor)

(2) Aayshaben Mohmedbhai Ghoshhussein Saheb, Mount Merry Road, Shahi Sagar, Bundra, Bombay-400 050.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was submitted in the office of the undersigned in July 1985.

> P. D. KHANDELWAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4602 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land bearing S. No. 165 of Sama Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Baroda in August 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Kusumben Jitendrabhai Rid Road—11, Purab Aptt. Bombay.

(Transferor)

(2) Sumangalam Aptt. Prayogak, Balkrishna Rasiklal Shah, Hari Bhakti Colony, June Padra Road—Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda on -8-85 for A.C. Rs. 1,10,0,000/-.

P. D. KHANDELWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fithis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Kora Kavda Trust Trustee: Magansinh Fulsinh Padiyara P.O. Ugat Tal. Navsari

(2) Dahiben, Durlabhbhai Parmar, Ugat-Tal Navsari.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4603 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of land bearing S. No. 14 of Ugat

transfer with the object of :-

Tal, Navsari,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 28-8-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other samets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incorporate Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tap Act, 1937 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Navsari on 26-8-1985 for A.C. Rs. 73,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I her by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4.) Pravin Mohan P.O. Munsal Tal.—Navsari.

(Transferor)

 Vallavbhai Naranbhai Patel Munsal Tal, Navsari.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4604 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereianfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of land bearing S. No. 82 of Munsad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 29-8-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the chiest of the said instrument of cransfer with the chiest of the said instrument of the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act 1957 (22 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immsorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Navsari on 29-8-1985 for A.C. Rs. 79,999/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4608 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding movable property, Rs. 1,00,000/ and

Bunglow No. 14-Amin Co.op. Hsg. Socy,

Dehegam Dist. Ahmedabad, (and more fully described in the Schedul- annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dahegam on 20-8-1985,

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by smore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income oor any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Navinchandra Gordhanbhai Amin Dahegam Tal, Dahegam.

(2) Arvindkumar Govindhbai Amin Dahegam.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Dahegam for A.C. Rs. 95,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2690 of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(12 Mohanbhai Shankarbhai Patel & Ors. At Bhat-Tal, Gandhinagar.

(Transferor)

[PART III-SEC. 1

(2) Champaklal Nagardas Adani Bhat-Tal. Gandhinagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION, RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 31st March 1986

Ref. No. P.R. No. 4607 Acq.23/II/85-86.-Whereas, I

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Piece of land bearing S. No. 242 of Bhat Tal. Gandhinagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 29-8-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaster.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Gandhinagar on 29-8-1985 for A.C. $R_{s_{\star}}$ 1,76,000/-.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, mimely:-

Date: 31-3-1986

(1) F.M. Chauhan Naroh via Bhilad Dadra & Nagar Haveli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

5-Atma Nand

(2) M, s Classic Containers

Saraswat Colony Santta Cruz (West)-Bombay. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahemedabad the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4606 Acq 23/II/85-86.—Whereas, 1, P.D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 11/A at Silwasa Adm. Land 576+576 sq. mtr.

& Bldg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Silwasa on 22-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any irrome arising from the transfer; and or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd, at S.R. Silwasa vide No. 145 & 144 Dt: 26-8-1985.

> P.D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF_1961)

(1) Hiren Kantilal Gandhi Kalpana' Nr. Jagruti Socy. Harni Road, Baroda.

(2) Mira Socy. Harni Road, BARODA.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahemedabad the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4605 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P.D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Piece of land bearing S. No. 21,6 99 & 60 FP No. 333
& 334 of Sawad Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuld exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) he any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on August, 1985 for A.C. Rs. 1,30,400/-.

> P.D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

Date 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahemedabad the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4609 Acp 23/II/85-86.—Whereas, I, P.D. KHANDELWAL

P.D. KHANDELWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing
No. Plot 533/1 Sector 21 Nirman Socy. Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registraing Officer at Gandhinagar on August, 1985

at Gandhinagar on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabhing of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

LI THE THE WAS THE THE STATE OF A SECURIT THE SECURITY THE SECURITY THE SECURITY OF THE SECURI (1) Rupchandbhai Maghaji Khandelwal Deesa Dist: Banahkantha-Mahavir Socy.

(Transferor)

(2) Shri Dineshchanra/ Shantilal Pandya, Plot No. 33/1-Sector-21, Gandhinagar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Gandhinagar on August, 1985 for A.C. Rs. 80,000/-.

> P.D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 31-3-1986

(1) Kamalaben Chandubhai M. Patel Bayani Khadaki-Karamsad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahemedabad the 31st March 1986

Ref. No. P. R. No. 4610/Acp 23/II/85-86.—Whereas, I, P.D. KHANDELWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agriland at Karamsad R.S. No. 97 Dist: Kaira (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 13-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(2) Ravjibhai Ashabhai Patel Karamsad-Dist: Kaira.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The document regd. at S.R. Anand S.R. No. 3835/13-8-1985.

P.D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 31-3-1986